भारतीय रेल
वार्षिक रिपोर्ट और लेखा
2024-25

(2025-26 के कार्य निष्पादन की विशिष्टताओं के साथ)

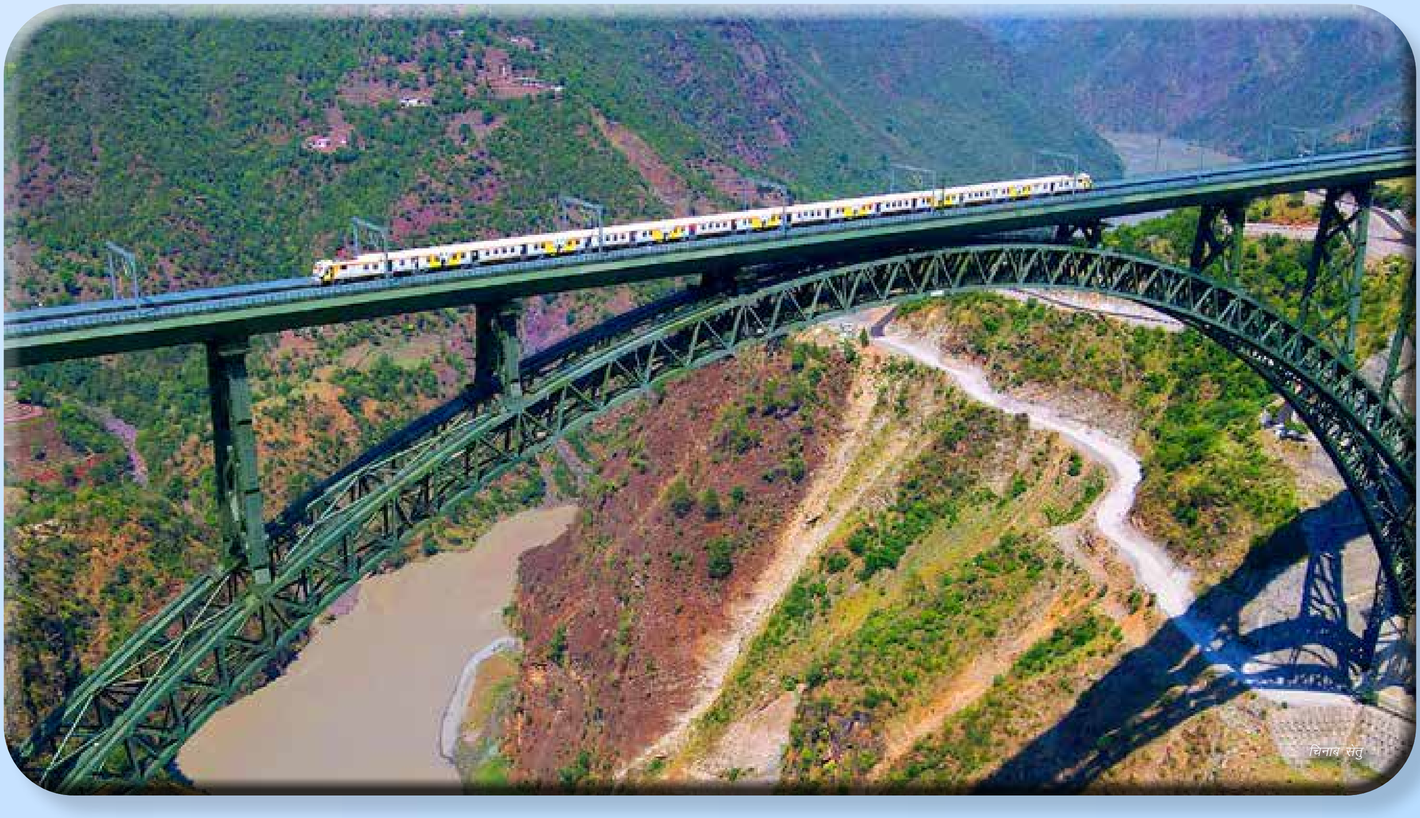

चिनाब सेतु

डब्ल्यूएजी डी 9 विद्युत इंजन

डब्ल्यूएजी 12 बी विद्युत इंजन

भारतीय रेल

वार्षिक रिपोर्ट और लेखा
2024-25

(2025-26 के कार्य-निष्पादन की विशिष्टताओं के साथ)

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

विषय सूची

संगठन संरचना	2
शीर्ष प्रबंधन	3
समीक्षा-संभावनाएं	5
वित्त	8
माल गाड़ी परिचालन	14
यात्री संव्यवहार	19
योजना	33
इंजीनियरी	35
रेल विद्युतीकरण	42
सिगनल एवं दूरसंचार	45
संरक्षा	50
चल स्टॉक	58
सामग्री प्रबंधन	64
अनुसंधान और विकास	66
पर्यावरण प्रबंधन	72
कार्मिक	75
महिलाओं का कल्याण, विकास और सशक्तिकरण	84
नि:शक्त व्यक्तियों के लिए सुविधाएं	86
सुरक्षा	90
सतर्कता	95
हिन्दी का प्रयोग-प्रसार	97
पूर्वोत्तर क्षेत्र	99
जन-संपर्क	101
उपक्रम तथा अन्य संगठन	103
सलाहकार बोर्ड	147
महत्वपूर्ण घटनाएं	148
शब्दों की परिभाषा	149
नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा मुहैया कराई गई लेखा परीक्षा टिप्पणियों का सार और की गई कार्रवाई संबंधी नोट	151
वित्तीय विवरण और परिचालन सांख्यिकी	159

(13.01.2026 की स्थिति के अनुसार)

भारतीय रेल की संगठन संरचना

रेल मंत्री

रेल राज्य मंत्री (एस) | **रेल राज्य मंत्री (आर)**

अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

- सदस्य (कर्षण एवं चल स्टॉक) - एम/टीआरएस
- सदस्य अवसंरचना-एम/इंफ्रा
- सदस्य परिचालन एवं व्यवसाय विकास-एम/ओएंडबीडी
- सदस्य वित्त-एमएफ

महानिदेशक/रे.स्वा.से.-डीजी/आरएचएस
महानिदेशक/मा.सं.-डीजी/एचआर
महानिदेशक/रे.सु.ब.-डीजी/आरपीएफ
महानिदेशक/संरक्षा-डीजी/संरक्षा

सचिव, रेलवे बोर्ड

क्षेत्रीय रेलें (चालित लाइन)

महाप्रबंधक

1. मध्य
2. पूर्व
3. पूर्व मध्य
4. पूर्व तट
5. उत्तर
6. उत्तर मध्य
7. पूर्वोत्तर
8. पूर्वोत्तर सीमा
9. उत्तर पश्चिम
10. दक्षिण
11. दक्षिण मध्य
12. दक्षिण पूर्व
13. दक्षिण पूर्व मध्य
14. दक्षिण पश्चिम
15. पश्चिम
16. पश्चिम मध्य
17. मेट्रो

उत्पादन इकाइयां

महाप्रबंधक

1. चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन
2. बनारस रेलइंजन कारखाना, वाराणसी
3. सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई
4. रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला
5. रेल पहिया कारखाना, यलहंका
6. आधुनिक रेल कोच फैक्टरी, रायबरेली

प्र.मु.प्र.अ./मु.प्र.अ. (रेलें)*

7. पटियाला रेलइंजन कारखाना, पटियाला
8. रेल पहिया संयंत्र, बेला

अन्य इकाइयां

महाप्रबंधक

1. केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, इलाहाबाद
2. पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण), गुवाहाटी

प्र.मु.प्र.अ./मु.प्र.अ. (रेलें)*

केन्द्रीय कारखाना आधुनिकीकरण संगठन (कॉफमो) @

महानिदेशक/सीटीआई

3. महानिदेशक एवं पदेन,महाप्रबंधक, अ.अ.मा.सं. लखनऊ
4. इरिमी जमालपुर,
5. इरिसेन, पुणे,
6. इरीन, नासिक
7. आईआरआईटीएम, लखनऊ
8. इरिसेट, सिंकदराबाद
9. आईआरआईएफएम, सिकंदराबाद
10. जेआर आरपीएफ अकादमी, लखनऊ

सीपीएसई/सीओआरपी एवं स्वायत्त निकाय/प्राधिकरण

1. बीसीएल
2. कॉनकोर
3. डीएफसीसीआईएल
4. इरकॉन
5. आईआरसीटीसी
6. आईआरएफसी
7. केएमआरसीएल
8. केआरसीएल
9. एमआरवीसी
10. आरसीआईएल
11. राइट्स
12. आरवीएनएल
13. क्रिस
14. आरएलडीए

(# बोर्ड के दिनांक 28.11.2022 के पत्र सं. 2021/ओएंडएम/18/5/1 (स्पेस कॉफमो) के मामले में संवरण आदेश के अंतर्गत)
* प्रधान मुख्य/मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (रेलें) #निदेशक द्वारा अध्यक्षता की जा रही हैं

शीर्ष प्रबंधन

रेल मंत्री	**अश्विनी वैष्णव**
रेल राज्य मंत्री (एस)	**वी. सोमन्ना**
रेल राज्य मंत्री (आर)	**रवनीत सिंह**
सदस्य, रेलवे बोर्ड	
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ)	सतीश कुमार
सदस्य (वित्त)	अपर्णा गर्ग*
सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास)	हितेंद्र मल्होत्रा
सदस्य (कर्षण एवं चल स्टॉक)	आर. राजगोपाल
सदस्य (अवसंरचना)	सतीश कुमार*
सचिव	अरुणा नायर
महानिदेशक	
महानिदेशक/रेल सुरक्षा बल	सोनाली मिश्रा
महानिदेशक/रेल स्वास्थ्य सेवाएं	डॉ. जगदीश चंद्र
महानिदेशक/मानव संसाधन	अरुणा नायर*
महानिदेशक (संरक्षा)	हरि शंकर वर्मा
महाप्रबंधक, क्षेत्रीय रेलें	
मध्य	विवेक कुमार गुप्ता*
पूर्व	मिलिंद के. देउस्कर
पूर्व मध्य	छत्रसाल सिंह
पूर्व तट	परमेश्वर फुंकवाल
**मेट्रो	एस. एस. मिश्रा
उत्तर	अशोक कुमार वर्मा
उत्तर मध्य	नरेश पाल सिंह
पूर्वोत्तर	उदय बोरवणकर
पूर्वोत्तर सीमा	चेतन कुमार श्रीवास्तव
उत्तर पश्चिम	अमिताभ
दक्षिण	आर.एन. सिंह
दक्षिण मध्य	संजय कुमार श्रीवास्तव
@दक्षिण तट	संदीप माथुर
दक्षिण पूर्व	अनिल कुमार मिश्रा
दक्षिण पूर्व मध्य	तरुण प्रकाश
दक्षिण पश्चिम	मुकुल सरन माथुर
पश्चिम	विवेक कुमार गुप्ता
पश्चिम मध्य	शोभना बंदोपाध्याय
महाप्रबंधक, उत्पादन इकाइयां	
चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना	अनिल कुमार गुप्ता*
बनारस रेल इंजन कारखाना	सोमेश कुमार*
सवारी डिब्बा कारखाना	यू. सुब्बा राव
रेल पहिया कारखाना	यू. सुब्बा राव*
रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला	पी. के. मिश्रा*
आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली	पी.के.मिश्रा
महाप्रबंधक, निर्माण इकाइयां	
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण)	अंजनी कुमार*
केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन	रामेंद्र कुमार तिवारी*
महानिदेशक	
अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन	उदय बोरवणकर*
इरीन/नासिक	इशाक खान
इरिसेन/पुणे	विजय कुमार पंजियार
इरिसेट/सिंकदराबाद	शरद कुमार श्रीवास्तव
आईआरआईटीएम/लखनऊ	रंजन प्रकाश ठाकुर
आईआरआईएफएम/सिकंदराबाद	अपर्णा गर्ग
इरिमी/जमालपुर	अनिमेश कुमार सिन्हा
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (रेलें)	
केन्द्रीय कारखाना आधुनिकीकरण संगठन	हैप्पी वालिया*
पटियाला रेल इंजन कारखाना, पटियाला	राजेश मोहन#
रेल पहिया संयंत्र, बेला	अनिल कुमार गुप्ता#

*कार्यभार देख रहे हैं। **मेट्रो रेल, कोलकाता #प्रधान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी @अभी परिचालन में नहीं है (01 जनवरी, 2026 की स्थिति के अनुसार)

समीक्षा-संभावनाएं

परिणामः 2024-25

वित्तीय निष्पादन

वर्ष 2024-25 ₹2,660.28 करोड़ की शुद्ध राजस्व प्राप्तियों के साथ समाप्त हुआ।

माल यातायात परिचालन

	2023-24	**2024-25**	**निरपेक्ष अंतर**	**अंतर प्रतिशत में**
आरंभिक राजस्व टन (मिलियन)	1,588.06	**1,614.91**	**26.85**	**1.69**
राजस्व शुद्ध टन किलोमीटर (बिलियन)	973.97	**971.08**	**-2.89**	**-0.30**
माल आमदनी@ (करोड़ ₹ में)	1,65,880.58	**1,68,323.61**	**2,443.03**	**1.47**

@ 'अन्य माल आमदनी' शामिल नहीं है जैसे कि घाट शुल्क, विलंब शुल्क, आदि।

देशनोक रेलवे स्टेशन

यात्री संव्यवहार

	2023-24	**2024-25**	**निरपेक्ष अंतर**	**अंतर प्रतिशत में**
यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या (मिलियन)	6,905	**7,293**	**388**	**5.62**
यात्री किलोमीटर (बिलियन)	1,065	**1,133**	**68**	**6.38**
यात्री आमदनी (₹ करोड़ में)	70,693.33	**75,367.52**	**4,674.19**	**6.61**

नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का शुभारंभ, रामपुर जंक्शन

इंजीनियरी संबंधी कार्य

वर्ष 2024-25 के दौरान निम्नलिखित इंजीनियरी संबंधी कार्य पूरे किए गए थे:

	2024-25 (कि.मी. में)
नई लाइनों का निर्माण	**1,105**
बड़ी लाइन में परिवर्तन	**166**
रेलपथ नवीकरण	**6,851**

विद्युतीकरण

2024-25 के दौरान, भारतीय रेल के 2,701 किलोमीटर मार्ग का विद्युतीकरण किया गया था।

संरक्षा, सिगनल और दूरसंचार

2023-24 की तुलना में 2024-25 के दौरान, परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाओं और प्रति मिलियन रेलगाड़ी किलोमीटर रेलगाड़ी दुर्घटनाओं (संरक्षा का महत्त्वपूर्ण सूचकांक) का ब्यौरा इस प्रकार है:

	2023-24	**2024-25**
परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाएं*	40	**31**
प्रति मिलियन रेलगाड़ी किलोमीटर रेलगाड़ी दुर्घटनाएं	0.03	**0.03**

*कोंकण रेल सहित

होटल होलीडे इन, कटड़ा

चेन्नै उपनगरीय नेटवर्क में नई वातानुकूलित ई.एम.यू. की शुरूआत की गई

यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए थे :

व्यवस्था	2024-25 (रेलवे स्टेशनों की संख्या)
जन उद्घोषणा प्रणाली	6,159
रेलगाड़ी प्रदर्श बोर्ड	1,398
सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणाली	932

परिचालन दक्षता

2023-24 की तुलना में 2024-25 के लिए कुछ महत्वपूर्ण दक्षता सूचकांक इस प्रकार थे:

दक्षता सूचकांक	बड़ी लाइन		मीटर लाइन	
	2023-24	**2024-25**	2023-24	**2024-25**
शुद्ध टन किलोमीटर प्रति मालडिब्बा प्रति दिन	7,851	**7,292**	-	-
सभी मालगाड़ियों की गति (किलोमीटर प्रति घंटे) (सभी कर्षण)	25.0	**23.4**	-	-
कुल मालडिब्बा किलोमीटर से लदे हुए मालडिब्बों का प्रतिशत	65	**68**	-	-
शुद्ध लदान प्रति मालगाडी (टन)	1,899	**1,869**	-	-
शुद्ध टन किलोमीटर प्रति रेलइंजन घंटा	14,007*	**12,779**	-	-
यात्री रेलगाड़ी किलोमीटर प्रति रेलगाड़ी प्रति दिन	458*	**454**	45*	**61**

*संशोधित

सामग्री प्रबंधन

भारतीय रेल में लागतों, भंडारण, सम्हलाई और बीमा एवं लाभांश शुल्कों का न्यूनीकरण की दृष्टि से सामग्री प्रबंधन का उत्तरोत्तर नवीकरण किया जा रहा है। 2024-25 के दौरान खपत की गई सामग्री के मूल्य से वस्तुसूची वस्तुओं के मूल्य के मामले में टर्न ओवर अनुपात 19 प्रतिशत (ईंधन को छोड़कर) और 19 प्रतिशत (ईंधन सहित) था जबकि पिछले वर्ष यह 17 प्रतिशत (ईंधन को छोड़कर) और 17 प्रतिशत (ईंधन सहित) था। अनुपयोगी चल स्टॉक और प्रोद्भूत स्क्रैप के निपटान की कड़ी निगरानी की गई।

पर्यावरण प्रबंधन

अधिक स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाकर, ऊर्जा संरक्षण के उपाय करके, खाली पड़ी रेल भूमि पर वृक्षारोपण आदि करके रेल परिचालन को पर्यावरण अनुकूल बनाने और प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। रेलवे सौर ऊर्जा संयंत्र संस्थापित करने के लिए खाली भूमि और छतों का उपयोग कर रही है।

मानव संसाधन विकास

होटल ली-राय, देहरादून

उत्पादकता में सुधार लाने के उद्देश्य से रेल कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने हेतु कई पहलें की गई। इस दिशा में, परिवहन से संबंधित शिक्षा, बहुविषयक अनुसंधान और प्रशिक्षण पर केंद्रित भारत के पहले विश्वविद्यालय के रूप में गुजरात के वडोदरा में 'राष्ट्रीय रेल और परिवहन संस्थान' की स्थापना की गई है।

औद्योगिक संबंध तथा कार्मिक

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 12,28,992 नियमित कर्मचारी थे, जबकि 31 मार्च 2024 को 12,52,180 कर्मचारी थे, अर्थात 23,188 की कमी हुई है।

2024-25 के दौरान औद्योगिक संबंध मधुर बने रहे। 2024-25 के लिए सभी अराजपत्रित कर्मचारियों (रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के कर्मियों को छोड़कर) को 78 दिन के वेतन के बराबर उत्पादकता संबद्ध बोनस का भुगतान किया गया। रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के समूह 'ग' कोटि के कार्मिकों को 30 दिन के वेतन के बराबर तदर्थ बोनस स्वीकृत किया गया।

यात्रियों के लिए रेलवे स्टेशन पर एस्केलेटर

कर्मचारी कल्याण

भारतीय रेल की कल्याण योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न कार्यकलाप आते हैं, यथा रेल कर्मचारियों के बच्चों के लिए शैक्षणिक सुविधाएं तथा वित्तीय सहायता, परिवार की आमदनी बढ़ाने के लिए हस्तशिल्प केन्द्र स्थापित करना, बीमारी के समय आर्थिक सहायता, कार्यस्थलों पर रियायती दरों पर आवास और कैंटीन सुविधाओं की व्यवस्था करना तथा कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के लिए सेवा के दौरान और सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था करना।

कार्यनिष्पादन : 2025 (1 जनवरी 2025 - 31 दिसंबर 2025)

यात्री संव्यवहार

जनवरी-दिसंबर 2025 के दौरान, भारतीय रेल में आरंभिक यात्रियों की संख्या पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान 7,276.18 मिलियन की तुलना में 7,575.69 मिलियन थी, जो 299.38 मिलियन (4.11%) की वृद्धि दर्शाता है। इस अवधि के दौरान, यात्री आय ₹78,257.68 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि के दौरान यात्री आय की तुलना में ₹4,228.12 करोड़ (5.79%) की वृद्धि दर्शाता है।

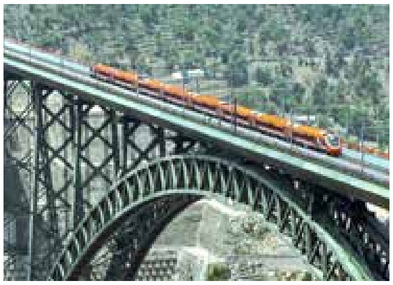

चेनाब पुल से गुजरती हुई वंदेभारत एक्सप्रेस

माल यातायात परिचालन

पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि की तुलना में वर्ष 2025 (जनवरी-दिसंबर 2025) के राजस्व अर्जक यातायात लदान का विवरण इस प्रकार है:-

(मिलियन टन)

पण्य	जनवरी से दिसंबर 2024 तक	जनवरी से दिसंबर 2025 तक
कोयला	819.21	**821.25**
इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल लौह अयस्क को छोड़कर	29.50*	**31.43**
कच्चा लोहा और तैयार इस्पात	67.65	**75.25**
लौह अयस्क	180.20	**185.12**
सीमेंट	146.84*	**150.36**
खाद्यान्न	50.63	**49.32**
उर्वरक	59.16	**66.19**
पेतेस्ने (खनिज तेल)	51.02	**51.31**
शेष अन्य पण्य	210.27*	**224.81**
कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,614.48*	**1,655.64**

*संशोधित

जनवरी-मार्च 2026 की अवधि के लिए अनुमान

माल यातायात परिचालन

जनवरी से मार्च, 2026 तक तीन महीनों की अवधि के लिए कोंकण रेल निगम लिमिटेड और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को छोड़कर रेलवे द्वारा ढोए जाने वाले माल की अनुमानित मात्रा 427.87 मिलियन टन है।

यात्री संव्यवहार

जनवरी से मार्च, 2026 तक आगामी तीन महीनों के लिए आरंभिक यात्रियों की कुल अनुमानित संख्या लगभग 1,736.25 मिलियन है।

तिरूच्चिराप्पल्लि जंक्शन में एक स्टेशन एक उत्पाद का स्टॉल

सकल राजस्व और संचालन व्यय
(विविध सहित)
(करोड़ ₹ में)

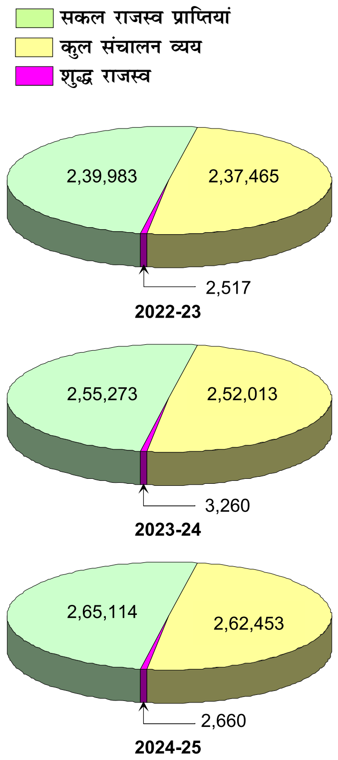

वित्त

2024-25 के परिणाम

रेलों की सकल यातायात प्राप्तियां 2023-24 में ₹2,55,272.63 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024-25 में ₹2,65,113.61 करोड़ हो गई। कुल संचालन व्यय 2023-24 में ₹2,50,893.61 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में ₹2,60,768.89 करोड़ हो गया। विविध लेन-देनों की गणना करने के बाद, शुद्ध राजस्व प्राप्तियां ₹2,660.28 करोड़ थीं।

रेल अभिसमय समिति की सिफारिशों के अनुसार, 2024-25 के दौरान लाभांश का भुगतान नहीं किया गया था। वर्ष के अंत में शुद्ध राजस्व ₹2,660.28 करोड़ रहा।

2023-24 की तुलना में 2024-25 के वित्तीय परिणामों का सारांश नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

	2023-24	2024-25	कमी-बेशी
पूंजीगत निवेश (महानगर परिवहन परियोजना और सर्कुलर रेलवे, उधमपुर-बारामूला परियोजना और विशेष रेल संरक्षा कोष में विनियोग को छोड़कर)	6,94,142.62	**8,74,743.81**	**1,80,601.19**
पूंजी निधि से निवेश	53,449.91	**53,449.91**	**-**
कुल	7,47,592.53	**9,28,193.72**	**1,80,601.19**
सकल यातायात प्राप्तियां	2,55,272.63	**2,65,113.61**	**9,840.98**
कुल संचालन व्यय	2,50,893.61	**2,60,768.89**	**9,875.28**
शुद्ध यातायात प्राप्तियां	4,379.02	**4,344.72**	**(-)34.30**
विविध लेन-देन (शुद्ध)	(-)1,119.34	**(-)1,684.44**	**(-)565.10**
शुद्ध राजस्व प्राप्तियां	3,259.68	**2,660.28**	**(-)599.40**
सामान्य राजस्व को देय लाभांश	-		-
आधिक्य (+) / कमी (-)	3,259.68	**2,660.28**	**(-)599.40**
निम्नलिखित का प्रतिशत:	-		**-**
(क) सकल आय से संचालन व्यय का प्रतिशत	98.43	**98.22**	**(-)0.21**
(ख) पूंजी निवेश और पूंजी निधि से निवेश से शुद्ध राजस्व का प्रतिशत	0.44	**0.29**	**(-)0.15**
प्रति शुद्ध टन किलोमीटर पूंजी निवेश* (पैसे में)	704	**871**	**167**

*पूंजी निधि से निवेश शामिल है।

राजस्व

पिछले वर्ष की तुलना में सकल यातायात प्राप्तियों में ₹9,840.98 करोड़ (3.86%) की वृद्धि हुई। प्रमुख स्रोतों के मामले में ब्यौरा वित्त विवरणों के विवरण 1क में दिया गया है।

संचालन व्यय

2024-25 के दौरान कुल संचालन व्यय ₹2,60,769.89 करोड़ था, जो वर्ष 2023-24 की तुलना में ₹9,875.28 करोड़ अधिक है। संचालन व्यय का अनुदान-वार वितरण वित्त विवरणों के विवरण 1ख और 1ग में दिया गया है।

तुलन-पत्रः

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, तुलन-पत्र और 2023-24 की तुलना में कमी-बेशी का सारांश इस प्रकार है:

			(₹ करोड़ में)
परिसंपत्तियां		**31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार**	**पिछले वर्ष की तुलना में कमी-बेशी**
ब्लॉक परिसंपत्तियां		14,72,668.33	2,54,409.51
केन्द्रीय सरकार के अधीन निधियां:			
(i) आरक्षित निधियां	7,033.31		
(ii) बैंक खाते	82,747.77		
		89,781.08	4,231.59
फुटकर देनदार आदि		7,422.36	383.38
हस्ते रोकड़		328.06	(-)9.52
कुल		15,70,199.83	2,59,014.95
देयताएं			
इनका निरूपण इस प्रकार है:			
ब्याज देय पूंजी*	9,74,985.35		
आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित निवेश, आदि	4,97,682.98		
कुल		14,72,668.33	2,54,409.50
आरक्षित निधियां		7,033.31	1,711.76
बैंक खाते:			
(i) भविष्य निधि	39,003.74		
(ii) विविध निक्षेप	43,668.89		
(iii) वित्तीय ऋण एवं अग्रिम	75.14		
		82,747.77	2,519.83
फुटकर लेनदार, आदि		7,750.42	373.87
जोड़		15,70,199.83	2,59,014.95

*इसमें विशेष रेल संरक्षा निधि में ₹11,954.00 करोड़ का विनियोग, राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में ₹1,00,000.00 करोड़ का विनियोग, रेल संरक्षा निधि में ₹1,52,956.76 करोड़ का विनियोग और सॉवरेन ग्रीन फंड में ₹37,714.27 करोड़ का विनियोग शामिल नहीं है।

*आस्थगित लाभांश दायिता

यह एक आकस्मिक देयता है और इसे तुलन-पत्र में नहीं दिखाया जाता है।

*इसके अलावा, 2016-17 से रेलवे को लाभांश के भुगतान से छूट दी गई है। रेल बजट के केंद्रीय बजट के साथ विलय उपरांत, रेलवे की ब्याज देय पूंजी को और फलस्वरूप लाभांश देयता को भी बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

परिचालन अनुपात
(प्रतिशत)

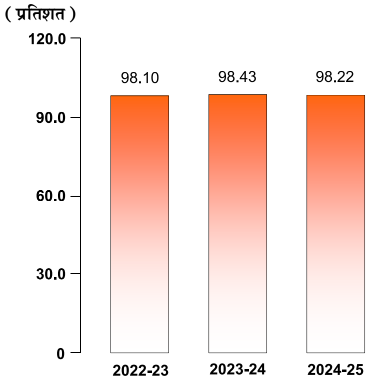

आधिक्य/कमी
(करोड़ ₹ में)

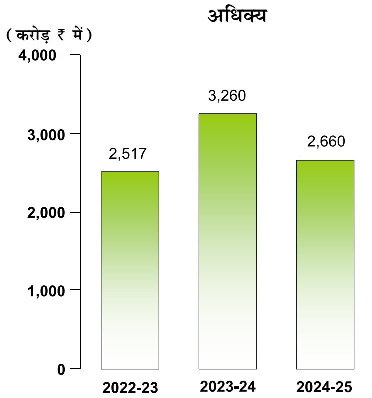

एबीएसएस के अतंर्गत मुजफ्फरपुर स्टेशन का संयुक्त टर्मिनल भवन

रेल पूंजी निधि

रेल अभिसमय समिति (1991) की दूसरी रिपोर्ट में यथा अंतर्विष्ट सिफारिशों के अनुसरण में, वर्ष 1992-93 से रेल पूंजी निधि परिचालित हो गई थी। इस निधि में विनियोग राजस्व अधिशेष से किया जाता है और इसका उद्देश्य पूंजीगत स्वरूप की परिसंपत्तियों पर व्यय का वित्तपोषण करना है। वर्ष 2024-25 तक इस निधि से ₹53,449.91 करोड़ का निवेश किया गया था।

आरक्षित निधियों में शेष

रेल अभिसमय समिति (1991) की द्वितीय रिपोर्ट में यथा अंतर्विष्ट सिफारिशों के अनुसार, दो मौजूदा निधियों अर्थात दुर्घटना प्रतिकर, संरक्षा एवं यात्री सुविधा निधि और राजस्व आरक्षित निधि का संरक्षा और यात्री सुविधा संबंधी कार्यों पर व्यय को पूरा करने के लिए पुनर्गठन किया गया है। अत: समाप्त की गई निधियों के शेष का विकास निधि में विलय कर दिया गया है।

31 मार्च, 2024 की तुलना में 31 मार्च, 2025 को निधियों की स्थिति नीचे दी गई है:

(₹ करोड़ में)

निधि का नाम	01.4.2024 को शेष	2024-25 के दौरान निधि में अंशदान	2024-25 के दौरान आहरण	31.3.2025 को शेष
मूल्यह्रास आरक्षित निधि*	780.10	1,033.83	540.67	1,273.25
विकास निधि*	572.54	562.13	447.53	687.14
पूंजी निधि*	456.97	15.31	0.00	472.29
पेंशन निधि*	1,961.39	60,163.99	60,202.76	1,922.62
रेल संरक्षा निधि	3.06	44,999.73	44,999.73	3.13
ऋण अदायगी निधि*	245.09	8.21	0.00	253.30
राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	1,302.40	12,118.89	10,999.71	2,421.58
सॉवरेन ग्रीन फंड	0.00	14,996.29	14,996.29	0.00
कुल	5,321.55	1,33,899.38	1,32,186.69	7,033.31

*इसमें वर्ष 2024-25 के लिए मूल्यह्रास आरक्षित निधि से ₹33.83 करोड़, विकास निधि से ₹20.74 करोड़, पूंजी निधि से ₹15.31 करोड़, पेंशन निधि से ₹63.99 करोड़ और ऋण अदायगी निधि से ₹8.21 करोड़ का ब्याज शामिल है।

31 मार्च 2025 को आरक्षित निधियों में कुल शेष 7,033.31 करोड़ रु. था, जो पिछले वर्ष की तुलना में ₹1,711.76 करोड़ की वृद्धि का द्योतक है।

रोकड़ प्रवाह

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल के आंतरिक संसाधनों से ₹2,56,023.47 करोड़ जुटाए गए।

आंतरिक संसाधन सृजन और योजना परिव्यय के वित्तपोषण हेतु निधियों के उपयोग का ब्यौरा वित्त विवरणों के विवरण IV में दर्शाया गया है। 2024-25 के दौरान, कुल योजना निवेश ₹2,56,023.47 करोड़ (महानगर परिवहन परियोजनाओं, सर्कुलर रेलवे और राष्ट्रीय परियोजनाओं सहित) था। इसका वित्तपोषण ₹2,52,323.87 करोड़ की सीमा तक बजट सहायता से किया गया।

समर्पित पश्चिम माल यातायात गालियारा

2023-24 के दौरान तदनुरूपी स्थिति यह थी कि कुल योजना निवेश ₹2,48,560.98 करोड़ (महानगर परिवहन परियोजनाओं, सर्कुलर रेलवे और राष्ट्रीय परियोजना सहित) था। इसका वित्तपोषण ₹2.42,648.47 करोड़ की सीमा तक बजटीय सहायता से किया गया। शेष योजना निवेश को आंतरिक

तथा बजटेतर संसाधनों से पूरा किया गया। वर्ष 2024-25 के दौरान, योजना व्यय का वित्तपोषण करने के लिए निधि शेष में ₹1,711.69 करोड़ की वृद्धि हुई।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत सहरसा स्टेशन

लेखापरीक्षा की आपत्तियां

31 मार्च, 2025 तक भारतीय रेल के पास कुल 1909 लेखापरीक्षा टिप्पणियां भाग- 1,678 विशेष पत्र और 5,147 लेखापरीक्षा निरीक्षण रिपोर्ट भाग- I थीं, जबकि 31 मार्च, 2024 के अंत तक क्रमश: 1,692, 688 और 5,095 बकाया थीं।

भारतीय रेल में लेखापरीक्षा की सभी आपत्तियों, निरीक्षण रिपोर्टों, प्रारूप पैराग्राफों, आदि पर चर्चा और उनका निपटान सुनिश्चित करने का सुव्यवस्थित तंत्र है। लेखापरीक्षा, लेखा और कार्यकारी विभागों को शामिल करते हुए विभिन्न स्तरों पर त्रिपक्षीय बैठकें की जाती हैं। प्रारूप पैराग्राफों पर भी रेलवे बोर्ड और लेखापरीक्षा विभाग के बीच शीर्ष स्तर पर चर्चा की जाती है और दिए गए उत्तरों के आधार पर, उनमें से कई बंद हो जाते हैं।

इस वर्ष के लिए रेल मंत्रालय के कामकाज पर लेखापरीक्षा की आपत्तियों का, जैसा कि नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा उपलब्ध कराई गई हैं, सारांश पृष्ठ 151 पर दिया गया है।

रेलवे और सरकार के बीच वित्त व्यवस्था

संघ के अन्य मंत्रालयों/विभागों की तरह, रेल मंत्रालय केंद्रीय वित्त/बजट का अभिन्न अंग है। मोटे तौर पर, रेलवे का राजस्व व्यय रेलवे की राजस्व प्राप्तियों से पूरा किया जाना अपेक्षित है। राजस्व व्यय की तुलना में राजस्व प्राप्तियों के आधिक्य को मुख्यत: पूंजीगत व्यय के लिए आंतरिक संसाधनों के रूप में उपयोग किए जाने के लिए मूल्यह्रास आरक्षित निधि, विकास निधि, पूंजी निधि जैसी रेल आरक्षित निधियों में और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष को आंशिक अंशदान में विनियोजित किया जाता है। रेलवे के पूंजीगत व्यय को आंतरिक संसाधन सृजन के साथ-साथ सामान्य राजकोष से सकल बजट सहायता, भागीदारी द्वारा बजटेतर संसाधनों से पूरा किया जाता है।

भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा निवेश

1987-88 से, भारतीय रेल वित्त निगम लिमिटेड, जो रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सरकारी क्षेत्र का उपक्रम है, जो रेलों में पूंजीगत व्यय का वित्तपोषण करने के लिए बाजार ऋण जुटा रहा है। भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा जुटाई गई बाजार निधियां रेल योजना के लिए बजटेतर संसाधन बनते हैं और उनका ऐसे चल स्टॉक और परियोजनाओं में निवेश किया जाता है, जिन्हें भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा रेल मंत्रालय को पट्टे पर दिया जाता है। वित्त मंत्रालय (भारत सरकार) से प्राप्त उच्च सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) के कारण वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय रेल वित्त निगम के जरिए बाजार से ऋण लेने का लक्ष्य 'शून्य' था।

वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक भारतीय रेल वित्त निगम से पट्टे पर लिए गए चल स्टॉक का विवरण इस प्रकार है:

परिसम्पत्तियों की कोटि	2024-25 के अंत तक पट्टे पर लिए गए चल स्टॉक	
	अदद	मूल्य (₹ करोड़ में)
बिजली रेल इंजन	7,971	83,420.89
डीजल रेल इंजन	4,695	50807.37
कुल रेल इंजन	**12,666**	**1,34,228.26**
माल डिब्बे	208,778	51,008.14
सवारी डिब्बे	71,678	1,07,408.11
रेलपथ मशीनें	81	342.33
अन्य विविध मदें	-	1 ,034.38
	जोड़	**2,94,021.22**

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत गया स्टेशन का पुनर्विकास

पीर पंजाल सुरंग जम्मू एंव कशमीर

भारतीय रेल वित्त निगम से पट्टे पर ली गई चल स्टॉक परिसंपत्तियों पर, रेलवे द्वारा अग्रिम रूप से अर्धवार्षिक पट्टा किरायों का भुगतान किया जाता है ताकि भारतीय रेल वित्त निगम ऋण अदायगी में सक्षम हो सके। 2024-25 में रेल मंत्रालय द्वारा अदा किए पट्टा किरायों का मूल्य ₹29,722.48 करोड़ था जिसमें ₹18,417.48 करोड़ पूंजी घटक और ₹11,305.00 करोड़ ब्याज घटक था।

2011-12 में भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा 90 दोहरीकरण और 32 विद्युतीकरण परियोजनाओं के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए भी उस वर्ष ₹2078.49 करोड़ का वित्तपोषण उपलब्ध कराया गया था। वित्तपोषण की जाने वाली परियोजना परिसंपत्तियां भारतीय रेल वित्त निगम से रेल मंत्रालय को पट्टे पर हैं। 2024-25 में रेल मंत्रालय द्वारा पट्टा किरायों के रूप में ₹297.48 करोड़ (₹181.13 करोड़ पूंजी घटक और ₹116.35 करोड़ पूंजी ब्याज घटक) की राशि का भुगतान किया गया है।

वित्त वर्ष 2015-16 से वित्तपोषण के एक नए स्रोत यथा बजटेतर संसाधन (संस्थागत वित्त) शुरू किया गया है। बजटेतर संसाधन (संस्थागत वित्त) निधियां दीर्घकालिक निधियां हैं, जिन्हें दोहरीकरण और विद्युतीकरण परियोजनाओं जैसे रेलों की ऐसी प्रवाह-क्षमता संवर्धन परियोजनाओं का वित्तपोषण करने के लिए उपयोग किया जा रहा है, जिनका अन्यथा संसाधनों की तंगी के कारण पर्याप्त वित्तपोषण नहीं हो पाता। 2024-25 के अंत तक भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा रेलवे को उपलब्ध कराई गई संचयी बजटेतर संसाधन-संस्थागत वित्त/एस निधि ₹2,20,518.76 करोड़ है। रेल मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2015-16 से भारतीय रेल वित्त निगम द्वारा वित्तपोषित परियोजना परिसंपत्तियों के लिए 2024-25 में पट्टा किरायों के रूप में ₹14,188.73 करोड़ (₹5,338.68 करोड़ पूंजी घटक और ₹8,850.05 करोड़ ब्याज घटक) का भुगतान किया गया।

वंदे भारत रेलगाड़ी सवारी डिब्बा कारखाना

चुनिंदा वित्तीय अनुपात

क्र.सं.	मद	यूनिट	2023-24	2024-25
(क)	**वित्तीय अनुपात**			
1.	परिचालन अनुपात	प्रतिशत	98.43	**98.22**
2.	पूंजी पर प्रतिफल दर	प्रतिशत	0.44	**0.29**
3.	भारतीय रेल का कार्यशील अनुपात	प्रतिशत	91.31	**91.60**
4.	सब्सिडी सहित परिचालन अनुपात (लागत वसूली)	प्रतिशत	81.10	**81.70**
5.	कोचिंग (यात्री) और माल (मालभाड़ा) के लिए परिचालन अनुपात			
	i. माल	प्रतिशत	67.55	**71.29**
	ii. कोचिंग	प्रतिशत	177.69	**171.53**
6.	साधारण संचालन व्यय के प्रतिशत के रूप में और सकल प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में ऋण अदायगी।			
	i. साधारण संचालन व्यय के प्रतिशत रूप में ऋण अदायगी	प्रतिशत	19.70	**20.40**
	ii. सकल प्राप्तियों के प्रतिशत के रूप में ऋण अदायगी	प्रतिशत	14.70	**15.40**
7.	राजस्व से पूंजीगत व्यय अनुपात - पूजीगत व्यय (आंतिरक सृजन से)/राजस्व	प्रतिशत	1.20	**0.80**
(ख)	**आमदनी / प्रतिफल अनुपात (आमदनी के संविभाजन के आधार पर)**			
1.	यात्री प्रतिफल / यात्री किलोमीटर	पैसे में	66.40	**66.55**
2.	मालभाड़ा प्रतिफल / शुद्ध टन किलोमीटर	पैसे में	170.31	**173.34**
(ग)	**उत्पादकता सूचक**			
	i. कर्मचारी उत्पादकता		8,48,391	**8,66,631**
	ii. अवसंरचना उत्पादकता		78,57,124	**77,44,801**
(घ)	**परिसंपत्ति उपयोग**			
1.	परिसंपत्तियों का उपयोग			
	i. शुद्ध टन किलोमीटर प्रति माल डिब्बा प्रति दिन - (बड़ी लाइन)	कि.मी.	7,851	**7,292**
	ii. माल डिब्बा किमी प्रति माल डिब्बा दिन - (बड़ी लाइन)	कि.मी.	192.00	**176.00**
	iii. माल डिब्बा प्रतिवर्तन - (बड़ी लाइन)	दिनों में	5.11	**5.48**
	iv. औसत लदान प्रति माल डिब्बा - (बड़ी लाइन)	टन	65.00	**68**
(ङ)	**परिचालन सूचकांक**			
1.	मालगाड़ी की औसत गति - (बड़ी लाइन) - सभी कर्षण	कि.मी./घंटा	25.00	**23**
2.	चल स्टॉक का निष्क्रिय प्रतिशत - (बड़ी लाइन)			
	i. डीज़ल रेल इंजन	प्रतिशत	11.90*	**10.32**
	ii. बिजली रेल इंजन	प्रतिशत	5.34*	**5.99**
	iii. ईएमयू सवारी डिब्बे	प्रतिशत	8.48	**9.37**
	iv. यात्री ढुलाई	प्रतिशत	5.11*	**5.42**
	v. अन्य कोचिंग वाहन	प्रतिशत	7.47*	**7.94**
	vi. माल डिब्बे	प्रतिशत	2.45*	**2.88**
3.	विशिष्ट ईंधन की खपत (खपत प्रति 1000 जीटीकेएम) - (बड़ी लाइन)			
	i. यात्री सेवाएं डीज़ल	लीटर	3.42	**1.88**
	ii. मालभाड़ा सेवाएं डीज़ल	लीटर	1.98	**1.46**
4.	विशिष्ट ऊर्जा खपत (खपत प्रति 1000 जीटीकेएम) - (बड़ी लाइन)			
	i. यात्री सेवा - बिजली	किलो वॉट घंटे	18.80*	**18.70**
	ii. माल सेवाएं - बिजली	किलो वॉट घंटे	6.22*	**6.50**
5.	समयपालन सूचक - समयपालन (मेल/एक्सप्रेस गाड़ियां) - (बड़ी लाइन)	प्रतिशत	73.62	**77.12**
6.	दुर्घटना प्रति मिलियन गाड़ी किलोमीटर		0.03	**0.03**

*संशोधित

माल यातायात निष्पादन मध्य रेलवे

माल यातायात परिचालन

वर्ष 2024-25 में, भारतीय रेल ने 1,617.30 मिलियन टन माल यातायात की ढुलाई की, जिसमें से 1,614.91 मिलियन टन राजस्व अर्जक और 2.39 मिलियन टन राजस्व अनर्जक था और वर्ष 2023-24 में 974 बिलियन की तुलना में 971 बिलियन का कुल शुद्ध टन किलोमीटर प्राप्त किया। मालभाड़ा आमदनी 2023-24 में ₹1,68,293.29 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में ₹1,71,163.15 करोड़ हो गई जो 1.7% की वृद्धि का द्योतक है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 में राजस्व-अर्जक यातायात का पण्य-वार लदान इस प्रकार था:-

पण्य	ढोए गए टन (मिलियन में) 2023-24	2024-25
कोयला		
(i) इस्पात संयंत्रों के लिए	62.75	**62.40**
(ii) वाशरी के लिए	0.00	**0.00**
(iii) बिजलीघरों के लिए	606.52	**627.31**
(iv) सार्वजनिक उपयोग के लिए	117.57	**132.18**
जोड़	786.84	**821.89**
लौह अयस्क को छोड़कर इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल	29.17	**29.14**
कच्चा लोहा और तैयार इस्पात		
(i) इस्पात संयंत्रों से	34.75	**33.28**
(ii) अन्य स्थानों से	41.01	**38.98**
जोड़	75.76	**72.26**
लौह अयस्क		
(i) निर्यात के लिए	17.93	**10.35**
(ii) इस्पात संयंत्रों के लिए	88.81	**90.43**
(iii) अन्य घरेलू उपयोगकर्ताओं के लिए	74.20	**77.35**
जोड़	180.94	**178.12**
सीमेंट	152.72	**149.53**
खाद्यान्न	51.44	**49.77**
उर्वरक	58.92	**59.71**
खनिज तेल (पेतेस्ने)	49.88	**50.27**
कंटेनर सेवा		
(i) देशीय कंटेनर	20.98	**25.10**
(ii) निर्यात-आयात कंटेनर	63.78	**63.32**
जोड़	84.76	**88.42**
शेष अन्य पण्य	117.63	**115.80**
कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,588.06	**1,614.91**

माल यातायात परिवहन

राजस्व अर्जक माल यातायात का स्वरूप
(कुल यातायात का प्रतिशत)

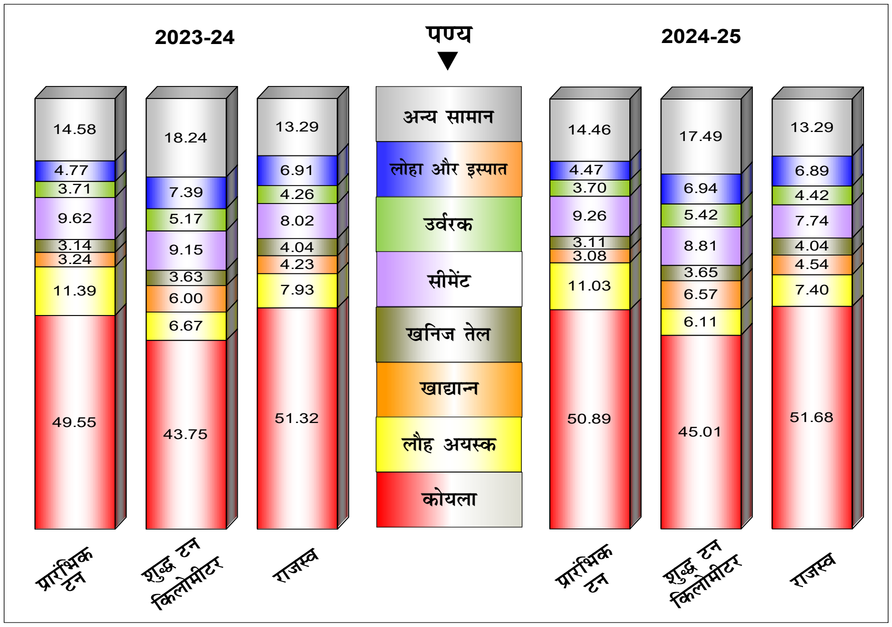

कोयला लदान

2023-24 की तुलना में 2024-25 में प्रमुख थोक पण्यों/पण्य समूहों के लिए राजस्व-अर्जक माल यातायात इस प्रकार था:

क्र. सं.	पण्य/पण्य समूह	प्रारंभिक टन (मिलियन में)		शुद्ध टन किलोमीटर (मिलियन में)		आमदनी @ (₹ करोड़ में)	
		2023-24	**2024-25**	2023-24	**2024-25**	2023-24	**2024-25**
1	कोयला	786.84	**821.89**	4,26,075	**4,37,099**	85,130.55	**86,989.28**
2	लौह अयस्क को छोड़कर इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल	29.17	**29.14**	16,689	**16,667**	2,589.42	**2,733.14**
3	कच्चा लोहा और तैयार इस्पात	75.76	**72.26**	71,968	**67,434**	11,464.47	**11,591.22**
4	लौह अयस्क	180.94	**178.12**	64,955	**59,338**	13,155.77	**12,455.71**
5	सीमेंट	152.72	**149.53**	89,112	**85,540**	13,302.60	**13,020.52**
6	खाद्यान्न	51.44	**49.77**	58,415	**63,800**	7,024.03	**7,646.79**
7	उर्वरक	58.92	**59.71**	50,360	**52,665**	7,068.11	**7,436.50**
8	खनिज तेल (पेतेस्ने)	49.88	**50.27**	35,394	**35,413**	67,06.71	**6,791.93**
9	कंटेनर सेवाएं	84.76	**88.42**	76,894	**78,221**	8,117.24	**8,789.59**
10	शेष अन्य पण्य	117.63	**115.80**	84,106	**74,908**	11,321.69	**10,898.93**
11	कुल राजस्व अर्जक यातायात	1,588.06	**1,614.91**	9,73,968	**9,71,085**	1,65,880.58	**1,68,323.61**

@'घाट शुल्क, विलंब शुल्क आदि जैसी 'अन्य माल आमदनी' शामिल नहीं है।

पिछले 3 वर्षों के लिए राजस्व-अर्जक माल यातायात का रूझान इस प्रकार है:-

	2022-23	2023-24	**2024-25**
प्रारंभिक टन (मिलियन)	1,509.10	1,588.06	**1,614.91**
शुद्ध टन किलोमीटर (मिलियन)	9,59,566	9,73,968	**9,71,085**
औसत गमन-दूरी (किलोमीटर)	636	613	**601**
माल आमदनी @ (करोड़ ₹ में)	1,60,158.48	1,65,880.58	**1,68,323.61**

@'घाट शुल्क, विलंब शुल्क आदि जैसी 'अन्य माल आमदनी' शामिल नही है।

प्रारंभिक टन
(राजस्व अर्जक)

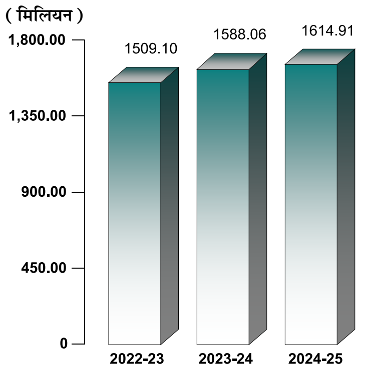

माल यातायात सेवाएं - संरचना और दरें

1. वर्ष 2024-25 में आधार मालभाड़ा दर में कोई वृद्धि नहीं की गई।

2. **नई प्रोत्साहन योजनाएँ**

   (i) रेल परिवहन के दोनों अलग-अलग चरणों को एक मानकर रेल-समुद्री-रेल माध्यम से परिवहन किए जाने वाले घरेलू कोयले को टेलीस्कोपिक दर लाभ प्रदान करने के लिए रेल-समुद्री-रेल नीति जारी की गई है।

   (ii) कंटेनर में परिवहन के लिए कॉइल रूप में स्टेनलेस स्टील को सूची से हटा दिया गया है।

3. **माल टैरिफ में नई वस्तुओं को शामिल करना**

   (i) फॉस्फोजिप्सम
   (ii) पॉलीहैलाइट (सभी प्रकार)
   (iii) सल्फर लेपित यूरिया
   (iv) प्लास्टिक अपशिष्ट
   (v) आरयूएफ पिच
   (vi) अमोनियम बाइकार्बोनेट खाद्य ग्रेड
   (vii) पोटेशियम सल्फेट आदि।

4. **रेलवे के मॉडल शेयर को बढ़ाने हेतु क्षेत्रीय पहल**

   (i) कंटेनरयुक्त टाइल्स यातायात के लिए माल ढुलाई प्रोत्साहन :- गंतव्य से मोरबी क्लस्टर मे लौटने वाले खाली कंटेनरों से लदे फ्लैट मालडिब्बों के खाली ढुलाई शुल्क पर 50% की रियायत लागू होगी। रेकों को खाली या मिश्रित संरचना में वापसी की अनुमति है।

   (ii) पूर्वोत्तर क्षेत्र में बाँस यातायात को बढ़ावा :- पूर्वोत्तर सीमा रेलवे से आने वाले ढके हुए मालडिब्बों में बाँस यातायात को व्यस्त अवाधि शुल्क (बीएससी) की रियायत दी गई है।

5. **विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं की वैधता बढ़ा दी गई है, जिसमें पारंपरिक खाली प्रवाह दिशा में लदान किए गए माल यातायात के लिए पारंपरिक खाली प्रवाह दिशा (टीईएफडी)** खुले और फ्लैट मालडिब्बों में लदान किए गए बैग वाले माल पर रियायत, नमक यातायात के लिए श्रेणीबद्ध रियायत, पूर्वोत्तर राज्यों से/के लिए बुक किए गए यातायात पर 6% रियायत, कम गमन दूरी रियायत, स्टेशन से स्टेशन दर नीति, सामान्य कंटेनरों में परिवहन किए जाने पर थोक सीमेंट (खुले रूप में सीमेंट) के लिए विशेष ढुलाई दर, डीएफसीसीआईएल पर 0-25 टी के नए वजन स्लैब में रो-रो यातायात के लिए विशेष दरें, मेरी-गो-राउंड (एमजीआर) प्रणाली, कार्गो एग्रीगेटर परिवहन उत्पाद नीति, छोटे कार्गो आकार के लिए परिवहन उत्पाद जैसे मिनी रेक, श्रेणीवार गाड़ी लदान दर पर दो बिंदु/बहु बिंदु रेक, फ्लाई ऐश यातायात पर रियायत आदि शामिल हैं।

शुद्ध टन किलोमीटर
(राजस्व अर्जक)

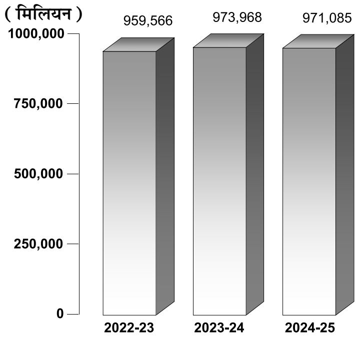

औसत गमन दूरी
एक टन माल के संचलन की औसत दूरी
(राजस्व अर्जक यातायात)

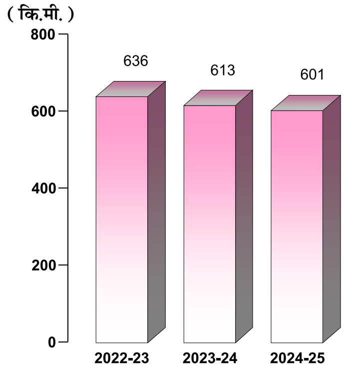

माल विपणन

1. **गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी)** - दिनांक 15.12.2021 को भारतीय रेल ने नई 'गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल' नीति का शुभारंभ किया था। इस नीति का उद्देश्य रेल कार्गो की सम्हलाई के लिए अतिरिक्त टर्मिनलों के विकास में उद्योग जगत से निवेश को बढ़ावा देना है। इन टर्मिनलों का गैर-रेल भूमि के साथ-साथ अंशत: या पूर्णत: रेल भूमि पर निर्माण किया जा रहा है। गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल नीति के लोकार्पण के बाद सभी नए टर्मिनलों को गति शक्ति मल्टी मोडाल कार्गो टर्मिनल के रूप में चालू किया जा रहा है।

2. **एक्सक्लूसिव कंटेनर टर्मिनल (ईसीआरटी)** - कंटेनर परिचालकों को यातायात बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु, 'एक्सक्लूसिव कंटेनर टर्मिनल (ईसीआरटी)' के संबंध में नीतिगत

माल राजस्व

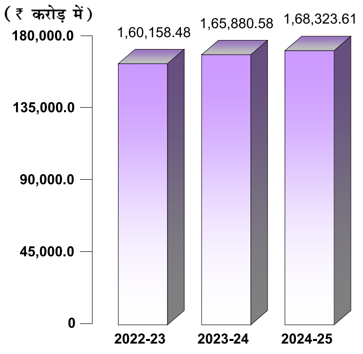

दिशानिर्देश जारी किए गए हैं, जिसके अंतर्गत जोन को किसी मौजूदा गुड्स शेड/किसी नए टर्मिनल को ईसीआरटी घोषित करने का अधिकार दिया गया है। ऐसे टर्मिनल पर प्रति टीईयू प्रति दिन के आधार पर कंटेनर भंडारण शुल्क लगाया जाएगा। एकत्रीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐसे टर्मिनलों के लिए हब और स्पोक संचालन की अनुमति दी जाएगी।

कंटेनर रेलगाड़ी

3. **'संयुक्त पार्सल उत्पाद और रैपिड कार्गो सेवा (जेपीपी-आरसीएस)'-** नीति में एकल-वाणिज्य और एफएमसीजी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें रियल टाइम ट्रैकिंग सुविधाओं के साथ घर-घर माल पहुँचाने का लाभ शामिल है। इस योजना के तहत, 'वर्चुअल एग्रीगेशन प्लेटफॉर्म के माध्यम से संयुक्त पार्सल उत्पाद और रैपिड कार्गो सेवाओं में पार्सल स्थान की ऑनलाइन बुकिंग का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान, सूरत-नारायण ापुर अनंत, रेणिगुंटा-निजामुद्दीन, तुगलकाबाद-यशवंतपुर और भिवंडी-संकराइल के बीच संयुक्त पार्सल उत्पाद और रैपिड कार्गो सेवाओं की चार जोड़ी सेवाएँ चालू थीं।

4. **पार्सल वैन के रूप में मानित बीसीएन मालडिब्बे -** ग्राहकों की माँग को पूरा करने और निष्क्रिय बीसीएन और बीसीएनए मालडिब्बों (पार्सल वैन के रूप में मानित) के कवर्ड स्टॉक का लाभकारी उपयोग करने के दोहरे उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, दिनांक 16.12.2024 को एक नई नीति शुरू की गई है, ताकि पार्सल यातायात, विशेष रूप से एफएमसीजी/एफएमसीडी और अन्य व्हाइट गुड्स (जो आमतौर पर अधिक स्थान घेरते हों) उन्हें इन स्टॉक में (पार्सल वैन की कमी होने पर) पी-स्केल पर कम वहन क्षमता (14 टन) पर लदान किया जा सके। इससे व्हाइट गुड्स के रूप में अतिरिक्त पार्सल यातायात आने की उम्मीद है।

5. **निजी निवेश आमंत्रित करके माल यातायात के लिए रेकों की अधिप्राप्ति**

i. **सामान्य प्रयोज्य माल डिब्बा निवेश योजना -** अंतिम उपयोगकर्ताओं, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, पत्तन स्वामियों, संभार-तंत्र प्रदाताओं और खदान मालिकों द्वारा सामान्य प्रयोज्य मालडिब्बों की अधिप्राप्ति के लिए निवेश की अनुमति देना। यह योजना पात्र निवेशकों को इन रेकों में किसी भी पण्य की ढुलाई करने हेतु किसी भी वांछित सर्किट (सर्किटों) में सामान्य प्रयोज्य माल डिब्बों के न्यूनतम एक रेक में निवेश करने की अनुमति देती है।

ii. **उदारीकृत विशेष मालगाड़ी ऑपरेटर योजना -** इस नीति का उद्देश्य रेल यातायात के जिस आधार को बढ़ाने के लिए उच्च क्षमता और विशेष प्रयोजन माल डिब्बों में अपारंपरिक यातायात के परिवहन में रेलवे की हिस्सेदारी को बढ़ाना है। यह नीति संभार-तंत्र सेवा प्रदाताओं या विनिर्माताओं को रेलवे और स्वयं दोनों पक्षों हेतु लाभकारी स्थिति का सृजन करने के लिए माल डिब्बों में निवेश करने और चयनित पण्य के रेल परिवहन की श्रेष्ठताओं का उपयोग करने का अवसर देती है। यह अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए उनके पण्यों के साथ-साथ तीसरे पक्ष के पण्यों का परिवहन करके उनके चल स्टॉक का बेहतर उपयोग करने के अवसर का भी सृजन करती है।

परिवहन क्षेत्र में बदलावों के ज़रिए, राष्ट्र का निर्माण, डीएफसीसीआईएल.

iii. **ऑटोमोबाइल फ्रेट ट्रेन ऑपरेटर (एएफटीओ) योजना -** ऑटोमोबाइल फ्रेट ट्रेन ऑपरेटर योजना ऑटोमोबाइल के परिवहन के लिए निजी पार्टियों द्वारा विशेष प्रयोजन रेकों के प्रापण और संचालन की अनुमति देती है।

iv. **माल डिब्बा पट्टा योजना -** इस योजना ने भारतीय रेल में रेल माल डिब्बों को पट्टे पर देने की अवधारणा को शुरू किया था। इस योजना का लक्ष्य सार्वजनिक निजी भागीदारी द्वारा कंटेनरों के संचलन हेतु सामान्य प्रयोज्य माल डिब्बों, विशेष प्रयोज्य मालडिब्बों और माल डिब्बों के रेकों को शामिल करना है।

गुजरात में निर्माणधीन आणंद बुलेट ट्रेन स्टेशन

v. **तेल क्षेत्रों के लिए मालडिब्बा निवेश योजना** – पेट्रोलियम उद्योग को बीटीपीएन मालडिब्बों में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने हेतु, तेल क्षेत्रों के लिए मालडिब्बा निवेश योजना पर नीति दिनांक 07.03.2025 को तैयार की गई है। इस नीति का उद्देश्य रेल अवसंरचना में उद्योग भागीदारी को प्रोत्साहित करने की भारत सरकार की नीति के अनुरूप पेट्रोलियम उद्योग को बीटीपीएन मालडिब्बों में निवेश के लिए प्रोत्साहित करना और हितधारकों के साथ भारतीय रेल के दीर्घकालिक संबंध विकसित करना है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए दावों की अपेक्षित जानकारी इस प्रकार है

क. दावे (2024-25)

रेलव द्वारा दर्ज किए गए दावों की संख्या 2021-22 के दौरान 3,401, 2022-23 में 3,584, 2023-24 में 3,102 और 2024-25 में 3,732 थी।

ख. दावे (अप्रैल-सितंबर 2025)

रेलवे द्वारा दर्ज किए गए दावों की संख्या अप्रैल से सितंबर 2022 की अवधि के दौरान 1,717, अप्रैल से सितंबर 2023 की अवधि के दौरान 1,584 अप्रैल से सितंबर 2024 की अवधि के दौरान 1,940 और अप्रैल से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान 2,022 थी।

दावा उत्पन्न होने की रोकथाम करने के लिए रेलवे द्वारा शुरू किए गए उपाय इस प्रकार हैं:

1. उपयुक्त संबंधन के लिए खराब और अलग किए गए माल डिब्बों की निगरानी करना और उसे उसके बुक किए गए गंतव्य/सही परेषिती को भेजना। इस प्रयोजनार्थ माल डिब्बों को जोड़ने/अलग करने के विवरण एफओआईएस मॉड्यूल में दर्ज किए जाते हैं।
2. पार्सलों की निगरानी करने के लिए पार्सल/सामान की बुकिंग/लदान/उतराई/सुपुर्दगी का विवरण पीएमएस में डाला जाता है ताकि ग्राहकों के लिए उनके द्वारा बुक करवाए परेषणों की वस्तुस्थिति देख पाना साध्य बनाया जा सके।
3. परेषणों का संबंधन और सुपुर्दगी साध्य बनाने के लिए परेषणों के आगमन से पहले गंतव्य रेलवे स्टेशन पर ओआरआरएस/पीआरआरएस की प्रतिलिपि भेजना।
4. इलेक्ट्रानिक चलायमान तुला चौकियों द्वारा रेकों को तौलना और सुपुर्दगी से पहले गंतव्य पर पार्सलों को तौलना।
5. रेकों का मार्गरक्षण।
6. मानसून पूर्वोपायों के संबंध में प्रत्येक वर्ष सर्वसंबंधित को अग्रिम रूप से अनुदेश जारी किए जाते हैं ताकि गीला होने से परेषण की क्षति की रोकथाम की जा सके।
7. माल डिब्बों के दरवाजों को ठीक से बंद करना, बोल्ट लगाना और कसना।
8. बोरीबंद परेषणों से सामग्री की उठाईगिरी की रोकथाम करने के लिए सेलुलोस झिल्ली का उपयोग। पानी के रिसाव को रोकने के लिए दरवाजे के सुराखों पर गनी स्ट्रिप्स/प्लास्टिक शीट का उपयोग, और खुले माल डिब्बों पर तिरपाल का उपयोग।
9. सभी बड़े पार्सल कार्यालयों में पर्याप्त सीसीटीवी की व्यवस्था करना।
10. माल शेड में ऊंचे मस्तूल के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की सुविधा।

कोयला लदान, दक्षिण पूर्व रेलवे

यात्री संव्यवहार

वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में यात्री यातायात का स्वरूप नीचे दर्शाया गया है:

	उपनगरीय		अनुपनगरीय	
	2023-24	**2024-25**	2023-24	**2024-25**
प्रारंभिक यात्री (मिलियन में)	3,981	**4,112**	2,924	**3,181**
यात्री किलोमीटर (मिलियन में)	1,18,506	**1,21,686**	9,46,193	**10,10,813**
औसत गमन-दूरी (किलोमीटर में)	29.8	**29.6**	323.6	**317.8**
आमदनी (करोड़ ₹ में)	2,861.55	**3,027.42**	67,831.78	**72,340.10**
प्रति यात्री किलोमीटर औसत दर (पैसे)	24.15	**24.88**	71.69	**71.57**

पिछले तीन वर्षों में यात्री यातायात का समग्र रुझान इस प्रकार था:

	कुल उपनगरीय और अनुपनगरीय		
	2022-23	2023-24	**2024-25**
यात्री आमदनी (करोड़ ₹ में)	63,416.85	70,693.33	**75,367.52**
यात्री यात्राएं (मिलियन में)	6,396	6,905	**7,293**
यात्री किलोमीटर (मिलियन में)	9,58,919	10,64,700	**11,32,500**
औसत गमन दूरी (किलोमीटर में)	149.9	154.2	**155.3**

किराया संरचना

क. वर्ष 2024-25 में यात्री किरायों में कोई वृद्धि नहीं की गई।

ख. अनुपनगरीय खंडों पर नई शुरू की गई पूरी तरह से वातानुकूलित ''नमो भारत रैपिड रेल'' की अनारक्षित सेवाओं का किराया ₹1.20 प्रति किलोमीटर तय किया गया है और न्यूनतम प्रभार्य किराया जीएसटी सहित ₹30 होगा।

बिना टिकट यात्रा

2024-25 के दौरान, बिना टिकट/अनियमित यात्रा (बुक नहीं किए सामान की ढुलाई सहित) के तहत 5.09 लाख जांचें की गई। बिना टिकट/अनियमित यात्रा/बुक नहीं किए गए सामान के लगभग 310.27 लाख मामलों का पता लगाया गया और ₹1,780.76 करोड़ वसूल किए गए।

समयपालन

वर्ष 2024-25 के दौरान एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली के अनुसार मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों का समयपालन (सही समय पर गंतव्य पर पहुंचना) 77.12% था। समयपालन का विश्लेषण करने के लिए जनवरी, 2009 से इस कंप्यूटर आधारित ऑन-लाइन प्रणाली को अपनाया गया था।

यात्री यात्रा
(अदद)

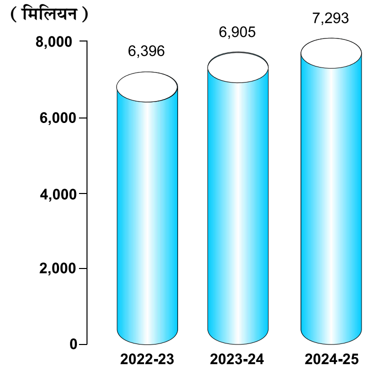

यात्री किलोमीटर

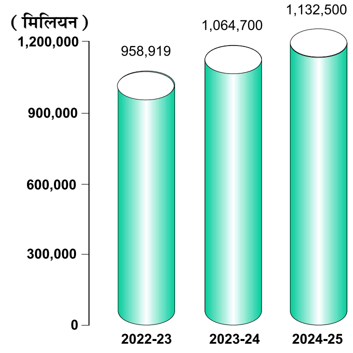

यात्री राजस्व

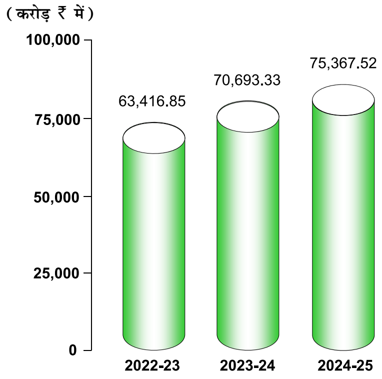

रेलवे स्टेशनों पर शुरू किए गए रेलगाड़ी गाइडेड डिस्प्ले सिस्टम

यूनिट राजस्व

वर्ष 2024-25 में प्रति यात्री किलोमीटर की औसत दर 66.50 पैसे थी, जबकि वर्ष 2023-24 में यह 66.40 पैसे थी। विभिन्न श्रेणियों के लिए औसत राजस्व इस प्रकार था:

	प्रति यात्री किलोमीटर आमदनी (पैसे में)		प्रति यात्री यात्रा आमदनी (₹ में)	
	2023-24	**2024-25**	2023-24	**2024-25**
उपनगरीय (सभी श्रेणियां)	24.1	**24.9**	7.2	**7.4**
अनुपनगरीय:				
वाता. प्रथम श्रेणी	343.5	**347.1**	1,942.2	**1,928.5**
वाता. शयनयान	188.5	**190.8**	1,500.0	**1,512.4**
वाता. 3-टियर	139.1	**138.7**	1,185.4	**1,160.8**
प्रथम श्रेणी	265.1	**373.1**	210.8	**275.8**
वाता. कुर्सीयान	199.4	**205.1**	624.8	**652.8**
शयनयान श्रेणी:				
(i) मेल/एक्सप्रेस	56.5	**56.7**	408.1	**403.9**
(ii) साधारण	69.9	**70.7**	129.9	**127.4**
द्वितीय श्रेणी:				
(i) मेल/एक्सप्रेस	38.2	**36.7**	101.4	**118.8**
(ii) साधारण	18.8	**20.0**	11.2	**13.3**
कुल अनुपनगरीय	71.7	**71.6**	232.0	**227.4**

एक स्टेशन एक उत्पाद

वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय रेल द्वारा नई गाड़ियों की शुरुआत की गई, उनका चालन-क्षेत्र बढ़ाया गया और मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की गई, जैसा कि नीचे दिया गया है:

	रेलगाड़ियां शुरू की गई	रेलगाड़ियों के चालन-क्षेत्र बढ़ाए गए	रेलगाड़ियों के फेरे बढ़ाए गए	कुल
अनुपनगरीय	121	78	16	215
उपनगरीय	13	42	06	61
कुल	**134**	**120**	**22**	**276**

(इकहरी रेलगाड़ियां)

खानपान सेवाएं

रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी खानपान नीति के अनुसार रेलगाड़ियों में और स्टेशनों पर यात्रियों को खानपान सेवाएं प्रदान की जाती हैं। भारतीय रेल यात्रियों को अच्छी गुणवत्ता और स्वास्थ्यकर भोजन उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। तदनुसार, इन सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाते हैं।

मार्गवर्ती स्टेशनों पर रसोई यानों (574 जोड़ी रेलगाड़ियां), ट्रेन साइड वेंडिंग (701 जोड़ी रेलगाड़ियां) और स्थैतिक इकाइयों के माध्यम से यात्रियों को खानपान सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

इसके अलावा, रेलगाड़ियों में यात्रा करने वाले यात्री ई-कैटरिंग सेवाओं के माध्यम से अपनी पसंद का भोजन प्राप्त कर सकते हैं, जो 424 स्टेशनों पर उपलब्ध हैं।

भारत गौरव रेलगाड़ी

भारतीय रेल पर स्थैतिक खाद्य इकाइयों में 548 वृहद स्थैतिक इकाइयां (फूड प्लाजा, फास्ट फूड इकाइयां, जन आहार, सेल किचन, बेस किचन, जलपान गृह और स्वचालित वेंडिंग मशीनें) और 9,213 लघु स्थैतिक इकाइयां (सभी स्टॉल व ट्रॉलियां) शामिल हैं। इसके अलावा, यात्रियों की यात्रा

संबंधी आवश्यक मदों की सुलभता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर 2,881 जल विक्रय मशीनें, 1,870 बहुप्रयोजनीय स्टॉल, 18 पुस्तक स्टॉल, 28 विविध/क्यूरियो स्टॉल और 03 अनन्य कैमिस्ट स्टॉल हैं।

भारतीय रेल द्वारा खानपान सेवाओं में सुस्पष्ट सुधार लाने के प्रयास में, वर्ष 2024-25 के दौरान कई पहलें की गई हैं, जो इस प्रकार हैं:

- नियमित अंतराल पर खानपान सेवाओं का तृतीय पक्ष सर्वेक्षण और ठेकेदारों के साथ उनके निष्कर्षों पर चर्चा।
- निर्दिष्ट बेस किचन से भोजन की आपूर्ति।
- चिह्नित स्थानों पर आधुनिक बेस किचन की शुरुआत।
- भोजन तैयार करने की बेहतर निगरानी के लिए बेस किचन में सीसीटीवी कैमरे संस्थापित करना।
- भोजन तैयार करने के लिए खाना पकाने का तेल, आटा, चावल, दालें, मसाले, पनीर, डेयरी उत्पाद आदि हेतु लोकप्रिय और ब्रांडेड कच्चे माल का चयन और उपयोग करना।
- खाद्य संरक्षा और स्वच्छता कार्यों की निगरानी के लिए बेस किचन में खाद्य संरक्षा पर्यवेक्षकों की तैनाती।
- गाड़ियों में ऑन-बोर्ड आईआरसीटीसी पर्यवेक्षकों की तैनाती।
- खाद्य पैकेटों पर क्यूआर कोड की शुरुआत करना, जिससे रसोई का नाम, पैकेजिंग की तिथि आदि जैसे विवरण प्रदर्शित हों।
- बेस किचन और रसोई यानों में नियमित रूप से गहन सफाई और आवधिक रूप से कीट नियंत्रण।
- खाद्य संरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक खानपान इकाई के नामित खाद्य संरक्षा अधिकारियों से भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है।
- गाड़ियों में भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और निगरानी तंत्र के एक भाग के रूप में नियमित रूप से खाद्य नमूना प्राप्त करना
- खाद्य संरक्षा अधिकारियों सहित रेलवे/आईआरसीटीसी के अधिकारियों द्वारा नियमित और औचक निरीक्षण किए जाते हैं।

नेरल-माथेरान

पूर्व रेलवे में शुरू की गई नई अमृत भारत रेलगाड़ी

रेल पर्यटन

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से रेल टूर पैकेजों, किफायती पर्यटक रेलगाड़ियों, चार्टर बिजनेस आदि के द्वारा रेल आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य कर रही है। अब, बेहतर तालमेल के साथ प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में सफल होने के लिए रेल और रेल से इतर आधारित पर्यटन गतिविधियों को शामिल करके पर्यटन गतिविधियों का विस्तार किया गया है, जिससे जनता को बेहतर पर्यटन सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। रेल संपर्क पूरे भारत में पर्यटन स्थलों तक पहुंचने और उन्हें बढ़ावा देने में सहायता करता है।

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से बजट से लग्जरी श्रेणी के यात्रियों को विभिन्न प्रकार के पर्यटन उत्पाद सुलभ कराती है। इसके अतिरिक्त, यह रेलवे स्टेशनों पर पर्यटन सूचना और सहायता केंद्रों, एग्जीक्यूटिव लाउंज आदि के माध्यम से विभिन्न गंतव्यों और टूर

नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी के उद्घाटन की झलक

रेलवे स्टेशन पर नि:शुल्क वाई-फाई सुविधा

पैकेजों के बारे में भी जानकारी सुलभ कराकर प्रमुख स्थानों पर बजट होटलों का संचालन भी करती है।

महत्वपूर्ण रेलगाड़ी/कोच सेवाएं, विभिन्न रेल आधारित टूर पैकेज हैं: (i) भारत गौरव गाड़ियां, (ii) लग्जरी टूरिस्ट रेलगाड़ियां जैसे पैलेस ऑन व्हील्स, डेक्कन ओडिसी, गोल्डन चैरियट और महाराजा एक्सप्रेस, (iii) बौद्ध सर्किट स्पेशल रेलगाड़ी (iv) रेल टूर पैकेज और (v) ऑनलाइन चार्टर रेलगाड़ियां/कोच।

(i) भारत गौरव रेलगाड़ियां

भारतीय रेल ने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थानों को दिखाने के उद्देश्य से दिनांक 23.11.2021 के 2021 के वाणिज्यिक परिपत्र संख्या 14 के तहत भारत गौरव रेलगाड़ी नीति के अंतर्गत थीम-आधारित पर्यटक सर्किट रेलगाड़ियां शुरू की हैं। सेवा प्रदाता अपना स्वयं का व्यवसाय मॉडल अपनाने और पर्यटकों से वसूला जाने वाला टैरिफ निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र होगा। सेवा प्रदाता रेल परिवहन, आवास, भोजन, स्थानीय दर्शनीय स्थलों की यात्रा आदि की सुविधा के साथ एक व्यापक पैकेज पेश कर सकता है। सेवा प्रदाता विपणन, टिकटों की बुकिंग, खानपान, आवास आदि जैसी बैक-एंड सेवाओं हेतु सहयोग-करार करने के लिए स्वतंत्र होगा। यह योजना रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए भी गुणात्मक प्रभाव का सृजन करती है। सवारी डिब्बों का स्वामित्व भारतीय रेल के पास रहेगा और भारतीय रेल सवारी डिब्बों के अनुरक्षण और उन्हें खड़ा करने की सुविधाओं सहित परिचालनिक सहायता प्रदान करेगी।

रेल मंत्रालय ने भारत गौरव रेलगाड़ी नीति के अंतर्गत बेहतर गुणवत्ता वाले लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी) सवारी डिब्बों की व्यवस्था द्वारा घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों पर संघटित बल देने और भारत गौरव रेलगाड़ी योजना के अंतर्गत रेल आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु रेलों को देय प्रभारों में लगभग 33% रियायत देने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, भविष्य में भारत गौरव रेलगाड़ियों के परिचालन के लिए एलएचबी सवारी डिब्बों की मांग को युक्तिसंगत बनाने के उद्देश्य से, इस समय केवल इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन को नए रेक का अनुरोध करने की अनुमति है। मौजूदा सेवा प्रदाता, जो पहले ही अपना रेक अनुरोध दे चुके हैं/जिन्हें रेक आवंटित कर दिया गया है, भारत गौरव रेलगाड़ी नीतिगत रूपरेखा के अंतर्गत कार्य करना जारी रखेंगे।

प्रथम भारत गौरव रेलगाड़ी अर्थात शिरडी यात्रा 14.06.2022 को कोयम्बतूर से मंत्रालयम और शिरडी तक और वापसी के लिए शुरू की गई थी और यह कुल 2,880 किलोमीटर की दूरी तय करती है। श्री रामायण यात्रा, विदेशी भूमि पर दौरा करने वाली पहली भारत गौरव रेलगाड़ी, जो पर्यटकों को लेकर नेपाल गई थी। भारत गौरव रेलगाड़ी नीति का विवरण https://bharatgauravtrains.indianrailways.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में देश भर के विभिन्न पर्यटन स्थलों को शामिल करने वाली भारत गौरव रेलगाड़ियों की विभिन्न सेवा प्रदाताओं द्वारा कुल 214 यात्राएं संचालित की गई जिनमें 1,36,113 यात्रियों ने यात्रा की।

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-सितंबर, 2025) में, भारत गौरव रेलगाड़ियों की कुल 98 यात्राएं संचालित की गई, जिनमें 60,335 यात्रियों ने यात्रा की।

विश्व स्तरीय चल स्टॉक तकनीक से सुसज्जित वंदे भारत ट्रेन सेट

(ii) लग्जरी पर्यटक रेलगाड़ियां

विभिन्न राज्य पर्यटन निगमों/इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के सहयोग से, भारतीय रेल कई लग्जरी पर्यटक गाड़ियां - 'पैलेस ऑन व्हील्स' (1982 से), 'डेक्कन ओडिसी' (2004 से), 'गोल्डन चैरियट' (2008 से) और 'महाराजा एक्सप्रेस' (2010 से) का परिचालन कर रही है। ये गाड़ियां मुख्य रूप से दुनिया के विभिन्न भागों से आने वाले पर्यटकों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 में, लग्जरी पर्यटक रेलगाड़ियों की कुल 73 यात्राएं परिचालित की गई, जिनमें देश भर के विभिन्न महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को कवर करते हुए 2,992 यात्रियों ने यात्रा की।

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-सितंबर, 2025) में, लग्जरी पर्यटक गाड़ियों की कुल 07 यात्राएं परिचालित की गई, जिनमें 228 यात्रियों ने यात्रा की।

पर्यटन विशेष (टी-स्पेशल) रेलगाड़ी, दक्षिण रेलवे

क) पैलेस ऑन व्हील्स

राजस्थान पर्यटन विकास निगम के सहयोग से भारतीय रेल इस लग्जरी पर्यटक रेलगाड़ी का परिचालन करती है। 22 सवारी डिब्बों वाली यह गाड़ी जयपुर, रणथंभौर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, जैसलमेर, जोधपुर, भरतपुर और आगरा जैसी जगहों की यात्रा के लिए 7 रातों/8 दिनों का एक पैकेज प्रदान करती है।

ख) डेक्कन ओडिसी

भारतीय रेल महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के सहयोग से इस लग्जरी पर्यटक रेलगाड़ी का परिचालन करती है। 21 सवारी डिब्बों वाली यह गाड़ी औरंगाबाद, पचोरा, गोवा, सावंतवाड़ी, आगरा, जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, ओरछा, बनारस, रामटेक और वरोरा जैसी जगहों की यात्रा के लिए 7 रातों/8 दिनों के छह पैकेज प्रदान करती है।

ग) गोल्डन चैरियट

भारतीय रेल कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम के माध्यम से इस लग्जरी पर्यटक रेलगाड़ी का परिचालन करती है। 18 सवारी डिब्बों वाली यह गाड़ी 5 रातों/6 दिनों के दो पैकेज और 3 रातों/4 दिनों के एक पैकेज के साथ परिचालित की जाती है, जो देश के दक्षिणी हिस्से को कवर करती है। इन यात्रा कार्यक्रमों में हम्पी, मैसूर, बादामी जैसे कर्नाटक के स्थल, केरल, तमिलनाडु और गोवा शामिल हैं।

घ) महाराजा एक्सप्रेस

भारतीय रेल, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से महाराजा एक्सप्रेस का प्रबंधन और परिचालन कर रही है। 23 बोगियों वाली यह रेलगाड़ी उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, रणथंभौर, आगरा, खजुराहो और वाराणसी जैसे स्थानों की यात्रा करने के लिए 6 रातों/7 दिनों के तीन पैकेज और 3 रातों/4 दिनों का एक पैकेज प्रदान करती है।

(iii) बौद्ध सर्किट विशेष रेलगाड़ी

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा 2007 से बौद्ध सर्किट विशेष पर्यटक रेलगाड़ी का परिचालन किया जा रहा है। यह पूर्णत: वातानुकूलित रेलगाड़ी है जो भारत के सभी प्रमुख बौद्ध तीर्थस्थलों और नेपाल के लुंबिनी की यात्रा करने के लिए 7 रातों और 8 दिनों का पैकेज प्रदान करती है। इसमें भगवान गौतम बुद्ध के जीवन काल से जुड़े प्रमुख स्थानों जैसे बोधगया, राजगीर, नालंदा, वाराणसी, सारनाथ, कुशीनगर, लुंबिनी (नेपाल), श्रावस्ती और आगरा को शामिल किया गया है।

बौद्ध सर्किट रेलगाड़ी के नए रेक में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं जैसे दो डाइनिंग कार, वैक्यूम बायो-टॉयलेट, एयर सस्पेंशन स्प्रिंग्स, सुरक्षा लॉकर, साइड सीटिंग सुविधाओं के साथ आशोधित द्वितीय श्रेणी वातानूकुलित सवारी डिब्बे, ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग और सुरक्षा, सीसीटीवी कैमरा सुरक्षा, दुर्घटना बीमा सुविधा, फुट मसाजर, मिनी लाइब्रेरी इत्यादि उपलब्ध कराई गई हैं। वेबसाइट अर्थात् www.irctcbuddhisttrain.com पर इस रेलगाड़ी की प्रस्थान तिथियों के साथ यात्रा कार्यक्रम अपलोड किए गए हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, 198 पर्यटकों के साथ बौद्ध विशेष रेलगाड़ी की कुल 05 यात्राएं संचालित की गई हैं।

पानी की वेडिंग मशीन

(iv) रेल टूर पैकेज

भारतीय रेल के इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से यह एक व्यापक पैकेज है, जिसमें सड़क परिवहन, आवास, भोजन और दर्शनीय स्थलों की यात्रा जैसे पैकेज के अन्य भागों के अलावा आगे की और वापसी की सुनिश्चित रेल यात्रा के साथ वाजिब दरों पर व्यापक पैकेज सुलभ कराए जाते हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे का रेल सौंध मुख्यालय

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 21,859 पर्यटकों ने रेल टूर पैकेज की सुविधा का लाभ उठाया। वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-सितंबर, 2025) के दौरान 2,557 पर्यटकों ने रेल टूर पैकेज की सुविधा का लाभ उठाया है।

(v) रेलगाड़ियों/सवारी डिब्बों का ऑनलाइन चार्ट तैयार करना

रेल मंत्रालय द्वारा इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन को चार्टर आधार पर सभी रेलगाड़ियों और सवारी डिब्बों की ऑनलाइन बुकिंग के लिए सिंगल विंडो एजेंसी के रूप में नामोद्दिष्ट किया गया है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के स्पेशल वेब पेज, www.ftr.irctc.co.in/ftr पर पूर्ण शुल्क दर रेलगाड़ियों/सवारी डिब्बों की ऑनलाइन बुकिंग की जाती है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन उन रेलगाड़ियों की एक सूची भी प्रदान करता है जिनमें ग्राहक की सुविधा के लिए सवारी डिब्बे जोड़े जा सकते हैं, जिसे नियमित आधार पर अद्यतन किया जाता है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन के माध्यम से 286 (113 रेलगाड़ियां और 173 सवारी डिब्बे) चार्टर ट्रेन/सवारी डिब्बे बुक किए गए थे। वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-सितंबर, 2025) में, आईआरसीटीसी के माध्यम से 91 (42 रेलगाड़ियां, 42 सवारी डिब्बे और 07 सैलून कारें) बुक किए गए थे।

यात्री सुविधाएं

भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान

वित्त वर्ष 2024-25 में योजना शीर्ष-3 "यात्री सुविधाएं" के अन्तर्गत आवंटन ₹12,994 करोड़ (संशोधित अनुमान) था।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण तथा दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि तथा दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

इस योजना के अंतर्गत, अब तक 1337 स्टेशनों को विकास के लिए चिह्नित किया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। दिनांक 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, 105 स्टेशनों पर कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल में 291 ऊपरी सड़क पुलों का निर्माण किया गया। 233 रेलवे स्टेशनों पर वाटर कूलर सुलभ कराए गए, 67 रेलवे स्टेशनों को विद्युतीकृत किया गया और रेलवे स्टेशनों पर 367 यात्री लिफ्ट और 191 स्वचालित सीढ़ियां सुलभ कराए गए।

ग्राहक सेवा

स्टेशन पर यात्रियों के लिए एस्कालेटर सेवा

क्षेत्रीय रेलों के फ्रंटलाइन कर्मचारियों को यात्रियों के साथ शिष्टता और विनम्रता से पेश आने के लिए बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने हेतु मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत आई-गॉट प्लेटफॉर्म लांच किया गया है ताकि ऐसे कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जा सके। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, मास्टर प्रशिक्षकों को ग्राहक सेवा सहित विभिन्न पहलुओं पर ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है और सभी क्षेत्रीय रेलों (स्टेशन मास्टर, चल टिकट परीक्षकों, बुकिंग क्लर्क, पूछताछ और आरक्षण क्लर्क और माल क्लर्क सहित) के सभी फ्रंटलाइन कर्मचारियों को शामिल किया गया है।

कर्मचारियों को यात्रियों के प्रति विनम्र और शिष्ट व्यवहार के महत्व के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे अधिक मिलनसार वातावरण तैयार हो सके। इस व्यापक दृष्टिकोण का उद्देश्य समग्र यात्री अनुभव को बढ़ाना, संपूर्ण रेल नेटवर्क गुणवत्ता में सुधार करना और यह सुनिश्चित करना है कि सेवा ग्राहक-केंद्रित हो।

यूटीएस एप एवं एटीवीएम के जरिए डिजिटल को अपनाना

(क) यात्री आरक्षण प्रणाली

यात्री आरक्षण प्रणाली लगभग 3,692 स्थानों पर संचालित की जा रही है और इसके द्वारा 5,000 से अधिक रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। 86% से अधिक टिकट www.irctc.co.in वेबसाइट के माध्यम से खरीदे जाते हैं।

भारतीय डाक के यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत आरक्षण टर्मिनलों का विस्तार दूरस्थ क्षेत्रों में किया गया है; साथ ही गैर-रेल शीर्ष यात्री आरक्षण प्रणाली सुविधाओं को राज्य सरकार और स्थानीय निकायों के माध्यम से बढ़ाया गया है। पिछले वर्षों में यात्री आरक्षण प्रणाली स्थानों की प्रगति इस प्रकार है:

यात्री आरक्षण प्रणाली सुविधा वाले स्थलों की संख्या

वित्त वर्ष	13-14	14-15	15-16	16-17	17-18	18-19	19-20	20-21	21-22	22-23	23-24	24-25
स्थलों की संख्या	3,146	3,201	3,350	3,422	3,384	3,443	3,445	3,274	3,456	3,465	3,531	3,692

(ख) अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस)

2002-03 में शुरू की गई अनारक्षित टिकट प्रणाली अब भारतीय रेल पर लगभग 7,932 स्थलों पर कार्य कर रही है। इनमें भारतीय रेल के अधिकांश महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन शामिल हैं। पिछले वर्षों में स्थानों में वृद्धि का विवरण निम्नानुसार है:

अनारक्षित टिकट प्रणाली सुविधा वाले स्थलों की संख्या

वित्त वर्ष	13-14	14-15	15-16	16-17	17-18	18-19	19-20	20-21	21-22	22-23	23-24	24-25
स्थलों की संख्या	5,778	5,835	5,860	6,083	6,070	6,259	6,329	4,218*	6,120	6,331	6,556	7,932

*यह अना.टि.प्र. के कार्य कर रहे स्थलों को दर्शाता है। कोविड के कारण कुछ स्थलों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप भी लोकप्रिय हो गया है, विशेषत: मुंबई के उपनगरीय क्षेत्रों में।नवीनतम संवर्धन एम-यूटीएस है जो पोर्टेबल प्रिंटर से जुड़े मोबाइल उपकरणों द्वारा अनारक्षित टिकट प्रणाली से टिकटें बुक करने में सहायता करता है।

रेलवे स्टेशन पर नकदी रहित कॉउटर

(ग) स्वचल टिकट विक्रय मशीनें/सिक्का-सह-कार्ड चालित स्वचल टिकट विक्रय मशीनें

इस समय, भारतीय रेल में 4,661 से अधिक स्वचल टिकट विक्रय मशीनें और 5 सिक्का-सह-कार्ड चालित स्वचल टिकट विक्रय मशीनें कार्य कर रही हैं। स्वचल टिकट विक्रय मशीनें एक टच स्क्रीन सुविधा से यात्री द्वारा अनारक्षित टिकट, प्लेटफार्म टिकट खरीदने और सीजन टिकट को रिचार्ज करने में सहायता करती हैं। इस प्रकार, व्यस्त अवधि में काउंटरों पर कतार बहुत कम हो जाती है।

(घ) भारतीय रेल में ऑनलाइन और मोबाइल टिकट प्रणाली

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन की ओर से आरक्षित टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग हेतु www.irctc.co.in वेबसाइट, जो देशभर में सबसे बड़ी ई-कॉमर्स वेबसाइटों में से एक है, का प्रबंधन क्रिस द्वारा किया जाता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे पर स्थानीय उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए एक स्टेशन एक उत्पाद

भारतीय रेल पर टिकट बुकिंग की कुछ प्रमुख विशेषताएं

(क) ई-टिकटिंग प्रणाली

ई-टिकटिंग भारतीय रेल की एक सर्वाधिक यात्री हितैषी पहल है, क्योंकि यह रेल आरक्षण काउंटरों तक जाने की आवश्यकता को समाप्त करती है। जिन यात्रियों ने ई-टिकट बुक किए हैं, वे या तो इलेक्ट्रॉनिक रिजर्वेशन स्लिप का प्रिंट आउट ले सकते हैं या इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन द्वारा भेजे गए शॉर्ट मैसेज सर्विसेज (एसएमएस) को दिखा सकते हैं, जिसमें आरक्षण चार्ट में यात्रियों का नाम मौजूद होने और मूल रूप में पहचान के निर्धारित प्रमाणों में से किसी एक को रखने के अध्यधीन आरक्षित श्रेणियों में यात्रा करने के लिए रेलगाड़ी में टिकट जांच कर्मचारी के लिए सभी महत्वपूर्ण विवरण होते हैं। ई-टिकटिंग द्वारा पेश की जाने वाली सहूलियत के कारण, पिछले कुछ वर्षों में ई-टिकटिंग का हिस्सा लगातार बढ़ा है और यह 2024-25 के दौरान बुक किए गए कुल आरक्षित टिकटों का लगभग 87.5% है।

(ख) मोबाइल फोन द्वारा अनारक्षित टिकट बुकिंग

रेलवन ऐप को एक एकल प्लेटफॉर्म के रूप में लॉन्च किया गया है जो टिकट बुकिंग, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, पीएनआर स्थिति, फूड ऑर्डर और शिकायत दर्ज करने आदि जैसी विभिन्न यात्री सेवाओं को एकीकृत करता है। रेलवन ऐप में प्रदान की गई सुविधाओं में से एक अनारक्षित टिकटों की बुकिंग है, जिसका उद्देश्य अनारक्षित टिकटों की खरीद के लिए टिकट बुकिंग काउंटरों पर कतारों में प्रतीक्षा करने की आवश्यकता को कम करना है और इस तरह अनारक्षित यात्रा टिकटों, सीजन टिकटों और प्लेटफॉर्म टिकटों की निर्बाध बुकिंग की सुविधा प्रदान करना है। प्रयोक्ता इन सभी सेवाओं का लाभ एकल लॉगिन के माध्यम से एकीकृत तरीके से उठा सकता है। भुगतान या तो रेलवे वॉलेट (आर-वॉलेट) के माध्यम से या भुगतान एग्रीगेटर्स के माध्यम से अन्य डिजिटल मोड जैसे डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई के माध्यम से किया जा सकता है। रेलवन ऐप को एंड्रॉयड प्ले स्टोर और एप्पल ऐप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है और पंजीकरण उपयोगकर्ता के अनुकूल है।

(ग) बुकिंग की स्थिति के बारे में जानकारी

पहले आरक्षण चार्ट को क्षेत्रीय रेलों द्वारा गाड़ी के निर्धारित प्रस्थान समय से अधिमानतः न्यूनतम 8 घंटे पहले तैयार किया जाता है ताकि प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्री अपनी बुकिंग की अंतिम स्थिति के बारे में जान सकें। इसके बाद, उपलब्ध स्थान, यदि कोई हो, किसी भी कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर से या इंटरनेट द्वारा बुक किया जा सकता है। दूसरा आरक्षण चार्ट गाड़ी के निर्धारित/ पुनर्निर्धारित प्रस्थान समय से पहले 30 मिनट से 15 मिनट के बीच तैयार किया जाता है। दूसरे आरक्षण चार्ट को तैयार करने के बाद शेष शायिकाएं, यदि कोई हों, तो अगले दूरस्थ स्थान पर स्थानांतरित कर दी जाती हैं।

(घ) वैकल्पिक रेलगाड़ी स्थान योजना - विकल्प

प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्रियों को कन्फर्म्ड स्थान सुलभ कराने और उपलब्ध स्थान का यथेष्ट उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वैकल्पिक रेलगाड़ी स्थान योजना - विकल्प नामक एक योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत, प्रतीक्षा-सूचीबद्ध यात्री टिकट बुक करवाते समय चार्ट तैयार करने के बाद शायिका कन्फर्म नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक रेलगाड़ी से यात्रा करने का विकल्प दे सकते हैं।

(ङ) स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट

टिकट बुक करवाने में सहायता करने के लिए 'अनुपनगरीय ग्रेड-5' और 'अनुपनगरीय ग्रेड-6' कोटि के रेलवे स्टेशनों पर अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए 'स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों' को नियुक्त किया गया है। 'अनुपनगरीय ग्रेड-4' और 'उपनगरीय ग्रेड-3' रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना भी शुरू की गई है।

(च) यात्री टिकट सुविधा केंद्र

टिकटें (आरक्षित और अनारक्षित दोनों) जारी करने की सुविधाओं का विस्तार करने की दृष्टि से, यात्री टिकट सुविधा केंद्र नामक केंद्रों में कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली-सह-अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली टर्मिनलों की स्थापना और संचालन में सार्वजनिक निजी भागीदारी की अनुमति दी गई थी।

नागपुर में नई वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन की झलक

(छ) दिव्यांगजन के लिए ऑनलाइन रियायती टिकट बुक करवाने की सुविधा

दिव्यांगजन को ऑनलाइन रियायती टिकट बुक करवाने की सुविधा सुलभ कराने के लिए इंटरनेट द्वारा टिकट बुक कराने की परिधि बढ़ाई गई है।

(ज) इंटरनेट द्वारा विदेशी पर्यटकों के लिए 365 दिन पहले बुकिंग

इंटरनेट (ई-टिकटिंग) द्वारा विदेशी पर्यटकों को कन्फर्म आरक्षण सुलभ कराने के उद्देश्य से उन्हें 365 दिन पहले सभी रेलगाड़ियों में एग्जीक्यूटिव श्रेणी/प्रथम वातानुकूल, द्वितीय वातानुकूल, तृतीय वातानुकूल, शयनयान श्रेणी, द्वितीय सिटिंग और कुर्सीयान श्रेणी में स्थान बुक करने की अनुमति दी गई है। यह सुविधा अग्रिम आरक्षण अवधि के अनुसार रेलगाड़ी में आरक्षण खुलने के समय तक उपलब्ध है। इसके बाद विदेशी पर्यटक, विदेशी पर्यटक कोटे में टिकट बुक करवा सकते हैं जिसे मांग के स्वरूप के आधार पर कतिपय मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में निर्धारित किया गया है।

(झ) रेलगाड़ी में चढ़ने के स्थान को ऑनलाइन बदलने की सुविधा

यात्रियों की सहूलियत के लिए, प्रथम आरक्षण चार्ट तैयार करने के समय तक रेलगाड़ी में चढ़ने का स्थान ऑनलाइन बदलने की सुविधा इंटरनेट द्वारा बुक करवाए गए टिकटों के साथ-साथ कंप्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटर से बुक करवाए गए टिकटों, दोनों के लिए उपलब्ध करा दी गई है। यह सुविधा 139 के माध्यम से और यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटरों पर (यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों के कार्य समय के दौरान) सर्वत्र उपलब्ध है। 24 घंटे पहले रेलगाड़ी में चढ़ने का स्थान बदलने के मामले में, सामान्य परिस्थितियों में कोई धन वापसी अनुमेय नहीं है।

(ञ) स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन

भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों पर एटीवीएम लगाए गए हैं ताकि यात्री स्मार्ट कार्ड और भुगतान के अन्य डिजिटल तरीकों का उपयोग करके अनारक्षित टिकट खरीद सकें। यात्री डिजिटल भुगतान के तरीकों का उपयोग करके एटीवीएम से अनारक्षित टिकट प्राप्त कर सकते हैं या भारतीय रेल द्वारा नियुक्त सुविधा प्रदाताओं की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। 2024-25 के दौरान, लगभग 22.02% अनारक्षित टिकट एटीवीएम के माध्यम से जारी किए गए थे।

कोचिंग वाहन

1. अर्ध-उच्च गति वंदे भारत (रेलगाड़ी-सेट) का प्रारंभ :-

भारतीय रेल ने यात्री गाड़ी की रेल यात्रा को पूर्णतः नया रूप देने की परिकल्पना की है। नवीनतम विश्वस्तरीय चल स्टॉक तकनीक और बेहतर यात्री सुविधाओं को शामिल करके प्रत्येक प्रकार के यात्री चल स्टॉक का उन्नयन किया जा रहा है ताकि रेल यात्रा को सुरक्षित, विश्वसनीय, तीव्र और अद्वितीय यात्रा अनुभव वाला बनाया जा सके। भारतीय रेल ने वंदे भारत ट्रेन सेटों को चरणबद्ध रूप से सेवा में शामिल करने की योजना बनाई है।

वर्तमान में, भारतीय रेल में 88 वंदे भारत चेयर कार गाड़ियां चल रही हैं, जो निम्नानुसार हैं :-

क. 2019 से नई दिल्ली - वाराणसी और नई दिल्ली - श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच दो वंदे भारत रेलगाड़ियां चल रही हैं।

ख. 2022-23 में उन्नत संरक्षा सुविधाओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं वाली 12 नई वंदे भारत रेलगाड़ियों के नए और बेहतर संस्करण का विनिर्माण किया गया है।

अमृत भारत रेलगाड़ी रेक का उन्नत आंतरिक दृश्य

पूर्व मध्य रेलवे में पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन

ग. 2023-24 में उन्नत संरक्षा सुविधाओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं से युक्त 51 नई वंदे भारत रेलगाड़ियों का विनिर्माण किया गया है।

घ. 2024-25 में उन्नत संरक्षा सुविधाओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं के साथ 23 नई वंदे भारत रेलगाड़ियों का विनिर्माण किया गया है।

2. वंदे भारत शयनयान गाड़ियां

- भारतीय रेल ने वंदे भारत शयनयान गाड़ियों का विनिर्माण शुरू किया है, जिन्हें लंबी और मध्यम दूरी की यात्रा के लिए संकल्पित किया गया है।
- वर्तमान में, 10 वंदे भारत शयनयान गाड़ियों (16-कार) का विनिर्माण भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों (अर्थात् सडिका) द्वारा किए जाने की योजना है। पहले प्रोटोटाइप रेक का विनिर्माण कर लिया गया है और इसे कमीशन किया जा रहा है।
- इसके अलावा, सडिका, चेन्नै में 24-कार संरूपण वाली वंदे भारत शयनयान के 50 रेकों के विनिर्माण की परिकल्पना की गई है।
- वंदे भारत शयनयान गाड़ियों की प्रमुख विशेषताएं हैं:
  - ➢ वंदे भारत चेयर कार की सभी विशेषताएं।
  - ➢ उन्नत दुर्घटनारोधी व्यवस्था
  - ➢ बफिंग यूनिटों के बीच अर्ध-स्थायी/अर्ध-स्वचालित कपलर की व्यवस्था।
  - ➢ विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप साज-सज्जा, डिजाइन, सुविधाएं आदि।
  - ➢ विमान की तरह के विश्वस्तरीय शौचालय/कोच पैनल।

3. अमृत भारत गाड़ियां

- भारतीय रेल ने पूरी तरह से अवातानुकूलित अमृत भारत रेलगाड़ियों की शुरुआत की है, जिसमें वर्तमान में 11 सामान्य श्रेणी के सवारी डिब्बे, 8 शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बे, 1 रसोई यान और 02 द्वितीय श्रेणी के सामान सह दिव्यांगजन सवारी डिब्बे शामिल हैं। इन रेलगाड़ियों को अवातानुकूलित वर्ग के यात्रियों को विश्वस्तरीय आधुनिक और आरामदायक रेल यात्रा अनुभव प्रदान करके आम जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन और विनिर्मित किया गया है।
- 30.12.2023 से अवातानुकूलित अमृत भारत एक्सप्रेस के दो रेक नियमित सेवा में शुरू किए गए हैं।
- सौंदर्य और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त विशेषताओं के साथ 100 अन्य अमृत भारत रेलगाड़ियों के उत्पादन की परिकल्पना की गई है।
- उच्च गति और उन्नत संरक्षा मानक इन गाड़ियों की विशेषताएं हैं, जिनमें निम्नलिखित उन्नत विशेषताएँ और सुविधाएं शामिल हैं:
  - ➢ वंदे भारत शयनयान के समान उन्नत रूप और अनुभूति वाली सीटों और शायिकाओं की बेहतर साज-सज्जा।
  - ➢ झटका मुक्त सेमी-ऑटोमेटिक कपलर।
  - ➢ क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों में उन्नत दुर्घटनारोधी व्यवस्था।
  - ➢ सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्षों में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।
  - ➢ शौचालयों की बेहतर डिजाइन।
  - ➢ शायिकाओं पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी की बेहतर डिजाइन।
  - ➢ बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।
  - ➢ ईपी सहायता प्राप्त ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।

विस्टाडोम सवारी डिब्बे का आंतरिक दृश्य

- ➢ शौचालयों और इलेक्ट्रिकल क्यूबिकल्स में एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली।
- ➢ यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट।
- ➢ यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच पारस्परिक संप्रेषण के लिए आपातकालीन टॉक-बैक प्रणाली।
- ➢ उन्नत तापन क्षमता वाला अवातानुकूलित रसोई यान।
- ➢ आसानी से जोड़ने और अलग करने के लिए त्वरित मोचन प्रणाली वाले पूर्ण रूप से सीलबंद गैंगवे।

- भारतीय रेल ने मिश्रित वातानुकूलित/अवातानुकूलित सवारी डिब्बों के साथ अमृत भारत रेकों के उत्पादन की भी परिकल्पना की है।

4. नमो भारत रैपिड रेल

- वंदे भारत रेलगाड़ियों की विशेषताओं का उपयोग करके अंतर-शहर कम दूरी की यात्रा के लिए उपनगरीय और क्षेत्रीय यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर करने के लिए नमो भारत रैपिड रेल शुरू की गई है।
- नमो भारत रैपिड रेल की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:
  - ➢ केंद्रीय रूप से नियंत्रित डबल लीफ ऑटोमेटिक स्लाइडिंग दरवाजे
  - ➢ संरक्षा और यात्री निगरानी के लिए सीसीटीवी
  - ➢ गद्देदार सीटें और सीलबंद लचीले गैंगवे वाले मॉड्यूलर इंटीरियर
  - ➢ इमरजेंसी टॉक सिस्टम
  - ➢ ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था के साथ निरंतर एलईडी प्रकाश व्यवस्था
  - ➢ वैक्यूम इवैक्यूशन वाले एफआरपी मॉड्यूलर शौचालय
  - ➢ ड्राइवर कैब एसी सहित पूर्णतया वातानुकूलित गाड़ियां
- वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क में नमो भारत रैपिड रेल की 04 सेवाएं चल रही हैं।

5. विस्टाडोम सवारी डिब्बे

विस्टाडोम सवारी डिब्बे अधिक चौड़ी खिड़कियों के साथ-साथ छत में पारदर्शी भागों से विशालदर्शी दृश्य दिखाते हैं, इस प्रकार यात्री उन स्थानों की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले पाते हैं जहां से वे गुजरते हैं। 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 124 विस्टाडोम सवारी डिब्बे उपलब्ध हैं।

6. हाइड्रोजन ट्रेन सेट

हाइड्रोजन ईंधन सेल का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन चालित रेलगाड़ी के विकास हेतु प्रायोगिक आधार पर एक परियोजना शुरू की गई है। भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित यह रेलगाड़ी 2400 किलोवाट शक्ति और 10 सवारी डिब्बों की संरचना के साथ दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन रेलगाड़ी होगी। यह रेलगाड़ी भारतीय रेल में हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रदर्शित करेगी।

7. पूर्णतया एल.एच.बी. को अपनाना

रेल मंत्रालय ने एल.एच.बी. सवारी डिब्बों का बड़े पैमाने पर विस्तार करने का निर्णय लिया हैं, जो एंटी क्लाइम्बिंग व्यवस्था, विफलता सूचक प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (द्वितीयक) और कम संक्षारक काय जैसी विशेषताओं के साथ तकनीकी दृष्टि से बेहतर हैं। पारंपरिक सडिका सवारी डिब्बों की तुलना में ये सवारी डिब्बे बेहतर आराम मुहैया कराते हैं और अधिक सुंदर हैं। अप्रैल 2018 से भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में अब केवल

रेलवे स्टेशन पर भारतीय जन औषधि केन्द्र (पीएमबीजेके)

अमृत भारत रेलगाड़ी

एल.एच.बी. सवारी डिब्बों का उत्पादन हो रहा है। पारंपरिक सडिका सवारी डिब्बों से चलने वाली गाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से एलएचबी सवारी डिब्बों से बदला जा रहा है। 31.03. 2025 की स्थिति के अनुसार, कुल 1496 रेक एलएचबी सवारी डिब्बों वाले हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में, 111 सडिका रेकों को एलएचबी रेकों में परिवर्तित किया गया है।

8. सवारी डिब्बों में जैव शौचालय

भारतीय रेल ने ''स्वच्छ भारत अभियान'' के भाग के रूप में अपने सभी सवारी डिब्बों में जैव शौचालय लगाने/संस्थापित करने का कार्य पूरा कर लिया है। इससे यह सुनिश्चित हो गया है कि सवारी डिब्बों से रेलपथ पर मानव अपशिष्ट न गिरे। इस प्रयास के फलस्वरूप, प्रतिदिन लगभग 2,74,000 लीटर अपशिष्ट जल और प्रतिदिन 3980 टन अपशिष्ट को पटरियों पर गिरने से रोका जा रहा है।

संस्थापित किए गए जैव-शौचालयों का प्रावधान वर्ष 2004-2014 में 9,587 से बढ़ाकर वर्ष 2014-2025 (30.06.2025 तक) में 3,33,191 कर दिया गया है। उत्पादन इकाइयों से उत्पादित किए जा रहे सभी नवनिर्मित सवारी डिब्बों में जैव-शौचालय संस्थापित किए जा रहे हैं।

9. सवारी डिब्बों में संरक्षा को बेहतर बनाने पर ध्यान देना

भारतीय रेल यात्रियों की संरक्षा और विश्वसनीयता का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण करने के लिए निम्नलिखित कदम उठा रही है:

(i) वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली (एफएसडीएस) का प्रावधान:- चलती हुई रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा में सुधार के लिए, सभी नवनिर्मित वातानुकूलित सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली संस्थापित की जा रही है। इसके अलावा, परिचालन में वर्तमान सवारी डिब्बों के लिए रेट्रो-फिटमेंट प्रगति पर है। सभी वातानुकूलित सवारी डिब्बों को अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली से सुसज्जित किया गया है।

(ii) सभी सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्रों का प्रावधान:- सभी वातानुकूलित और अवातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्र उपलब्ध कराए गए हैं और नवनिर्मित सवारी डिब्बों में भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

(iii) रसोई यानों और पावर कारों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली (एफडीएसएस) का प्रावधान:- सभी रसोई यानों और पावर कारों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली संस्थापित की गई है और इसे उत्पादन इकाइयों से उत्पादित किए जा रहे नए सवारी डिब्बों में भी संस्थापित किया जा रहा है।

(iv) डीईएमयू में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली (एफएसडीएस) का प्रावधान:- भारतीय रेल के बेड़े में परिचालित डीईएमयू रेकों के डीपीसी सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली संस्थापित की जा रही है। डीईएमयू के 268 डीपीसी सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली संस्थापित की गई है।

10. एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों की शुरुआत

भारतीय रेल में ऑटोमोबाइल वाहक वाहनों की मांग में वृद्धि हुई है। तदनुसार, ऑटोमोबाइल संचलन संबंधी यातायात को आकर्षित करने के लिए, एनएमजी/एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है।

इसके अलावा, त्वरित परिवहन और लदान में सुगमता के लिए 110 किलोमीटर प्रति घंटे की उच्च गति क्षमता वाले एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बे और साइड एंट्री के प्रावधान के साथ एनएमजीएचएस सवारी डिब्बे भी सेवा में शुरू किए गए हैं।

हवाई जहाज के समान जैव-शौचालय

11. अन्य पहलकदमियां:

- ➢ गाड़ी की निर्धारित ठहराव अवधि के भीतर गाड़ियों में तेजी से पानी भरने के लिए स्टेशनों पर तीव्र गति से पानी भरने की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। यात्रा के दौरान सवारी डिब्बों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ये सुविधाएं अनिवार्य हैं। वर्तमान में, इस सुविधा को लगभग 287 स्थानों पर संस्थापित करने के लिए चिह्नित किया गया है और 145 स्थानों पर इसे चालू कर दिया गया है तथा अन्य स्थानों पर भी इसकी संस्थापना की जा रही है/योजना बनाई जा रही है।
- ➢ सवारी डिब्बों के बाहरी हिस्से को अधिक प्रभावी ढंग से और कुशलता से साफ करने के लिए क्षेत्रीय रेलों में स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र संस्थापित किए गए हैं। यंत्रीकृत सफाई के लाभ के अलावा, एक एकीकृत संयंत्र के माध्यम से जल के अपव्यय को रोकने और जल पुनर्चक्रण से सीधे जल की खपत भी कम होती है। ये स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र 82 स्थानों पर कार्यरत हैं।
- ➢ सवारी डिब्बों में आईओटी आधारित जल स्तर संकेतक चलते हुए सवारी डिब्बों में जल स्तर की निगरानी करके यात्रियों के आराम में वृद्धि करता है और सवारी डिब्बों में टैंकों में पानी की अनुपलब्धता के कारण यात्रियों को होने वाली असुविधा को भी कम करता है। ये प्रणालियां अगले जलभराई स्टेशन को कम जल स्तर वाले सवारी डिब्बों में पानी भरने में सक्षम बनाते हैं और इस प्रकार, यात्रियों की शिकायतों को कम करते हैं। वर्तमान में, भारतीय रेल में 1518 प्रणालियां (1314 सवारी डिब्बों में) संस्थापित की गई हैं और 40,000 सवारी डिब्बों में इसकी संस्थापना के लिए स्वीकृति दी गई है।
- ➢ भारतीय रेल में वंदे भारत रेलगाड़ियों में मार्गवर्ती दोषों और रिपोर्ट किए गए मुद्दों की तत्समय निगरानी और समाधान के लिए एक एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र विकसित किया गया है। यह केंद्र सडिका चेन्नै में कार्यरत है।
- ➢ गतिशील रेलगाड़ी में विभिन्न पहिया मापदंडों जैसे फ्लैंज घिसाव, अडेड ट्रेड, पहिए के व्यास आदि को मापने के लिए पहिया प्रोफाइल माप प्रणालियां (डब्ल्यूपीएमएस) संस्थापित की जा रही हैं। ये प्रणालियाँ कैप्चर किए गए डेटा का विश्लेषण करेंगी और एक उपयुक्त इंटरफेस के माध्यम से अनुरक्षण कर्मचारियों को तत्समय प्रतिक्रिया प्रदान करेंगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि पिट लाइन पर सवारी डिब्बों/माल डिब्बों को खड़ा करने से पहले अनुरक्षण के लिए उचित योजना बनाई गई है, जिससे विश्वसनीयता के स्तर को बढ़ाने में सहायता मिलती है।

स्वच्छता और साफ-सफाई

- रेलगाड़ियों की स्वच्छता और गृह-व्यवस्था (हाउसकीपिंग) सतत् प्रक्रिया है और भारतीय रेल गाड़ियों और स्टेशनों का उचित अनुरक्षण करने और स्वच्छता बनाए रखने का हर संभव प्रयास करती है।
- लगभग 215 कोचिंग डिपो में पेशेवर एजेंसियों के माध्यम से सवारी डिब्बों की यंत्रीकृत सफाई की जा रही है। हाई प्रेशर जेट क्लीनर, फ्लोर स्क्रबर, वेट एंड ड्राई वैक्यूम क्लीनर आदि जैसी मशीनों का उपयोग किया जाता है।
- वर्तमान में, रेलगाड़ियों से रेलपथ पर मानव अपशिष्ट को सीधे गिरने से रोकने के लिए शौचालयों से सुसज्जित सभी यात्री वाहक मेन लाइन सवारी डिब्बों में जैव-शौचालयों का प्रावधान किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप प्लेटफॉर्म और स्टेशन के स्वच्छता स्तर में सुधार हुआ है।
- रेलगाड़ियों के चालन के दौरान सवारी डिब्बों के शौचालयों, दरवाजों, गलियारों और यात्री डिब्बों की सफाई करने के लिए राजधानी, शताब्दी और अन्य महत्वपूर्ण लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस सहित लगभग 1350 जोड़ी रेलगाड़ियों में ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सेवा सुलभ कराई गई है।
- भारतीय रेल में निर्धारित स्टेशनों पर मार्ग में उनके ठहराव के दौरान शौचालयों की सफाई

पातालपानी-कालाकुंड खंड मनोरम दृश्य

एलएचबी सवारी डिब्बे-यात्रियों की सुविधा और संरक्षा के अनुकूल

सहित चिह्नित रेलगाड़ियों में सीमित यंत्रीकृत सफाई करने के लिए लगभग 42 क्लीन ट्रेन स्टेशन उपलब्ध कराए गए हैं। हाल ही में, संशोधित सीटीएस योजना के अंतर्गत रेलगाड़ियों की सफाई के लिए 20 अन्य स्टेशनों को नामित किया गया है, जिसके माध्यम से सीटीएस योजना के अंतर्गत 683 अन्य रेलगाड़ियों को कवर किया जाएगा।

- सवारी डिब्बों के बाहरी हिस्से की अधिक प्रभावी और कुशल सफाई तथा जल पुनर्चक्रण सुविधा द्वारा सीधे जल की आवश्यकता को कम करने के लिए जल पुनर्चक्रण सुविधा सहित लगभग 70 प्रमुख डिपो में स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र (एसीडब्ल्यूपी) संस्थापित किए गए हैं।
- रसोई यान सहित सभी वातानूकुलित, आरक्षित और अनारक्षित गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों में कीट एवं कृंतक नियंत्रण का कार्य पेशेवर एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है।
- रेलवे स्टेशनों और रेलगाड़ियों के स्वच्छता मानकों में महत्वपूर्ण और स्थायी सुधार लाने के एकमात्र उद्देश्य के साथ भारतीय रेल में स्वच्छ भारत अभियान और स्वच्छता अभियानों के अंतर्गत नियमित रूप से विशेष स्वच्छता अभियान आयोजित किए जाते हैं।
- रेलगाड़ियों की स्वच्छता, जिसमें शौचालय और स्नानागार शामिल हैं, का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बार-बार औचक निरीक्षण किया जाता है।
- ओबीएचएस रेलगाड़ियों में सभी अवातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों में लिक्विड हैंड वॉश का प्रावधान किया गया है।
- भारतीय रेल में कई स्थानों पर आवश्यकतानुसार मलजल उपचार संयंत्र, बहि:स्राव उपचार संयंत्र, सामग्री पुनर्प्राप्ति केंद्र जैसी अवसंरचना संस्थापित की गई है और उन्हें कमीशन कर दिया गया है।

योजना

वर्ष 2024-25 में निम्नलिखित परिसंपत्तियों का अधिग्रहण किया गया:-

क्र.सं.	शीर्ष	संख्या
1	माल डिब्बे (बीएलसी + निजी माल डिब्बे)	41,929
2	रेल इंजन	1,681
3	सवारी डिब्बे जिनमें शामिल हैं	7,237
	(i) ईएमयू	600
	(ii) मेमू	316

इसके अलावा, निम्नलिखित निर्माण-कार्य पूरे किए गए:-

क्र.सं.	शीर्ष	कि.मी. में
1	नई लाइनें	1,105
2	मीटर/छोटी लाइन से बड़ी लाइन में आमान परिवर्तन	166
3	दोहरी/बहुल लाइनें	1,977
4	मार्ग विद्युतीकरण	2,701
5	रेलपथ नवीकरण (प्राथमिक और द्वितीयक नवीकरण, दोनों)	6,851

2023-24 की तुलना में 2024-25 के लिए योजना आबंटन (संशोधित अनुमान) और वास्तविक शुद्ध व्यय इस प्रकार थे:-

(₹ करोड़ में)

क्र.स.	योजना शीर्ष	2023-24		2024-25	
		आबंटन (सं.अ.)	वास्तविक शुद्ध व्यय	आबंटन (सं.अ.)	वास्तविक शुद्ध व्यय
	सिविल इंजीनियरी				
1	नई लाइन (निर्माण)	34,410.00	33,575.45	**31,458.83**	**33,304.67**
2	आमान परिवर्तन	4,278.54	4,356.95	**4,536.45**	**5,101.60**
3	दोहरीकरण	35,046.03	36,714.88	**31,031.86**	**32,658.02**
4	यातायात सुविधाएं - यार्ड संरचना में परिवर्तन और अन्य	7,808.62	7,372.77	**8,598.50**	**7,329.87**
5	सड़क संरक्षा कार्य - समपार	551.53	564.54	**710.00**	**598.76**
6	सड़क संरक्षा कार्य - रोड उपरि/ निचले सड़क पुल	6,297.42	6,096.25	**7,474.27**	**7,047.88**
7	रेलपथ नवीकरण	16,826.36	15,907.60	**22,669.05**	**21,060.95**
8	पुल संबंधी कार्य	1,999.63	1,902.16	**2,129.54**	**2,155.86**
9	कर्मचारी कल्याण	732.62	667.76	**737.04**	**722.52**
	जोड़	1,07,950.75	1,07,158.36	**1,09,345.54**	**1,09,980.13**
	यांत्रिक				
1	चल स्टॉक	50,324.87	53,443.04	**58,851.70**	**59,989.27**
2	पट्टे पर दी गई परिसंपत्तियां - पूंजी घटक का भुगतान	21,300.00	20,741.37	**24,920.00**	**22,699.42**
3	मशीन और संयंत्र	467.71	514.37	**436.29**	**435.07**
4	उत्पादन इकाइयों सहित कारखाने	3,457.80	4,513.70	**4,546.00**	**3,988.57**
	जोड़	75,550.38	79,212.48	**88,753.99**	**87,112.33**

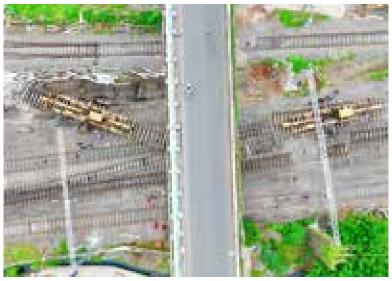

नई लाइन, दोहरीकरण और तिहरीकरण

डब्ल्यूएजी एचसी ट्वीन रेल इंजन

कोचिंग टर्मिनल का निर्माण

विद्युत इंजीनियरिंग					
1	विद्युतीकरण परियोजनाएं	8,360.72	5,720.96	**6072.30**	**4,225.83**
2	टीआरडी को छोड़कर कर्षण वितरण कार्यों सहित अन्य विद्युत कार्य	1545.20	1,428.43	**1632.92**	**1,555.41**
	जोड़	9,905.92	7,149.39	**7,705.22**	**5,781.24**
सिग्नल एवं दूरसंचार					
1	सिग्नल एवं दूरसंचार संबंधी कार्य	3,580.85	3,748.38	**6,006.05**	**5,562.21**
	जोड़	3,580.85	3,748.38	**6,006.05**	**5,562.21**
अन्य					
1	कंप्यूटरीकरण	690.48	480.89	**308.62**	**360.99**
2	रेल अनुसंधान	66.52	28.34	**63.64**	**42.44**
3	उपयोगकर्ता सुविधाएं	9,618.21	8,120.49	**12,993.97**	**13,024.11**
4	सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/संयुक्त उद्यमों/विशेष प्रयोजन योजना आदि में निवेश (सरकारी एवं गैर-सरकारी)	32,869.83	31,909.37	**27,948.07**	**25,740.82**
5	अन्य विनिर्दिष्ट कार्य	850.97	794.36	**1,135.61**	**1,150.68**
6	प्रशिक्षण/मानव संसाधन विकास	242.12	101.93	**197.42**	**152.76**
7	वस्तु सूचियां	250.00	2,406.77	**250.00**	**1,759.45**
8	महानगर परिवहन परियोजनाएं	4,600.88	4,480.81	**3,940.12**	**3,644.62**
9	बजटेतर संसाधन (भागीदारी)	17,000.00	-	**10,000.00**	**-**
10	क्रेडिट या वसूली	(-)2,976.91	-	**(-)3,448.25**	**-**
	जोड़	63,212.10	48,322.96	**56,837.45**	**45,875.87**
	कुल जोड़	2,60,200.00	##2,45,591.57	**2,65,200.00**	***2,54,311.78**

वास्तविक शुद्ध व्यय

वर्ष 2023-24 के दौरान बजटेतर संसाधन (सार्वजनिक निजी भागीदारी) के अंतर्गत ₹16,625.36 करोड़ के वास्तविक व्यय को छोड़कर।

* 2024-25 के दौरान बजटेतर संसाधन (सार्वजनिक निजी भागीदारी) के तहत ₹15,048.85 करोड़ के वास्तविक व्यय को छोड़कर।

नमो भारत

इंजीनियरी

वर्ष 2024-25 के दौरान, 1,105 कि.मी. नई लाइनों का निर्माण किया गया, 166 कि.मी. रेलपथ को मीटर लाइन/छोटी लाइन से बड़ी लाइन में परिवर्तित किया गया है और 1977 कि.मी. दोहरी/बहु-पथन लाइन को चालू किया गया :

आमान परिवर्तन

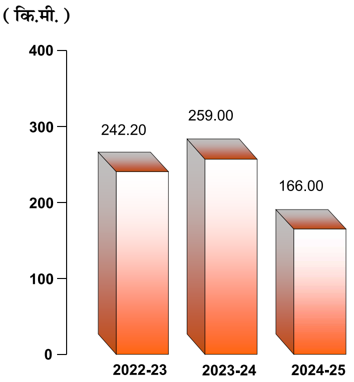

नई लाइन

वर्ष 2024-25 के दौरान निम्नलिखित खंडों में 1,105 कि.मी. नई लाइन का निर्माण कार्य पूरा किया गया:-

क्र. सं.	रेलवे	परियोजना	कमीशन किए गए खंड	किमी
1	उमरे	एनयूपीपीएल, घाटमपुर	घाटमपुर साइडिंग	8
2	दपूरे	Y वक्र का स्थानांतरण	Y वक्र का स्थानांतरण	8.5
3	दपूमरे	गेवरा-लक्ष्मण रेल साइडिंग	गेवरा लक्ष्मण रेल साइडिंग	2.8
4	दपूमरे	एनटीपीसी लारा सुपर थर्मल पावर प्लांट	एनटीपीसी लारा सुपर थर्मल पावर प्लांट	22
5	उमरे	जवाहरपुर ताप विद्युत संयंत्र, जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एटा पार्ट -1	जवाहरपुर ताप विद्युत संयंत्र, जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एटा पार्ट -2	20.4
6	पूमरे	उत्तर उरीमारी रेल साइडिंग (आरंभ से सीलो तक)	उत्तर उरीमारी रेल साइडिंग (आरंभ से सीलो तक)	8
7	दपूमरे	छाल साइडिंग	छाल साइडिंग	1.2
8	पूरे	मेजिया डीवीसी प्राथमिकता -1	मेजिया डीवीसी प्राथमिकता -2	12.4
9	उरे	एनटीपीसी ऊंचाहार	एनटीपीसी ऊंचाहार	2.2
10	पूमरे	हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड बरौनी के लिए साइडिंग	हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड बरौनी के लिए साइडिंग	2.4
11	मरे	उरण बीपीसीएल, एलपीजी संयंत्र, उरण, नवी मुंबई तक रेलपथ की रिमॉडलिंग	उरण बीपीसीएल, एलपीजी संयंत्र, उरण, नवी मुंबई तक रेलपथ की पुर्नरचना	1
12	दमरे	बीपीसीएल, कृष्णपट्टनम नेल्लूर पर साइडिंग का निर्माण	बीपीसीएल, कृष्णपट्टनम नेल्लूर पर साइडिंग का निर्माण	1.2
13	पूमरे	हाजीपुर-सगौली नई लाइन	वैशाली-पारुखास	16
14	दपूमरे	एनटीपीसी लारा सुपर थर्मल पावर प्लांट	एनटीपीसी लारा सुपर थर्मल पावर प्लांट	46
15	उमरे	जवाहरपुर ताप विद्युत संयंत्र, जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एटा	जवाहरपुर ताप विद्युत संयंत्र, जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एटा	4
16	दपूमरे	दीपिका सीलो साइडिंग	दीपिका सीलो साइडिंग	2.7
17	दपूमरे	सिपत सीलो साइडिंग	सिपत सीलो साइडिंग	0.78
18	उमरे	ओबरा सी साइडिंग	ओबरा सी साइडिंग	2.1
19	पूमरे	भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड, नबीनगर	भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड, नबीनगर	9.1
20	दपूमरे	एनटीपीसी मौदा, स्टेज II	एनटीपीसी मौदा, स्टेज II	3
21	उमरे	हरदुआगंज ताप विद्युत संयंत्र साइडिंग	हरदुआगंज ताप विद्युत संयंत्र साइडिंग	3.5
22	पमरे	रामगंज मंडी-भोपाल नई लाइन	घाटोली-नयागाँव	15
23	पूतरे	तालचेर - बिमलगढ़ नई लाइन	सूनाखणी-सामल रेलखंड	10
24	पूमरे	हाजीपुर-सगौली नई लाइन	वैशाली-पारुखास	13
25	डीएफसी	वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर	सानंद-मकरपुरा	276
26	डीएफसी	वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर	पालघर-वैतरना	78

रेल दोहरीकरण कार्य, भारतीय रेल

क्र. सं.	रेलवे	परियोजना	कमीशन किए गए खंड	किमी
27	उपरे	डेडिकेटेड परीक्षण रेलपथ	जाब्दीनगर-नावां और गुढ़ा लूप	7
28	पूसीरे	अररिया-गलगलिया नई लाइन	ठाकुरगंज-पौआखाली	22
29	पूसीरे	अगरतला-अखौरा नई लाइन	निश्चिंतपुर यार्ड- अगरतला	4
30	पूतरे	खोरधा बलांगीर नई लाइन	सोनपुर-पुरुणापाणी-झारसामुण्डा	30
31	पूसीरे	बइरबी-सायरंग	बइरबी-हरतकी	16.25
32	दपरे	बागलकोट-कुड्ची नई लाइन	खज्जिडोणी-लोकापुर	7.3
33	उरे	उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक	संगलदान-रियासी	46
34	मरे	अहमदनगर-बीड-परली नई लाइन	अमलनेर-एगनवाड़ी	32.93
35	पूमरे	बानादाग त्वरित लदान साइडिंग	बानादाग त्वरित लदान साइडिंग	2.8
36	पूतरे	खोरधा-बलांगीर नई लाइन	झारमुण्डा-बौद्ध	16.27
37	उपरे	सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट	सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट में 10 लाइन	14.5
38	उरे	देवबंद-रुड़की नई लाइन	देवबंद-बनहेरा खास	10
39	पूतरे	खोरधा रोड-बलांगीर नई लाइन	बौद्ध-चम्पापुर-पुरुणाकटक	27.14
40	पमरे	ललितपुर-सिंगरौली नई लाइन	सतना-बरेठिया	19
41	दरे	पम्बन ब्रिज	पम्बन ब्रिज	3.96
42	पूसीरे	अररिया-गलगलिया नई लाइन	अररिया कोर्ट से रहमतपुर और अररिया आरएस से रहमतपुर तक सम्पर्कता	8.24
43	दपूमरे	कुसमुंडा संपर्कता	कुसमुंडा संपर्कता	1.67
44	दपूमरे	गेवरा-लक्ष्मण रेल साइडिंग फेज-II	गेवरा-लक्ष्मण रेल साइडिंग फेज-II	2.12
45	उमरे	जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट, जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एटा पार्ट-II (अवागढ़ स्टेशन)	जवाहरपुर थर्मल पावर प्लांट, जवाहरपुर विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, एटा पार्ट-II (अवागढ़ स्टेशन)	2
46	पूमरे	निगाही आरओआर	निगाही आरओआर	0.77
47	दपूरे	राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) का न्यू हॉट स्ट्रिप मील का रेल लॉजिस्टिक्स पैकेज	राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) का न्यू हॉट स्ट्रिप मील का रेल लॉजिस्टिक्स पैकेज	5.3
48	पूतरे	सरला परियोजना (मालभाड़ा प्रबंधन सुविधा)	सरला परियोजना (मालभाड़ा प्रबंधन सुविधा)	2.4
49	दपूमरे	तलाईपल्ली खदानों के साथ एनटीपीसी, लारा - कोतरलिया स्टेशन की संपर्कता	तलाईपल्ली खदानों के साथ एनटीपीसी, लारा - कोतरलिया स्टेशन की संपर्कता	6.5
50	पूमरे	जयंत फेज-II सीलो साइडिंग	जयंत फेज-II सीलो साइडिंग	1.3
51	पूमरे	तृतीय सीलो दुधीचुआ साइडिंग	तृतीय सीलो दुधीचुआ साइडिंग	1.14
52	उमरे	पनकी थर्मल पावर प्लांट साइडिंग	पनकी थर्मल पावर प्लांट साइडिंग	3
53	दपूरे	सरडेगा-आरएलएस संपर्कता	सरडेगा- आरएलएस संपर्कता	2.58
54	पूतरे	टाटा स्टील- कलिंगनगर तक रेल संपर्कता नेटवर्क का विस्तार	टाटा स्टील- कलिंगनगर तक रेल संपर्कता नेटवर्क का विस्तार	5
55	दमरे	यादाद्री थर्मल पावर स्टेशन (वाईटीपीएस) स्टेज-I	यादाद्री थर्मल पावर स्टेशन (वाईटीपीएस) स्टेज-I	10.68
56	उमरे	खुर्जा एसटीपीपी	खुर्जा एसटीपीपी	6.48
57	पूरे	तारकेश्वर-बिष्णुपुर नई लाइन	मयनापुर-बड़ो गोपीनाथपुर	7.7

वेल्डिंग वाली सीएमएस क्रासिंग (डब्ल्यूएमसीएससी)

क्र. सं.	रेलवे	परियोजना	कमीशन किए गए खंड	किमी
58	मरे	अहमदनगर-बीड-परली नई लाइन	एगनवाड़ी-राजूरी	25
59	दमरे	नडिकुड़ि-श्री कालहस्ती (नई लाइन)	दरसी-मल्लवरम	15.71
60	उपरे	डेडिकेटेड परीक्षण रेलपथ	डेडिकेटेड परीक्षण रेलपथ	12
61	पूतरे	बांशपानी में रेल साइडिंग	बांशपानी में रेल साइडिंग	2.2
62	परे	मल्टी मॉडल लाजिस्टिक्स पार्क, वड़ोदरा तक डीएफसी संपर्कता	मल्टी मॉडल लाजिस्टिक्स पार्क, वड़ोदरा तक डीएफसी संपर्कता	1.3
63	दपूमरे	नवा रायपुर में रेल साइडिंग	नवा रायपुर में रेल साइडिंग	2.78
64	उरे	उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक	कटरा-रियासी	17
65	मरे	अहमदनगर-बीड-परली नई लाइन	राजूरी - बीड	10
66	पमरे	रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन	नयागाँव-खिलचीपुर	22.328
67	पमरे	रामगंजमंडी-भोपाल नई लाइन	संत हिरदाराम नगर और झरखेड़ा	20.5
68	उरे	भानुपली-बिलासपुर-बेरी	श्री आनंदपुर साहिब-नंगल डैम	3.2
69	पमरे	ललितपुर-सिंगरौली नई लाइन	गोविंदगढ़-भगवाड़	14
70	पूरे	तारकेश्वर-बिष्णुपुर नई लाइन	बड़ो गोपीनाथपुर-जयरामबाटी	7.159
71	दपरे	गदग-वाडी नई लाइन	लींगनबंडी-कुष्टगि	9.938
72	पूसीरे	डिमापुर-कोहिमा नई लाइन	शोखुवि-मोलवोम	15.4
73	दपरे	कडूरु-चिक्कमंगलूरु-बेलूरु नई लाइन	चिक्कमंगलूरु-हडीहल्ली	9.07
74	पूमरे	अररिया-सुपौल नई लाइन	सुपौल-पीपरा	22
	जोड़			**1,105**

रेल दोहरीकरण कार्य

दोहरीकरण

वर्ष 2024-25 के दौरान 1,977 कि.मी. दोहरी/बहु-पथन लाइन का निर्माण कार्य पूरा किया गया।

आमान परिवर्तन

वर्ष 2024-25 के दौरान 166 कि.मी. रेलपथ को मीटर लाइन/छोटी लाइन से बड़ी लाइन में परिवर्तित किया गया जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	रेलवे	परियोजना	कमीशन किए गए खंड	किमी
1	परे	भुज-नलीया आमान परिवर्तन	देशलपुर-सणोसरा	25.5
2	परे	भुज-नलीया आमान परिवर्तन	सणोसरा-कोठारा	30.1
3	परे	भुज-नलीया	कोठारा-नलीया	17.5
4	परे	कलोल-कड़ी-कटोसन	कलोल-कड़ी	26.3
5	परे	कलोल-कड़ी-कटोसन आमान परिवर्तन	कलोल-अणखाल	11
6	परे	रतलाम-महू-खंडवा-अकोला	डॉ. अम्बेडकर नगर - पातालपानी	5.5
7	परे	महू-खंडवा-अकोला आमान परिवर्तन	सनावद-ओंकारेश्वर	5
8	दपूमरे	केन्द्री-धमतरी आमान परिवर्तन	अभनपुर-राजिम	16.6
9	उमरे	ग्वालियर श्योपुरकलां आमान परिवर्तन	कैलारस-सबलगढ़	28.66
		कुल		**166**

प्रयागराज में गंगा नदी पर नवनिर्मित दोहरी लाइन रेल पुल

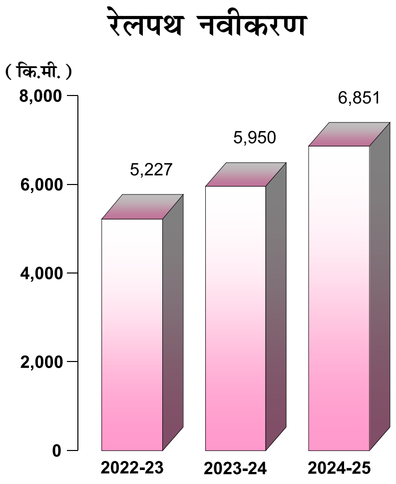

रेलपथ नवीनीकरण और अनुरक्षण

वर्ष 2024-25 के दौरान पूर्ण रेलपथ नवीनीकरण (सीटीआर) इकाई में कुल 6,851 किलोमीटर रेलपथ नवीनीकरण का कार्य पूरा किया गया। रेलपथ नवीनीकरण कार्य एवं इस पर हुए व्यय का वर्षवार विवरण निम्नानुसार है:-

वर्ष	सकल व्यय (करोड़ रुपए में)	पूरा किया गया रेलपथ नवीनीकरण कार्य (किमी में)
2023-24	17,850	5,950
2024-25	**23,433**	**6,851**

एक पूर्ण रेलपथ नवीनीकरण (सीटीआर) इकाई में एक किलोमीटर थ्रू रेल नवीनीकरण (0.5 सीटीआर इकाई) एक किलोमीटर थ्रू स्लीपर नवीनीकरण (0.5 सीटीआर इकाई) शामिल होते हैं।

रेलपथ उन्नयन

रेलपथ में रेल वाहनों के संचलन हेतु रेल प्रणाली की मूलभूत अवसंरचना शामिल है, जो रेल यातायात के लिए सतत, सुरक्षित एवं सुगम मार्ग प्रदान करती है। भारतीय रेल उच्च गति एवं भारी एक्सल लदान के बढ़ते यातायात के साथ निरंतर अग्रसर है, जिसके लिए रेलपथ संरचना के सतत उन्नयन की आवश्यकता है।

कोलकाता मेट्रो में एल्मूनियम थर्ड रेल का स्टील थर्ड रेल के साथ प्रतिस्थापन

भारतीय रेल द्वारा रेलपथ के उन्नयन के लिए विभिन्न कदम उठाए गए है जिसमें 60 कि.ग्रा. 90 अल्टीमेट टेंसाइल स्ट्रेंथ (यूटीएस) रेल, आधुनिक लोचदार फास्टनिंग के साथ चौड़े आधार वाले प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) आदि जैसे आधुनिक रेलपथ घटकों का उपयोग शामिल है। पीएससी स्लीपर पर थिक वेब स्विच के साथ फैन शेप्ड टर्नआउट और वेल्डेबल सीएमएस क्रासिंग बिछाए जा रहे है। गर्डर ब्रिजों पर स्टील चैनल और एच-बीम स्लीपर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और रेल नवीनीकरण में 260 मीटर लंबे रेल पैनलों का उपयोग किया जा रहा है ताकि वेल्डिंग जोड़ों को न्यूनतम किया जा सके। रेलपथ अवसंरचना के मुख्य पक्षों को सुदृढ़ करने हेतु परंपरागत स्विच एक्सपैंशन जॉइंट (एसईजे) के स्थान पर थिक वेब स्विच एक्सपैंशन जॉइंट (टीडब्ल्यूएसईजे), पारंपरिक थर्मिट वेल्ड के स्थान पर मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग, तथा फेज्ड एरे प्रौद्योगिकी आदि के माध्यम से रेल एवं वेल्ड की उन्नत यूएसएफडी परीक्षण तकनीक को व्यापक रूप से लागू किया जा रहा है। रेलपथ नवीनीकरण/प्रतिस्थापन में ट्रैक रिलेयिंग गाड़ियों, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग बदलने वाली मशीनों, ट्रैक लेइंग आदि उपकरणों के उपयोग द्वारा अधिकतम मशीनीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इष्टतम अनुरक्षण आवश्यकताओं को अभिनिश्चित करने के लिए एकीकृत रेलपथ निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस) और दोलन निगरानी प्रणाली (ओएमएस) को लगाए जाना भी व्यापक स्थिति मूल्यांकन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। रेलपथ अनुरक्षण के लिए हाई आउटपुट टैंपर, हाई आउटपुट बलास्ट क्लिनिंग मशीनें और रेल ग्राइंडिंग मशीनें आदि जैसी आधुनिक मशीनों को शामिल किया जा रहा है जिससे संवर्धित उत्पादन क्षमता, संरक्षा तथा गतिशीलता सुनिश्चित हो सके। उन्नत संरक्षा उपायों के रूप में रेल पटरियों/वेल्डों के परीक्षण हेतु यूएसएफडी प्रणाली आधारित स्व-चालित अल्ट्रासोनिक रेल परीक्षण कार (एसपीयूआरटी) और रेल-सह-रोड वाहन (आरसीआरवी) आदि को अपनाया जा रहा है। सटीक अनुरक्षण निर्देश और नियमित निगरानी को सक्षम बनाने के लिए, रेलपथ से संबंधित अभिलेखों के एकीकरण एवं डेटा विश्लेषण हेतु वेब-आधारित रेलपथ प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) को अपनाया गया है।

रेलपथ अनुक्षण कार्य

रेलपथ आधुनिकीकरण

(i) भारतीय रेल रेलपथ अनुरक्षण, बिछाई गई पटरियों के निरीक्षण और निगरानी के लिए सतत् मशीनीकरण और आधुनिकीकरण की दिशा में कार्य कर रही है। वर्ष 2024-25 के दौरान उठाए गए प्रमुख कदम निम्नलिखित हैं:

(क.) रेल मिलिंग मशीन (आरएमएम) :- आरएमएम एक विशेष प्रयोज्य मशीन है, जिसे उन स्थानों पर लगाया जाता है जहाँ रेल हेड से अधिक सामग्री हटाने की आवश्यकता होती है, जैसे कि स्कैबिंग स्थल, रिसेप्शन सिगनल के पीछे के स्थान, कम वेल्ड वाले रेलपथ आदि। यह रेल की निरंतर कार्यशीलता को जारी रखने में मदद करता है, जिसे अन्यथा प्रतिस्थापित किया जाता है। उपरोक्त स्थानों पर रेल सतह में सुधार के लिए आरएमएम को भारतीय रेल नेटवर्क में पहली बार शामिल किया गया है।

रेल मिलिंग मशीन

(ii) वर्ष 2025-26 के दौरान (अप्रैल से सितम्बर, 2025)

(क) एक टैम्पिंग मशीन (एचओटी-3एक्स) को संशोधित कर उच्च उत्पादन 3एक्स-डायनामिक (एचओटी-एस-3एक्स) मशीन में उन्नत किया गया है, जिसमें तीन स्लीपर की बलास्ट पैकिंग के साथ रेलपथ स्थिरीकरण के एकीकृत कार्य शामिल हैं। इससे यातायात ब्लॉक का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा तथा टैम्पिंग और स्थिरीकरण कार्यों के एकीकृत होने के कारण श्रम शक्ति की भी बचत होगी। इसके अलावा, अन्य मशीनों के आशोधन की भी योजना बनाई जा रही है।

(ख) वर्ष 2025-26 (सितंबर, 2025 तक) में, भारतीय रेल नेटवर्क पर कुल 35 ट्रैक मशीनों को शामिल किया गया है।

समपार

समपारों का उद्देश्य विशेष नियमों और शर्तों के अधीन यातायात को सुव्यवस्थित और नियंत्रित तरीके से सुचारू रूप से संचालित करना होता है। दिनांक 01.04.2025 तक की स्थिति के अनुसार भारतीय रेल में समपारों की स्थिति निम्नानुसार है:

समपारों की कुल संख्या	:	16,940
चौकीदार वाले समपारों की संख्या	:	16,499(97%)
बिना चौकीदार वाले समपारों की संख्या	:	441 (3%)

भारतीय रेल ने सड़क उपयोगकर्ताओं और रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समपारों को क्रमिक रूप से समाप्त करने का निर्णय लिया है। वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 808 अदद मानव संचालित समपारों को हटा दिया गया है। 31.01.2019 तक बड़ी लाइन पर सभी बिना चौकीदार वाले समपारों को हटा दिया गया था।

ऊपरी/निचले सड़क पुल

रेलगाड़ी परिचालन की संरक्षा को बेहतर करने और सड़क उपयोगकर्ताओं की असुविधा को कम करने के लिए यातायात सघनता के आधार पर समपारों को चरणबद्ध तरीके से ऊपरी/निचले सड़क पुल/भूमिगत मार्ग (आरओबी/आरयूबी) से प्रतिस्थापित किया जा रहा है।

मोबाइल रेल ग्राइंडिंग मशीन

उपरि सड़क पुल

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल पर लागत साझेदारी, रेल लागत/आवासीय कार्य, निक्षेप/निर्माण परिचालन अंतरण (बीओटी) शर्तों के तहत और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा 299 ऊपरी सड़क पुलों और 964 निचले सड़क पुलों/भूमिगत मार्गों का निर्माण किया गया।

पुल

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में पास 756 महत्वपूर्ण पुल, 13,815 बड़े पुल और 1,54,274 छोटे पुल समेत कुल 1,68,845 पुल हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान रेल परिचालन की संरक्षा संवर्धन के उद्देश्य से कुल 2,643 पुलों को सुदृढ़/पुनर्निर्मित/ पुनर्वासित किया गया।

पुल निरीक्षण और प्रबंधन प्रणाली

पुलों के निरीक्षण में ड्रोन द्वारा निरीक्षण, पानी के नीचे निरीक्षण, जल स्तर प्रणाली की मदद से जल स्तर की निगरानी, नदी तल की 3डी स्कैनिंग आदि जैसी आधुनिक पुल निरीक्षक तकनीकों को अपनाया गया है।

भूमि प्रबंधन

दिनांक 31.03.2025 स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल के पास लगभग 4.99 लाख हेक्टेयर भूमि है, जिसमें से लगभग 85% भूमि रेल के परिचालन और संबंधित उपयोग जैसे नई पटरियों को बिछाने, दोहरीकरण, आमान परिवर्तन, रेलपथ, स्टेशन, कार्यशाला, कर्मचारी कॉलोनियों आदि के लिए प्रयुक्त है। भूमि का विवरण इस प्रकार है :

क्र. सं.	विवरण	क्षेत्रफल (लाख हेक्टेयर में)
1	रेलपथ और स्टेशनों, कॉलोनियों आदि सहित संरचनाएं	3.86
2	वन-रोपण	0.24
3	'अधिक अन्न उपजाओ' योजना	0.010
4	वाणिज्यिक लाइसेंसिंग	0.039
5	अन्य उपयोग जैसे मत्स्य पालन	0.12
6	अतिक्रमण	0.01
7	खाली पड़ी भूमि	0.71
	जोड़	**4.99**

भावी रेल नेटवर्क के विकास हेतु विभिन्न अवसंरचना सुविधाओं का सृजन मुख्यत: भूमि की उपलब्धता पर निर्भर करता है। इसलिए रेल भूमि का संरक्षण तथा उसका सार्थक अंतरिम उपयोग, भारतीय रेल की भूमि उपयोग नीति का प्रमुख उद्देश्य है। खाली पड़ी रेल भूमि का उपयोग कार्गो टर्मिनल, मालगोदाम जैसे कार्गो संबंधी गतिविधियों, नवीकरणीय ऊर्जा, तथा सार्वजनिक सेवा उपयोगिताओं हेतु अवसंरचना विकसित करने के लिए भी अनुमत है।

झूसी-रामनाथपुर स्टेशन के बीच समपार पर निचला सड़क पुल

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल द्वारा 78.32 लाख पौधों का व्यापक रोपण किया गया तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण हेतु सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, रेल की भूमि को अधिक अन्न उपजाओ योजना के अंतर्गत सब्जी, फसल आदि उगाने हेतु 'तृतीय' एवं 'चतुर्थ' श्रेणी के रेल कर्मचारियों को भी लाइसेंस पर उपलब्ध कराया जाता है।

यूटीवी रेलपथ मशीन को रेल स्लीपरों जैसे भारी रेलपथ सामग्रियों को उठाने एवं एकात्रित करने के लिए उपयोग किया जाता है

भारतीय रेल ने ऐसी भूमि का वाणिज्यिक उपयोग भी प्रारम्भ किया है, जो निकट भविष्य में रेलवे की अपनी आवश्यकता के लिए प्रयोज्य नहीं है। रेल अधिनियम, 1989 में संशोधन के माध्यम से, रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन रेल भूमि/हवाई क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास से संबंधित सभी कार्यों के निष्पादन हेतु 1 नवम्बर, 2006 को रेल मंत्रालय के अधीन रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) का गठन किया गया। इस प्रकार, 31.03.2025 तक, 156 स्थलों को वाणिज्यिक विकास और 118 स्थलों को कॉलोनी पुनर्विकास हेतु कुल 1,397.66 हेक्टेयर (लगभग) (वाणिज्यिक विकास के लिए 660.53 हेक्टेयर तथा कॉलोनी पुनर्विकास के लिए 737.13 हेक्टेयर) भूमि को आरएलडीए को सौंपा गया है। तदनुसार, आरएलडीए इन स्थलों को विकसित करने की प्रक्रिया में है।

खाली पड़ी रेल भूमि के वाणिज्यिक विकास के अतिरिक्त, बहु-कार्यात्मक परिसरों (एमएफसी) के विकास का कार्य भी आरएलडीए को सौंपा गया है। 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, कुल 64 स्थलों का पहले सफलतापूर्वक निर्माण पूरा कर उन्हें चालू किया जा चुका है। इसके अलावा, वर्तमान में इरकॉन 24 बहु-कार्यात्मक परिसरों (एमएफसी) का प्रबंधन कर रहा है।

वार्षिक रेल विद्युतीकरण
(मार्ग किलोमीटर)

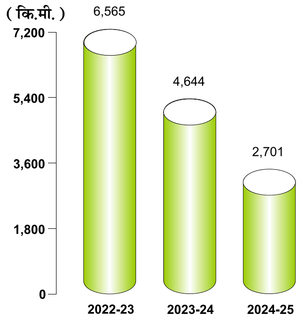

रेल विद्युतीकरण

भारतीय रेल की मिशन 100% विद्युतीकरण नीति को देश के संपूर्ण ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। शुरुआत में सरकार ने कच्चे तेल के आयात को कम करने और विदेशी मुद्रा भुगतान की बचत करने के लिए रेल विद्युतीकरण की दर को बढ़ाया था। बहरहाल, अब इस तथ्य को अधिकाधिक स्वीकार किया जा रहा है कि इससे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय लाभ होंगे। कार्यनिष्पादन के मामले में, विद्युत कर्षण उपयोगकर्ताओं को बेहतर गुणवत्ता वाली सेवा उपलब्ध कराता है। बिजली रेलइंजनों की उच्चतर शक्ति माल और यात्री रेलगाड़ियों, दोनों की औसत गति और लदान को बढ़ाती है, जो रेलवे को आधुनिक बनाने और आर्थिक विकास के लिए समर्थन प्रदान करने के विशालकाय अवसर में परिणत होता है। रेल विद्युतीकरण देश के लिए परिवहन का पर्यावरण अनुकूल, हरित एवं स्वच्छ साधन सुलभ कराएगा और कार्बन फुटप्रिंट को कम करेगा।

लंबे समय से रेलवे को अधिकांशत: कोयला और डीजल ईंधन द्वारा चलाया जाता था, लेकिन 1947 में स्वतंत्रता के बाद से विद्युतीकरण निरंतर बढ़ रहा है, लेकिन पिछले दस वर्षों में विलक्षण कायापलट देखने को मिला है। तब से, वितरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है और अधिकांश मार्गों का विद्युतीकरण कर दिया गया है।

मार्च, 2025 तक भारतीय रेल में 65,510 मार्ग किलोमीटर तक विद्युतीकरण कर दिया गया है जिसमें कोंकण रेल शामिल नहीं है। यह कुल बड़ी लाइन रेल नेटवर्क का 97.24% है।

II. रेल विद्युतीकरण की प्रगति

(क) स्वतंत्रता पश्चात विद्युतीकरण की प्रगति नीचे सारणीबद्ध है:

वर्ष	संचयी विद्युतीकृत (मार्ग कि.मी.)
1951	388
1961	748
1971	3,706
1981	5,345
1991	9,968
2001	14,856
2011	19,607
2021	45,772
2023	58,074
2024	62,253
2025	**65,510**

(ख) वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 2,701 मार्ग किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है।

विद्युतीकरण मिशन के तहत विद्युतीकरण कार्य

III. विद्युतीकृत रेलखण्ड (2024-25 में)

क्र.सं.	रेलखंड	रेलवे	राज्य	मार्ग कि.मी.
1	वर्धा - देवली - कलंब नई लाइन	मध्य	महाराष्ट्र	40
2	आष्टी - अमलनेर	मध्य	महाराष्ट्र	33
3	हरलाटांड़ - हँसडीहा	पूर्व	झारखंड	19
4	कृष्णनगर - आमघाटा	पूर्व	पश्चिम बंगाल	8
5	मयनापुर - बरोगोपिनाथपुर नई लाइन	पूर्व	पश्चिम बंगाल	8
6	सोनपुर - पुरणाकटक नई लाइन	पूर्व तट	ओडिशा	74
7	तालचेर रोड - कामालांग नई लाइन	पूर्व तट	ओडिशा	5
8	समल - पराबिल नई लाइन	पूर्व तट	ओडिशा	6
9	वैशाली - देवरिया नई लाइन	पूर्व मध्य	बिहार	29
10	करनौती - बख्तियारपुर नई लाइन	पूर्व मध्य	बिहार	5
11	शिशो - काकरघाटी	पूर्व मध्य	बिहार	10
12	झंझारपुर - लौकहा	पूर्व मध्य	बिहार	43
13	खगड़िया - अलौली	पूर्व मध्य	बिहार	19
14	पलवल - न्यू पृथला	उत्तर	हरियाणा	11
15	संगलदान - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	उत्तर	जम्मू और कश्मीर	63
16	देवबंद - रुड़की नई लाइन	उत्तर	उत्तराखंड	31
17	जौरा अलापुर - कैलारस आमान परिवर्तन	उत्तर मध्य	मध्य प्रदेश	13
18	दैलवारा - न्यू ललितपुर टाउन	उत्तर मध्य	मध्य प्रदेश	8
19	ऐशबाग - मानक नगर नई लाइन	पूर्वोत्तर	उत्तर प्रदेश	5
20	कटखल - बइरबी	पूर्वोत्तर सीमा	असम और मिजोरम	86
21	फरकाटिंग - शिमलगुड़ी - डिब्रुगढ़ और मरियानी - सिनामारा - जोरहाट टाउन	पूर्वोत्तर सीमा	असम	227
22	माईबांग - न्यू हाफलोंग	पूर्वोत्तर सीमा	असम	34
23	शिमलगुड़ी - दुलियाजान	पूर्वोत्तर सीमा	असम	86
24	बालिपारा - भालुक पोंग	पूर्वोत्तर सीमा	असम	34
25	ढेकीयाजुली - रंगापाड़ा - डेकारगाँव	पूर्वोत्तर सीमा	असम	46
26	रंगापाड़ा - हारमती - नाहरलगुन और हारमती - उत्तर लखिमपुर - धमलगांव	पूर्वोत्तर सीमा	असम और अरुणाचल प्रदेश	304
27	न्यू तिनसुकिया - डिब्रुगढ़	पूर्वोत्तर सीमा	असम	42
28	निश्चिन्तपुर - अगरतला - सबरूम	पूर्वोत्तर सीमा	त्रिपुरा	118
29	न्यू कोचबिहार - गोलकगंज - धुबड़ी और न्यू कोचबिहार- बामनहाट	पूर्वोत्तर सीमा	असम और पश्चिम बंगाल	173
30	मयनागुड़ि - न्यू माल	पूर्वोत्तर सीमा	पश्चिम बंगाल	41
31	बिछीवाड़ा - हिम्मत नगर	उत्तर पश्चिम	गुजरात और राजस्थान	70
32	सरूपसर - अनूपगढ़	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	56
33	जैसलमेर - आशापुरा गोमट	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	104
34	फुलेरा - मकराना	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	64
35	थईयात हमीरा - सानू	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	56

विरूदुनगर-तेनकासी खंड का दृश्य

रेल विद्युतीकरण कार्य

दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा 100 प्रतिशत विद्युतीकरण कार्य पूरे किए गए

क्र.सं.	रेलखंड	रेलवे	राज्य	मार्ग कि.मी.
36	तिरुवारूर - अगस्तियंपल्लि	दक्षिण	तमिलनाडु	**63**
37	वालाजा रोड - राणिप्पेट्टे नई लाइन	दक्षिण	तमिलनाडु	**5**
38	खानापुर - ताज सुलतानपुर	दक्षिण मध्य	कर्नाटक	**97**
39	अक्कन्नपेट - मेढक	दक्षिण मध्य	तेलंगाना	**17**
40	भानुप्रतापपुर - ताड़ोकी - अंतागढ़	दक्षिण पूर्व मध्य	छत्तीसगढ़	**44**
41	अभनपुर - राजिम आमान परिवर्तन	दक्षिण पूर्व मध्य	छत्तीसगढ़	**16**
42	केसल रॉक - करंजोल	दक्षिण पश्चिम	गोवा	**7**
43	मिरज - कुडची	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक	**30**
44	सकलेशपुर - दोणिगाल	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक	**9**
45	सुब्रह्मण्य रोड - शिरिवागिलु	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक	**14**
46	भेस्तान - वैतरना	पश्चिम	गुजरात और महाराष्ट्र	**197**
47	वेरावल - सोमनाथ	पश्चिम	गुजरात	**2**
48	असारवा - हिम्मत नगर	पश्चिम	गुजरात	**86**
49	मोरैया - भीमनाथ	पश्चिम	गुजरात	**105**
50	रीवा - गोविंदगढ़ नई लाइन	पश्चिम मध्य	मध्य प्रदेश	**20**
51	सतना - बरेठिया नई लाइन	पश्चिम मध्य	मध्य प्रदेश	**18**
	जोड़			**2,701**

IV. 2024-25 के दौरान पूरी की गई महत्वपूर्ण विद्युतीकरण परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना	रेलवे	राज्य	मार्ग कि.मी.
1	शाखा लाइनों सहित रंगिया जं. - रंगापाड़ा - हारमती - नाहरलगुन	पूर्वोत्तर सीमा	अरुणाचल प्रदेश और असम	**339**
2	न्यू माल जं. - चांगराबान्धा, न्यू चागराबान्धा-न्यू कोचबिहार, न्यू कोचबिहार - बामनहाट, न्यू कोचबिहार - फकिराग्राम - धुबड़ी सहित न्यू जलपाईगुड़ी - न्यू माल जं. - अलीपुरद्वार -सामुकतला और अलीपुरद्वार - न्यू कोचबिहार	पूर्वोत्तर सीमा	असम और पश्चिम बंगाल	**506**
3	सरूपसर - अनूपगढ़ सहित हनुमानगढ़ - श्री गंगानगर - सरूपसर - सूरतगढ़	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	**281**
4	फलोदी - जैसलमेर सहित सूरत गढ़ - फलोदी - भीलड़ी	उत्तर पश्चिम	राजस्थान और गुजरात	**902**
5	बीकानेर - मेड़ता - जोधपुर और मेड़ता - फुलेरा	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	**424**
6	उदयपुर सिटी - हिम्मत नगर	उत्तर पश्चिम	गुजरात	**210**
7	पीपाड़ रोड - बिलाड़ा, मकराना - परबतसर और मेड़ता रोड - मेड़ता सिटी सहित थईयात हमीरा - सानू	उत्तर पश्चिम	राजस्थान	**136**
8	तिरुतुरैपूडी - अगस्तियंपल्लि	दक्षिण	तमिलनाडु	**37**
9	मिरज - लोंडा	दक्षिण पश्चिम	कर्नाटक	**189**
10	जेतलसर - वाँसजालिया सहित राजकोट - जेतलसर - वेरावल - सोमनाथ	पश्चिम	गुजरात	**278**

पश्चिम रेलवे की बड़ी लाइन नेटवर्क पर 100 % विद्युतीकरण कार्य पूरे किए गए

सिगनल एवं दूरसंचार

भारतीय रेल पर सिगनल प्रणाली

सिगनल प्रणाली

रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा का संवर्धन करने और इसे कुशल बनाने के लिए रंगीन रोशनी वाले बहु संकेती सिगनलों के साथ पैनल अंतर्पाशन/रूट रिले अंतर्पाशन/इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन से युक्त आधुनिक सिगनल प्रणालियां उत्तरोत्तर उपलब्ध कराई जा रही हैं। अभी तक भारतीय रेल में 6,628 रेलवे स्टेशनों (बड़ी लाइन के लगभग 99.7% रेलवे स्टेशनों को शामिल करते हुए) पर अप्रचलित बहु-केबिन यांत्रिक सिगनल प्रणालियों को बदलकर ऐसी प्रणालियां उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, इस प्रकार इसके परिचालन में अंतर्ग्रस्त परिचालन लागत को यथेष्ट बनाने के साथ-साथ मानव हस्तक्षेप का न्यूनीकरण करके संरक्षा का संवर्धन किया गया है।

2016 में भारतीय रेल ने भविष्य में सभी प्रतिष्ठानों में इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन उपलब्ध कराने का सैद्धांतिक निर्णय लिया था। 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, 21 यांत्रिक सिगनल प्रणाली वाले रेलवे स्टेशनों सहित 6,649 अंतर्पाशित रेलवे स्टेशनों में से 3,691 रेलवे स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन प्रणाली उपलब्ध कराई जा चुकी है।

संपूर्ण रेलपथ परिपथनः रेलपथ उपयोग सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए, 31.03.2025 तक ए, बी, सी, डी स्पेशल और ई स्पेशल मार्ग को शामिल करते हुए लगभग 35,909 स्थलों पर रेलपथ परिपथन पूरा किया जा चुका है। भारतीय रेल में कुल 6,635 रेलवे स्टेशनों (99.78%) पर संपूर्ण रेलपथ परिपथन उपलब्ध करा दिया गया है।

धुरा गणक द्वारा द्वारा ब्लॉक जांचः संरक्षा और रेलवे स्टेशन पर रेलगाड़ी के पूर्ण आगमन का उन्नत गतिशील स्वचल सत्यापन का संवर्धन करने के लिए, कांटों एवं सिगनलों का केंद्रीकृत परिचालन रखने वाले रेलवे स्टेशनों पर धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच उपलब्ध कराई जा रही है। 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, 6,127 ब्लॉक रेलखंडों पर धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच उपलब्ध कराई जा चुकी है।

स्वचल रेलगाड़ी रक्षण प्रणालीः कवच स्वदेश में विकसित स्वचालित रेलगाड़ी रक्षण प्रणाली है। कवच अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर के संरक्षा प्रमाणीकरण की आवश्यकता है। यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वचालित ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है तथा खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को सुरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है। अब तक कवच को दक्षिण मध्य रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के 1,548 मार्ग किलोमीटर पर लगाया जा चुका है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा गलियारों (लगभग 3,000 मार्ग किलोमीटर) के लिए कवच संबंधी कार्य प्रगति पर है।

कवच को कार्यान्वित करने के अगले चरण की योजना निम्नानुसार हैः-

- 10,000 इंजनों में इसे संस्थापित करने की परियोजना को अंतिम रूप दे दिया गया है।
- भारतीय रेल के सभी स्वर्णिम चतुर्भुज, स्वर्णिम चतुर्भुज विकर्ण, उच्च घनत्व नेटवर्क मार्गों और चिह्नित खंडों को कवर करते हुए लगभग 15,000 मार्ग कि.मी. के लिए कवच के रेलपथ साइड कार्यों के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं।

पूर्व तट रेलवे के खोरदा रोड पर गाड़ी प्रबंधन प्रणाली

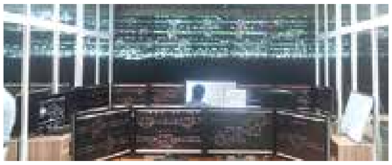

उत्तर मध्य रेलवे के टुंडला में केन्द्रीकृत यातायात नियंत्रण प्रणाली

केंद्रीकृत यातायात नियंत्रणः यह कंप्यूटर आधारित प्रणाली है जो कई रेलवे स्टेशनों को शामिल करने वाले कई सिगनल प्रणाली प्रतिष्ठानों का एक ही स्थल से नियंत्रण और प्रबंधन करना साध्य बनाती है। यह रेल यातायात का केंद्रीकृत रियल टाइम सिमुलेशन भी उपलब्ध कराती है जिससे समयनिष्ठ रेलगाड़ी परिचालन के लिए रियल टाइम यातायात योजना बनाने में सहायता मिलती है। नियंत्रकों द्वारा रियल टाइम के आधार पर सीधे केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण केंद्र से रेलगाड़ी संचलन का प्रबंधन किया जा सकता है।

केंद्रीकृत यातायात नियंत्रणः- अलीगढ़-कानपुर मार्ग पर 47 रेलवे स्टेशनों के साथ दोहरी लाइन रेलखंड के 409 मार्ग किलोमीटर को शामिल करने वाले केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण को चालू किया जा चुका है। उत्तर मध्य रेलवे पर टूण्डला-सीटीसी पर 'सीओए' के साथ सीटीसी के इंटरफेसिंग का कार्य चल रहा है। टुंडला सीटीसी के मामलों का उपयोग करने के आधार पर सीटीसी को तीन और मंडलों पर विस्तार करने की योजना है।

रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणालीः- रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणाली, मंडल नियंत्रण केंद्र में उपलब्ध कराई गई विशाल स्क्रीन पर रेलगाड़ियों की स्थिति, सभी रेलगाड़ी संचलनों की रियल टाइम स्थिति और शामिल रेलखंड का संपूर्ण दृश्य दर्शाती है। समयपालन रिपोर्ट, रेक और कर्मीदल लिंक, रेलगाड़ी ग्राफ और असामान्य घटना रिपोर्ट नियंत्रण कार्यालय में तैयार की जाती है।

समग्र डिस्प्ले पैनल को, जिसे 'मिमिक इंडिकेशन पैनल' कहा जाता है, एक नजर में प्रणाली की विस्तृत स्थिति दिखाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह प्रत्याशा है कि रेलगाड़ी प्रबंधन प्रणाली/केंद्रीकृत यातायात नियंत्रण परियोजनाओं के चालू होने के साथ, हमारे नियंत्रक रेलगाड़ी परिचालन कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने में सक्षम होंगे। नियंत्रण कार्यालयों में रियल टाइम रेलगाड़ी चालन सूचना उपलब्ध कराने के अलावा, यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर यात्री सूचना प्रणाली के स्वचालित कार्य द्वारा रेलगाड़ियों के रेलवे स्टेशनों पर सटीक आगमन/प्रस्थान सूचना भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह प्रणाली पश्चिम और मध्य रेलवे में मुंबई तथा पूर्व रेल के हावड़ा के उपनगरीय रेलखंडों पर उपलब्ध कराई जा चुकी है। पूर्व तट रेल के खोरधा रोड और पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल में समान प्रणाली उपलब्ध कराई जा रही है।

समपार फाटकों का अंतर्पाशनः- 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल ने समपारों पर संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 11,094 समपार फाटकों पर सिगनलों के साथ अंतर्पाशन उपलब्ध करा दिया है।

समपार फाटकों पर स्लाइडिंग बूमः- विशेषकर उपनगरीय क्षेत्रों में सड़क वाहनों द्वारा समपार फाटक क्षतिग्रस्त होने पर रेलगाड़ी सेवाओं में व्यवधान का न्यूनीकरण करने में अंतर्पाशित की गई स्लाइडिंग बूम की व्यवस्था बहुत कारगर सिद्ध हुई है। स्लाइडिंग बूम अंतर्पाशन की व्यवस्था के साथ, सिगनल प्रणाली रेलगाड़ी परिचालन पर न्यूनतम प्रभाव के साथ सामान्य ढंग से कार्य करना जारी रखती है। 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, 8155 अदद व्यस्त अंतर्पाशित समपारों पर लिफ्टिंग बैरियरों के साथ-साथ स्लाइडिंग बूम उपलब्ध करा दिए गए हैं और व्यस्त फाटकों पर भी उत्तरोत्तर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

स्लाइडिंग बूम के साथ बिजली से परिचालित लिफ्टिंग बैरियर

भारतीय रेल में सिगनल प्रणाली की व्यवस्था में वृद्धि (31.03.2025 की स्थिति के अनुसार)

मद	मार्च, 21	मार्च, 22	मार्च, 23	मार्च, 24	मार्च, 25
पैनल अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	3,747	3,438	3,134	2,950	**2,751**
रूट रिले अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	247	226	217	201	**186**
इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	2206	2572	3045	3424	**3691**
पैनल अंतर्पाशन/रूट रिले अंतर्पाशन/इलेक्ट्रॉनिक अंतर्पाशन (रेलवे स्टेशन)	6,200	6,236	6,396	6,575	**6,628**
धुरा गणक द्वारा ब्लॉक जांच (ब्लॉक रेलखंड)	5,805	6,003	6,364	6,058	**6,127**
स्वचल सिगनल-प्रणाली (मार्ग किलोमीटर)	3,447	3,549	3,908	4,431	**5,525**
मध्यवर्ती ब्लॉक सिगनल-प्रणाली (ब्लॉक रेलखंड)	628	666	727	756	**780**
अंतर्पाशित समपार फाटक (अदद)	11,710	10,854	11,079	11,062	**11,094**

कवच कार्यान्वयन के अगले चरण की योजना

आत्मनिर्भरता

सिगनल प्रणाली कारखाना:- रेल सिगनल प्रणाली संस्थापनाएं रेलगाड़ियों के सुचारू और संरक्षित परिचालन के लिए अनेक विशेषीकृत उपस्करों का उपयोग करती हैं। प्रौद्योगिकी के उन्नयन और सिगनल प्रणाली की विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली की ओर बदलाव के साथ इन उपस्करों की मांग बढ़ गई है। इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए दक्षिण रेल के पोत्तनूर, दक्षिण मध्य रेल के मेट्टुगुडा, पूर्वोत्तर रेल के गोरखपुर, पूर्व रेलवे के हावड़ा, मध्य रेल के भायखला, पश्चिम रेल के साबरमती, दक्षिण पूर्व रेल के खड़गपुर और उत्तर रेल के गाजियाबाद में भारतीय रेल के सिगनल प्रणाली कारखानों में इलेक्ट्रिक पाइंट मशीनों, टोकनरहित ब्लॉक उपकरणों, दोहरी लाइन ब्लॉक उपकरणों, धुरा गणकों, विभिन्न प्रकार के रिले आदि जैसी वस्तुओं का विनिर्माण किया जा रहा है। इन सिगनल प्रणाली एवं दूरसंचार कारखानों का वर्ष-वार उत्पादन निम्नानुसार है:

सिगनल-प्रणाली एवं दूरसंचार कारखानों का वर्ष-वार उत्पादन:-

वर्ष	उत्पादन (रू. करोड़ में)
2020-21	250.41
2021-22	313.00
2022-23	340.33
2023-24	457.71
2024-25	**367.69**

दूरसंचार

भारतीय रेल में रेलगाड़ी नियंत्रण, परिचालन और संरक्षा में दूरसंचार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय रेल ने अपनी संचार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक, राष्ट्रव्यापी दूरसंचार नेटवर्क स्थापित किया है। रेलटेल, रेलवे केंद्रीय सरकारी लोक उद्यम, भारतीय रेल दूरसंचार नेटवर्क की अधिशेष क्षमता का सफलतापूर्वक व्यावसायिक दोहन कर रहा है।

मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल के पास लगभग 66,858 मार्ग किलोमीटर का ऑप्टिकल फाइबर केबल है जो गीगाबिट्स ट्रैफिक वहन कर रहा है। रेल नियंत्रण संचार भी, जो

रेलवे स्टेशनों पर नि:शुल्क वाई-फाई सुविधा

डी एम आई में स्वचलित नियंत्रण प्रणाली

रेलगाड़ी परिचालन के लिए सारतात्विक है, ऑप्टिकल फाइबर केबल प्रणाली पर कार्य कर रहा है। यह ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क रेलटेल के माध्यम से राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। रेलटेल रेलवायर ब्रॉडबैंड सेवाएं भी उपलब्ध कराता है।

भारत सरकार की ''डिजिटल इंडिया'' पहल के अनुसरण में, रेलवे 6,115 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई इंटरनेट सुविधा उपलब्ध करा चुकी है। भारतीय रेल संरक्षा सुनिश्चित करने और रेलगाड़ी परिचालन में विश्वसनीयता का संवर्धन करने के लिए 1.63 लाख वेरी हाई फ्रीक्वेंसी सेटों का भी उपयोग कर रही है।

यात्रियों और परिसरों की सुरक्षा का संवर्धन करने और रेलवे स्टेशन परिसरों में विशेषकर महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध के प्रति एक शक्तिशाली निवारक के रूप में कार्य करने के लिए, भारतीय रेल ने सभी रेलवे स्टेशनों (हाल्ट स्टेशनों को छोडकर सभी कोटियां) पर वीडियो निगरानी प्रणाली उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। 31.03.2025 तक 1,113 रेलवे स्टेशनों पर वीडियो निगरानी (सीसीटीवी) प्रणाली उपलब्ध करा दी गई है। इसके अलावा, रेल कार्यालयों और भारतीय रेल के सभी मंडलो और क्षेत्रीय अस्पतालों में भी सीसीटीवी उपलब्ध कराए गए हैं।

भारतीय रेल के विभिन्न भागों में हाथियों की घुसपैठ लंबे समय से संरक्षा संबंधी चिंता का विषय रही है। इनके परिणामस्वरूप रेलगाड़ियां पटरी से उतर जाती हैं, जिससे वन्य जीवों को हानि पहुंचती है, लोगों की मृत्यु होती है, रेलगाड़ियों के परिचालन में व्यवधान उत्पन्न होता है और भारतीय रेल को भारी नुकसान होता है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए भारतीय रेल द्वारा विभिन्न निवारक उपाय किए गए हैं। इस संबंध में, विभिन्न क्षेत्रों में हाथियों की घुसपैठ संबंधी चेतावनी देने के लिए अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने हेतु समर्पित ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित ध्वनिक संवेदन प्रणाली की योजना बनाई गई है, ताकि आवश्यक निवारक कार्रवाई की जा सके और रेलवे के रेलगाड़ी यातायात को एक अभिनव संरक्षा समाधान मुहैया कराया जा सके। अब तक, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे में 141 मार्ग किलोमीटर में इसकी व्यवस्था कर दी गई है।

रेलवे को कैप्टिव सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार (एमटीआरसी) दूरसंचार के लिए 700 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम में 5 मैगाहर्ट्ज बैंडविथ आबंटित की गई है।

रेलवे ने वॉयस ट्रैफिक के लिए अपना मल्टी प्रोटोकॉल लेवल स्विचिंग आधारित नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क भी स्थापित किया है। इस नेक्स्ट जेनरेशन नेटवर्क का उपयोग रेलवे के एडमिनिस्ट्रेटिव वॉयस ट्रैफिक को वहन करने वाली 100 एक्सचेंजों से अधिकाधिक इंटरकनेक्ट करने के लिए किया गया है। संरक्षा, विश्वसनीयता और उत्पादकता का संवर्धन करने के लिए संचार को साध्य बनाने हेतु कॉमन यूजर ग्रुप मोबाइल फोन को भी किराये पर लिया गया है। इसके अलावा, रेलवे ने अपने सभी कर्मचारियों के लिए कॉमन यूजर ग्रुप सुविधा का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

दूरसंचार भी यात्री आराम सुनिश्चित करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। यात्रियों की सुविधा के लिए, 1398 रेलवे स्टेशनों पर रेलगाड़ी सूचना बोर्ड, 6,159 रेलवे स्टेशनों पर जन उद्घोषणा प्रणालियां और 932 रेलवे स्टेशनों पर सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणालियां उपलब्ध कराई गई हैं।

डिजिटल भारत, भारतीय रेल

भारत सरकार की डिजिटल पहल के भाग के रूप में और डिजिटल अंतराल को पाटने के लिए, 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार 6,115 रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। भारतीय रेल अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और कार्यकुशलता में सुधार लाने के साथ-साथ कार्यालय में कागज रहित कामकाज के लिए ई-ऑफिस एप्लिकेशन को उत्तरोत्तर क्रियान्वित कर रही है। 31.03.2025 तक, सभी क्षेत्रीय और मंडल मुख्यालयों सहित 236 स्थलों को ई-ऑफिस द्वारा जोड़ा गया है और भारतीय रेल में 1.47 लाख उपयोगकर्ता खाते बनाए जा चुके हैं।

महत्वपूर्ण दूरसंचार परिसंपत्तियां नीचे सारणीबद्ध हैं:

क्र.सं.	संस्थापन	इकाइयां	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार	31.03.2025 की स्थिति के अनुसार
1.	ऑप्टिकल फाइबर केबल	मार्ग किलोमीटर	66,179	**66,858**
2.	क्वाड केबल	मार्ग किलोमीटर	65,943	**66,522**
3.	रेलवे टेलीफोन सब्सक्राइबर्स लाइनें	अदद	3,45,374	**3,45,374**
4.	नियंत्रक खंडों की संख्या जिनमें ड्योल टोन मल्टीपल फ्रीक्वेंसी नियंत्रण उपस्कर उपलब्ध कराए गए हैं	अदद	325	**325**
5.	सचल रेलगाड़ी रेडियो संचार प्रणाली (मार्ग किलोमीटर):-			
	क. जीएसएम ® आधारित	मार्ग किलोमीटर	2,340	**2,340**
	ख. टीईटीआरए आधारित	मार्ग किलोमीटर	75.38	**135.85**
6.	जन उद्घोषणा प्रणाली	स्टेशनों की संख्या	5,980	**6,159**
7.	रेलगाड़ी प्रदर्शन बोर्ड	स्टेशनों की संख्या	1,274	**1,398**
8.	सवारी डिब्बा मार्गदर्शन प्रणाली	स्टेशनों की संख्या	756	**932**
9.	वेरी हाई फ्रीक्वेंसी सेट			
	क. 5 वाट सेट (हैंड हेल्ड)	अदद	1,41,726	**1,63,988**
	ख. 25 वाट सेट (रेलवे स्टेशनों पर)	अदद	7,335	**9,345**
10.	वी सैट	अदद	324	**296**
11.	रेलनेट कनेक्शन	अदद	1,70,189	**1,72,383**
12.	यूटीएस/पीआरएस सर्किट	अदद	10,409	**10,447**
13.	एफओआईएस सर्किट	अदद	3,003	**3,184**
14.	एक्सचेंज सर्किट	अदद	1,600	**1,564**
15.	रेलवे स्टेशनों पर वाई-फाई	स्टेशनों की संख्या	6,112	**6,115**
16.	रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी	स्टेशनों की संख्या	1,001	**1,113**
17.	ई-ऑफिस (स्थलों की संख्या)	स्थलों की संख्या	236	**236**

यातायात लेखा प्रबंधन प्रणाली

यांत्रिकृत सिगनलों को समाप्त करना

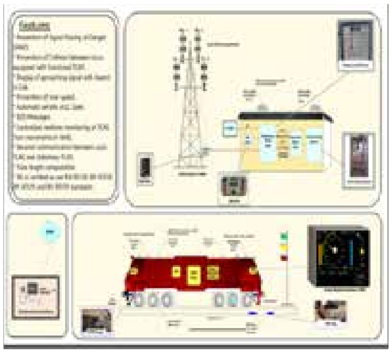

आर डी एस ओ का कवच 4.0 स्वचालित रेलगाड़ी सुरक्षा प्रणाली

संरक्षा

दुर्घटनाएं

परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, अनुरक्षण पद्धतियां और वर्षो से किए गए विभिन्न प्रौद्योगिकीय सुधारों के परिणामस्वरूप, कोंकण रेलवे सहित परिणामी रेल दुर्घटनाओं में गिरावट आई है जैसा कि नीचे ग्राफ दर्शाया गया है

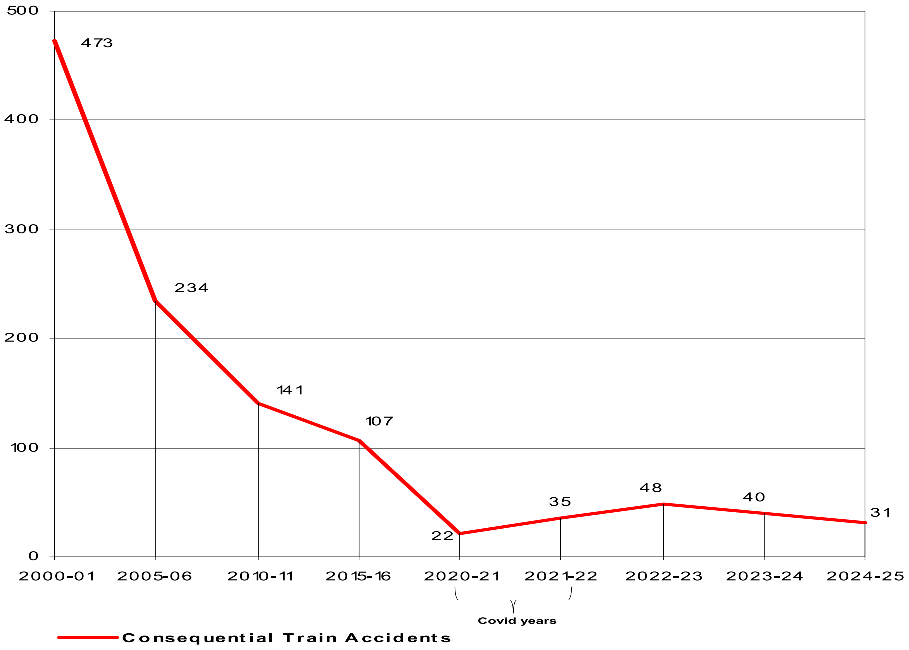

रेल संपत्ति को क्षति

वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान परिणामी रेलगाड़ी दुर्घटनाओं के कारण रेल संपत्ति को हुई क्षति की लागत और पारगामी संचार में व्यवधान की अवधि इस प्रकार है:

वर्ष	क्षति की लागत (लाख में)		पारगामी संचार में व्यवधान (घंटों में)
	चल स्टॉक	रेलपथ	
2023-24	14,430.87	569.90	486.16
2024-25	**10,533.43**	**5,170.34**	**484.40**

एनडीआरएफ के साथ संयुक्त रूप से आपदा प्रबंधन अभ्यास

प्रतिकर

वर्ष 2024-25 के दौरान रेलगाड़ी दुर्घटनाओं में यात्रियों की मृत्यु/घायल होने पर भारतीय रेल अधिनियम 1989 की धारा 124 के तहत निकट संबंधियों/पीड़ितों को प्रतिकर के रूप में ₹1,008.61* लाख (लगभग) की राशि का भुगतान किया गया जबकि वर्ष 2023-24 के दौरान ₹2711.36* लाख (लगभग) का भुगतान किया गया था। वर्ष के दौरान प्रदत्त प्रतिकर राशि उस वर्ष के दौरान निपटाए गए मामलों की संख्या और किए गए भुगतान से संबंधित होती है और इसका उस वर्ष के दौरान हुई दुर्घटनाओं से संबंधित होना आवश्यक नहीं है।

*(*कोंकण रेलवे और मेट्रो रेल, कोलकाता को छोड़कर)*

राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष

राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष को पूंजीगत व्यय के भाग के रूप में ₹1 लाख करोड़ की आधारभूत निधि और ₹20,000 करोड़ के वार्षिक परिव्यय के साथ वर्ष 2017-18 में शुरू किया गया था। इस निधि के अंतर्गत शुरू की गई परियोजनाएं रेलपथ नवीकरण, पुलों, सिगनल प्रणाली, चल स्टॉक और संरक्षा कार्यों से जुड़े कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण एवं सुविधाओं से संबंधित हैं। राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष से अधिकांश व्यय इंजीनियरी और सिगनल-प्रणाली कार्यों और संरक्षा कार्य से जुड़ी यात्री सुविधा मदों पर किया गया है। सकल बजटीय सहायता, आंतरिक सृजन और अन्यों से सतत और सुनिश्चित वित्तपोषण के साथ, संरक्षा संबंधी कार्यों को प्राथमिकता दी गई है और पर्याप्त वित्तपोषण से यह सुनिश्चित किया गया है कि इन कार्यों को प्राथमिकता के अनुसार निष्पादित किया जाए। वर्ष 2017-18 से 2021-22 की अवधि के दौरान राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष से निर्माण-कार्यों पर ₹1.08 लाख करोड़ का सकल व्यय उपगत किया गया था।

हाईड्रोलिक रेलवे लिफ्टिंग समपार गेट

भारत सरकार ने सकल बजटीय सहायता से ₹45,000 करोड़ के अंशदान के साथ राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष की वैधता अवधि को 2021-22 से आगे पांच वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष के अंतर्गत वर्ष 2022-23 में ₹13,894.84 करोड़, वित्त वर्ष 2023-24 में ₹12,805.69 करोड़ तथा वित्त वर्ष 2024-25 में ₹12,728.35 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है। बजट अनुमान 2025-26 में, इस कोष के अंतर्गत ₹12,800 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

I. संरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उपाय

- **संरक्षा पर फोकस** - मानवीय त्रुटियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं का न्यूनीकरण करने के उद्देश्य से, मानव संसाधनों के कौशलों का उन्नयन करने के साथ-साथ मानव पर निर्भरता को कम करने हेतु नवीन प्रौद्योगिकियों की शुरुआत पर फोकस सहित बहुमुखी विधि, अनुरक्षण का यांत्रिकीकरण, खराबियों का शीघ्र पता लगाना आदि दुर्घटना की रोकथाम करने के प्रमुख संचालक थे।

सुरक्षा बढ़ाने के लिए उपरि सड़क पुल

- **आवधिक संरक्षा लेखापरीक्षा** - क्षेत्रीय रेलों की बहु-विभागीय टीमों द्वारा विभिन्न मंडलों की आवधिक संरक्षा लेखापरीक्षाओं के साथ-साथ अंतर-रेलवे संरक्षा लेखापरीक्षाएं नियमित रूप से की जाती हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान, 95 आंतरिक संरक्षा लेखापरीक्षाएं और 36 अंतर-रेलवे संरक्षा लेखापरीक्षाएं की गईं।

- **प्रशिक्षण सुविधाएं** - वर्ष 2024-25 के दौरान, 1,88,723 अराजपत्रित कर्मचारियों को पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया गया।

II. रेलगाड़ी टक्कर का परिवर्जन करने के उपाय

रेलगाड़ी टक्कर का परिवर्जन करने के लिए, सिगनल-प्रणाली से संबंधित प्रौद्योगिकीय सहायता की व्यवस्था का इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 45 पर 'सिगनल प्रणाली' भाग के अंतर्गत 'सिगनल एवं दूरसंचार' अध्याय में ''स्वचालित गाड़ी सुरंक्षा प्रणाली'' उपशीर्षक के तहत संक्षेप में सूचीबद्ध किया गया है।

III. रेलगाड़ी का पटरी से उतरने का न्यूनीकरण करने के लिए उपाय

रेलगाड़ी के पटरी से उतरने का परिवर्जन करने के लिए, रेलपथ नवीकरण, रेलपथ उन्नयन, वेल्डित पटरियां, पुल तथा पुल निरीक्षण एवं प्रबंध प्रणाली जैसे उपायों का इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 38 पर 'इंजीनियरी' अध्याय के अंतर्गत संक्षेप में उल्लेख किया गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे में सिगनलिंग प्रणाली

IV. रेल सवारी डिब्बों की संरक्षा और विश्वसनीयता को बेहतर बनाने के लिए उठाए गए कदम

वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी सवारी डिब्बे का दृश्य-1

1. अर्ध-उच्च गति वंदे भारत रेलगाड़ी-सेट शामिल करना:-

भारतीय रेल ने यात्री रेलगाड़ी यात्रा को पूर्णतः नए अवतार में पेश करने की परिकल्पना की है। नवीनतम विश्वस्तरीय चल स्टॉक प्रौद्योगिकी और बेहतर यात्री सुविधाओं के माध्यम से प्रत्येक प्रकार के यात्री चल स्टॉक का उन्नयन किया जा रहा है ताकि रेल यात्रा को सुरक्षित, विश्वसनीय, तीव्र और अद्वितीय यात्रा अनुभव वाला बनाया जा सके।

भारतीय रेल ने वंदे-भारत ट्रेनसेट को अलग-अलग चरणों में शामिल करने की योजना बनाई है। भारतीय रेल में अभी 88 वंदे भारत कुर्सी यान रेलगाड़ियां चल रही हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:-

क. 2019 से नई दिल्ली - वाराणसी और नई दिल्ली- श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच दो वंदे भारत रेलगाड़ियां चल रही हैं।

ख. 2022-23 में परिष्कृत संरक्षा विशेषताओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं के साथ वंदे भारत रेलगाड़ियों के बारह नए और बेहतर संस्करण बनाए गए हैं।

ग. 2023-24 में परिष्कृत संरक्षा विशेषताओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं के साथ इक्यावन नई वंदे भारत रेलगाड़ियां विनिर्मित की गई हैं।

घ. 2024-25 में परिष्कृत संरक्षा विशेषताओं, बेहतर सवारी सूचकांक और यात्री सुविधाओं के साथ तेईस नई वंदे भारत रेलगाड़ियां विनिर्मित की गई हैं।

2. वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ियां

क. भारतीय रेल ने लंबी और मध्यम यात्रा के लिए वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ियों का विनिर्माण शुरू किया है।

ख. वर्तमान में, भारतीय रेल की उत्पादन इकाई (अर्थात् सवारी डिब्बा कारखाना) से 10 वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ियां (16-डिब्बे) बनाने की योजना है। पहला प्रोटोटाइप रेक विनिर्मित किया जा चुका है और कमीशनिंग की जा रही है।

ग. इसके अलावा, सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै में 24-डिब्बों की संरचना वाली वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी के 50 रेक बनाने की योजना है।

घ. वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ियों की मुख्य विशेषताएं हैं:-

- वंदे भारत कुर्सी यान की सभी विशेषताएं।
- बेहतर क्रैश-वर्दीनेस।
- बोगियों/अंडरफ्रेम के बीच सेमी-परमानेंट/सेमी-ऑटोमैटिक कपलर की व्यवस्था।
- विश्वस्तरीय मानकों वाली फर्निशिंग, डिजाइन, सुविधाएं आदि।
- विमान शैली के विश्वस्तरीय शौचालय/सवारी डिब्बा पैनल।

वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी सवारी डिब्बे का दृश्य-2

3. अमृत भारत रेलगाड़ियां

अमृत भारत रेलगाड़ी सवारी डिब्बे

क. भारतीय रेल ने पूरी तरह से अवातानुकूलित अमृत भारत रेलगाड़ियां शुरू की हैं, जिनमें वर्तमान में 11 सामान्य श्रेणी सवारी डिब्बे, 8 शयनयान श्रेणी सवारी डिब्बे, 1 रसोईयान और 02 द्वितीय श्रेणी सामान सह दिव्यांगजन सवारी डिब्बे शामिल हैं। इन रेलगाड़ियों को अवातानुकूलित खंड के यात्रियों को विश्वस्तरीय आधुनिक और आरामदायक रेल यात्रा अनुभव प्रदान करके आम जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन और विनिर्मित किया गया है।

ख. अवातानुकूलित अमृत भारत एक्सप्रेस के दो रेक 30.12.2023 से नियमित सेवा में शुरू किए गए हैं।

ग. सौंदर्य और यात्री अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए अतिरिक्त सुविधाओं के साथ 100 अतिरिक्त अमृत भारत रेलगाड़ियों के उत्पादन की परिकल्पना की गई है।

घ. उच्च गति और उन्नत संरक्षा मानक इन रेलगाड़ियों की संसूचन हैं, जिनमें निम्नलिखित उन्नत विशेषताएं और सुविधाएं हैं:

- वंदे भारत शयनयान की तर्ज पर बेहतर रूप और अनुभव के साथ सीटों और शायिकाओं का बेहतर सौंदर्य।
- झटका मुक्त सेमी-ऑटोमैटिक कपलर
- क्रैश ट्यूब के प्रावधान से सवारी डिब्बों की टक्कर रोधी क्षमता में सुधार।
- सभी सवारी डिब्बों और सामान कक्ष में सीसीटीवी प्रणाली का प्रावधान।
- शौचालयों का बेहतर डिजाइन।
- शायिकाओं पर आसानी से चढ़ने के लिए सीढ़ी की बेहतर डिजाइन।
- बेहतर एलईडी लाइट फिटिंग और चार्जिंग सॉकेट।
- इलेक्ट्रो-न्यूमैटिक सहायक ब्रेकिंग प्रणाली का प्रावधान।
- शौचालयों और विद्युत कक्षों में एरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली।
- यूएसबी टाइप-ए और टाइप-सी मोबाइल चार्जिंग सॉकेट
- यात्री और गार्ड/रेलगाड़ी प्रबंधक के बीच परस्पर संचार के लिए आपातकालीन टॉक बैक प्रणाली।
- संवर्धित तापन क्षमता के साथ अवातानुकूलित रसोईयान।

4. नमो भारत रैपिड रेल

क. वंदे भारत रेलगाड़ियों की विशेषताओं को अपनाते हुए अंतर-शहरी छोटी दूरी की यात्रा के लिए उपनगरीय और क्षेत्रीय यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए नमो भारत रैपिड रेल शुरू की गई है।

ख. नमो भारत रैपिड रेल की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- केंद्रीय रूप से नियंत्रित डबल लीफ स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे।
- संरक्षा और यात्रियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी।
- मॉड्यूलर इंटीरियर जिसमें गद्देदार सीटें और सीलबंद फ्लेक्सिबल गलियारा है।
- आपातकालीन वार्ता प्रणाली।
- ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था के साथ निरंतर एलईडी प्रकाश व्यवस्था।

अमृत भारत रेलगाड़ी सवारी डिब्बों को आम जनता की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन और विनिर्मित किया गया है।

- निर्वात निकासी वाले एफआरपी मॉड्यूलर शौचालय।
- चालक केबिन एसी के साथ पूरी तरह वातानुकूलित रेलगाड़ियां।

ग. वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क में नमो भारत रैपिड रेल की 04 सेवाएं चल रही हैं।

विस्टाडोम सवारी डिब्बे

5. विस्टाडोम सवारी डिब्बे

विस्टाडोम सवारी डिब्बे चौड़ी खिड़कियों के साथ-साथ पारदर्शी छत के माध्यम से मनोरम दृश्य प्रदान करते हैं, जिससे यात्री उन स्थानों जिनसे वे गुजरते हैं, की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 124 विस्टाडोम सवारी डिब्बे उपलब्ध हैं।

6. हाइड्रोजन ट्रेनसेट

हाइड्रोजन ईंधन प्रकोष्ठ का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन रेलगाड़ी के विकास के लिए एक परियोजना पायलट आधार पर शुरू की गई है। भारतीय रेल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित की गई यह रेलगाड़ी 2400 किलोवाट शक्ति और 10 सवारी डिब्बों की संरचना के साथ दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन रेलगाड़ी होगी। यह रेलगाड़ी भारतीय रेल में हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी के उपयोग का प्रदर्शन करेगी।

7. पूर्णतया एल.एच.बी. रेल डिब्बों को अपनाना

एलएचबी सवारी डिब्बों में संपूर्ण परिवर्तन

रेल मंत्रालय ने एल.एच.बी. सवारी डिब्बों का बड़े पैमाने पर विस्तार करने का निर्णय लिया हैं, जो एंटी क्लाइम्बिंग व्यवस्था, विफलता सूचक प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (द्वितीयक) और कम संक्षारक काय जैसी विशेषताओं के साथ प्रौद्योगिकीय दृष्टि से बेहतर हैं। पारंपरिक सडिका सवारी डिब्बों की तुलना में ये सवारी डिब्बे बेहतर आराम मुहैया कराते हैं और अधिक सुंदर हैं। अप्रैल 2018 से भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में अब केवल एल.एच.बी. सवारी डिब्बों का उत्पादन हो रहा है। पारंपरिक सवारी डिब्बा कारखाना के सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली गाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से एलएचबी सवारी डिब्बों से बदला जा रहा है। 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, कुल लगभग 1,496 अदद रेक एलएचबी सवारी डिब्बों वाले हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में, 111 सडिका रेकों को एलएचबी रेकों में परिवर्तित किया गया है।

8. सवारी डिब्बों में जैव-शौचालय

स्वच्छ भारत मिशन के तहत भारतीय रेल ने अपने सभी सवारी डिब्बों में जैव शौचालयों की संस्थापना का कार्य पूरा कर लिया है। इससे यह सुनिश्चित हो गया है कि कोई भी मानव अपशिष्ट सवारी डिब्बों से पटरी पर नहीं गिरता गिरे। इस प्रयास से प्रतिदिन लगभग 2,74,000 लीटर अपशिष्ट जल और 3980 टन मलमूत्र को रेल पटरियों पर गिरने से रोका जाता है।

संस्थापित जैव-शौचालयों के प्रावधान को वर्ष 2004-2014 में 9,587 से वर्ष 2014-2025 (30 जून, 2025 तक) में 3,33,191 तक बढ़ा दिया गया है। उत्पादन इकाइयों से उत्पादित सभी नवनिर्मित सवारी डिब्बों में जैव-शौचालय संस्थापित किए जा रहे हैं।

अमृत भारत रेलगाड़ी के टॉयलेट डिजाइन

9. सवारी डिब्बों में संरक्षा में सुधार पर ध्यान केंद्रित करना

भारतीय रेल यात्रियों की संरक्षा और विश्वसनीयता को और सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित कदम उठा रही है:-

क. **वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली (एफएसडीएस) का प्रावधानः-** चलती रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा में सुधार लाने के लिए, सभी नवनिर्मित वातानुकूलित सवारी डिब्बों में स्वचालित अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली संस्थापित की जा रही

है। इसके अलावा, मौजूदा सवारी डिब्बों के लिए रेट्रो-फिटमेंट का कार्य प्रगति पर है। सभी वातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली संस्थापित की गई है।

वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी सवारी डिब्बे के का दृश्य

ख. **सभी सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्रों का प्रावधानः-** सभी वातानुकूलित और अवातानुकूलित सवारी डिब्बों में अग्निशामक यंत्रों का प्रावधान किया गया है और नवनिर्मित सवारी डिब्बों में भी अग्निशामक यंत्रों का प्रावधान किया जा रहा है।

ग. **रसोईयानों और पावर कारों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली (एफडीएसएस) का प्रावधानः-** सभी रसोईयानों और पावर कारों में अग्नि संसूचन एवं शमन प्रणाली संस्थापित की गई है और उत्पादन इकाइयों से विनिर्मित किए जा रहे नए सवारी डिब्बों में भी इसे संस्थापित किया जा रहा है।

घ. **डीईएमयू में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली (एफएसडीएस) का प्रावधानः-** भारतीय रेल के बेड़े में डीईएमयू रेकों के डीपीसी डिब्बों में अग्नि एवं धूम्र संसूचन प्रणाली (एफएसडीएस) संस्थापित की जा रही है। डीईएमयू के 268 डीपीसी डिब्बों में एफएसडीएस प्रणाली संस्थापित की जा रही है।

10. एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों की शुरुआत

भारतीय रेल में ऑटोमोबाइल वाहक वाहनों की मांग बढ़ी है। तद्नुसार, ऑटोमोबाइल संचलन यातायात को आकर्षित करने के लिए, एनएमजी/एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों का प्रावधान किया गया है।

इसके अलावा, 110 किलोमीटर प्रति घंटे की उच्च गति की क्षमता वाले एनएमजीएच/एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों और साइड एंट्री की सुविधा वाले एनएमजीएचएस सवारी डिब्बों की भी शुरुआत की गई है, ताकि परिवहन में तेजी और लदान में सुगमता हो सके।

11. यात्री डिब्बों में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं

क. भारतीय रेल द्वारा लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) और सवारी डिब्बा कारखाना (सडिका) दोनों सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली लगभग सभी मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों के अंतिम डिब्बों में एलएसएलआरडी/एसएलआरडी (द्वितीय श्रेणी सह सामान सह गार्ड वैन और दिव्यांग अनुकूल कंपार्टमेंट) में दिव्यांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के लिए निर्धारित एक डिब्बे की अलग से सुविधा प्रदान करती है। इन सवारी डिब्बों में चौड़े प्रवेश द्वार, चौड़ी शयिकाएं, चौड़े कम्पार्टमेंट, चौड़े दरवाजों सहित बड़े शौचालय, व्हील चेयर पार्किंग क्षेत्र आदि होते हैं। शौचालयों के अंदर, सहारे के लिए साइड की दीवारों पर पकड़ने के लिए अतिरिक्त रेलिंग और उचित ऊंचाई पर वॉश बेसिन और दर्पण भी उपलब्ध हैं। यह भी प्रयास किया जाता है कि प्रत्येक मेल/एक्सप्रेस गाड़ी में कम से कम एक ऐसा सवारी डिब्बा उपलब्ध हो।

अमृत भारत रेलगाड़ी के आखरी एलएसआरडी वाहन में दिव्यांगजनों के लिए डिजाइन किए गए सवारी डिब्बे

ख. इसके अतिरिक्त, दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए, सभी नवनिर्मित सवारी डिब्बों में एकीकृत ब्रेल साइनेज अर्थात् ब्रेल लिपि के साथ संकेतक भी लगाए गए हैं। इसके अलावा, मौजूदा सवारी डिब्बों में भी चरणबद्ध तरीके से इनका रेट्रो-फिटमेंट जारी है।

हाथरस शहर रेलवे स्टेशन पर उपरि पैदल पार पुल

ग. अत्याधुनिक वंदे भारत रेलगाड़ियों को भी दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। वंदे भारत रेलगाड़ियों के पहले और अंतिम डिब्बों (डीटीसी) में व्हीलचेयर के लिए विशेष प्रावधान हैं, जिसमें चौड़े प्रवेश द्वार, पार्किंग व्यवस्था और सुगमता से चलने के लिए स्थान है। इन सवारी डिब्बों के शौचालय भी दिव्यांगजन अनुकूल हैं, जिसमें अतिरिक्त ग्रैब हैंडल, चौड़ा स्थान आदि हैं। वंदे भारत रेलगाड़ियों के सभी महत्वपूर्ण अनुदेशों और सीट क्रमांकों में भी ब्रेल साइनेज प्रदान किए गए हैं।

V. सवारी डिब्बों में आग लगने की रोकथाम करने हेतु किए गए उपाय

क. **ईएमयू, मेमू और कोलकाता मेट्रो में अलार्म प्रणाली के साथ स्वचालित धूम्र एवं अग्नि संसूचन प्रणाली का प्रावधान :-** भारतीय रेल में ईएमयू/मेमू रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा को बेहतर बनाने के दृष्टिकोण से, पारंपरिक ईएमयू/मेमू में एयरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली और 3-फेज ईएमयू/मेमू में अग्नि अलार्म एवं एयरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल पर 88 ईएमयू रेक और 202 मेमू रेकों में स्वचालित धूम्र एवं अग्नि संसूचन प्रणाली से सुसज्जित किया गया है। 22 ईएमयू और 97 मेमू रेकों को भी एयरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली से सुसज्जित किया गया है। भारतीय रेल में यह कार्य करने के लिए पर्याप्त सक्षम प्रावधान किए गए हैं।

ख. **सवारी डिब्बों के इलेक्ट्रिक पैनल में एयरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली का प्रावधान :-** चलती रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, उत्पादन इकाइयों और क्षेत्रीय रेलों को सवारी डिब्बों के इलेक्ट्रिक पैनलों में एयरोसोल आधारित अग्निशमन प्रणाली संस्थापित करने के अनुदेश दिए गए हैं। भारतीय रेल में यह कार्य करने के लिए पर्याप्त सक्षम प्रावधान किए गए है

VI. रेल फाटकों पर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उपाय

इसके अलावा, भारतीय रेल द्वारा रेल फाटकों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम करने के लिए किए जा रहे विभिन्न उपाय इस पुस्तक के पृष्ठ सं. 39 पर 'इंजीनियरी' अध्याय में रेल फाटक, ऊपरी/निचले सड़क पुलों के अंतर्गत संक्षेप में बताए गए हैं।

(क) **रेल फाटकों का अंतर्पाशन :** 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल ने रेल फाटकों पर संरक्षा का संवर्धन करने के लिए 11,094 रेल फाटकों पर सिगनलों के साथ अंतर्पाशन उपलब्ध करा दिए हैं।

(ख) **रेल फाटक पर स्लाइडिंग बूम:** विशेषकर उपनगरीय क्षेत्रों में सड़क वाहनों द्वारा रेल फाटक क्षतिग्रस्त होने पर रेलगाड़ी सेवाओं में होने वाले व्यवधान को कम करने में अंतर्पाशित स्लाइडिंग बूम की व्यवस्था बहुत कारगर सिद्ध हुई है। स्लाइडिंग बूम अंतर्पाशन की व्यवस्था के साथ, सिगनल-प्रणाली रेलगाड़ी परिचालन पर कम से कम प्रभाव के साथ सामान्य ढंग से कार्य करना जारी रखती है। 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, 8,155 अदद व्यस्त अंतर्पाशित रेल फाटकों पर लिफ्टिंग बैरियरों के साथ-साथ स्लाइडिंग बूम उपलब्ध करा दिए गए हैं, और आगे भी व्यस्त फाटकों पर भी उत्तरोत्तर रूप से स्लाइडिंग बूम उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

VII. अन्य प्रशासनिक उपाय

सरकार ने गाड़ी परिचालन में संरक्षा बढ़ाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं –

- **रोलिंग ब्लॉक की अवधारणा–** दिनांक 30.11.2023 की राजपत्र अधिसूचना के तहत भारतीय रेल (चालित लाइन) सामान्य नियमों में रोलिंग ब्लॉक का सिद्धांत प्रारंभ किया गया है, जिसमें परिसंपत्तियों के एकीकृत अनुरक्षण/मरम्मत/प्रतिस्थापन के कार्य की चलायमान आधार पर 52 सप्ताह पहले योजना बनाई जाती है और योजना के अनुसार निष्पादन किया जाता है।
- **बोर्ड के शीर्ष स्तर पर संरक्षा निष्पादन की निरंतर समीक्षा** – शीर्ष स्तर पर बोर्ड बैठक की कार्यसूची में पहली मद के रूप में संरक्षा निष्पादन की निरपवाद रूप से समीक्षा की जाती है। सभी दुर्घटनाओं का विस्तृत विश्लेषण किया जाता है ताकि शोधक उपाय शुरू किए जा सकें।
- **क्षेत्रीय रेलों के साथ संरक्षा समीक्षा बैठकें** – अध्यक्ष और बोर्ड सदस्यों द्वारा उनके दौरों के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से क्षेत्रीय रेलों के महाप्रबंधकों और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ संरक्षा समीक्षा बैठकें की जा रही हैं।
- **गहन रात्रिकालीन फुटप्लेट निरीक्षण** – फील्ड में वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारियों, शाखा अधिकरियों तथा पर्यवेक्षकों के स्तर पर गहन फुटप्लेट निरीक्षण किए गए हैं।
- **नियमित संरक्षा अभियान और जागरूकता अभियान** – समय-समय पर संरक्षा अभियान और जागरूकता अभियान चलाए गए हैं जिसमें हाल की रेल दुर्घटनाओं पर आधारित अनुभव शामिल किए गए हैं, ताकि भविष्य में इसी तरह की दुर्घटनाओं की रोकथाम की जा सके।

VIII. आपदा प्रबंधन योजना और मानक कार्यपद्धतियां –

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के उपबंधों के अनुसार, रेल मंत्रालय ने एक व्यापक आपदा प्रबंधन योजना तैयार की है। सभी क्षेत्रीय रेलों और मंडलों ने भी इस संरचना के अंतर्गत अपनी आपदा प्रबंधन योजना तैयार कर ली है।

IX. पूर्वाभ्यास तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के सहयोग से 71 सभी क्षेत्रीय रेलों के प्रत्येक मंडल और कोंकण रेलवे निगम लिमिटेड साहित स्थानों पर व्यापक आपदा प्रबंधन अभ्यास किए गए।

X. बचाव पर गहन प्रशिक्षण

भारतीय रेल आपदा प्रबंधन संस्थान, बेंगलरू ने सितंबर, 2024 में रेल सुरक्षा बल कार्मियों के लिए बचाव पर गहन प्रशिक्षण विषय पर तीन सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न बटालियनों से 19 एनडीआरएफ कर्मियों, विभिन्न क्षेत्रीय रेलों से 32 रेल सुरक्षा बल कर्मियों और उत्तर रेलवे से चार तकनीशियनों ने भाग लिया।

मोटोराइजड ट्रक असेम्बली (डब्ल्यूएपी7, डब्ल्यूएजी9)

चल स्टॉक

वर्ष 2024-25 के दौरान सेवा में लगाए गए चल स्टॉक का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

चल स्टॉक की किस्म	सेवा में लगाई गईं इकाइयाँ						
		परिवर्तन के कारण			परिवर्धन के कारण		
	वर्ष	बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन	बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन
डीजल इंजन	2023-24	-	-	-	100	-	-
	2024-25	**-**	**-**	**-**	**100**	**-**	**-**
	2023-24	155	-	-	1,225	-	-
बिजली इंजन	**2024-25**	**121**	**-**	**-**	**1,336**	**-**	**-**
माल डिब्बे @	2023-24	37,650	-	-	-	-	-
(वाहन इकाइयों में)	**2024-25**	**41,929**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें							
	2023-24	92	-	-	-	-	-
मोटर कोच	**2024-25**	**200**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
ट्रेलर कोच	2023-24	184	-	-	-	-	-
	2024-25	**400**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
मेन लाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें							
मोटर कोच	2023-24	73	-	-	51	-	-
	2024-25	**79**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
ट्रेलर कोच	2023-24	219	-	-	153	-	-
	2024-25	**237**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

@वर्ष के दौरान विनिर्मित कुल माल डिब्बे (बीएलसी और निजी माल डिब्बों सहित)

वर्ष के दौरान नकारा घोषित किया गया स्टॉक इस प्रकार था–

चल स्टॉक की किस्म	बड़ी लाइन		मीटर लाइन		छोटी लाइन (इकाई में)	
	2023-24	**2024-25**	2023-24	**2024-25**	2023-24	**2024-25**
डीजल रेल इंजन	559	**503**	04	**-**	03	**02**
बिजली रेल इंजन	155	**121**	-	**-**	-	**-**
माल डिब्बे (वाहन इकाइयों में)	5,854	**6,907**	11	**-**	-	**-**
इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटें						
मोटर कोच	84	**29**	-	**--**	-	**-**
ट्रेलर कोच	269	**55**	-	**--**	-	**-**

कर्षण

सकल टन किलोमीटर और रेलगाड़ी किलोमीटर, दोनों के मामले-में संपूर्ण यात्री एवं माल यातायात की ढुलाई डीजल और बिजली रेलइंजनों द्वारा की गई। बहरहाल, भारतीय रेल के गौरवशाली अतीत के प्रतीक के रूप में हिल रेलवे सहित कुछ भाप सर्किट पर भाप रेलइंजनों को चलाना जारी रखा गया है।

पिछले वर्ष की तुलना में, 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार कर्षण-वार बेड़ा इस प्रकार था:-

(इकाइयों में)

रेलइंजन	31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार	31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार
भाप	38	**34**
डीजल	4,397	**4,296**
बिजली	10,675	**11,762**
कुल	15,110	**16,092**

विद्युत रेलइंजन डब्ल्यूएपी7 (यात्री)

चल स्टॉक का विनिर्माण

1341 एचपी बड़ी लाइन रेलइंजनों की 3डी मॉडलिंग

2024-25 के दौरान उत्पादन इकाइयों का कार्य निष्पादन इस प्रकार था:

- चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना, चित्तरंजन ने आईजीबीटी प्रौद्योगिकी पर आधारित प्रणोदन प्रणाली और अनुषंगी परिवर्तकों से युक्त 700 अदद अत्याधुनिक बड़ी लाइन 3-फेज उच्च अश्व शक्ति बिजली रेलइंजनों का विनिर्माण किया।
- बनारस रेलइंजन कारखाना, वाराणसी ने गैर-रेल ग्राहकों के लिए 5 डीजल रेलइंजनों सहित 477 रेलइंजनों का विनिर्माण किया। गैर-रेल ग्राहकों/निर्यात के लिए कुल विक्रय मूल्य 69.07 करोड़ रुपए था।
- सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई ने 3,007 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया जिनमें 1,830 एलएचबी सवारी डिब्बे, 392 ट्रेनसेट कोच, 12 नमो भारत रैपिड रेल सवारी डिब्बे, 136 3-फेज मेमू, 600 ईएमयू, 18 उच्च गति स्वनोदित दुर्घटना राहत रेलगाड़ियां (स्पार्ट) 4 स्वनोदित निरीक्षण कोच, 7 अदद टॉवर कार/निरीक्षण कोच और 8 ट्रेजरी वैन कोच शामिल हैं।
- रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला ने 2,102 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया जिनमें 1,909 एलएचबी सवारी डिब्बे, 16 नमो भारत रैपिड रेल कोच, 160 मेमू सवारी डिब्बे तथा 17 विस्टाडोम केएसआर सवारी डिब्बे शामिल हैं।
- आधुनिक रेलडिब्बा कारखाना, रायबरेली ने 2,005 एलएचबी सवारी डिब्बों और 20 मेमू सवारी डिब्बों सहित 2,025 सवारी डिब्बों का विनिर्माण किया।
- रेल पहिया कारखाना, बेंगलूरू ने 98,350 पहिया सेटों को एसेम्बल किया 2,01,150 पहियों और 93,880 धुरों का विनिर्माण किया। गैर-रेल ग्राहकों के लिए विक्रय मूल्य 39.41 करोड़ रुपए था।
- रेल पहिया संयंत्र, बेला ने 2024-25 के दौरान 53,091 पहियों का विनिर्माण किया।
- पटियाला रेलइंजन कारखाना, पटियाला ने 304 उच्च अश्व शक्ति बड़ी लाइन बिजली रेलइंजनों और 103 अदद् टॉवर कारों का विनिर्माण किया।

2024-25 के दौरान ईएमयू, मेमू और कोलकाता मेट्रो रेकों के नवोन्मेषों और नई पहलों का विवरण इस प्रकार है:

(i) **ईएमयू/मेमू और कोलकाता मेट्रो में अलार्म प्रणाली के साथ स्वचालित धूम्र एवं अग्नि संसूचन प्रणाली का प्रावधान:-** भारतीय रेल में ईएमयू/मेमू रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा में सुधार करने की दृष्टि से, पारंपरिक ईएमयू/मेमू और 3-फेज ईएमयू/मेमू में धूम्र संसूचन/फायर अलार्म और शमन प्रणाली मुहैया कराने का विनिश्चय किया गया है। 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल में 52 ईएमयू रेकों, 72 मेमू रेकों में स्वचालित धूम्र एवं अग्नि संसूचन प्रणाली संस्थापित की गई है। भारतीय रेल में इस कार्य हेतु पर्याप्त सक्षम प्रावधान किए गए हैं।

8 पहिया डीजल इलेक्ट्रीक टॉवर कार (डीआईटीसीआईएस)

(ii) **ईएमयू/मेमू के लिए प्रणोदन प्रणाली की खरीद नीति में सुधार:-** आपूर्तिकर्ता से प्रतिस्पर्धी दरें प्राप्त करने के लिए प्रापण चरण में ही प्रणोदन प्रणाली के व्यापक वार्षिक अनुरक्षण (सीएएमसी) को शामिल करने का निर्णय लिया गया है। यह न केवल प्रतिस्पर्धी दरों को सुनिश्चित करेगा लेकिन अनुरक्षण व्यवस्था में भी निश्चितता लाएगा। इससे ईएमयू/मेमू की अनुरक्षण लागत में उल्लेखनीय कमी आएगी।

विद्युत रेलइंजन, पश्चिम रेलवे

(iii) 3-फेज मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (मेमू) रेलगाड़ियां:- मेमू रेलगाड़ियां उच्च त्वरण और मंदन प्रणाली का उपयोग करती हैं। ये विद्युतरोधी गेट बाइपोलर ट्रांजिस्टर युक्त 3-फेज प्रत्यावर्ती धारा प्रणोदन प्रणाली के साथ नोदित होती हैं और बेहतर त्वरण व ब्रेकिंग की सुविधा प्रदान करती हैं। रिजेनरेटिव ब्रेकिंग द्वारा समर्थित ऊर्जा-कुशल विद्युत कर्षण प्रणोदन प्रणाली पारंपरिक मेमू रेलगाड़ियों की तुलना में 35% ऊर्जा की बचत कर सकती है। इस प्रक्रिया में जनित बिजली ग्रिड में भेज दी जाती है। ऊर्जा-कुशल इकाइयों को कम अनुरक्षण की आवश्यकता होती है।

ईएमयू/मेमू रिजेनरेटिक ब्रेकिंग सुविधाओं युक्त वितरित विद्युत शक्ति चल स्टॉक हैं। वितरित विद्युत शक्ति के कारण ईएमयू/मेमू में शीघ्र त्वरण और मंदन होता है। ईएमयू का उपयोग उपनगरीय खंडों के लिए किया जाता है जबकि मेमू का उपयोग कम दूरी के मेनलाइन परिचालन के लिए किया जाता है जहां बार-बार ठहराव अपेक्षित होते हैं।

2015-2025 की अवधि में 8 कार वाले 480 मेमू रेकों का विनिर्माण किया गया है। वर्ष 2025 से 2030 तक ऊर्जा कुशल 3-फेज मेमू उत्पादन की अनुमानित आवश्यकता 12 कार वाली 500 रेकों की है। इन ऊर्जा कुशल ईएमयू/मेमू रेकों से कार्बन डाइ ऑक्साइड उत्सर्जन में काफी कमी आने की उम्मीद है।

(iv) एसजीएसी (स्वजनित वातानुकूलित सवारी डिब्बों) में लीथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियां:-इस समय, स्वजनित वातानुकूलित सवारी डिब्बों में बड़े पैमाने पर वीआरएलए बैटरी का उपयोग किया जाता है, जिनका भार अधिक होता है, अधिक अनुरक्षण अपेक्षित होता है एवं इनका जीवन-चक्र छोटा होता है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, यह कार्य लीथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों के साथ पूरा किया गया है। लीथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों का भार और वाल्यूम कम होता है, अत: इनका जीवन-चक्र अधिक होने के कारण, कम अनुरक्षण अपेक्षित होता है, ये रासायनिक रूप से अधिक स्थायी और पर्यावरण अनुकूल होती हैं।

लीथियम आयरन फॉस्फेट बैटरियों के परीक्षण में संतोषजनक निष्पादन को देखते हुए, 100 एसजी सवारी डिब्बों में इन्हें उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

(v) नमो भारत रैपिड रेल गाड़ियों (वंदे मैट्रो) का उत्पादन: कम दूरी की इंटरसिटी यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से, भारतीय रेल ने नमो भारत रैपिड रेल नामक हल्के भार वाले ऊर्जा कुशल वातानुकूलित रेक विनिर्मित करने की योजना बनाई है। वंदे भारत की तरह इन रेकों का सौंदर्यबोध बेहतर है, जो कम दूरी की इंटरसिटी यात्राओं के लिए उपयुक्त हैं।

नमो भारत रैपिड रेलगाड़ी के प्रत्येक रेक का विनिर्माण रेल डिब्बा कारखाना और सवारी डिब्बा कारखाना द्वारा किया गया है। इन रेकों को मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे दोनों में यात्री सेवा के लिए शुरू किया गया है।

(vi) सवारी डिब्बों के इलेक्ट्रिक पैनल में अग्निशमन प्रणाली की व्यवस्था: - चलती रेलगाड़ियों में अग्नि संरक्षा में सुधार करने की दृष्टि से, सवारी डिब्बों के इलेक्ट्रिक पैनलों में अग्निशमन प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए उत्पादन इकाइयों और क्षेत्रीय रेलों को अनुदेश जारी किए गए हैं। भारतीय रेल में इस कार्य हेतु पर्याप्त सक्षम प्रावधान किए गए हैं। 2024-25 के दौरान, वातानुकूलित/अवातानुकूलित सवारी डिब्बों में लगभग 60% कार्य पूरा कर लिया गया है।

आयात

वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों में विनिर्मित विभिन्न प्रकार के चल स्टॉक के लिए कुल उत्पादन लागत (अनुमानित प्रभारों को छोड़कर) के प्रतिशत के मामले में कच्चे माल/कलपुर्जों का आयात घटक इस प्रकार है:-

	रेल इंजन/सवारी डिब्बे	2023-24	2024-25
बनारस रेलइंजन कारखाना	डब्ल्यूएपी-7	1.50	**1.40**
	डब्ल्यूएजी-9एचसी	0.47	**0.34**
रेल डिब्बा कारखाना	ईओजी/एलएचबी/एसीसीबी-यूएसबीआरएल	1.27	**1.29**
	ईओजी/एलएचबी/एसीसीडब्ल्यू-यूएसबीआरएल	1.11	**1.13**
	ईओजी/एलएचबी/एफएसी-यूएसबीआरएल	1.12	**1.14**
	ईओजी/एलएचबी/एसीसीएन-यूएसबीआरएल	1.11	**1.13**
	ईओजी/एलएचबी/एलआरआरएम-यूएसबीआरएल	0.97	**0.98**
	एलएस दीन दयालु	0.93	**1.90**
	एलडब्ल्यूएस एसी	1.71	**-**
	कार्गोलाइनर डबल डेकर	0.95	**0.94**
	कार्गोलाइनर पार्सल	1.07	**-**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम	0.93	**1.00**
	जेडसीजैडएसी (विस्टाडोम)	2.76	**2.70**
	जेडएफसीजेडएसी (विस्टाडोम)	2.71	**2.70**
	जेडजीएस (विस्टाडोम)	3.01	**2.70**
	जेडएलआरएम (विस्टाडोम)	2.72	**2.70**
	ईओजी/एलएचबी/एसीसीएन	1.38	**1.50**
	एलएसएलआरडी(एलसी)	1.63	**1.63**
	एलडब्ल्यूएससीएन	1.66	**1.93**
	3 फेज मेमू एमसी भेल	-	**0.00**
	3 फेज मेमू टीसी भेल	-	**0.00**
	ईओजी/एलएचबी/एफएसी	1.29	**1.23**
	आरएएनएसी	1.34	**1.39**
	वीपी पार्सल वैन	2.21	**2.25**
	एलडब्ल्यूएससीएनई (गरीब रथ)	1.5	**1.51**
चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना	डब्ल्यूएजी-9एचसी	0.40	**0.51**
	डब्ल्यूएपी-5	2.88	**-**
आधुनिक रेलइंजन कारखाना	एलडब्ल्यूएफएसी	1.64	**0.00**
	एलडब्ल्यूसीबीएसी/टी	1.49	**0.00**
	एलडब्ल्यूएफएसी/टी	1.38	**0.00**
	एलडब्ल्यूएसीसीएन/टी	1.32	**0.00**
	एलडब्ल्यूएसीसीडब्ल्यू/टी	1.32	**0.00**
	एलडब्ल्यूएसीसीडब्ल्यू	1.75	**0.00**
	एलडब्ल्यूएफसीडब्ल्यूएसी	1.63	**0.00**
	एलडब्ल्यूएसीसीएन	1.79	**0.00**
	एलडब्ल्यूएसीसीएनई	1.53	**0.00**
	एलडब्ल्यूसीबीएसी	1.28	**0.00**
	एलडब्ल्यूएससीजेडएसी	1.70	**0.00**
	एलएसएलआरडी	2.20	**0.00**
	एलडब्ल्यूएस डीईईएन	2.10	**0.00**
	एलडब्ल्यूएससीजेड	2.25	**0.00**
	एलडब्ल्यूएससीएन	2.09	**0.00**

उच्च अश्व शक्ति विद्युत रेलइंजन, बनारस रेलइंजन कारखाना

न्यू शिल्ड बॉडी असेम्बली सेक्शन, पूर्व मध्य रेलवे

स्टील संयत्र, पूर्व तट रेलवे

	रेल इंजन/सवारी डिब्बे	2023-24	2024-25
	एलडब्ल्यूएससीएन(जी)	-	**0.00**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम	-	**0.00**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम/टी	1.14	**0.00**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम (पीसी)	1.13	**-**
	पार्सल वैन	2.72	**0.00**
	3फेज, ईएमयू/टीसी	0.90	**-**
	3फेज, ईएमयू/एमसी	2.58	**-**
सवारी डिब्बा कारखाना	एलएसडीडी	3.83	**-**
	एलएसीसीएन	3.26	**5.03**
	एलएसीसीएन-ई	3.11	**4.23**
	एलएसीसीडब्ल्यू	3.26	**4.57**
	एलएससीएन	-	**5.80**
सवारी डिब्बा कारखाना	एलएससीएन पीपी	2.93	**&**
	एलएसएलआरडी	3.32	**4.65**
	एलएसएलआरडी पीपी	2.53	**1.39**
	एलपीवी	2.62	**-**
	एलआरएएसी 1 ओडब्ल्यू	1.49	**-**
	एलआरएएसी 2 ओडब्ल्यू	1.44	**-**
	एलआरएएसी एमएसी ओडब्ल्यू	1.47	**-**
	एलआरएएसी	-	**3.47**
	एलडब्ल्यूसीबी एसी	4.02	**4.67**
	एलएफएसी	3.31	**1.58**
	एलडब्ल्यूएलआरआरएम	2.52	**3.55**
	मेमू डीएमसी यूएस	0.59	**-**
	मेमू टीसी यूएस	1.80	**-**
	टीएस एमसी	0.76	**0.58**
	टीएस टीसी	0.85	**-**
	एलडब्ल्यूएस	-	**4.17**
	एलडब्ल्यूएससीजेड	-	**4.34**
	एलडब्ल्यूएससीजेडएसी	-	**5.42**
	ईएमयू डीएमसी यूएस	-	**0.56**
	ईएमयू एनडीएमसी यूएस	-	**0.62**
	ईएमयू टीसी यूएस	-	**1.78**
रेल पहिया कारखाना	पहिए (बॉक्सएन)	-	**4.00**
	धुरा (बॉक्सएन)	-	**0.03**
	बीएलसी पहिए	-	**6.00**
पटियाला रेलइंजन कारखाना	डब्ल्यूएपी7/डब्ल्यूएजी9एचसी	0.04	**0.02**

भारतीय रेल की मालडिब्बों की थोक आवश्यकता की पूर्ति रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/कारखानों के साथ-साथ सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों की मालडिब्बा विनिर्माण इकाइयों द्वारा की जाती है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में कुल 41,929 मालडिब्बों को शामिल किया गया। इनमें से 2,808 मालडिब्बों (175 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों में किया गया था और शेष 39,121 मालडिब्बों (1,083 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण मालडिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था।

नॉन प्रेशरराइजड बल्क सह जनरल परपज़ कंटेनर

वर्ष 2025-26 (अप्रैल-सितम्बर, 2025) के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में 16,209 मालडिब्बे शामिल किए गए। इनमें से, 1,414 मालडिब्बों (120 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों में किया गया था और शेष 14,795 मालडिब्बों का विनिर्माण मालडिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था।

विद्युत रेलइंजन डब्ल्यूएजी9एचसी (माल यातायात)

चल स्टॉक का अनुरक्षण

वर्ष के दौरान रेल कारखानों में चल स्टॉक इकाइयों की आवधिक मरम्मत की संख्या नीचे तालिका में दी गई है:-

चल स्टॉक की किस्म (ब.ला. + मी.ला.)	वर्ष के दौरान की गई आवधिक मरम्मत (संख्या)	
	2023-24	**2024-25**
डीजल रेलइंजन	53	**33**
बिजली रेलइंजन	445	**440**
सवारी डिब्बे	29,270	**30,370**
माल डिब्बे	66,854	**69,459**

विभिन्न प्रकार के चल स्टॉक के लिए लाइन पर कुल स्टॉक की तुलना में अनुपयोगी स्टॉक का प्रतिशत इस प्रकार था:-

चल स्टॉक की किस्म	लाइन पर कुल स्टॉक की तुलना में अनुपयोगी स्टॉक का प्रतिशत			
	बड़ी लाइन		मीटर लाइन	
	2023-24	**2024-25**	2023-24	**2024-25**
भाप रेलइंजन	-	**-**	42.44	**29.67**
डीजल रेलइंजन	11.90*	**10.32**	4.69*	**4.39**
बिजली रेलइंजन	5.34*	**5.99**	-	**-**
ईएमयू कोच	8.48	**9.37**	-	**-**
यात्री सवारी डिब्बे	5.11*	**5.42**	6.80*	**8.83**
अन्य सवारी वाहन	7.47*	**7.94**	-	**-**
माल डिब्बे	2.45*	**2.88**	-	**-**

*संशोधित

निर्यात आदेश

वर्ष 2024-25 के दौरान चल स्टॉक के निर्यात का कुल मूल्य ₹35.50 करोड़ था, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह ₹126.68 करोड़ (संशोधित आँकड़ा) था। अप्रैल-सितंबर, 2025 के दौरान चल स्टॉक/पुर्जो के निर्यात का मूल्य ₹69.96 करोड़ था।

वर्ष 2024-25 के दौरान निर्यात में श्रीलंका, बांग्लादेश और मोजाम्बिक को सवारी डिब्बों, रेलइंजनों का निर्यात, कलपुर्जों की आपूर्ति और सवारी डिब्बों, रेलइंजनों तथा डेमू के लिए आकस्मिक सेवा शामिल हैं।

चिरेका में स्टील उत्पादों का कास्टिंग कार्य

पहिया कारखाना, चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

सामग्री प्रबंधन

सामग्री प्रबंधन विभाग संगठन में सामग्रियों के प्रवाह और तत्पश्चात विभिन्न उपयोगकर्ताओं तक इसके आगे संचलन से संबंधित सभी कार्यकलापों की योजना बनाने, व्यवस्था करने, संचार करने, निर्देश देने और नियंत्रण करने का कार्य करता है। भारतीय रेल सार्वजनिक क्रय करने वाले देश के सर्वाधिक विशाल संगठनों में से एक है।

क्रयों पर व्यय

वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय रेल द्वारा परिसंपत्तियों के परिचालन, अनुरक्षण और उत्पादन (निर्माण कार्यों के भाग के रूप में आपूर्ति किए गए सामानों को छोड़कर) की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वस्तुओं के क्रय पर व्यय ₹77,358.70 करोड़ था।

ऐसी वस्तुओं के क्रय का विस्तृत वर्गीकरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

	2023-24	**2024-25**
परिचालन, मरम्मत और अनुरक्षण के लिए भण्डार	20,376.62	**23,074.24**
निर्माण के लिए भण्डार	7,364.02	**9,105.74**
ईंधन	16,732.42	**10,170.90**
चल स्टॉक के विनिर्माण हेतु भण्डार और संपूर्ण इकाइयों का क्रय	31,319.94	**35,007.82**
जोड़	75,793.00	**77,358.70**

संग्रहण डिपो

गोदाम प्रबंधन सामग्री प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। भारतीय रेल के पास बहुत बड़ा गोदाम नेटवर्क है जो खपत बिंदु के समीप यथासंभव अधिक कुशलतापूर्वक अपेक्षित सामग्री उपलब्ध कराने के प्रति समर्पित है। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों के पास 335 संग्रहण डिपो हैं जो पूरे रेल नेटवर्क में फैले हुए हैं। इन डिपुओं में 1.33 लाख से अधिक वस्तुओं का भण्डारण किया जाता है जिनमें कच्चा माल, घटक, कलपुर्जे, उपभोग्य सामग्रियां आदि शामिल हैं।

अनुपयोगी वस्तुओं का निपटान

कुशल सामग्री प्रबंधन में अनुरक्षण और उत्पादन कार्यकलापों के दौरान उत्पन्न स्क्रैप का समय पर और कारगर निपटान भी शामिल है। औद्योगिक अपशिष्ट और खतरनाक स्क्रैप का सुरक्षित निपटान करना एक कानूनी बाध्यता है जिसे भारतीय रेल द्वारा सतर्कतापूर्वक सुनिश्चित किया जाता है। ऐसी परिसंपत्तियों में अवरुद्ध पूंजी को मुक्त करने के लिए बेकार पड़ी मदों का निपटान करना अनिवार्य है। स्क्रैप का निपटान रेलों के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। 2024-25 के दौरान स्क्रैप के निपटान के माध्यम से अर्जित कुल राजस्व ₹6,641.78 करोड़ था, जबकि 2023-24 के दौरान यह ₹5,773.63 करोड़ था।

डिजिटलीकरण

अपने मुख्य प्लेटफार्मों-भारतीय रेल ई-प्रापण प्रणाली (आईआरईपीएस), एकीकृत सामग्री प्रबंधन प्रणाली (आईएमएमएस) और उपयोगकर्ता डिपो मॉड्यूल (यूडीएम)-को सफलतापूर्वक एक साथ लाने के पश्चात, भारतीय रेल अब एक अधिक स्मार्ट और पूर्वानुमानित डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला की ओर बढ़ रहा है। हर गुजरते वर्ष के साथ, भारतीय रेल अपनी डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला को और अधिक बेहतर बनाने के लिए प्रमुख पहलों की पहचान और उन्हें कार्यान्वित करता है।

ब्लैक ऑयल बीटीपीएन माल डिब्बा

वर्ष के दौरान प्रमुख पहलें

- **प्रेषिती-वार औसत वार्षिक खपत:** एकीकृत सामग्री प्रबंधन प्रणाली में स्टॉक मदों के लिए प्रेषिती-वार औसत वार्षिक खपत का विवरण बनाए रखने की एक प्रणाली क्रिस द्वारा क्रियान्वित की गई है। इस प्रणाली में, डिपो को 'अग्रिम सूचना पत्रक' में प्रेषिती-वार प्रस्तावित

औसत वार्षिक खपत दर्ज करने की सुविधा है। क्रय कार्यालयों के पास डिपो-वार औसत वार्षिक खपत को अनुमोदित करने की सुविधा है।

- **संबंधित क्रय अनुभागों को गैर-स्टॉक मांगों का स्वत असाइनमेंट:-** मैन्युअल विलंब को समाप्त करने और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता में सुधार के लिए क्रय अनुभागों को गैर-स्टॉक मांगों के स्वत: असाइनमेंट की एक प्रणाली कार्यान्वित की गई है। इसका लक्ष्य त्रुटियों को कम करना और मांग पंजीकरण में तेजी लाना है।
- **दर अनुबंधों/मूल्य-समझौतों का डिजिटल प्लेसमेंट:** रेल आपूर्ति श्रृंखला के संपूर्ण डिजिटलीकरण के लिए क्रिस द्वारा दर अनुबंधों/मूल्य-समझौतों के प्लेसमेंट की कार्यक्षमता विकसित की गई है।

हुपर माल डिब्बा बीओबीएसएनएस माल डिब्बा

बहरहाल, यह डिजिटल परिवर्तन केवल प्रणालियों को कागज से ऑनलाइन में ले जाने तक ही सीमित नहीं है - यह बेहतर निर्णय लेने के लिए डेटा की शक्ति का उपयोग करने के संबंध में है। इन प्लेटफार्मों के माध्यम से प्रत्येक वर्ष लाखों निविदाएँ और लाखों लेन देन होते हैं, जिससे भारतीय रेल अपनी विशाल आपूर्ति श्रृंखला में भारी मात्रा में डेटा उत्पन्न करता है। अब, कृत्रिम बुद्धिमत्ता में प्रगति और बिग डेटा एनालिटिक्स के संयोजन से, इस डेटा को वास्तविक समय में संसाधित करके छिपे हुए पैटर्न को उजागर किया जा सकता है, अक्षमताओं का पता लगाया जा सकता है और इनका उपयोग डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला को और बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

प्रापण एजेंसी

क्षेत्रीय रेलें और उत्पादन इकाइयां उनके द्वारा अपेक्षित सामग्रियों का अधिकांशत: क्रय विकेंद्रीकृत प्रणाली में करती हैं, लेकिन कुछ वस्तुएं ऐसी हैं जो रेलवे बोर्ड के स्तर पर क्रय हेतु केन्द्रीकृत हैं। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पर उपलब्ध सामान्य उपयोग की वस्तुएं और सेवाएं जीईएम पोर्टल से क्रय के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2024-25 में क्रय किए गए ₹77,358.70 करोड़ मूल्य के भंडार में से, 63.98% क्रय क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों द्वारा, 0.95% प्रतिशत क्रय जीईएम से और 35.07% प्रतिशत क्रय रेलवे बोर्ड द्वारा किया गया था। वर्ष 2024-25 में ₹19,909.17 करोड़ मूल्य के भंडार का क्रय लघु उद्योग क्षेत्र तथा खादी एवं ग्रामीण उद्योगों से किया गया था। आपूर्तियों के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने 20% अंशदान और अन्य उद्योगों ने 80% अंशदान किया था।

स्वदेशी विक्रेता विकास

भारतीय रेल ने सार्वजनिक प्रापण (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश को पूर्णत: क्रियान्वित किया है। वर्ष 2024-25 के दौरान स्वदेशी भंडारों का मूल्य ₹76,967.01 करोड़ था, जो भारतीय रेल द्वारा कुल क्रय का लगभग 99.49% था। भारतीय रेल को अपने रेल इंजनों, सिगनल और दूरसंचार उपकरणों आदि के लिए उच्च प्रौद्योगिकी सामग्रियों के लिए आयात पर निर्भर रहना पड़ता है जो देश के अंदर अपेक्षित गुणवत्ता के साथ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।

वस्तुसूचियां

वस्तुसूचियों को यथेष्ट स्तर पर बनाए रखना सफल सामग्री प्रबंधन की कुंजी है। वर्ष 2024-25 के लिए टर्नओवर अनुपात 19% (ईंधन के बिना) और 19% (ईंधन सहित) था, जबकि 2023-24 के दौरान यह 17% (ईंधन के बिना) और 17% (ईंधन सहित) था।

माल डिब्बों और इस्पात का प्रापण

वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय रेल प्रणाली में 41,929 माल डिब्बों को शामिल किया गया। इनमें से 2,808 माल डिब्बों (175 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण रेल कारखानों में किया गया था और शेष 39,121 माल डिब्बों (1,083 बीएलसी मालडिब्बों सहित) का विनिर्माण माल डिब्बा उद्योग द्वारा किया गया था। वर्ष 2024-25 के दौरान, लौह एवं इस्पात सामग्री के लिए प्रापण 1,38,733 मीट्रिक टन (मूल्य ₹964.56 करोड़) था, जबकि वर्ष 2023-24 के दौरान यह 79,902 मीट्रिक टन (मूल्य ₹643.08 करोड़) था।

व्हीलसेट

मौजूदा विद्युत प्वॉइंट मशीन सहित 2एनडी ड्राइव टीडब्ल्यूएस का विकास

अनुसंधान और विकास

रेल मंत्रालय के अधीन अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (अअमासं), भारतीय रेल का एकमात्र अनुसंधान एवं विकास संगठन है और यह रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों के तकनीकी सलाहकार के रूप में कार्य करता है। अअमासं के प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

- भारतीय रेल में उपयोग के लिए नई प्रौद्योगिकी का विकास, अंगीकरण, आमेलन और आत्मसातकरण।
- उपकरणों और प्रणालियों के नए और उन्नत डिजाइनों का विकास।
- भारतीय रेल में अंगीकरण के लिए मानकों का विकास और निर्धारण।
- भारतीय रेल के लिए सामग्रियों और उत्पादों हेतु विशिष्टियों का विकास।
- चल स्टॉक (मेट्रो स्टॉक सहित), रेलइंजनों, सिगनल व्यवस्था एवं दूरसंचार उपकरण और रेलपथ घटकों की महत्वपूर्ण और संरक्षा संबंधी मदों का निरीक्षण।
- संरक्षा और विश्वसनीयता में सुधार लाने के लिए तकनीकी जाँच, सांविधिक स्वीकृतियां, परीक्षण तथा परामर्श सेवाएँ प्रदान करना।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान की गई अनुसंधान एवं विकास संबंधी महत्वपूर्ण कार्यकलाप निम्नानुसार हैं-

1. कवच चरण-II का विकास

कवच प्रणाली भारतीय उद्योग के सहयोग से अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन द्वारा स्वदेश में विकसित स्वचालित गाड़ी सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है और भारतीय रेल में रेलगाड़ी संचालन में संरक्षा के कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा इसके परीक्षण की सुविधा प्रदान की गई है। कवच का उद्देश्य गाड़ियों को खतरे का सिगनल (लाल) पार करने से रोकने और टक्कर से बचाकर सुरक्षा प्रदान करना है। यदि चालक गति प्रतिबंधों के अनुसार गाड़ी को नियंत्रित करने में विफल रहता है तो यह गाड़ी की ब्रेक प्रणाली को स्वचालित रूप से सक्रिय कर देता है। 'कवच' प्रणाली संरक्षा प्रामाणिकता स्तर 4 (एसआईएल-4) प्रमाणित सबसे किफायती प्रौद्योगिकियों में से एक है। इससे विदेशी रेलमार्गों के लिए इस स्वदेशी प्रौद्योगिकी के निर्यात की संभावनाएं भी उत्पन्न होती हैं।

वाटरप्रूफ प्वाइंट मशीन

कवच संस्करण 4.0 की संशोधित विशिष्टियों को 16 जुलाई 2024 को जारी किया गया और इस प्रणाली को उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे के नई दिल्ली-हावड़ा और नई दिल्ली-मुंबई मार्गों पर संस्थापित किया जा रहा है।

कोटा-लाखेरी (पश्चिम मध्य रेलवे), सूरत-वडोदरा (पश्चिम रेलवे) में 160 किलोमीटर प्रति घंटे की गति पर फील्ड परीक्षण किया जा रहा है। पूर्व रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे में यात्री परीक्षण किए जा रहे हैं।

2. **मौजूदा इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन के साथ द्वितीय ड्राइव थिक वेब स्विच का विकास:-**

2400 किलोवाट क्षमता वाली हाइड्रोजन विद्युत रेलगाड़ी का विकास

स्टॉक और स्विच रेल के बीच न्यूनतम अंतराल बनाए रखने और स्लीपरों की वांछित संख्या तक स्विच रेल की उन्नत सेटिंग के लिए, मौजूदा इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन के साथ थिक वेब स्विच के लिए एसएसडी को प्रतिस्थापित करने वाले द्वितीय ड्राइव/पुल का विकास कार्य प्रगति पर है।

रेलवे बोर्ड ने चार रेलों नामत: उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे में 24 सेटों के परीक्षण को अनुमोदित किया है। इनमें से दो सेट उत्तर मध्य रेलवे में संस्थापित किए जा चुके हैं। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के कीथम स्टेशन पर क्रमश: एक-एक सेट को कमीशन कर दिया गया है।

3. **वाटरप्रूफ पॉइंट मशीन**

पारंपरिक पॉइंट मशीन जलमग्न अवस्था में कार्य करने के लिए उपयुक्त नहीं होती और मानसून के दौरान जलभराव वाले क्षेत्रों में कार्य नहीं करती। आईपी-67 पॉइंट मशीन के लिए विशिष्टियां जनवरी 2025 में जारी की गई हैं। इस प्रकार की पॉइंट मशीन की मुख्य विशेषताएँ निम्नानुसार हैं:

- इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन के लिए आईपी67 (जलरोधी और धूलरोधी) सुरक्षा स्तर
- जलमग्न अवस्था में भी सुरक्षित परिचालन
- जलमग्न अवस्था में क्रैंक हैंडल परिचालन
- डिटेक्टर/लॉक स्लाइड, केबल प्रवेश प्वाइंट, विभिन्न प्रवेश प्वाइंट, क्रैंक हैंडल व्यवस्था और मशीन कवर के लिए सीलिंग व्यवस्था प्रदान की गई है।

4. **2400 किलोवाट क्षमता वाली हाइड्रोजन रेलगाड़ी का विकास**

अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन हरित ऊर्जा के लिए राष्ट्रीय महत्व की एक परियोजना पर कार्य कर रहा है। अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन ने 'हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित डीपीआरएस 2400 किलोवाट ट्रेन सेट के विकास' के लिए तकनीकी विशिष्टियां तैयार की हैं। यह रेलगाड़ी उत्तर रेलवे के सोनीपत-जींद खंड के बीच चलेगी। प्रस्तावित संकर विद्युत प्रणाली में, प्राथमिक ऊर्जा स्रोत प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन फ्यूल सेल (पीईएमएफसी) है और अधिकतम बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए बैटरी बैंक द्वितीयक ऊर्जा स्रोत होगा। रेलगाड़ी के सभी उप-संयोजनों का परीक्षण किया जा चुका है और रेलगाड़ी को सवारी डिब्बा कारखाना/चेन्नई में एकीकृत किया जा रहा है।

5. **डेटा लॉगर के माध्यम से प्वाइंट अलार्म जनरेशन प्रणाली का विकास**

इस प्रणाली का उद्देश्य अपेक्षित रिले सर्किट को पूरा किए बिना कांटों के संचालन/संसूचन के मामले में स्टेशन मास्टर और सिगनल एवं दूरसंचार कर्मचारियों को चेतावनी देना है।

6. **संरक्षा हेतु टैबलेट-आधारित पीसी टाइप फॉग पायलट सहायता प्रणाली (फॉगपास) का विकास**

टैबलेट पीसी टाइप फॉगपास का उद्देश्य जीपीएस का उपयोग करके लोको पायलट को तत्समय स्थान मार्गदर्शन प्रदान करके कोहरे की परिस्थिति में रेलगाड़ी परिचालन की संरक्षा को बढ़ाना है।

टैबलेट-आधारित पीसी टाइप फॉग पायलट सहायता प्रणाली (फॉगपास)

विद्युत रेलइंजन में उपयोग होने वाली एलईडी आधारित ट्विन बीम हेडलाइट्स में उच्च चमक की समस्या का समाधान

यह प्रणाली कोहरे के कारण दृश्यता कम होने पर भी, भू-चिह्नों, सिगनलों, समपारों, स्टेशनों और मार्ग के किनारे अन्य प्रमुख स्थानों की पहचान करने में सहायता करती है।

7. समर्पित परीक्षण रेलपथ का निर्माण

उत्तर पश्चिम रेलवे के फुलेरा-मकराना खंड में गुढ़ा और थथाना मीठड़ी स्टेशनों के बीच समर्पित परीक्षण रेलपथ (डीटीटी) का निर्माण किया जा रहा है ताकि नियमित रेलपथ परिचालन में व्यवधान के बिना नए और संशोधित चल स्टॉक के लिए दोलन और निष्पादन परीक्षण किए जा सकें। अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन के तकनीकी मार्गदर्शन में विकसित इस परियोजना में, ओपन लाइन खंडों पर परीक्षण के कारण होने वाली देरी की समस्या को दूर किया जाएगा।

इस परियोजना की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- अंतर्राष्ट्रीय मानक ईएन 14363:2016 के अनुसार परीक्षण।
- 200 किलोमीटर प्रति घंटे तक की उच्च गति के लिए परीक्षण।
- परीक्षणों के लिए रेल संरक्षा आयुक्त की स्वीकृति अपेक्षित नहीं है।
- कम परीक्षण समय: 20-30 दिन की तुलना में 8-12 दिन (लगभग)।
- चल स्टॉक और अवसंरचना के घटकों के लिए त्वरित परीक्षण सुविधा।

8. मेसर्स सीमेंस द्वारा निर्मित 9000 अश्वशक्ति (डी9) इंजनों का निर्माण

भारतीय रेल और मेसर्स सीमेंस लिमिटेड के बीच सरकारी चल स्टॉक कर्मशाला, दाहोद में विनिर्माण-सह-अनुरक्षण समझौते के माध्यम से 7000 किलोवाट (9000 अश्वशक्ति) के 1200 डी9 विद्युत इंजनों के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं और भारतीय रेल के चार नामित सरकारी अनुरक्षण डिपो (विशाखापत्तनम, रायपुर, खड़गपुर और पुणे) में 35 वर्षों तक इन इंजनों का अनुरक्षण किया जाएगा।

9. विद्युत इंजनों में सहायक भार इष्टतमीकरण के माध्यम से ऊर्जा दक्षता

3-फेज विद्युत माल इंजनों में पुनर्योजी ब्रेकिंग पहले से ही लगभग 15% ऊर्जा बचत में योगदान दे रही है। अब, तापीय मांग के आधार पर सहायक मशीनों के संचालन को विनियमित करके और अधिक ऊर्जा बचत प्राप्त की गई है।

एक संशोधित भार वितरण योजना शुरू की गई है, जिसमें मालगाड़ी के निष्क्रिय होने और वेंटिलेशन की आवश्यकता न होने पर अनावश्यक सहायक उपकरण स्वचालित रूप से बंद हो जाते हैं और इस योजना को लागू कर दिया गया है।

इस संशोधन के परिणामस्वरूप प्रति रेलइंजन प्रति निष्क्रिय घंटे 140.4 किलोवाट घंटा तक की बचत हो सकती है, जो प्रति रेलइंजन प्रति वर्ष लगभग 28 लाख रुपये के बराबर है। कुल अनुमानित वार्षिक बचत लगभग 1,600 करोड़ रूपये है।

विद्युत रेलइंजन में उपयोग होने वाली एलईडी आधारित ट्विन बीम हेडलाइट्स में उच्च चमक की समस्या का समाधान

10. एलईडी आधारित ट्विन बीम हेडलाइट्स में सुधार

भारतीय रेल ने यह रिपोर्ट किया है कि बिजली रेलइंजनों और इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिटों में उपयोग की जा रही एलईडी आधारित ट्विन बीम हेडलाइटों में डिम मोड पर चलने के दौरान अत्यधिक चमक की समस्या सामने आ रही है जब विपरीत दिशा से कोई दूसरी रेलगाड़ी आ रही होती है। डिम मोड में उच्च चमक की समस्या के समाधान हेतु, निम्नलिखित परिवर्तनों के साथ 13.06.2024 को संशोधित विशिष्टियां जारी की गई हैं:

- डिम मोड में लक्स स्तर 2500 लक्स (न्यूनतम)-3000 लक्स (अधिकतम) से घटाकर 900 लक्स (न्यूनतम)-1200 लक्स (अधिकतम) कर दिया गया है।
- एलईडी के लंबे जीवनकाल के लिए प्रोटोटाइप परीक्षण के दौरान एलईडी के जंक्शन तापमान और एलईडी में प्रवाहित विद्युत धारा की जांच की जाती है।

विद्युत रेलइंजन में तापीय मांग पर आधारित सहायक मशीनों के माध्यम से ऊर्जा दक्षता

11. भारतीय रेल के चल स्टॉक के लिए आईपी आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली

'भारतीय रेल के चल स्टॉक के लिए आईपी आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली' की विशिष्टियों को संशोधित किया गया है। इस प्रणाली की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- वीडियो रिकॉर्डर यूनिट (वीआरयू) विशिष्टि को उद्योग मानकों के अनुसार बनाया गया है।
- स्व-निदान सुविधा शामिल की गई है।
- डेटा की पुनर्प्राप्ति के लिए हैंड-हेल्ड टर्मिनल/टैबलेट विशिष्टि को जोड़ा गया है।
- कैमरे के लिए डिफॉगर सुविधा जोड़ी गई है।
- बेहतर विश्वसनीयता के लिए घटकों जैसे एसएसडी, यूएसबी पोर्ट, कैमरों का अंतर्गमन सुरक्षा स्तर, इन्फ्रा-रेड इल्यूमिनेटर रेंज, ऑपरेटिंग तापमान के मानकों में सुधार किया गया है।
- डाउनलोड किए गए वीडियो में वॉटरमार्क, दिनांक और समय, स्थिति आदि की सुविधा और डेटा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए उपयोगकर्ता प्रमाणीकरण जोड़ा गया है।
- रेलवे चालक सहायता प्रणाली के लिए पृथक रूप से स्वतंत्र परीक्षण हेतु कार्यात्मक आवश्यकताओं को शामिल किया गया है।

12. सुरंगों के लिए एकीकृत संचार प्रणाली (आरडीएसओ/एसपीएन/टीसी/109/2023 संस्करण 1.0)

इस प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- सुरंग के अंदर आपातकालीन संपर्क सेवा की सुविधा जोड़ी गई।
- बेहतर विश्वसनीयता के लिए प्रवेश सुरक्षा स्तर (आईपी65 या उससे बेहतर) शामिल किया गया।
- बेहतर निष्पादन के लिए ऑप्टिकल रेडियो यूनिट को संशोधित करके एनालॉग से डिजिटल किया गया।
- क्षरणी केबल विशिष्टि को संशोधित करके "अग्निरोधी, कम धुआँ, शून्य हैलोजन" किया गया।
- 1 ओम की तुलना में बेहतर भूसंपर्कन व्यवस्था जोड़ी गई।
- बेहतर श्रव्य गुणवत्ता के लिए डिजिटल स्पीकर का उपयोग करने के लिए जन उद्घोषणा प्रणाली को संशोधित किया गया।

रक्षा उपकरणों के पार वहन के लिए समतल बहुउद्देशीय माल डिब्बा : एफएमपी

13. अमृत भारत एक्सप्रेस श्रृंखला का डिजाइन और विकास

अमृत भारत एक्सप्रेस एक आधुनिक रेलगाड़ी है जिसे एलएचबी प्लेटफॉर्म पर पुश-पुल संचालन के लिए डिजाइन किया गया है और दोनों सिरों पर इंजन लगे हैं। इसमें द्वितीय श्रेणी सीट, शयनयान और एसएलआरडी जैसे अवातानुकूलित एलएचबी सवारी डिब्बे हैं, जिनकी गति क्षमता 130 किलोमीटर/घंटा है। एलएचबी सवारी डिब्बों में पहली बार, तेजस एक्सप्रेस की तरह अर्ध-स्थायी कपलर और चौड़े सीलबंद गैंगवे का उपयोग किया गया है, जिससे यात्रियों की संरक्षा और आराम में सुधार हुआ है।

14. वंदे भारत एक्सप्रेस (संस्करण 2.0) को परिचालन हेतु सेवा में शामिल करना

वंदे भारत एक्सप्रेस (संस्करण 2.0) को सफल दोलन और निष्पादन परीक्षणों के बाद सेवा में शामिल किया गया था, जिसमें अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन ने नई बोगी प्रणोदन प्रणाली का डिजाइन सत्यापन और परीक्षण पूरा किया था। इसका विनिर्माण सवारी डिब्बा कारखाना द्वारा किया गया था।

इसकी मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- ऊर्जा कुशल हाई स्पीड बोगी डिजाइन के लिए पिछले संस्करण की तुलना में 12% भार इष्टतमीकरण
- सवारी अनुभव में सुधार लाने के लिए अवसंचालित भार में संस्करण 1.0 की तुलना में 8% की कमी
- कम शोर, पटरी व पहिये के कम घिसाव और मोड़ों पर बेहतर परिचालन के लिए मार्गदर्शक कठोरता को इष्टतमीकृत किया गया।
- बेहतर सवारी अनुभव के लिए सस्पेंशन अवयवों को इष्टतमीकृत किया गया है, मल्टी-बॉडी सिमुलेशन में 2.8 का राइड इंडेक्स प्राप्त किया गया है। उन्नयन क्षमता: भारतीय रेल के रेलपथ पर 200 किलोमीटर प्रति घंटा।
- 160 किलो न्यूटन वायु सस्पेंशन और भार मापन प्रणाली।
- घटकों की श्रांति और सह्यता परीक्षण के माध्यम से सत्यापन परीक्षण के साथ मल्टी-बॉडी सिमुलेशन, एफईएम और मोडल विश्लेषण के साथ डिजाइन तैयार किया गया।

15. एलएचबी और वंदे भारत के लिए सेमी ऑटोमैटिक कपलर

क्रैश ट्यूब सहित सेमी ऑटोमैटिक कपलर, डिब्बों को स्वचालित रूप से ढिलाई रहित तरीके से जोड़ना और हाथों से डिब्बों को तुरंत अलग करने की सुविधा देता है। यह 208 किलो जूल टक्कर ऊर्जा को अवशोषित करता है, जिससे जैक नाइफिंग (अर्थात् डिब्बों का अचानक मुड़ जाना) और झटके कम होते हैं तथा यात्रा सुगम होती है। संरक्षा और आराम में सुधार के लिए इसे वंदे भारत और एलएचबी सवारी डिब्बों में लगाया जा सकता है।

16. वंदे मेट्रो - अगली पीढ़ी की शहरी रेल:

वंदे मेट्रो को वंदे भारत प्लेटफॉर्म पर 20.32 टन धुरा भार के लिए विकसित किया गया है, जिसकी गति क्षमता अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन द्वारा परीक्षणों के बाद 110 किलोमीटर/घंटा से बढ़ाकर 130 किलोमीटर/घंटा कर दी गई है। इसमें 50% विद्युत ऊर्जा के साथ 12 डिब्बों का समूह है, जिसमें 3,208 यात्रियों (1,150 बैठे हुए + 2,058 खड़े हुए) को समायोजित किया जा सकता है। इस डिजाइन में उपनगरीय और क्षेत्रीय यात्रा के लिए उच्च क्षमता, शीघ्र त्वरण और आधुनिक सुविधाओं को सुनिश्चित किया गया है।

17. वंदे भारत शयनयान - आधुनिक वातानुकूलित शयनयान ट्रेनसेट

वंदे भारत शयनयान एक 16 डिब्बों वाली वातानुकूलित शयनयान ट्रेन है, जिसे वंदे भारत प्लेटफॉर्म पर 17 टन धुरा भार के साथ 160 किलोमीटर/घंटा की गति के लिए डिजाइन किया गया है। यह शीघ्र त्वरण के लिए 50% विद्युत ऊर्जा के साथ 4 डिब्बों वाली एक बेसिक यूनिट का उपयोग करता है और सभी प्रणोदन उपकरण इसके नीचे लगे होते हैं।

18. कालका-शिमला विस्टाडोम सवारी डिब्बों का आधुनिकीकरण

छोटी लाइन पर कालका-शिमला सवारी डिब्बों का उन्नयन एक प्रतिष्ठित परियोजना है, जिसमें बोगी, ब्रेक और कपलर जैसी आवश्यक उप-प्रणालियाँ यथावत रखी गई हैं। रेल डिब्बा कारखाना ने पर्यटकों की सुविधा के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक नया छोटी लाइन विस्टाडोम सवारी डिब्बा विनिर्मित किया है। स्टेनलेस स्टील के इस सवारी डिब्बे की गति क्षमता 25 किलोमीटर/घंटा है और मनोरम दृश्यों के लिए इसके किनारों और छत पर बड़ी खिड़कियाँ हैं। इसमें यात्री क्षेत्र और ब्रेकमैन केबिन के बीच आईसी दरवाजे, एक आपातकालीन निकास द्वार और सुरक्षित निकासी के लिए खुलने योग्य चौड़ी खिड़कियाँ शामिल हैं।

19. राष्ट्रीय रेल योजना के अंतर्गत मालगाड़ियों का आधुनिकीकरण

राष्ट्रीय रेल योजना के अंतर्गत, भारतीय रेल ने बढ़ती यातायात आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आधुनिक मालगाड़ियों के स्वदेशी विकास का कार्य शुरू किया है।

अधिक ऊँचाई वाला ऑटो-कार कैरियर: एसीटी1

अधिक ऊँचाई वाला ऑटो-कार कैरियर: एसीटी2

सपाट बहुउद्देश्यीय माल डिब्बे: एफएमपी

कॉइल बहुउद्देश्यीय माल डिब्बे: सीएमपी

परिचालनिक दक्षता:

परियोजना 'मिशन रफ्तार' राष्ट्रीय रेल योजना के अंतर्गत, मालगाड़ियों की गति 50 किलोमीटर/घंटा तक बढ़ाने से यातायात में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ेगी। भारतीय रेल ने माल डिब्बों की गति को मानकीकृत और बढ़ाने के लिए मिशन रफ्तार शुरू किया।

20. भारतीय रेल के लिए मास्टर क्लॉक सिस्टम

भारतीय रेल अपने परिचालनों में समय को समकालिक बनाने के लिए एक जीपीएस/नाविक-आधारित मास्टर क्लॉक सिस्टम विकसित कर रही है, जिससे बेहतर दक्षता और सटीक दुर्घटना जाँच के लिए समयपालन में एकरूपता सुनिश्चित होगी।

21. चल स्टॉक का परीक्षण और कार्यक्षेत्र में अभिप्रयोग

अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन चल स्टॉक की संरक्षा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक परीक्षण और कार्यक्षेत्र में अभिप्रयोग करता है-जैसे दोलन, युग्मक बल, आपातकालीन ब्रेकिंग, निष्पादन, सीओसीआर, दबाव परीक्षण और उच्च कैंट डेफिसिट, लंबी दूरी, मोड़ों पर रेलगाड़ी का घुमाव और टर्नआउट परीक्षण जैसे विशेष परीक्षण। इनमें दोनों नई डिजाइनें और वृहद संशोधन, तेज गति सुनिश्चित करना, अनुरक्षण वाहनों का प्रमाणीकरण और भारतीय रेल में समग्र गतिशीलता को बढ़ाना शामिल है।

नयागढ़ रेलवे स्टेशन की छत पर सौर संयंत्र

पर्यावरण प्रबंधन

रेलवे यातायात का सबसे कम प्रदूषण करने वाला साधन है। रेल परिचालन को पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस दिशा में उठाए गए कुछ महत्वपूर्ण कदम अनुवर्ती पैराग्राफों में एक-एक करके बताए गए हैं।

भारतीय रेल में हरित ऊर्जा पहल

भारतीय रेल एक ऐसी संधारणीय ऊर्जा प्रणाली बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम करती है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित है। ऊर्जा स्रोतों को और अधिक हरित बनाने के लिए, भारतीय रेल ने सौर ऊर्जा के उपयोग करने में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे पर्यावरणीय और आर्थिक दोनों लाभ प्राप्त हुए हैं।

इस दृष्टिकोण के अनुरूप, भारतीय रेल ने मार्च, 2025 तक पहले ही 571 मेगा वाट सौर संयंत्र (छतों पर 220 मेगा वाट + भूमि पर 351 मेगा वाट) और 103.4 मेगा वाट पवन संयंत्र चालू कर दिए हैं। मार्च, 2025 तक भारतीय रेल में स्थापित/जुड़े विभिन्न नवीकरणीय क्षमताओं का विवरण निम्नानुसार है:-

1. सौर ऊर्जा

गैर-कर्षण अनुप्रयोग

- 3742 रेलवे स्टेशनों, सेवा भवनों और आवासीय भवनों पर 220 मेगा वाट क्षमता के सौर छत संयंत्र लगाए गए हैं।
- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (एमसीएफ), रायबरेली (उत्तर प्रदेश) में 3 मेगा वाट भूमि आधारित सौर ऊर्जा संयंत्र को कमीशन किया गया है।

कर्षण अनुप्रयोग

- इष्टतम समय-निर्धारण के अंतर्गत बुंदेलखंड सौर ऊर्जा लिमिटेड (बीएसयूएल) से 400 मेगा वाट सौर ऊर्जा (सामान्य 800 मेगा वाट सौर ऊर्जा संयंत्र के समतुल्य) के लिए समझौता किया गया है, जो जालौन जिले (उत्तर प्रदेश) के माधोगढ़ और उरई में स्थित इसके सौर पार्कों से प्राप्त होगी।
- 500 मेगा वाट (स्थापित क्षमता) सौर ऊर्जा को इरकॉन से पावगड (कर्नाटक) में उसके सोलर पार्क से जोड़ा गया है। लगभग 30 मेगा वाट (150 मेगावाट स्थापित क्षमता) की आंशिक विद्युत प्रवाह शुरू हो गई है।
- रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) के आगर, शाजापुर और नीमच (मध्य प्रदेश) स्थित सौर पार्कों से इष्टतम समय-निर्धारण (400 मेगा वाट के सामान्य सौर ऊर्जा संयंत्र के बराबर) के अंतर्गत 195 मेगा वाट सौर ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अनुबंध किया गया है। लगभग 144 मेगा वाट की आंशिक बिजली का प्रवाह पहले ही शुरू हो गया है।
- भिलाई, छत्तीसगढ़ में 50 मेगा वाट (स्थापित क्षमता) की सौर क्षमता चालू की गई है।
- हरियाणा के दीवाना में 2 मेगा वाट (स्थापित क्षमता) की सौर क्षमता चालू की गई है।
- मध्य प्रदेश के बीना में 1.7 मेगा वाट (स्थापित क्षमता) की सौर क्षमता चालू की गई है।

भारतीय रेल पर पवन उर्जा परियोजनाएं

2. **पवन ऊर्जा**

भारतीय रेल ने कुल 103.4 मेगा वाट क्षमता वाले पवन ऊर्जा संयंत्रों को चालू किया है, जिनका उपयोग कर्षण और गैर-कर्षण दोनों प्रकार की विद्युत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जाता है, जैसा कि नीचे दिया गया है:

छत पर सौर संयंत्र

कर्षण अनुप्रयोग

- एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड से महाराष्ट्र के सांगली स्थित संयंत्र से 50.4 मेगावाट (स्थापित क्षमता) पवन ऊर्जा का अनुबंध किया गया।
- राजस्थान के जैसलमेर स्थित संयंत्र से आरईएमसीएल से 26 मेगावाट (स्थापित क्षमता) पवन ऊर्जा का अनुबंध किया गया।
- तमिलनाडु के मदुरै में 10.5 मेगावाट (स्थापित क्षमता) पवन ऊर्जा संयंत्र चालू किया गया।
- श्री पवन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से महाराष्ट्र के सांगली स्थित संयंत्र से 6 मेगावाट (स्थापित क्षमता) पवन ऊर्जा के लिए अनुबंध किया गया।
- 50 मेगावाट (स्थापित क्षमता) पवन ऊर्जा कर्नाटक के कोप्पल जिले के हरेमनपुर और कुष्टगी में स्थित संयंत्र से प्राप्त करने के लिए ग्रीन इंफ्रा पावर लिमिटेड से अनुबंध किया गया।

गैर-कर्षण अनुप्रयोग

- 10.5 मेगा वाट (स्थापित क्षमता) पवन ऊर्जा संयंत्र चालू, तिरुनेलवेली, तमिलनाडु में कमीशन किया गया।

3. **नवीकरणीय ऊर्जा- चौबीसों घंटे (आरई-आरटीसी)**

आरई-आरटीसी, सौर, पवन और भंडारण घटकों से युक्त नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति के लिए एक हाइब्रिड समाधान है, जो सौर और पवन ऊर्जा की अनियमित प्रकृति को दूर करते हुए, नवीकरणीय ऊर्जा की 24X7 आपूर्ति सुनिश्चित करता है। भारतीय रेल द्वारा इस हरित पहल के अंतर्गत प्रगति इस प्रकार है:

- भारतीय रेल ने 1600 मेगावाट नवीकरणीय चौबीसों घंटे (आरई-आरटीसी) बिजली के लिए समझौता किया है जिसमें सौर, पवन और ऊर्जा भंडारण घटक शामिल हैं।
- मार्च, 2025 तक, राजस्थान, कर्नाटक और महाराष्ट्र में स्थित एसईसीआई(भारतीय सौर ऊर्जा निगम) के माध्यम से रेल नेटवर्क में 100 मेगावाट आरई-आरटीसी बिजली प्रवाहित होने लगी है।

4. **ऊर्जा संरक्षण**

- रेल कर्मचारियों के बीच ऊर्जा कुशलता और संरक्षण पहलों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस के दौरान प्रत्येक वर्ष 'ऊर्जा संरक्षण सप्ताह' मनाया जा रहा है।
- विभिन्न ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों एवं ऊर्जा संरक्षण उपायों को अपनाने के रेल मंत्रालय और क्षेत्रीय रेलों के सतत प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2024-25 में 11 राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (एनईसीए) प्राप्त हुए हैं।
- कार्यालयों, अनुरक्षण डिपुओं आदि सहित सभी रेल संस्थापनाओं में भी 100 प्रतिशत एलईडी बत्तियां उपलब्ध कराई जा रही हैं और सभी आवासीय क्वार्टरों में भी 100 प्रतिशत एलईडी बत्तियां लगाई जा चुकी हैं।

रेल पहिया कारखाना परिसर में एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना द्वारा निर्मित वर्षा जल संचयन केंद्र

सहायक पावर यूनिट (एपीयू) – सहायक पावर यूनिट, एक आत्मनिर्भर इकाई है जो ईंधन की बचत के लिए डीजल इंजनों में लगाई जाती है, जिसमें बैट्री चार्ज करने के लिए कंप्रेसर और अल्टरनेटर के साथ युग्मित एक छोटा डीजल इंजन होता है। इसकी अपनी नियंत्रण प्रणाली, एक्सेसरीज होती हैं तथा यह इंजन की मौजूदा नियंत्रण प्रणाली के साथ एकीकृत होती है। जब रेलइंजन 10 मिनट से अधिक समय तक निष्क्रिय रहता है तो मुख्य इंजन बंद हो जाता है तथा सहायक पावर यूनिट प्रणाली में छोटा 25 अश्व शक्ति का इंजन काम करना शुरू कर देता है और बैटरियों एवं एयर ब्रेक पाइपों को चार्ज करता है। रेलइंजन के मुख्य इंजन द्वारा 25 लीटर की खपत की तुलना में सहायक पावर यूनिट का डीजल इंजन प्रति घंटे केवल 3 लीटर डीजल की खपत करता है। सहायक पावर यूनिट युक्त प्रत्येक रेलइंजन से केवल ईंधन तेल में ही 20 लाख प्रति वर्ष की बचत होने की प्रत्याशा है। यह इकाई मढ़ौरा संयंत्र में निर्मित सभी नए डीजल इंजनों में भी लगाई गई है। सहायक पावर यूनिट निष्क्रिय अवधि के दौरान ईंधन की खपत और उत्सर्जन को कम करके इंजनों में लाभ प्रदान करता है, जिससे परिचालन लागत कम होती है और मुख्य इंजन का जीवनकाल बढ़ता है।

वेबटेक लोकोमोटिव उत्सर्जन- अब तक, मढ़ौरा स्थित वेबटेक लोकोमोटिव सुविधा में 757 (डब्ल्यूडीजी4जी और डब्ल्यूडीजी6जी) लोकोमोटिव का निर्माण किया जा चुका है। इस सुविधा में कुल 1000 लोकोमोटिव का निर्माण किया जाना है। वेबटेक लोकोमोटिव अंतर्राष्ट्रीय रेलवे संघ (यूआईसी-1) उत्सर्जन मानदंडों का अनुपालन करता है, जिससे यह इन कड़े अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाला भारत का पहला डीजल लोकोमोटिव बन गया है। यह ऐतिहासिक अनुपालन इसके उन्नत जीइवीओ इंजन के माध्यम से प्राप्त होता है, जो अपने पहले के इंजनों की तुलना में काफी अधिक पर्यावरण-अनुकूल और ईंधन-कुशल बताया गया है। इस लोकोमोटिव में एक इलेक्ट्रॉनिक ईंधन इंजेक्शन प्रणाली भी है, जो बेहतर ईंधन दक्षता और कम उत्सर्जन में योगदान देती है।

वनरोपण

वर्ष 2024-25 के दौरान, रेलवे ने 78.32 लाख पेड़ों का बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया और अधिक पेड़ लगाने के सभी प्रयास कर रही है।

इसके अलावा, 'अधिक अन्न उपजाओ' योजना के अंतर्गत सब्जियां, फसलें आदि उगाने के लिए समूह 'ग' और 'घ' कोटि के रेल कर्मचारियों को रेल भूमि का लाइसेंस भी दिया गया है।

कार्मिक

औद्योगिक संबंध

वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय रेल में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण रहे। मान्यता प्राप्त फेडरेशन/यूनियनों ने सभी महत्वपूर्ण बैठकों में भाग लिया है जिसके फलस्वरूप भारतीय रेल के समवेत उद्देश्यों को प्राप्त करने में रेल कर्मचारियों ने प्रभावी और सार्थक भागीदारी निभाई। क्षेत्रीय रेलों, चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना और रेल सवारी डिब्बा कारखाना, कपूरथला में ट्रेड यूनियनों के सत्यापन और मान्यता के लिए गुप्त मतदान चुनाव-2024 सुगमता से और शांतिपूर्ण रूप से आयोजित किए गए।

कर्मचारियों की संख्या

31.03.2024 की तुलना में 31.03.2025 की स्थिति के अनुसार, रेल कर्मचारियों (एमटीपी/रेलवे को छोड़कर) का समूह-वार और विभाग-वार विवरण निम्नानुसार है:

समूह-वार विवरण	दिनांक 31.3.2024 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31.3.2025 की स्थिति के अनुसार
समूह क	9,983	**10,025**
समूह ख	7,048	**7,165**
समूह ग		
(i) कारखाना और कारीगर कर्मचारी	1,22,917	**1,19,520**
(ii) रनिंग कर्मचारी	1,53,661	**1,52,391**
(iii) अन्य कर्मचारी	9,58,571	**9,39,891**
समूह घ		
(i) कारखाना और कारीगर कर्मचारी	$	**$**
(ii) अन्य कर्मचारी	$	**$**
जोड़	12,52,180	**12,28,992**
$ पूर्ववर्ती समूह घ का समूह ग में विलय कर दिया गया है		
विभाग-वार ब्यौरा		
प्रशासन	14,606	**14,375**
कार्मिक	21,298	**21,350**
लेखा	18,517	**17,353**
इंजीनियरी	3,02,643	**2,96,825**
सिगनल और दूरसंचार	63,164	**62,328**
परिवहन	1,64,213	**1,62,094**
वाणिज्य	74,913	**73,822**
यांत्रिक इंजीनियरी	2,74,101	**2,96,825**
भण्डार	15,922	**14,809**
विघुत	2,10,247	**2,12,769**
चिकित्सा	27,808	**26,194**
रेल सुरक्षा बल	63,869	**62,272**
निर्माण	-	**-**
गति शक्ति	879	**810**
जोड़	12,52,180	**12,28,992**

औसत वार्षिक मजदूरी प्रति कर्मचारी

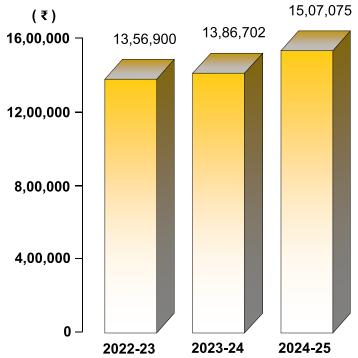

निर्माणाधीन मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन

बुलेट ट्रेन निर्माण स्थल पर संरक्षा जागरूकता अभियान 'प्रयास'

वेतन बिल

गत वर्ष की तुलना में पेंशन आदि सहित वेतन बिल 6.67% की वृद्धि दर्ज करते हुए 11,578.33 करोड़ रु. बढ़कर 1,85,218.32 करोड़ रु. हो गया। प्रति कर्मचारी औसत वेतन 13,86,702 रु. प्रति वर्ष से 8.7% बढ़कर 15,07,075 रु. प्रति वर्ष हो गया। साधारण संचालन व्यय (मूल्यह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि में विनियोग को छोड़कर) से चालित लाइन (पेंशन और उपदान के प्रति संदाय को छोड़कर) कर्मचारी लागत का अनुपात 59% था। पिछले दो वर्षों में 31 मार्च की स्थिति के अनुसार कर्मचारियों की कुल संख्या और प्रति कर्मचारी औसत वार्षिक वेतन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

	2023-24	**2024-25**
कर्मचारियों की कुल संख्या (हजार में)	1,252	**1,229**
औसत वार्षिक मजदूरी प्रति कर्मचारी (₹ में)	13,86,702	**15,07,075**

अनुसूचित जाति (अ.जा.) और अनुसूचित जनजाति (अ.ज.जा.) का प्रतिनिधित्व :

पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल में (एमटीपी रेलों को छोड़कर) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व की तुलनात्मक स्थिति निम्नानुसार है:-

	अनुसूचित जाति के कर्मचारियों की संख्या		अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की संख्या	
	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार	**31.03.2025 की स्थिति के अनुसार**	31.03.2024 की स्थिति के अनुसार	**31.03.2025 की स्थिति के अनुसार**
समूह क	1,493(14.96)	**1,482(14.78)**	809(8.10)	**781(7.79)**
समूह ख	1,235(17.52)	**1,338(18.67)**	536(7.60)	**611(8.53)**
समूह ग#	2,07,674(16.81)	**2,07,133(17.09)**	95,769(7.75)	**94,955(7.84)**
कुल जोड़	2,10,402(16.80)	**2,09,953(17.08)**	97,114(7.76)	**96,347(7.84)**

पूर्ववर्ती समूह 'घ' सहित

नोट: कोष्ठक में उल्लिखित आंकड़े कर्मचारियों की कुल संख्या से अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के कर्मचारियों का प्रतिशत दर्शाते हैं।

आरक्षण संबंधी मामलों को निपटाने और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों की सेवा संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतों की जांच करने के लिए मंत्रालय/रेलवे/जोन/मंडलों/कारखानों/उत्पादन इकाइयों में प्रत्येक स्तर पर एक पूर्णतया समर्पित आरक्षण प्रकोष्ठ मौजूद है।

रेलवे भर्ती बोर्ड

वर्ष 2024-25 के दौरान, विभिन्न समूह 'ग' के पदों (लेवल 1 को छोड़कर) के संबंध में 2,129 उम्मीदवारों को पैनलबद्ध किया गया है। इसके अलावा, वर्ष 2025-26 अर्थात (01.04.2025 से 30.06.2025 तक) विभिन्न समूह 'ग' पदों (लेवल 1 को छोड़कर) के लिए 9,731 (अनंतिम) उम्मीदवारों को पैनलबद्ध किया गया है।

उत्पादकता संबद्ध बोनस

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, भारतीय रेल के सभी अराजपत्रित रेल कर्मचारियों (रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के कर्मचारियों को छोड़कर) को 78 दिन का उत्पादकता सम्बद्ध बोनस स्वीकृत किया गया। इससे लगभग 10,91,146 रेल कर्मचारी लाभान्वित हुए। इसके अलावा, वर्ष

2024-25 के लिए रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल के समूह 'ग' के 60,773 कर्मचारियों को 30 (तीस) दिन की परिलब्धियों के समान तदर्थ बोनस स्वीकृत किया गया।

उत्पादकता संबद्ध बोनस और तदर्थ बोनस दोनों का भुगतान 7,000 रु. प्रति माह की अधिकतम दर पर किया गया है। उत्पादकता संबद्ध बोनस के लिए वित्तीय निहितार्थ लगभग 1,865.68 करोड़ रु. और तदर्थ बोनस के लिए लगभग 41.98 करोड़ रु. था।

कर्मचारियों की संख्या

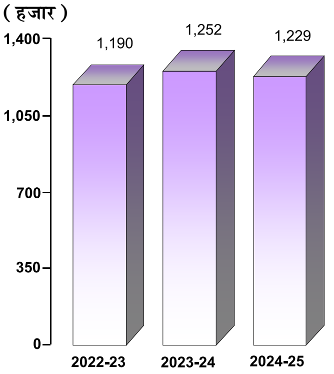

मानव संसाधन विकास (एचआरडी) तथा जनशक्ति योजना

भारतीय रेल में मानव संसाधन विकास (एचआरडी) का मुख्य प्रयोजन अपनी विशाल जनशक्ति की दक्षता, ज्ञान और क्षमताओं के संवर्धन पर है, ताकि कुशलता, संरक्षा और सेवा में बेहतरीन कार्य सुनिश्चित किया जा सके। संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेतृत्व विकास और निरंतर ज्ञानार्जन की पहलों के माध्यम से मानव संसाधन विकास का उद्देश्य संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ भविष्य के लिए तैयार और प्रेरित कार्यबल का गठन करना है।

2. भारतीय रेल पर, देशभर में स्थित इसके 08 केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआई) भारतीय रेल के अधिकारियों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। ये केन्द्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान परिवीक्षाधीन प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा रेल अधिकारियों की विशेषीकृत प्रशिक्षण संबंधी विभिन्न आवश्यकताओं को भी पूरा करते हैं। इनमें सेवारत अधिकारियों के लिए सामान्य प्रबंधन, सामरिक प्रबंधन के साथ-साथ कार्यात्मक क्षेत्र से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। भारतीय रेल के लिए केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों (सीटीआई) द्वारा, भारत में गैर-रेलवे संगठनों के साथ-साथ विदेशों से प्रशिक्षुओं के लिए आवश्यकता-आधारित विशेष पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं और जिसकी काफी सराहना की जाती है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एक उद्देश्य और पेशेवर दृष्टिकोण के साथ ज्ञानार्जन पर बल दिया जाता है। इन-हाउस प्रशिक्षण के संकाय के अतिरिक्त, व्यापार, उद्योग और सरकार में विविधतापूर्ण अनुभवों वाले बाह्य विशेषज्ञों को बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यावहारिक समस्याओं के साथ शैक्षणिक अवधारणाओं की संबद्धता बनाने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

2.1. क्षेत्रीय-रेल और मंडल स्तर पर प्रशिक्षण केंद्रों द्वारा अराजपत्रित कर्मचारियों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जा रहा है। किसी कर्मचारी के कैरियर के विभिन्न चरणों में विशेष रूप से संरक्षा और तकनीकी श्रेणियों से संबंधित कर्मचारियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण निर्धारित किया गया है। हालांकि, पुनश्चर्या प्रशिक्षण के लिए अतिदेय कर्मचारियों की कुछ श्रेणियों को उक्त प्रशिक्षण पूरा होने तक ड्यूटी से हटा दिया जाता है। छात्रावास में रहन-सहन की अवस्थाओं में सुधार लाने, भोजनालय सुविधाएं बेहतर बनाने, मनोरंजक और सांस्कृतिक क्रियाकलापों के लिए सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने, प्रशिक्षण से संबंधित कमियों को दूर करने और साथ ही संचालन मॉडलों सहित मॉडल कक्षों, सी-थ्रू मॉडल्स आदि को अपग्रेड करने के निरंतर प्रयास किए जाते हैं।

2.2. संपूर्ण भारतीय रेल में बहु-विषयक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए गए हैं जहां विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के रेल कर्मचारियों को संयोजित कार्यात्मक दक्षता प्रदान की जाती है।

2.3. इन-हाउस प्रशिक्षण सुविधाओं के अलावा, रेल कर्मचारियों को भारत और विदेश में अन्य संस्थानों में विशेषीकृत प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल के कर्मचारियों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके उनके कार्य से संबंधित विशिष्ट क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है। प्रशिक्षण के लिए अवसंरचनात्मक सुधार में प्रयास करना सतत प्रक्रिया है। नई परिचालनिक और व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप जनशक्ति की नियुक्ति को विनियमित करने के लिए जनशक्ति योजना प्रणाली को पुन: डिजाइन किया गया है।

एल्यूमीनियम थर्ड रेल द्वारा स्टील थर्ड रेल का प्रतिस्थापन

2.4. तकनीकी उन्नयन और रोजगार की बदलती आवश्यकताओं की दृष्टि से सभी विभागों के मौजूदा प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा करने की आवश्यकता थी। अत: सभी विभागों जैसे यातायात, वाणिज्यिक,

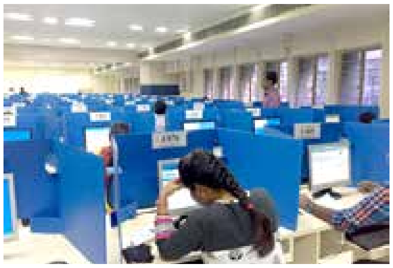

सीबीटी में संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों का एप्टीट्यूट टेस्ट का आयोजन

विद्युत, सिविल, यांत्रिक, सिगनल और दूरसंचार तथा वित्त के मौजूदा प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा की गई, अद्यतन किया गया और रेलवे की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। इन प्रशिक्षण मॉड्यूलों को ऑनलाइन माध्यम में बदल दिया गया है और इसे अपलोड कर दिया गया है और सभी क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाइयों को परिपत्रित कर दिया गया है।

3. भारतीय रेल द्वारा प्रशिक्षुता प्रशिक्षण प्रतिष्ठान में उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं का उपयोग करके प्रशिक्षण संबंधी अवसंरचना स्थापित करने के लिए राजकोष पर कोई अतिरिक्त बोझ डाले बिना उद्योग के लिए कुशल जनशक्ति को विकसित करने के लिए प्रशिक्षुता प्रशिक्षण भी आयोजित किए जाते हैं। प्रशिक्षुता प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात प्रशिक्षुओं को नियमित रोजगार मिलने पर औद्योगिक वातावरण को अपनाने में सुविधा मिल सकती है।

4. रेल मंत्रालय ने संपूर्ण भारतीय रेल पर सरकार (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग) की पहल – ''मिशन कर्मयोगी'' भी शुरू की है। इस पहल के अंतर्गत, एक ऑनलाइन लर्निंग पोर्टल – आई गॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म की परिकल्पना की गई है, जिसमें अपने ऑन-बोर्ड कर्मचारियों को किसी भी समय, कहीं भी नि:शुल्क रूप से कौशल/पुन: कौशल/कौशल उन्नयन हेतु स्व-गतिक्रम मोड में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम मुहैया कराए गए हैं। इस कार्यक्रम में रेलवे के ऑन-बोर्ड कर्मचारियों की संख्या सबसे अधिक है। रेलवे के विभिन्न आई-गॉट से संबंधित आंकड़े इस प्रकार हैं:

क) ऑन-बोर्ड कर्मचारियों की संख्या - 12,00,176

ख) कुल अध्ययन घंटे - 55,39,068 घंटे

ग) न्यूनतम 01 पाठ्यक्रम में नामांकित कर्मचारी/अधिकारियों की संख्या - 5,77,493

घ) न्यूनतम 01 पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले कर्मचारी/अधिकारियों की संख्या - 5,39,521

ङ) प्रारंभ पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले कर्मचारी/अधिकारियों की संख्या - 50,379

च) कुल पाठ्यक्रम नामांकन - 51,76,362

छ) कुल पाठ्यक्रम पूरा करना - 35,61,328

ज) आई गॉट पर रेलवे पाठ्यक्रमों की संख्या - 104

4.1 इसके अलावा, संपूर्ण भारतीय रेल में मिशन कर्मयोगी के तहत, राष्ट्रीय अधिगम सप्ताह (एनएलडब्ल्यू) मनाया गया। एनएलडब्ल्यू के आँकड़े नीचे दिए गए हैं:

राष्ट्रीय अधिगम सप्ताह (19-27.10.2024)

कार्य निष्पादन सूचक	एनएलडब्ल्यू के पूर्व	एनएलडब्ल्यू के पश्चात
ऑनबोर्ड कर्मचारियों की संख्या	11.21 लाख	11.80 लाख
न्यूनतम 01 पाठ्यक्रम में नामांकित कर्मचारियों की संख्या	2.57 लाख	4.81 लाख
पाठ्यक्रमों में कुल नामांकन	18.60 लाख	37.04 लाख
पूरे किए गए कुल पाठ्यक्रम	11.98 लाख	25.06 लाख

क) रेलवे के सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 4.81 लाख से अधिक हो गई, जो एनएलडब्ल्यू से पहले लगभग 2.57 लाख थी।

सभी सेवारत और सेवानिवृत कर्मचारियों के लिए व्यापक चिकित्सा सुविधाएं

ख) एनएलडब्ल्यू के दौरान केवल भारतीय रेल द्वारा ही पाठ्यक्रमों में 15.52 लाख से अधिक नामांकन और 11.02 लाख से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए गए।

ग) एनएलडब्ल्यू के दौरान लगभग 33% नामांकन और पाठ्यक्रम पूर्णता भारतीय रेल की ओर से की गई।

घ) एनएलडब्ल्यू के दौरान न्यूनतम 4 घंटे की अधिगम सीमा पार करने वाले उपयोगकर्ता, उपयोगकर्ताओं में से लगभग 40%, भारतीय रेल से थे।

ङ) शीर्ष 05 मंत्रालयों/विभागों/संगठनों (एमडीओ) में, जिन्होंने कर्मयोगी सप्ताह लक्ष्य पूरा किया, 04 एमडीओ भारतीय रेल से थे, जिसमें उत्तर मध्य रेलवे ने प्रथम, उत्तर पश्चिम रेलवे ने तृतीय, पूर्व रेलवे ने चतुर्थ और पश्चिम रेलवे ने पंचम स्थान प्राप्त किया।

च) एनएलडब्ल्यू के दौरान शीर्ष 10 प्रमुख पाठ्यक्रमों में से 02 पाठ्यक्रम भारतीय रेल से थे।

छ) रेलवे के केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों/क्षेत्रीय रेलवे प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा 60 से अधिक लाइव वेबीनार/सेमिनार आयोजित किए गए।

सभी रेल कर्मचारियों को प्रदान की गई व्यापक चिकित्सा सुविधाएं

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा का गठन मूलतः रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए किया गया था। इसमें पास नियमों के अनुसार कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों, कर्मचारियों के आश्रितों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों एवं आश्रितों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

2,576 चिकित्सा अधिकारियों और 12,640 पराचिकित्सा कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या के साथ यह विश्व की सबसे बड़ी औद्योगिक स्वास्थ्य सेवा है। पूरे देश में फैली हुई 582 स्वास्थ्य इकाइयों में 128 अस्पताल और लगभग 14,000 आंतरिक शय्याओं के साथ यह सेवा वर्ष भर में चौबीसों घंटे कार्य करती है। यह लगभग एक करोड़ लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान करती है।

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा में उपचार सेवाओं के साथ-साथ निवारक स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य संवर्धन, व्यावसायिक और औद्योगिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं भी मुहैया कराई जाती हैं। यह रेल परिसरों के भीतर पानी और भोजन की गुणवत्ता की निगरानी करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चिकित्सा विभाग को पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने का कार्य भी सौंपा गया है जबकि सुरक्षित पीने के पानी की आपूर्ति रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग की जिम्मेदारी है। यह अत्यंत आवश्यक है कि रेलवे द्वारा पीने के पानी को कम से कम उन कारणों की सीमा के भीतर आपूर्ति की जाए जिनके कारण अस्वीकृति हो सकती है, जैसा कि पेय जल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा पीने के पानी की एक-समान गुणवत्ता निगरानी प्रोटोकॉल में परिभाषित किया गया है। यात्रियों को रेलवे स्टेशन और रेलगाड़ियों में आपूर्ति किए जाने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मानकों की निगरानी के लिए रेलवे में खाद्य सुरक्षा अधिकारी हैं, जो भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मानकों के अनुसार खाद्य गुणवत्ता की निगरानी करते हैं। कई रेलवे स्टेशनों को एफएसएसएआई द्वारा 'ईट राइट स्टेशन' के रूप में भी प्रमाणित किया गया है। अभी तक, 187 स्टेशनों को एफएसएसएआई द्वारा 'ईट राइट' की मान्यता दी जा चुकी है।

भारतीय रेल में अस्पतालों के रिकॉर्डों और रोगियों के रिकॉर्डों के प्रबंधन के लिए अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) शुरू की गई है। अब रोगियों को डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड उनके एचएमआईएस ऐप के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हैं।

रेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू)

वैतरणा-जेएनपीटी खंड का निरीक्षण

बीबीक्यू चेन्नै में बूट लॉंड्री

पर हस्ताक्षर करके आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) लाभार्थियों को उपचार प्रदान करने के लिए 89 रेलवे अस्पतालों को पैनलबद्ध किया है।

अधिकांश स्पेशलिटी और कुछ सुपर स्पेशलिटी कार्यक्रमों में सबसे प्रतिष्ठित डीएनबी कार्यक्रम के लिए हमारे तेरह क्षेत्रीय अस्पताल प्रशिक्षण संस्थानों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

जगजीवन राम पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय अस्पताल, मुंबई और मंडल रेलवे अस्पताल तिरुवनंतपुरम को राष्ट्रीय अस्पताल मान्यता बोर्ड (एनएबीएच) एंट्री लेवल द्वारा मान्यता दी गई है, जिससे भारतीय रेल के इन अस्पतालों को इस प्रतिष्ठित गुणवत्ता नियंत्रण मान्यता प्राप्त करने में सफलता मिली है। बहुत कम सरकारी अस्पतालों ने यह मान्यता प्राप्त की है। एनएबीएच मान्यता यह इंगित करती है कि अस्पतालों में रोगियों को उच्च स्तर की देखभाल और संरक्षा प्रदान की जा रही हैं, जो एनएबीएच के उच्चतम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है। इसके अलावा, मंडल रेलवे अस्पताल, बेंगलुरु को वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार समारोह में अस्पताल क्षेत्र में मेरिट प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया है। इसे ऊर्जा मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाना, इस अस्पताल के ऊर्जा संरक्षण में किए गए प्रयासों को मान्यता प्रदान करता है।

उत्तर मध्य रेलवे के अंतर्गत प्रयागराज में महाकुंभ मेला 2025 (11 जनवरी से 28 फरवरी) के दौरान, संपूर्ण भारतीय रेल से चिकित्सा अधिकारियों, स्वास्थ्य निरीक्षकों और पराचिकित्सा कर्मियों को तैनात किया गया था। प्रयागराज और वाराणसी में दोनों स्थलों पर कई प्राथमिक चिकित्सा बूथ चौबीसों घंटे संचालित किए गए। इस अवधि के दौरान कुल 340569 से अधिक रोगियों का इलाज किया गया।

भारतीय रेल चिकित्सा सेवा (आईआरएचएस) के अंतर्गत किए जाने वाले अन्य कार्यों में यात्रियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना, रेल दुर्घटनाओं के संबंध में चिकित्सा प्रदान करना, कॉलोनी की स्वच्छता, और खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम (एफएसएसए) का कार्यान्वयन करना, विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण और अध्ययन कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है। हमारी स्वास्थ्य सेवाओं पर लाभार्थियों को अत्यधिक विश्वास है।

कार्य-निष्पादन के आंकड़े (2024-2025)

कुल बहिरंग रोगी मामले जिन्हें परिचर्या प्रदान की गई	1,87,54,855
कुल अंतरंग रोग मामले जिन्हें भर्ती किया गया	5,26,735
की गई शल्य चिकित्साओं की कुल संख्या	1,45,213
रुग्णता के कारण नष्ट श्रम दिवसों का प्रतिशत	1.26
उन नए उम्मीदवारों की संख्या जिनकी आरोग्यता के लिए जांच की गई	20,384
उन कर्मचारियों की संख्या जिनकी आवधिक चिकित्सा जांच (पीएमई) की गई	2,85,849
एकत्र किए गए/पाए गए दोषपूर्ण खाद्य नमूनों की संख्या	4,660/99
अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण/आरोग्यता के लिए पानी के नमूने	12,69,533/11,45,025
जीवाणु परीक्षण/आरोग्यता के लिए पानी के नमूने	82,882 / 79,105
उन बीमार यात्रियों की संख्या जिन्हें रेलवे डॉक्टरों द्वारा परिचर्या प्रदान की गई	1,26,827
उन बच्चों की संख्या जिन्हें टीका लगाया	10,617
स्वास्थ्य आश्वासन कैम्प	14,947
उपरोक्त बहु-उद्देश्य स्वास्थ्य अभियानों में आरोग्यता की जांच किए गए व्यक्तियों की कुल संख्या	6,22,235

कार्यरत आभिभावकों के लिए 'शिशु सदन' वात्सल्य पीएलडब्ल्यू

कर्मचारी कल्याण

सीबीटी मोड में आयोजित परीक्षा

भारतीय रेल की कल्याण योजनाओं में शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, आवासन, खेलकूद, मनोरंजन और खानपान के क्षेत्रों से संबंधित व्यापक कार्य शामिल हैं।

कर्मचारी हित निधि, रेल कर्मचारियों और उनके परिजनों को शिक्षा, मनोरंजन, चिकित्सा देखभाल, खेलकूद, स्काउट और सांस्कृतिक कार्यकलापों के क्षेत्र में अतिरिक्त सुविधाएं सुलभ कराने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। चिकित्सा की स्वदेशी पद्धतियों अर्थात आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक औषधालयों का संचालन इस निधि की सहायता से किया जाता है।

31.03.2025 की स्थिति के अनुसार लगभग 37.11% कर्मचारियों को रेलवे क्वार्टर सुलभ कराए गए हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान 3,493 कर्मचारी क्वार्टरों को विद्युतीकृत किया गया।

भारतीय रेल में विभिन्न प्रकार की सहकारी समितियां कार्य कर रही हैं। ये सहकारी समितियां, केंद्रीय सहकारी समिति रजिस्ट्रार, सहकारिता मंत्रालय अथवा संबंधित राज्य, जिनमें वे संचालित की जाती हैं, के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार के साथ पंजीकृत हैं। ऐसी समितियों के कार्य बहुराज्य सहकारी समिति अधिनियम, 2002 के द्वारा शासित किए जाते हैं। समितियों के कर्मचारियों के प्रशासनिक, वित्तीय, प्रबंधकीय, नियुक्ति और सेवा संबंधी मामलों पर रेल प्रशासन की कोई अधिकारिता नहीं है। भारतीय रेल स्थापना नियमावली की जिल्द II के अध्याय XXIII के उपबंधों के अनुसार रेलों द्वारा इन सहकारी समितियों को केवल कतिपय सुविधाएं और रियायतें मुहैया कराई जाती हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय रेल में 52 थ्रिफ्ट एवं क्रेडिट समितियां, 78 रेल कर्मचारी उपभोक्ता सहकारी समितियां, 05 श्रम सहकारी समितियां तथा 01 रेल कर्मचारी आवासन समितियां कार्यरत हैं।

पेंशन अदालतें

पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपी एंड पीडब्ल्यू) के निर्देशों के अनुसार, क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों को पेंशनभोगियों की शिकायतों की जांच और निपटान करने के लिए पेंशन अदालतें आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इन मामलों का मौके पर निपटान करने के प्रयास किए जाते हैं। दिसम्बर, 2024 माह में आयोजित पेंशन अदालतों के दौरान कुल 3,474 मामलों पर सुनवाई की गई थी।

रेल मंत्री कल्याण एवं राहत कोष

इस कोष से विपत्ति के समय जैसे प्राकृतिक आपदा, दीर्घकालिक अस्वस्थता, आकस्मिक मृत्यु आदि से उत्पन्न स्थिति में रेल कर्मचारियों और उनके परिवारजनों के सुपात्र मामलों के संबंध में वित्तीय सहायता और राहत प्रदान की जाती है।

रेल विद्यालय

भारतीय रेल द्वारा एक (01) डिग्री कॉलेज के साथ अड़सठ (68) रेलवे विद्यालयों का संचालन और प्रबंधन किया जाता है। ये स्कूल पूर्ण रूप से कर्मचारियों के कल्याण के उपाय के रूप में संचालित किए जा रहे हैं और वे रेल कर्मचारियों के साथ-साथ रेलवे से इतर कर्मचारियों के बच्चों को रियायती शुल्क पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, रेलवे भूमि पर तिरानवे (93) केन्द्रीय विद्यालय भी संचालित किए जा रहे हैं, जो इन विद्यालयों के आस-पास रहने वाले विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

रेल पहिया कारखाने में विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें योग के महत्व को बताया गया

एमसीएफ द्वारा आयोजित 89वीं अखिल भारतीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

वर्ष 2024-25 के दौरान अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद के क्षेत्र में भारतीय रेल के खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियां

I. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

- वर्ष 2024 में दिनांक 11 से 16 अप्रैल, 2024 को बिश्केक (किर्गिजस्तान) में आयोजित हुई, वरिष्ठ एशियाई फ्री स्टाइल और महिला कुश्ती चैंपियन शिप में भारतीय रेल के फ्री स्टाइल पहलवान श्री उदित (उत्तर मध्य रेलवे) ने क्रमश: रजत पदक और महिला पहलवान सुश्री अंजू (उत्तर पश्चिम रेलवे) ने रजत पदक जीता।
- वर्ष 2024 में दिनांक 13 से 18 मई, 2024 को अस्ताना कजाखस्तान में आयोजित एलीट पुरुष और महिला एलोर्दा कप अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग टूर्नामेंट में भारतीय रेल की मुक्केबाज सुश्री अनामिका (पूर्व रेलवे) ने रजत पदक और श्री अभिषेक यादव (दक्षिण रेलवे) ने कांस्य पदक जीता।
- पेरिस (फ्रांस) में दिनांक 26 जुलाई से 11 अगस्त, 2024 तक आयोजित XXXIII ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भारतीय रेल के पहलवान श्री अमन सेहरावत (उत्तर रेलवे), हॉकी खिलाड़ी श्री अमित रोहिदास (पूर्व तट रेलवे) और निशानेबाज श्री स्वप्निल कुसले (मध्य रेल) ने तीन पदकों का योगदान दिया।
- रियाद, सऊदी अरब में दिनांक 26 जून से 5 जुलाई, 2024 तक आयोजित एशियाई 6 रेड स्नूकर चैंपियनशिप में भारतीय रेल के स्नूकर खिलाड़ी श्री कमल चावला (पश्चिम मध्य रेलवे) ने कांस्य पदक जीता।
- दिनांक 14 से 25 सितंबर, 2024 तक उलानबतार (मंगोलिया) में आयोजित आईबीएसएफ विश्व 6 रेड स्नूकर चैम्पियनशिप में भारतीय रेल के क्यू स्पोर्ट्स खिलाड़ी श्री कमल चावला (पश्चिम मध्य रेलवे) ने स्वर्ण पदक और श्री मलकीत सिंह (मध्य रेले) ने कांस्य पदक जीता।
- दिनांक 6 से 13 अक्टूबर, 2024 तक अस्ताना (कजाकिस्तान) में आयोजित एशियाई टेबल चैम्पियनशिप में भारतीय रेल की टेबल टेनिस खिलाड़ी सुश्री सुतीर्था मुखर्जी (दक्षिण पूर्व रेलवे) ने टीम इवेंट में कांस्य पदक और महिला डबल इवेंट में कांस्य पदक जीता।
- दिनांक 13 से 17 अक्टूबर, 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय रेल की शूटिंग खिलाड़ी सुश्री सोनम उत्तम मास्कर (पश्चिम रेलवे) ने रजत पदक जीता।
- भारतीय रेल की बैडमिंटन टीम (पुरुष एवं महिला) ने दिनांक 1 से 5 अक्टूबर, 2024 तक सेकेदोनोवा, पोलैंड में आयोजित यूएसआईसी चैम्पियनशिप (वर्ल्ड रेलवे) में जीत हासिल की।
- दिनांक 21 से 26 अक्टूबर, 2024 तक श्वेरिन (जर्मनी) में आयोजित यूएसआईसी (वर्ल्ड रेलवे) वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में भारतीय रेल की पुरुष वॉलीबॉल टीम ने स्वर्ण पदक जीता।
- भारतीय रेल की महिला हॉकी टीम ने दिनांक 11 से 20 नवंबर, 2024 तक राजगीर (बिहार) में आयोजित महिला एशियाई चैम्पियन ट्रॉफी जीती।
- दिनांक 20 से 23 मार्च, 2025 तक एंटाल्या में आयोजित एफआईएफ अपेरेटस विश्व कप, 2025 में भारतीय रेल की जिम्नास्टिक खिलाड़ी सुश्री प्रणति नायक (सीएलडब्ल्यू) ने टेबल वॉल्ट में कांस्य पदक जीता।
- दिनांक 25 से 30 मार्च, 2025 को अम्मान (जॉर्डन) में आयोजित सीनियर एशियाई फ्री स्टाइल कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय रेल के फ्री स्टाइल पहलवान श्री उदित (उत्तर मध्य रेलवे) ने रजत पदक जीता। एशियाई ग्रीको रोमन कुश्ती चैम्पियनशिप में ग्रीको रोमन पहलवान श्री सुनील

कुमार (उत्तर पश्चिम रेलवे) और श्री नितेश (मध्य रेल) ने कांस्य पदक जीता और महिला पहलवान सुश्री अंतिम (पश्चिम रेलवे) ने 2025 एशियाई महिला कुश्ती चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता।

II. राष्ट्रीय स्तर पर

दिनांक 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च, 2025 के दौरान, भारतीय रेल की टीमों ने कुल 55 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इनमें से भारतीय रेल ने 5 प्रतियोगिताओं में तीसरा स्थान प्राप्त किया, 11 प्रतियोगिताओं में उपविजेता रही और 24 प्रतियोगिताओं में विजेता रही।

III. वर्ष 2024-25 के दौरान निम्नलिखित रेल खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है:-

क्र.सं.	नाम (श्रीमती/श्री)	खेल	पुरस्कार	रेलवे
(i)	सुश्री ज्योति यर्राजी	एथलेटिक्स	अर्जुन पुरस्कार	दक्षिण मध्य रेलवे
(ii)	सुश्री अन्नू रानी	एथलेटिक्स	अर्जुन पुरस्कार	पटियाला रेल इंजन कारखाना
(iii)	सुश्री सलीमा टेटे	हॉकी	अर्जुन पुरस्कार	दक्षिण पूर्व रेलवे
(iv)	श्री स्वप्निल एस. कुसाले	शूटिंग	अर्जुन पुरस्कार	मध्य रेलवे
(v)	श्री अमन	कुश्ती	अर्जुन पुरस्कार	उत्तर रेलवे

महिला कल्याण, विकास और सशक्तिकरण

भारतीय रेल में महिलाओं के कल्याण पर केन्द्रित गतिविधियाँ

भारतीय रेल निस्संदेह देश का सबसे बड़ा सिविल नियोक्ता है। 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 12,28,992 कर्मचारियों का कार्यबल है, जिनमें से 98,956 महिला कर्मचारी हैं। भारतीय रेल में महिला उन्मुख कल्याण उपायों की एक विस्तृत श्रृंखला शुरू की गई है, जिसमें कर्मचारी हित निधि से विशिष्ट वित्तीय सहायता के साथ सेमिनार, शिविर और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नियमित आयोजन शामिल है। कर्मचारियों के बच्चों के लिए कार्यस्थल/कार्यालयों में कई क्रेच खोले गए हैं। महिला कर्मचारियों के लिए चेंजिंग रूम, टिफिन रूम और अलग विश्राम कक्ष भी उपलब्ध कराए गए हैं। कर्मचारी हित निधि समितियाँ मुख्यालय तथा विभागों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उत्सव के दौरान उत्कृष्ट महिला कर्मचारियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित करती हैं।

इसके अलावा, महिला सदस्यों के कल्याण के लिए 'रेल कर्मचारियों' के परिवारों के लिए हस्तशिल्प केंद्र संचालित किए जाते हैं, जो उन्हें सिलाई, बुनाई, सौंदर्य संस्कृति और स्टेशनरी वस्तुएं बनाने जैसे व्यावसायिक कौशल सिखाते हैं, ताकि उन्हें रोजगार के व्यापक अवसर या स्वरोजगार प्राप्त करने में मदद मिल सके।

वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में कर्मचारी हित निधि के अंतर्गत "महिला सशक्तिकरण गतिविधियों" के लिए ₹3.88 करोड़ का विशिष्ट परिव्यय निर्धारित किया गया है, जो 01.04.2024 तक क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाइयों को प्राप्त ₹9.19 करोड़ की अवशिष्ट राशि के अतिरिक्त है।

महिला कर्मचारियों के लिए कार्य वातावरण में सुधार लाने के लिए, यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए विभिन्न स्तरों पर आंतरिक शिकायत समितियाँ गठित की गई हैं। इसके अलावा, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की निगरानी के लिए आंतरिक शिकायत समिति के विवरण के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में "शी-बॉक्स" पोर्टल नामक एक केंद्रीकृत मंच शुरू किया गया है।

महिला यात्रियों के लिए सुविधाएं

- लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में शयनायन श्रेणी में तथा सभी राजधानी/दुरंतो/पूर्णतः वातानुकूलित/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के 3एसी श्रेणी में महिला यात्रियों के लिए छह बर्थ का आरक्षण कोटा निर्धारित किया गया है, चाहे वे किसी भी आयु की हों, अकेले या महिला यात्रियों के समूह में यात्रा कर रही हों।
- मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के अनारक्षित डिब्बों में भी महिला यात्रियों के लिए स्थान निर्धारित किया गया है।
- केवल महिला यात्रियों के उपयोग के लिए उपनगरीय रेलगाड़ियों में अलग कम्पार्टमेंट/सवारी डिब्बे निर्धारित किए गए हैं।
- मुंबई, कोलकाता, सिकंदराबाद और चेन्नई के उपनगरीय खंडों के साथ-साथ दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) खंडों पर महिला विशेष सेवाएं परिचालित की जाती हैं।

महिला यात्रियों की संरक्षा एवं सुरक्षा

दिनांक 17.10.2020 को 'मेरी सहेली' पहल शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य लंबी दूरी की गाड़ियों में अकेले यात्रा कर रही महिला यात्रियों को उनकी पूरी यात्रा अर्थात प्रस्थान स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक बेहतर संरक्षा और सुरक्षा प्रदान करना था।

इसके क्रियान्वयन के लिए महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों की समर्पित टीमें बनाई गई हैं। वर्तमान में, इस उद्देश्य के लिए लगभग 250 रेल सुरक्षा बल टीमें तैनात हैं, जो भारतीय रेल नेटवर्क पर प्रतिदिन औसतन लगभग 500 गाड़ियों को कवर करती हैं। मेरी सहेली टीम के सदस्य लक्षित यात्रियों को यात्रा के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों और संकट के समय मदद लेने के लिए उपलब्ध चैनलों की जानकारी देते हैं। मार्ग में आने वाली रेल सुरक्षा बल चौकियों को अकेले यात्रा कर रही महिला यात्रियों की जानकारी पूर्व-सूचित की जाती है और किसी भी स्थिति का तुरंत सामना करने के लिए उच्च सतर्कता पर रखा जाता है। टीम को शीघ्र प्रतिक्रिया और काम करने में आसानी के लिए टैब्स प्रदान किए जा रहे हैं। 2024-25 के दौरान, औसतन प्रतिदिन 13,000 ऐसी यात्रियों को सेवा दी गई। इस पहल की उपलब्धियों और कमियों का विश्लेषण करने के लिए महिला यात्रियों से भी प्रतिक्रिया ली जाती है, ताकि इसे और बेहतर बनाया जा सके।

इसके अलावा, महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में पुरुष यात्रियों के प्रवेश के विरुद्ध अभियान चलाए जाते हैं।

यात्री सुविधाओं के रूप में एस्कालेटर एवं लिफ्टें

दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं

दिव्यांगजनों के लिए समान अवसर और राष्ट्र निर्माण में उनकी पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 लागू किया गया था। इस अधिनियम के उपबंधों के क्रियान्वयन के लिए रेल मंत्रालय सहित केंद्र/राज्य सरकार के सभी मंत्रालयों की बहुक्षेत्रक सहयोगी पद्धति की आवश्यकता है।

1. रेलगाड़ियों में आरक्षण

दिव्यांगजन रियायती टिकट पर यात्रा करने वाले दिव्यांगजनों के लिए अनुपनगरीय रेलखंडों पर चलने वाली सभी रेलगाड़ियों में स्लीपर श्रेणी में चार शायिकाओं, तृतीय वातानुकूल अथवा तृतीय इकोनामी में चार शायिकाओं (इन दोनों में जिस श्रेणी अर्थात 3ई/3ए में कोटा निष्पादित किया जाना है उसका निर्णय क्षेत्रीय रेलों द्वारा रेलगाड़ी में उपलब्ध उस श्रेणी के सवारी डिब्बों की संख्या को ध्यान में रखते हुए तय किया जा सकता है), आरक्षित सेकेंड सिटिंग (2एस) और वातानुकूल चेयर कार में चार सीटों (उन रेलगाड़ियों में जिनमें उन श्रेणियों के दो से अधिक सवारी डिब्बे लगे हैं) और गरीब रथ एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के एसएलआरडी सवारी डिब्बों में चार शायिकाओं का आरक्षण कोटा निर्धारित किया गया है, इस तथ्य पर ध्यान दिए बिना कि रियायती सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं। दिव्यांगजन के साथ सहचर के रूप में जाने वाले व्यक्ति को भी इस कोटे से शायिका का आबंटन किया जाता है। दिव्यांगजनों के लिए दुरंतो एक्सप्रेस जैसी पूर्णतया आरक्षित रेलगाड़ियों में एलएसएलआरडी सवारी डिब्बों में चार शायिकाएं निर्धारित करने के अनुदेश भी जारी किए गए हैं।

2. अलग आरक्षण खिड़की

यदि प्रति शिफ्ट औसत मांग 120 टिकटों से कम नहीं है तो दिव्यांगजनों, महिला यात्रियों, वरिष्ठ नागरिकों, पूर्व सांसदों, विधायकों, मान्यता-प्राप्त पत्रकारों और स्वतंत्रता सेनानियों की आरक्षण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न यात्री आरक्षण प्रणाली केंद्रों में अलग खिड़कियां निर्धारित की गई हैं। यदि दिव्यांगजन या वरिष्ठ नागरिकों सहित इनमें से किसी भी श्रेणी के व्यक्तियों के लिए एक विशिष्ट खिड़की निर्धारित करने का कोई औचित्य नहीं है तो इन सभी श्रेणियों के व्यक्तियों के आरक्षण अनुरोधों को पूरा करने के लिए कुल मांग के आधार पर एक या दो खिड़कियां निर्धारित की गई हैं।

दिव्यांग यात्रियों के लिए रेल किराये में रियायत

क्र.सं.	व्यक्तियों की श्रेणी	रियायत का प्रतिशत
	दिव्यांगजन	
1.	शारीरिक दिव्यांग/गतिविषयक दिव्यांग व्यक्ति जो सहचर के बिना यात्रा नहीं कर सकते - किसी भी उद्देश्य के लिए।	• द्वितीय श्रेणी, स्लीपर, प्रथम श्रेणी, तृतीय वातानुकूल, वातानुकूल चेयर कार में 75%. • प्रथम वातानुकूल और द्वितीय वातानुकूल में 50%.
2.	मानसिक दिव्यांग व्यक्ति जो किसी भी उद्देश्य के लिए बिना सहचर के यात्रा नहीं कर सकते।	• राजधानी/शताब्दी रेलगाड़ियों में तृतीय वातानुकूल, वातानुकूल चेयर कार में 25%. • मासिक सीजन टिकट* और तिमाही सीजन टिकट** में 50%.

यात्री सुविधाओं में एस्कालेटर

3.	दृष्टिहीनता से पीड़ित अकेले या सहचर के साथ यात्रा करने वाले व्यक्ति- किसी भी उद्देश्य के लिए, जहाँ ''दृष्टिहीनता'' से अभिप्राय: है कि किसी व्यक्ति को निम्नलिखित में से कोई स्थिति हो, सर्वोत्तम सुधार के बाद– पूर्ण दृष्टिहीनता; या बेहतर आंख में सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ स्नेलेन चार्ट द्वारा दृष्टि दृष्टिक्षमता 3/60 से कम (या 10/200 से कम); या बेहतर आंख में दृष्टि क्षेत्र की सीमा 10 डिग्री से कम के कोण को दर्शाती है। 90% और उससे अधिक की दृष्टिहीनता के बराबर।	• राजधानी/शताब्दी रेलगाड़ियों में तृतीय वातानुकूल, वातानुकूल चेयर कार में 25%. • मासिक सीजन टिकट* और तिमाही सीजन टिकट** में 50%. • एक सहचर भी समान रियायत के लिए पात्र है।
4.	पूर्ण बधिर एवं वाक दिव्यांग व्यक्ति (एक ही व्यक्ति में दोनों विकार एकसाथ हों), अकेले या एक सहचर के साथ यात्रा करने वाले – किसी भी उद्देश्य के लिए।	• द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और प्रथम श्रेणी में 50%. • मासिक सीजन टिकट* और तिमाही सीजन टिकट** में 50%. • एक सहचर भी समान रियायत के लिए पात्र है।

*मासिक सीजन टिकट **तिमाही सीजन टिकट

अतिरिक्त सुविधाएं

➢ रेलवे स्टेशनों पर दिव्यांगजनों, वृद्धजनों आदि के उपयोग के लिए पहियाकुर्सियों की व्यवस्था करने के अनुदेश पहले से मौजूद हैं। पहियाकुर्सियां रेलवे द्वारा अपनी लागत पर उपलब्ध कराई जाती हैं और दिव्यांगजनों, वृद्धजनों को रेलगाड़ियों से लाने या रेलगाड़ियों तक पहुंचाने के लिए उनके परिचरों को पूर्णतया 'नि:शुल्क' दी जाती हैं। बहरहाल, जब परिचर इच्छुक या उपलब्ध नहीं है तब दिव्यांगजनों आदि का मार्गरक्षण करने के लिए पूर्व-निर्धारित नाममात्र दर पर कुलियों (सहायकों) की सेवाएं ली जा सकती हैं। इसकी सूचना रेलवे स्टेशन परिसर में प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित की जाती है। पहियाकुर्सी पर दिव्यांगजनों, वृद्धजनों, बीमार व्यक्तियों आदि को लाने-ले जाने के लिए कुली शुल्क अलग-अलग रेलवे स्टेशन पर अलग-अलग होता है, जैसा कि क्षेत्रीय रेलों द्वारा निर्धारित किया जाए।

➢ दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए कुछ रेलवे स्टेशनों पर बैटरी से चलने वाली कारें उपलब्ध कराई गई हैं।

➢ रेलवे स्टेशनों पर एसटीडी/पीसीओ बूथों के आबंटन में 25 प्रतिशत बूथ 40 प्रतिशत और उससे अधिक दिव्यांगता वाले दिव्यांगजनों (जिसमें नेत्रहीन शामिल हैं) के लिए आरक्षित किए गए हैं।

➢ रेल सुरक्षा बल दिव्यांगजनों की रेल यात्रा में परेशानी मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्यरत है। 'ऑपरेशन सेवा' इस उद्देश्य के लिए एक समर्पित पहल है, जहां रेल सुरक्षा बल के कर्मी बुजुर्ग नागरिकों, महिलाओं, दिव्यांगजनों और बीमार/घायल व्यक्तियों की रेल यात्रा में सहायता करते हैं और रेलगाड़ी में चढ़ने और उतरने में उनकी हर संभव सहायता करते हैं, उनकी आकस्मिक जरूरतों को पूरा करते हैं जैसे पहियाकुर्सी, स्ट्रेचर, चिकित्सा सहायता, एम्बुलेंस, दवा आदि उपलब्ध कराना। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, रेल सुरक्षा बल ने 6,439 जरूरतमंद व्यक्तियों को सहायता प्रदान की। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल से सितंबर, 2025 तक की अवधि में 5,789 व्यक्तियों को सहायता प्रदान की गई।

➢ यात्री गाड़ी (दिव्यांगजन सहित) हेल्पलाइन नंबर 139 (जो आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली संख्या 112 के साथ एकीकृत है) पर कॉल करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं। वे शिकायत करने के लिए रेल मदद पोर्टल, मोबाइल एप और व्हाट्सएप नंबर 7982139139 का भी उपयोग कर सकते हैं। उनकी समस्याओं का तात्कालिक आधार पर ध्यान दिया जाता है और उन्हें आवश्यक कार्रवाई/सहायता प्रदान की जाती है।

भारतीय रेल में दिव्यांगजन सवारी डिब्बे में दिव्यांग व्यक्तियों की सुविधा के लिए विशेष सवारी डिब्बे

- रेल सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा संबंधी शिकायतों और अन्य शिकायतों को प्राप्त करने एवं सुलझाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों जैसे ट्विटर पर भी चौबीसों घंटे उपलब्ध है।
- सीसीटीवी निगरानी: रेल यात्रियों को संरक्षित और सुरक्षित यात्रा प्रदान करने के लिए सवारी डिब्बों और स्टेशनों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाती है।
- दिव्यांगजनों की संरक्षित और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए, रेल सुरक्षा बल 'ऑपरेशन उपलब्ध' के तहत दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित कम्पार्टमेंट में अनधिकृत रूप से यात्रा करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करती है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2024-2025 के दौरान, 94,326 मामले दर्ज किए गए और 95,298 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, तथा वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल - सितंबर 2025) में 60,242 मामले दर्ज किए गए और 61,214 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया, जो दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित सवारी डिब्बों में अनधिकृत रूप से यात्रा कर रहे थे।

सवारी डिब्बे का विशेष डिजाइन

भारतीय रेल लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) और सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ) दोनों सवारी डिब्बों के साथ चलने वाली लगभग सभी मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों में अंतिम वाहन एलएसएलआरडी/एसएलआरडी (द्वितीय श्रेणी सह सामान और गार्ड वैन एवं दिव्यांगजन के अनुकूल कम्पार्टमेंट) में विशेष रूप से दिव्यांगजन के लिए अलग कम्पार्टमेंट की सुविधा प्रदान करती है। इन सवारी डिब्बों में चौड़े प्रवेश द्वार, व्हीलचेयर पार्किंग क्षेत्र आदि हैं। शौचालय के अंदर, सहारे के लिए अतिरिक्त ग्रैब रेल साइड वॉल पर और उपयुक्त ऊंचाई पर वॉश बेसिन और दर्पण भी उपलब्ध हैं। यह भी प्रयास किया जाता है कि प्रत्येक मेल/एक्सप्रेस गाड़ी में कम से कम एक ऐसा सवारी डिब्बा हो।

इसके अतिरिक्त, दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधा के लिए, सभी नव निर्मित सवारी डिब्बों में एकीकृत ब्रेल संकेतक, अर्थात ब्रेल लिपि के साथ संयुक्त संकेतक भी प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा, मौजूदा सवारी डिब्बों में भी चरणबद्ध तरीके से इसका पुनर्संयोजन जारी है।

अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेनसेट को दिव्यांगजनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर भी डिजाइन किया गया है। वंदे भारत ट्रेनसेट के पहले और आखिरी कोच (डीटीसी) में व्हीलचेयर के लिए विशेष प्रावधान हैं, जिसमें व्यापक प्रवेश द्वार, पार्किंग व्यवस्था और आसानी से चलने के लिए जगह शामिल है। इन सवारी डिब्बों के शौचालय भी दिव्यांगजनों के अनुकूल हैं और इनमें अतिरिक्त ग्रैब हैंडल, व्यापक स्थान आदि जैसी सुविधाएं हैं। वंदे भारत ट्रेनसेट में सभी महत्वपूर्ण निर्देश और सीट नंबर ब्रेल संकेतक के साथ भी उपलब्ध कराए गए हैं।

सवारी डिब्बों में पहुँच को और आसान बनाने के लिए, हल्के वजन वाले और मॉड्यूलर रैंप्स भी वंदे भारत के दोनों सिरों पर डीटीसी सवारी डिब्बों में मुहैया कराए जा रहे हैं। यह भारतीय रेल का प्रयास है कि प्रत्येक यात्री के यात्रा अनुभव को यादगार बनाने के लिए उच्चतम गुणवत्ता की सुविधाएँ प्रदान की जाएँ।

रेलवे स्टेशनों पर सुविधाएं

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत की है। इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणबद्ध रूप से लागू करना शामिल है, जैसे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह और प्लेटफार्म पर कवर, स्वच्छता, मुफ्त वाई-फाई, एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, कार्यकारी लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए विशिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, भवन के सुधार, स्टेशन को शहर के दोनों पक्षों के साथ जोड़ना, बहुमोडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, चरणबद्ध एवं यथा व्यवहार्य दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की परिकल्पना भी की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। देश भर में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों के विकास संबंधी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। दिनांक 31.03.2025 तक, 105 स्टेशनों पर निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं।

भारतीय रेल में भर्ती

जहां तक अराजपत्रित पदों के लिए खुले बाजार से सीधी भर्ती का संबंध है, रेलवे द्वारा दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 का अनुपालन किया जाता है, जो निर्देश-मानक दिव्यांगजन व्यक्तियों के लिए पदों के प्रत्येक समूह अर्थात 'ग' और 'घ' में संवर्ग संख्या में रिक्तियों की कुल संख्या के चार प्रतिशत का आरक्षण उपबंधित करता है, जिसका प्रत्येक एक प्रतिशत खंड (क), (ख) और (ग) के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए और एक प्रतिशत खंड (घ) से (ङ) के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित होगा, अर्थात;

क) दृष्टिहीनता और निम्न दृष्टि (1%)।

ख) बधिर और ऊंचा सुनने वाला व्यक्ति (1%)।

ग) गतिविषयक दिव्यांगता (ओए, ओएल, ओएएल, बीएल, बीए) जिसमें कुष्ठ रोगमुक्त व्यक्ति, प्रमस्तिष्क घात, बौनापन, तेजाबी आक्रमण पीड़ित और पेशीय दुष्पोषण (1%) शामिल हैं।

घ) स्वपारायणता, बौद्धिक दिव्यांगता, विनिर्दिष्ट विद्या दिव्यांगता और मानसिक रुग्णता; तथा

ड.) बधिर-अंधता (1%) सहित (क) से (घ) के बीच बहुदिव्यांगता।

रेलवे में अराजपत्रित पदों पर खुले बाजार से भर्ती के लिए, दिव्यांग उम्मीदवारों को निम्नलिखित छूट/रियायत भी प्रदान की जाती है:

(i) दिव्यांग उम्मीदवारों से केवल ₹250 परीक्षा शुल्क (छूट-रहित कोटि से ₹500 की तुलना में) लिया जाता है और वह भी लिखित परीक्षा में उनके उपस्थित होने पर वापस लौटा दिया जाता है।

(ii) जब दिव्यांगजनों के लिए रिक्तियां आरक्षित हैं और प्रत्येक कोटि अर्थात, अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग - नान क्रीमी लेयर के लिए अर्हता प्राप्त करने के न्यूनतम प्रतिशत अंकों के साथ दिव्यांगजनों का पूरा पैनल नहीं बनाया जा सकता है, तब इस समुदाय के लिए अर्हता प्राप्त करने के निर्धारित न्यूनतम अंकों में 2 अंकों तक की छूट की अनुमति दी जाएगी।

(iii) समुदाय-वार आयु छूट के साथ-साथ दिव्यांग उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में 10 वर्ष की छूट दी जाती है।

(iv) दिव्यांग उम्मीदवारों को लेवल -1 भर्ती परीक्षा के लिए आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) में उपस्थित होने से छूट दी गई है।

(v) अनेक दिव्यांगता कोटियों के दिव्यांग उम्मीदवारों को भर्ती परीक्षाओं में उपस्थित होने के लिए स्क्राइब की सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है।

(vi) परीक्षा केंद्र को दिव्यांगजन अनुकूल बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है जैसे रैम्प, भूतल पर बैठने की व्यवस्था आदि। दृष्टि ह्रास पीड़ित उम्मीदवारों को कागज के साथ टेलर फ्रेम, ब्रेल स्लेट का उपयोग करने की अनुमति है।

भारतीय रेल में विभिन्न समूह 'क' पदों/सेवाओं में सीधी भर्ती संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाती है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के उपबंधों में, इन पदों/सेवाओं के लिए उपयुक्त पाई गई श्रेणियों/उप-श्रेणियों में निर्धारित दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए 4% आरक्षण का विधिवत अनुपालन किया जाता है।

यात्रियों की संरक्षित और सुरक्षित यात्रा प्रदान करने के लिए सीसीटीवी कैमरों के जारिए यात्रियों की निगरानी की रखी जाती है।

सुरक्षा

रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) का गठन रेल सुरक्षा बल अधिनियम, 1957 (वर्ष 1985 और 2003 में यथा संशोधित) के अंतर्गत रेल संपत्ति, यात्री क्षेत्रों, यात्रियों और उनसे जुड़े मामलों की बेहतर रक्षा और सुरक्षा तथा उनसे संबंधित मामलों के लिए किया गया है।

रेल सुरक्षा बल को अलार्म चेन खींचने, छत पर यात्रा, दलाली, बिना टिकट यात्रा करने महिलाओं के लिए निर्धारित सवारी डिब्बों में अनधिकृत प्रवेश, अनधिकृत बिक्री, अतिक्रमण आदि से संबंधित 29 अपराधों से निपटने के लिए रेल अधिनियम 1989 के अंतर्गत और रेल संपत्ति की चोरी, गबन और गैरकानूनी कब्जे से संबंधित अपराधों से निपटने के लिए 'रेल संपत्ति (विधिविरुद्ध कब्जा) अधिनियम 1966' के अंतर्गत शक्तियां प्रदान की गई हैं। इसे स्वापक औषधि और मन:प्रभावी प्रदार्थ अधिनियम के तहत तलाशी लेने, जब्ती और गिरफ्तारी करने और सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 के तहत जुर्माना लगाने के लिए भी शक्तियां प्रदान की गई हैं।

रेल सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु किए गए प्रयास

(क) रेल सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों को चौबीसों घंटे सुरक्षा संबंधी सहायता

- **रेल हेल्पलाइन :** रेल यात्री हेल्पलाइन नंबर 139 (आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली संख्या 112 के साथ एकीकृत) पर कॉल करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं । वे शिकायतें दर्ज कराने के लिए रेल मदद पोर्टल और मोबाइल ऐप का भी उपयोग कर सकते हैं। उनकी समस्या का तत्काल आधार पर निवारण किया जाता है और उनके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती है/सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

- **ट्विटर :** रेल मंत्री के ट्विटर हैंडल @RailMinIndia और @RailwaySeva पर सुरक्षा से संबंधित प्राप्त शिकायतों/सुझावों का तत्परतापूर्वक निपटान किया जाता है और आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई शुरू की जाती है।

ट्विटर और सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर पर प्राप्त की गई शिकायतों के निपटान का विवरण :

वर्ष	ट्विटर पर प्राप्त शिकायतों के निपटान की संख्या	हैल्पलाइन नंबर पर प्राप्त शिकायतों के निपटान की संख्या
2024-25	**49,322**	**3,47,452**

(ख) सीसीटीवी निगरानी : रेल यात्रियों को संरक्षित एवं सुरक्षित यात्रा सुलभ कराने के उद्देश्य से, कई सवारी डिब्बों और रेलवे स्टेशनों पर मुहैया कराए गए क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन कैमरों से निगरानी रखी जाती है। टीम रेल सुरक्षा बल द्वारा रेल यात्रियों की रक्षा और सहायता करने के लिए विभिन्न पहलें की गई हैं ताकि यात्रियों सहित भारतीय रेल के सभी हितधारकों के बीच विश्वास एवं सुरक्षा की भावना को बढ़ाया जा सके।

(ग) महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए मेरी सहेली पहल :- 'मेरी सहेली' पहल 17.10.2020 को शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य लंबी दूरी वाली गाड़ियों में अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को उनकी पूरी यात्रा के दौरान अर्थात् आरंभिक स्टेशन से गंतव्य स्टेशन तक बेहतर संरक्षा एवं सुरक्षा प्रदान करना है।

इसके क्रियान्वयन के लिए महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों की समर्पित टीमें बनाई गई हैं। वर्तमान में, इस उद्देश्य के लिए 250 रेल सुरक्षा बल टीमों को तैनात किया जा रहा है, जो भारतीय रेल नेटवर्क पर प्रतिदिन औसतन 500 से अधिक रेलगाड़ियों को कवर करती हैं। मेरी सहेली टीम के सदस्य यात्रियों को यात्रा के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों और संकट की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध माध्यमों के बारे में जानकारी देते

रेल सुरक्षा बल टीम द्वारा सुरक्षा और सुविधा प्रदान करने के लिए सीसीटीवी निगरानी

हैं। मार्गवर्ती रेल सुरक्षा बल चौकियों को भी अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की आवाजाही के बारे में पहले से ही सूचित कर दिया जाता है और बिना समय गंवाए किसी भी स्थिति से निपटने के लिए उन्हें हाई अलर्ट पर रखा जाता है। त्वरित प्रतिक्रिया और कार्य को सरल बनाने के लिए टीम के सदस्यों को टैब प्रदान किए जा रहे हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान, प्रतिदिन औसतन ऐसे 13,000 यात्रियों को सेवित किया जा रहा है। इस पहल की उपलब्धियों और कमियों का विश्लेषण करने के लिए महिला यात्रियों से फीडबैक भी लिया जाता है ताकि इसमें और सुधार लाया जा सके। इसके अलावा, महिलाओं के लिए आरक्षित कंपार्टमेंट में पुरूष यात्रियों के प्रवेश के विरूद्ध अभियान चलाए जाते हैं।

रेल सुरक्षा बल कर्मी यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करते हुए

महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों या अन्य आरक्षित स्थान पर अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने वाले यात्रियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई :

वर्ष	पंजीकृत मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
2024-25	96,536	98,941

(घ) **ऑपरेशन "नन्हे फरिश्ते" (बच्चों को बचाना) :** रेल मंत्रालय ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से दिनांक 05/03/2015 को रेलवे के संपर्क में आने वाले संकटग्रस्त बच्चों की बेहतर देखभाल और सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। मानक संचालन प्रक्रिया में सभी प्रचलित दिशानिर्देशों/प्रावधानों/अनुदेशों/निर्देशों आदि को शामिल करने के उद्देश्य से दिनांक 25.10.2024 को रेलवे के लिए एक 'संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया' जारी की गई है।

रेल सुरक्षा बल ने विभिन्न कारणों से अपने परिवारों से खोए/बिछुड़े हुए बच्चों को उनके परिजनों से मिलाने और भारतीय रेल के संपर्क में आए देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले ऐसे बच्चों को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस संबंध में, भारतीय रेल में 'नन्हे फरिश्ते' नामक एक विशाल और दीर्घकालीन अखिल भारतीय अभियान शुरू किया गया है, जो रेलगाड़ियों/रेलवे स्टेशनों में पाए गए बच्चों को बचाने में उल्लेखनीय परिणाम दिखा रहा है। यदि इन बच्चों को समय रहते नहीं बचाया जाता तो ये मानव तस्करी के संभावित शिकार हो सकते थे।

रेल सुरक्षा बल द्वारा बचाए गए तथा देखभाल और सुरक्षा की जरूरत रखने वाले बच्चों का विवरण :

वर्ष	रेल सुरक्षा बल द्वारा बचाए गए बच्चों की संख्या
2024-25	15,781

(ङ) **ऑपरेशन "आहट" (मानव तस्करी के विरूद्ध कार्रवाई):** - रेल सुरक्षा बल, अखिल भारतीय पहुंच के साथ राष्ट्रीय वाहक पर प्रहरी होने के नाते, मानव तस्करी के विरूद्ध राष्ट्र की लड़ाई में अहम भूमिका निभाता है। रेलवे के माध्यम से मानव तस्करी की रोकथाम के लिए, रेल सुरक्षा बल ने अन्य हितधारकों के समन्वय से अखिल भारतीय अभियान "ऑपरेशन आहट" शुरू किया है।

मानव तस्करों के प्रयासों को विफल करने के लिए एक प्रभावी तंत्र बनाने हेतु, 2022 में जारी परिपत्र के तहत, भारतीय रेल में 750 से अधिक स्थानों पर पुलिस चौकी स्तर (थाना स्तर) पर रेल सुरक्षा बल की मानव तस्करीरोधी इकाइयाँ कार्य कर रही हैं। ये मानव तस्करीरोधी इकाइयाँ मानव तस्करी की रोकथाम में शामिल एजेंसियों के साथ नियमित संपर्क में हैं और उन्होंने तस्करी के शिकार बच्चों को बचाने में उनकी सहायता की है।

रेल यात्रा को सुरक्षित बनाना

ऑपरेशन सतर्क

इसके अलावा, रेल सुरक्षा बल ने अपने प्रयासों को सुदृढ़ बनाने के लिए दिनांक 06.05.2022 को एसोसिएशन ऑफ वॉलंटरी एक्शन (नोबेल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी की संस्था) जिसे बचपन बचाओ आंदोलन के नाम से भी जाना जाता है, के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि रेल सुरक्षा बल और रेल कर्मियों की क्षमता निर्माण, मानव तस्करी के पीडितों की छापेमारी, बचाव और मानव तस्करी की जानकारी साझा करने में सहयोग किया जा सके। दिनांक 19.03.2024 को, रेल सुरक्षा बल ने रेल सुरक्षा बल कर्मियों के लिए कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से मानव तस्करी की रोकथाम और सामना करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

वर्ष	रे.सु.ब द्वारा तस्करी से बचाए गए व्यक्तियों की संख्या					रे.सु.ब द्वारा गिरफ्तार किए गए तस्करों की संख्या
	किशोर		वयस्क		कुल	
	लड़के	लड़कियाँ	पुरुष	महिलाएं		
2024-25	996	68	42	8	1,114	348

(च) ऑपरेशन "जीवन रक्षा":- ऑपरेशन "जीवन रक्षा" के अंतर्गत प्लेटफामों, रेलपथों पर और रेलगाड़ियों में रेल सुरक्षा बल द्वारा सतर्कता और त्वरित कार्रवाई करने के कारण कई यात्रियों की रक्षा की गई, जिसमें यात्री जल्दबाजी में चलती रेलगाड़ी में चढ़ने/उतरने की कोशिश करते हैं और रेलगाड़ी के पहिए के नीचे आने के खतरे के साथ फिसल/गिर जाते हैं या फिर चलती रेलगाड़ी के सामने जानबूझकर आकर आत्महत्या करने की कोशिश करते हैं।

वर्ष	जीवन रक्षा के तहत रेलवे में बचाए गए यात्रियों की संख्या	
	पुरुष	महिला
2024-25	2,455	1,078

(छ) ऑपरेशन "मातृशक्ति":- ऑपरेशन मातृशक्ति के अंतर्गत रेल सुरक्षा बल कर्मी, विशेषत: महिला रेल सुरक्षा बल कर्मी, जो वर्तमान में रेल सुरक्षा बल की कुल कर्मचारी संख्या का 9% हैं (वर्दीधारी बल में सबसे अधिक), रेल यात्रा के दौरान या रेल परिसर में प्रसव पीड़ा से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं की सहायता करने के लिए असाधारण रूप से प्रयास करती हैं।

वर्ष	प्रसव के दौरान की गई देखभाल और प्रदान की गई सहायता के मामलों की संख्या	
	रेलगाड़ी में	रेल परिसर में
2024-25	119	62

(ज) ऑपरेशन "अमानत":- रेल सुरक्षा बल कर्मी यात्रियों के उन सामानों को सुरक्षित रखने में सहायता करते हैं जो यात्रियों द्वारा रेलगाड़ी में चढ़ने अथवा गाड़ी/रेलवे स्टेशन से रवाना होने की जल्दबाजी में छूट जाते हैं। रेल सुरक्षा बल द्वारा ऑपरेशन अमानत के तहत यात्रियों द्वारा छूटे हुए सामान का पता लगाया गया और इसे संबंधित यात्रियों को सौंप दिया गया।

वर्ष	यात्रियों द्वारा छूटे हुए सामान का पता लगाने और इसकी वापसी के मामलों की संख्या	बरामद संपत्ति का मूल्य (करोड़ रुपए में)
2024-25	3,02,824	73.43

ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत रेल सुरक्षा बल कर्मी महिलाओं को सहायता प्रदान करते हुए

(झ) ऑपरेशन "उपलब्ध'':- आम जनमानस के लिए आरक्षित स्थान हेतु रेल टिकटों को खरीदना बहुत कठिन कार्य रहा है क्योंकि दलाल पुष्टिशुदा रेल आरक्षण को ऑनलाइन हथिया रहे थे, जिससे आम जनमानस के लिए पुष्टिशुदा टिकटों की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। रेल सुरक्षा बल द्वारा उन व्यक्तियों जो दलाली (रेल टिकट खरीदने और आपूर्ति करने का अनधिकृत कारोबार कर रहें है) में शामिल हैं, के विरुद्ध गहन और सतत् कार्रवाई की जा रही है

महिला सुरक्षा के तहत मेरी सहेली पहल

टिकटों की अवैध खरीद और बिक्री करने वाले दलालों के विरूद्ध कार्रवाई :

वर्ष	पंजीकृत मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या	जब्त की गई आगामी यात्रा टिकटों की संख्या	जब्त की गई आगामी यात्रा टिकटों की राशि (करोड़ रूपए में)	ब्लॉक किए गए आईआरसीटीसी उपयोगकर्ता आईडी की संख्या
2024-25	5,387	5,937	20,700	4.33	35,954

इसी प्रकार यात्रियों में सुरक्षा की भावना बढ़ाने के प्रयास में, ऑपरेशन उपलब्ध के तहत तौलिया रखकर अधिकृत यात्रियों के प्रवेश को रोकने वाले और दिव्यांगजनो के लिए आरक्षित डिब्बे में अनधिकृत प्रवेश को रोकने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाती है।

अनधिकृत रूप से अधिकृत यात्रियों के प्रवेश का विरोध करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई

वर्ष	पंजीकृत मामले	गिरफ्तार किए गए व्यक्ति	वसूल की गई जुर्माने की राशि (करोड़ रुपए में)
2024-25	39,429	39,486	74,08,635

दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित सवारी डिब्बों में अनधिकृत रूप से कब्जा करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई

वर्ष	पंजीकृत मामलों की संख्या	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या	वसूली गई जुर्माने की राशि (करोड़ रुपए में)
2024-25	94,212	95,165	1.10

(ञ) ऑपरेशन 'रेल सुरक्षा':- रेल संपत्ति की संरक्षा और सुरक्षा हेतु रेल सुरक्षा बल को अधिकृत किया गया है। रेल सुरक्षा बल 'रेल संपत्ति (विधिविरुद्ध कब्जा) अधिनियम 1966' के संगत उपबंधों के अंतर्गत रेल संपत्ति की चोरी, गबन में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करता है।

वर्ष	दर्ज किए गए मामलों की संख्या	बरामद की गई संपत्ति का मूल्य (करोड़ रुपए में)	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
2024-25	5,162	6.75	9,244

(ट) ऑपरेशन "नारकोस'':- स्वापक पदार्थ न केवल युवाओं के स्वास्थ्य को नष्ट करते हैं, बल्कि वे अर्थव्यवस्था और राष्ट्र हित को भी हानि पहुंचाते हैं। 2019 से रेल सुरक्षा बल को स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के अंतर्गत तलाशी लेने, जब्त करने और गिरफ्तार करने का अधिकार प्रदान किया गया है। रेल द्वारा स्वापक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध अभियान पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के लिए, रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन नारकोस शुरू किया है और अपराधियों को गिरफ्तार किया है जिन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सक्षम एजेंसियों को सौंप दिया गया है।

रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन ''नारकोस'' का शुभारंभ किया

स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ की बरामदगी

वर्ष	पता लगाए गए मामलों की संख्या	बरामद स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ का मूल्य (करोड़ रुपए में)	गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
2024-25	1,667	60.50	1,290

(ठ) **''ऑपरेशन सतर्क'':-** रेलगाड़ियों द्वारा प्रतिबंधित वस्तुओं की ढुलाई कर चोरी करने/कानून तोड़ने वालों का एक प्रमुख जरिया बन गया है। इस मुहिम का उद्देश्य अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कार्य में उनकी सहायता करना है जिसके अंतर्गत रेल सुरक्षा बल द्वारा तंबाकू उत्पाद, शराब उत्पाद, नकली भारतीय मुद्रा नोट/अलेखांकित सोना/अलेखांकित नकदी/अलेखांकित अन्य कीमती धातु/तस्करी का सामान/हथियार और गोला-बारूद/विस्फोटकों की बरामदगी और प्रतिबंधित दवाओं की बरामदगी की जाती है।

वर्ष	तंबाकू उत्पाद			शराब उत्पाद			नकली भारतीय मुद्रा नोट/अलेखांकित सोना/नकदी/तस्करी के अन्य सामानों की बरामदगी आदि		
	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ रुपए में)	गिरफ्तार व्यक्ति	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ रुपये में)	गिरफ्तार व्यक्ति	पता लगाए गए मामले	मूल्य (करोड़ रुपये में)	गिरफ्तार व्यक्ति
2024-25	100	6.52	55	2,551	3.21	1,735	92	40.44	64

(ड) **ऑपरेशन 'विलेप':-** वन्यजीवों, पशु अंगों और वानिकी उपज की तस्करी प्रकृति के विरुद्ध अपराध है। टीम रेल सुरक्षा बल इस मुद्दे के प्रति सजग है और ऑपरेशन विलेप के अंतर्गत रेलवे द्वारा वन्यजीवों के अवैध व्यापार में शामिल तस्करों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की गई है।

वर्ष	पता लगाए गए मामलों की संख्या		गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या
	जंतु समूह	वनस्पति	
2024-25	43	22	25

(ढ़) **रेलगाड़ी मार्गरक्षण :-**

- राजकीय रेल पुलिस द्वारा रेलगाड़ियों के मार्गरक्षण के अतिरिक्त, रेल सुरक्षा बल भी रेलगाड़ियों का मार्गरक्षण कर रहा है। वर्तमान में, रेल सुरक्षा बल अतिसंवेदनशील खंडों में प्रतिदिन औसतन 1800 रेलगाड़ियों का मार्गरक्षण कर रहा है।
- क्षेत्रीय रेलों द्वारा महिलाओं की समस्याओं को दूर करने के लिए जहां तक संभव हो, रेलगाड़ी मार्गरक्षी दलों में पुरुष और महिला रेल सुरक्षा बल/रेल सुरक्षा विशेष बल कर्मियों की पर्याप्त संख्या में तैनाती कर रहा है।
- महानगरों में चलने वाली महिला स्पेशल रेलगाड़ियों में महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों द्वारा मार्गरक्षण किया जा रहा है। अन्य रेलगाड़ियों में, जिनमें सुरक्षाकर्मी उपलब्ध हैं, वहां रेलगाड़ी मार्गरक्षी दलों को अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों, मार्ग पर और ठहराव रेलवे स्टेशनों पर महिला सवारी डिब्बों की अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

सतर्कता

सतर्कता संगठन भारतीय रेल प्रशासन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह शिकायतों की जांच करता है, प्रबंधकीय निर्णयों के संबंध में नमूना जांच करता है, ताकि वस्तुनिष्ठता पारदर्शिता और मौजूदा नियमों एवं पद्धतियों के अनुरूप उनके अनुपालन का निर्धारण किया जा सके।

सतर्कता कार्यप्रणाली के मुख्यत: तीन पहलू हैं : (i) निवारक सतर्कता (ii) सहभागी सतर्कता और (iii) दंडात्मक सतर्कता।

निवारक सतर्कता

इसका मुख्य उद्देश्य रेल अधिकारियों के एक व्यापक वर्ग में ज्ञान का प्रसार करना, अधिक पारदर्शिता और पूर्वानुमेयता प्रदान करने हेतु प्रणाली के युक्तिकरण उपायों का सुझाव देना, निर्णय लेने में प्रौद्योगिकी के उपयोग को उत्प्रेरित करना और भ्रष्टाचार शमन से संबंधित मुद्दों के बारे में जनता के बीच अधिक जागरूकता पैदा करना है।

इस दिशा में उठाए गए कुछ कदम इस प्रकार थे

- वर्ष 2024-25 में सभी रेलों में कुल 11,338 निवारक जांचें आयोजित की गई।
- वर्ष 2024-25 में सभी बड़ी रेल इकाइयों ने परिपत्रित करने के लिए ई-पत्रिकाएं/बुलेटिन जारी किए। इन बुलेटिनों में विभिन्न विभागों से संबंधित घटना अध्ययन, क्या करें और क्या न करें आदि शामिल हैं।
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2024 के दौरान व्यापक जन अभियान आयोजित करने के लिए सभी क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों और सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग किया गया था।

सहभागी सतर्कता

- **24 घंटे सतर्कता हेल्पलाइन :** रेलवे की 24 घंटे कार्य करने वाली सतर्कता हेल्पलाइन (हेल्पलाइन नंबर 139)। इसके अलावा, सतर्कता अधिकारियों के ईमेल पते वेबसाइट पर पोस्ट किए गए हैं।

- आम जनता को विभाग में उपलब्ध सुविधाओं और शिकायतों को दर्ज करने के अर्थोपायों के बारे में शिक्षित करने के लिए हर वर्ष अक्टूबर के अंतिम सप्ताह या नवंबर के पहले सप्ताह के दौरान **सतर्कता जागरूकता सप्ताह** मनाया जाता है। वर्ष 2024 में 28 अक्टूबर और 03 नवंबर के बीच सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया था।

- **परामर्श :** वर्ष 2024 में सतर्कता द्वारा सामयिक मुद्दों पर 246 कार्यशालाएं/वेबिनार/संवादात्मक सत्रों का आयोजन किया गया था जिसमें विभिन्न स्तरों और विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारियों, वरिष्ठ पर्यवेक्षकों और अन्य रेल कर्मियों ने भाग लिया था; जिसका प्राथमिक फोकस नियमों, कार्यपद्धतियों और सर्वाधिक महत्वपूर्ण, उन कठिनाइयों के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करना था, जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है।

दंडात्मक सतर्कता

अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025 के दौरान सतर्कता जांच मामलों में जिन अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई/अंतिम रूप दिया गया, उनकी संख्या दर्शाने का विवरण नीचे दिया गया है :

सतर्कता जांच मामले	2024-25
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई थी।	3,320
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के फलस्वरूप बड़ी शास्ति रोपित की गई।	1,060
उन अधिकारियों की संख्या जिनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई के फलस्वरूप छोटी शास्ति रोपित की गई।	2,201

हिन्दी का प्रयोग-प्रसार

राजभाषा अधिनियम, 1963 और राजभाषा नियम, 1976 के उपबंधों के अनुसार, भारतीय रेल हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए लगातार प्रयत्नशील है। 31 मार्च, 2025 के अंत तक अधिसूचित रेल कार्यालयों की संख्या 3,707 है। इन रेल कार्यालयों में हिंदी में प्रवीण कर्मचारियों को राजभाषा नियमों के तहत विनिर्दिष्ट विषयों में अपना शत-प्रतिशत कार्य हिंदी में करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। वर्ष 2024-25 में संसदीय राजभाषा की दूसरी उपसमिति द्वारा 27 रेल कार्यालयों के राजभाषा प्रयोग-प्रसार संबंधी निरीक्षण किए गए तथा संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण के दौरान रेल कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग-प्रसार की प्रशंसा भी की गई है।

इसके अलावा, रेलवे बोर्ड कार्यालय एवं क्षेत्रीय रेलों आदि के राजभाषा अधिकारियों द्वारा हिंदी के कार्यान्वयन की स्थिति पर नजर रखने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण किए जाते हैं।

रेलवे बोर्ड कार्यालय द्वारा हिंदी में गृह-पत्रिका 'रेल राजभाषा' प्रकाशित की जाती है। मार्च, 2025 तक इस गृह पत्रिका के 140 अंक निकाले जा चुके हैं, जिनकी प्रतियां सभी रेल कार्यालयों में वितरित की गई हैं।

अन्य गतिविधियां

रेल कार्यालयों में हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने के लिए 281 कोड/मैनुअल और 6,498 स्टेशन संचालन नियम द्विभाषी रूप में प्रकाशित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, रेलवे बोर्ड सहित क्षेत्रीय रेलों एवं उत्पादन इकाइयों आदि में 22,864 स्थानीय, सांविधिक और मानक फॉर्म द्विभाषी रूप में उपलब्ध हैं। भारतीय रेल के अंतर्गत इस समय 939 हिंदी पुस्तकालय हैं जिनमें हिंदी की लगभग 17 लाख पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा अधिकांश पुस्तकालयों के नाम हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकारों के नाम पर रखे गए हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समितियां

हिंदी के प्रयोग-प्रसार की समीक्षा करने के लिए सभी क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाइयों आदि पर कुल 1,007 राजभाषा कार्यान्वयन समितियां गठित हैं, जिनकी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। इसके अलावा, बोर्ड स्तर पर भी रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है, जिसकी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं।

रेलवे हिंदी सलाहकार समिति

रेल मंत्रालय एवं क्षेत्रीय रेलों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने के उद्देश्य से, माननीय रेल मंत्री जी की अध्यक्षता में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति गठित की गई है, जिसका प्रमुख उद्देश्य भारतीय रेल पर राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव देना है।

हिंदी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहन योजनाएं

रेल कर्मियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, भारतीय रेल पर विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं लागू हैं। इनमें कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक पुरस्कार योजना, रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक पुरस्कार योजना, रेल मंत्री राजभाषा शील्ड/ट्रॉफी और अन्य रनिंग शील्ड योजना, व्यक्तिगत नकद पुरस्कार योजना, रेल मंत्री हिंदी निबंध पुरस्कार योजना, प्रेमचंद पुरस्कार योजना, मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार योजना, लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना, रेल यात्रा वृत्तांत पुरस्कार योजना, क्षेत्रीय/अखिल रेल स्तर पर हिंदी निबंध, हिंदी वाक तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, अखिल रेल हिंदी नाटयोत्सव प्रतियोगिता शामिल हैं।

20 मार्च, 2025 को आयोजित रेलवे बोर्ड राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर कमलापति त्रिपाठी राजभाषा स्वर्ण पदक, रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक एवं रेल मंत्री राजभाषा

शील्ड/ट्रॉफी एवं रनिंग शील्ड माननीय अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, रेलवे बोर्ड द्वारा अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया।

18 से 22 जून, 2024 तक क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, भुसावल में अखिल रेल हिंदी निबंध, हिंदी वाक् तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा 14-15 सितंबर, 2024 को 'भारत मंडपम' नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह-2024 तथा चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रधान कार्यपालक निदेशक, औद्योगिक संबंध, कार्यपालक निदेशक, स्थापना (श्रम कानून) एवं निदेशक, राजभाषा द्वारा सहभागिता की गई, जिसमें रेल मंत्रालय को वर्ष 2023-24 के दौरान राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए 'राजभाषा कीर्ति पुरस्कार' का तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए रेल मंत्रालय में 14 से 27 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ दिनांक 14 एवं 15 सितंबर, 2024 को चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रतिभागिता करके किया गया। तदुपरांत, हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी वाक् प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, काव्याक्षरी प्रतियोगिता, राजभाषा संगोष्ठी तथा संगीत संध्या का आयोजन किया गया

सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन

पूर्वोत्तर क्षेत्र

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना का सिंहावलोकन

पूर्वोत्तर क्षेत्र के 8 राज्यों अर्थात् असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल अवसंरचना का विकास रेल मंत्रालय का एक वरीयता-प्राप्त क्षेत्र है। सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में रेल संपर्क सुलभ कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है ताकि इन राज्यों और इनकी राजधानियों तक रेल संपर्क मुहैया कराया जाए। अब पूर्वोत्तर क्षेत्र के 8 राज्यों में से 7 राज्यों में रेल-संपर्क मौजूद है। सिक्किम को नई रेल लाईन परियोजना सिवोक-रंगपो (44 किलोमीटर) के साथ जोड़ा जा रहा है।

वर्तमान में, पूर्वोतर क्षेत्र में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 69,342 करोड़ रु. की लागत पर 777 किलोमीटर लंबाई की 12 रेल अवसरंचना परियोजनाएं (08 नई रेल लाईन और 04 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं।

इन परियोजनाओं की मौजूदा वस्तु स्थिति इस प्रकार है:-

नई लाइनें

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लंबाई	प्रत्याशित लागत	31.03.2025 तक व्यय	परिव्यय 2025-26	(₹ करोड़ में) स्थिति
1	बइरबी-सैरंग	51 कि.मी.	8601	7,781	400	इस परियोजना का दिनांक 13.09.2025 को कमीशन और उद्घाटन किया गया है।
2	बर्णिहाट-शिलांग	108 कि.मी.	8,324	270	0.0001	खासी छात्र संघ (केएसयू) के विरोध के कारण मेघालय के हिस्से में भूमि अधिग्रहण रुका हुआ है।
3	दिमापुर (धनसिरी) - कोहिमा(जुब्जा)	82 कि.मी.	6,663	4,483	1,674	32 कि.मी. खंड कमीशन कर दिया गया है और शेष लंबाई में कार्य शुरू कर दिया गया है।
4	जीरीबाम-इम्फाल	111 कि.मी.	22,275	15,226	1,405	55 किमी का खंड कमीशन कर दिया गया है और शेष लंबाई में कार्य शुरू कर दिया गया है।
5	सिवोक-रंगपो	44 कि.मी.	11,973	8,358	2,940	इस परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
6	तेतेलिया-बर्णिहाट	22 कि.मी.	1,248	1,215	114	तेतेलिया-कमलाजारी (10 किमी) खंड पूरा हो गया है और कमीशन कर दिया गया है। असम में शेष खंड में कार्य शुरू कर दिया गया है। मेघालय राज्य में कानून और व्यवस्था की समस्या के कारण कार्य रोक दिया गया है।
7	मरकोंगसेलेक-पासीघाट	27 कि.मी.	1,265	709	92	इस परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
8	महिशासन (भारत) - जीरो पाइंट (बांग्लादेश)	3 कि.मी.	39	36	05	परियोजना को 2020-21में स्वीकृत कर दिया है। कार्य शुरू कर दिया गया है।

मन्नारगुडी रेलवे स्टेशन

दोहरीकरण

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लंबाई	प्रत्याशित लागत	31.03.2025 तक व्यय	परिव्यय 2025-26	(₹ करोड़ में) स्थिति
1	न्यू बंगाई गांव - कामाख्या बरास्ता गोलपारा	176 कि.मी.	4,961	3,575	435	165 किलोमीटर रेल खंड का कार्य पूरा हो चुका है। शेष भाग में कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	कामाख्या-गुवाहाटी के बीच तीसरी लाईन	6 कि.मी.	395	4	23	इस परियोजना को कामाख्या-न्यू गुवाहाटी चौहरीकरण के स्थान पर स्वीकृत किया गया है।
3	सरायघाट पुल (दोहरीकरण)	7 कि.मी.	1,474	1	329	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदनों के अध्यधीन बजट 2017-18 में शामिल किया गया है।
4	लमडिंग-फरकाटिंग खंड	140 कि.मी.	2,124	17	492	इस कार्य को अपेक्षित अनुमोदनों के अध्यधीन बजट 2019-20 में शामिल किया गया है।

यात्री सेवा में सुधार

वर्ष 2024-25 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र में 06 नई रेलगाड़ियां (एकल) सेवाएं शुरू की गई और 04 रेलगाड़ियां (एकल) सेवाओं का विस्तार किया गया। इसके अलावा, पूर्वोत्तर क्षेत्र को सेवित करने वाली 04 रेलगाड़ियां (एकल) के फेरों में वृद्धि की गई।

कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली

पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग 231 स्थानों पर कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली की सुविधा उपलब्ध है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों में कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली सुलभ हैं। उपरोक्त में से कुछ स्थानों पर एकीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली-सह-अनारक्षित टिकट प्रणलियां हैं।

जन-संपर्क

जनसंपर्क निदेशालय, रेलवे द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली विभिन्न नीतिगत पहलों, सेवाओं, रियायतों, परियोजनाओं, कार्यनिष्पादनों और विकासात्मक गतिविधियों संबंधी सूचनाओं का प्रचार-प्रसार करने के लिए उत्तरदायी है। रेल उपयोगकर्ताओं को संरक्षा और सुरक्षा मानदंडों सहित रेल कार्यप्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बारे में उन्हें जागरूक करने के संबंध में प्रचार अभियान भी चलाए जाते हैं। जनसंपर्क विभाग के लिए प्रिंट, इलैक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया के माध्यम से रेल उपयोगकर्ताओं के साथ संवाद करना एक सतत प्रक्रिया है।

वर्ष 2024-2025 के दौरान (01.04.2024 से 31.03.2025 तक) रेलवे बोर्ड के जनसंपर्क निदेशालय ने भारतीय रेल की कारपोरेट और सामाजिक छवि का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रेल मंत्रालय के साथ-साथ क्षेत्रीय रेलों के सोशल मीडिया हैंडल के विभिन्न पोस्टों और ट्वीट पर फॉलोअर्स और लाइक्स की संख्या में अत्याधिक वृद्धि देखी गई है। अब ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब आदि जैसी सोशल मीडिया सेवाओं का उपयोग न केवल विभिन्न नीतिगत पहलों/यात्री सुविधाओं के बारे में सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा है, अपितु यह एक तत्समय यात्री समस्या निवारण माध्यम के रूप में भी कार्य कर रहा है। भारतीय रेल के सोशल मीडिया हैंडल में ट्विटर पर लगभग 9.25 मिलियन फॉलोअर्स, फेसबुक पर लगभग 2.5 मिलियन, यूट्यूब चैनल के लगभग 6 लाख सब्सक्राइबर और इंस्टाग्राम पर लगभग 1.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं। रेल मंत्रालय, भारत सरकार का एक सबसे अच्छा कार्यप्रदर्शन करने वाला मंत्रालय है। कोई भी व्यक्ति (रेल उपयोगकर्ता या अन्यथा) रेल संबंधी शिकायतों को आसानी से उन शिकायतों का ट्विटर) पर दर्ज कर सकता है और तत्पर निवारण प्राप्त कर सकता है। दिन-प्रतिदिन के आधार पर नई पहलों, नवोन्मेषों और रेलवे से संबंधित अन्य रचनाएं दिखाने वाले छोटे वीडियो और अन्य रेल वृत्तचित्रों को यूट्यूब पर अपलोड किया जाता है। ऐसे सभी समारोहों/कार्यक्रमों का, जहां रेलवे नई रेलगाड़ियों/यात्री सुविधाओं का लोकार्पण करती है, यूट्यूब लाइव द्वारा प्रसारण किया जाता है, ताकि जन साधारण को व्यापक स्तर तत्समय सूचना प्राप्त हो सके। ऐसे पोस्ट की पहुंच कभी-कभी 10 लाख से अधिक हो जाती है।

वित्त वर्ष 2024-2025 के दौरान, क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाइयों ने विभिन्न विषयों जैसे स्वच्छता पखवाड़ा, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस, फिट इंडिया अभियान, संविधान दिवस के आयोजन के लिए जागरूकता अभियान आदि के बारे में जागरूकता हेतु कई प्रचार अभियान भी चलाए हैं। लगभग 27,427 प्रेस विज्ञप्तियां जारी की गईं; 990 संवाददाता सम्मेलन आयोजित किए गए; 5,592 प्रचार विवरणिकाएं प्रकाशित की गईं। रेलों द्वारा विभिन्न रेडियो/टीवी चौनलों पर लगभग 2,877 रेडियो/ टीवी स्पॉट बनाए गए और इन पर प्रसारण किए गए। रेलवे और रेलों बोर्ड के जनसंपर्क निदेशालय द्वारा लगभग 175 प्रेस पार्टी दौरे आयोजित किए गए, ताकि रेल उपयोगकर्ताओं को उनके क्षेत्र में नई सुविधाओं/पहलकदमियों/नई राष्ट्रीय परियोजनाओं की शुरूआत के कारण होने वाले लाभों पर प्रकाश डाला जा सके। भारतीय रेल ने देश भर में 67 प्रदर्शनियों में भी भाग लिया था।

रेल मंत्रालय 1956 से 'भारतीय रेल' (अंग्रेजी) और 1960 से 'भारतीय रेल' (हिंदी) में पत्रिकाएं प्रकाशित कर रहा है। इन पत्रिकाओं में भारतीय रेल की निरंतर वृद्धि, उपलब्धियों और प्रमुख विकास से संबंधित लेख होते है। वार्षिक संस्करणों में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अन्य बोर्ड सदस्य, सभी क्षेत्रीय रेल, उत्पादन इकाइयों और विभिन्न रेलवे से संबंधित संस्थानों के प्रमुखों द्वारा लिखे गए लेख शामिल किए जाते हैं।

दोनों पत्रिकाओं के लिए ऑनलाइन सदस्यता की सुविधा उपलब्ध है। ये ई-पत्रिकाएं आईआरसीटीसी प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हैं। वर्ष 2019 से सभी अंकों के पीडीएफ संस्करण भारतीय रेल की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

वाणिज्यिक विज्ञापन

भारतीय रेल द्वारा उपलब्ध परिसंपत्तियों का उपयोग करके रेल परिसंपत्तियों पर वाणिज्यिक प्रचार करने की अनुमति दी जाती है जैसे चल परिसंपत्तियों पर विनाइल रैपिंग, डिजिटल विज्ञापन, ऑडियो और वीडियो डिस्प्ले द्वारा कन्टेंट ऑन डिमांड, रेलवे स्टेशन परिसरों में, परिचलन क्षेत्रों में, रोड ओवर ब्रिज पर, रोड अंडर ब्रिज पर, रेल फाटकों पर, रेलवे कॉलोनियों में, रेल कारखानों में, रेल उत्पादन इकाइयों में, रेलपथ, क्षेत्रीय रेल मुख्यालयों, उत्पादन इकाइयों, प्रशिक्षण संस्थानों (केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों/क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थानों), आर.डी.एस.ओ के आस-पास की भूमि पर होर्डिंगों द्वारा विज्ञापनों का प्रदर्शन और नवोन्मेषी विचारों/अवधारणाओं/थीमों/योजनाओं को अनुमति देना, वाणिज्यिक प्रचार हेतु पीआरएस/यूटीएस टिकटों और आरक्षण चार्टों/फॉर्मों का भी उपयोग किया जाता है।

उपक्रम तथा अन्य संगठन

रेल मंत्रालय के अंतर्गत कुल 14 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और अन्य संगठन कार्यरत हैं, जिनका विवरण नीचे दिया गया हैं-

क्र.सं.	नाम	निगमित/शुरू किए जाने का वर्ष	मुख्य कार्यक्षेत्र
1	राइट्स	1974	भारत में और भारत से बाहर रेलवे और अन्य क्षेत्रों/उदयोगों से संबंधित सभी प्रकार की परियोजनाओं/प्रणालियों के विकास के लिए इंजीनियरी, तकनीकी एवं परामर्श सेवाएं डिजाइन स्थापित उपलब्ध परिचालनिक, अनुरक्षण और निष्पादन करना।
2	इरकॉन	1976	भारत और विदेश में रेलवे, पुलों, सड़कों, राजमार्गों, औद्योगिक और रिहायशी परिसरों, विमानपत्तनों आदि जैस अवसंरचना के विभिन्न क्षेत्रों में टर्नकी आधार पर अथवा अन्यथा निर्माण गतिविधियों का व्यवसाय करना।
3	क्रिस	1986	क्रिस भारतीय रेल का सूचना प्रौद्योगिकी स्कंध है। यह भारतीय रेल के सभी विभागों के लिए केन्द्रीकृत आईटी प्रणाली को डिजाइन, विकसित, कार्यान्वित तथा अनुरक्षण करता है।
4	भारेविनि	1986	भारतीय रेल के योजना परिव्यय को अंशतः वित्तपोषित कराने के लिए बाजार से धन जुटाना।
5	कॉनकोर	1988	भारत के अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कंटेनर वाले कार्गो और व्यापार के लिए बहु-आयामी संभारतंत्र सहायता मुहैया कराना।
6	केआरसीएल	1990	रेल लाइनों का निर्माण और परिचालन करना, रोड ओवर ब्रिज और रेल लाइन परियोजनाओं का निर्माण करना।
7	आरसीआईएल (रेलटेल)	2000	ऑप्टिकल फाइबर केबल आधारित ब्रॉडबैंड दूरसंचार और मल्टीमीडिया नेटवर्क का देशव्यापी निर्माण करने के लिए भारतीय रेल के पास उपलब्ध अतिरिक्त दूर-संचार क्षमता और मार्गाधिकार का उपयोग करना।
8	आईआरसीटीसी	2001	रेलवे की खान-पान और पर्यटन गतिविधियों का व्यवसाय करना। यह अपनी वेबसाइट द्वारा इंटरनेट टिकटिंग की सुविधा भी प्रदान करता है।
9	केएमआरसीएल	2008	कोलकाता और हावड़ा के जुड़वा शहरों को साल्ट लेक से एस्प्लेनेड तक जोड़ने वाले पूर्वी-पश्चिमी मेट्रो गलियारे का कार्यान्वित करना।
10	आरवीएनएल	2003	रेल अवसंरचना क्षमता का निर्माण और संवर्धन करना, परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए मुख्यतः बहुपक्षीय/द्विपक्षीय वित्तपोषण एजेंसियों के माध्यम से और घरेलू बाजार से भी संसाधनों को जुटाना।
11	आरएलडीए	2005	भारतीय रेल के लिए गैर-दर सूची उपायों द्वारा राजस्व सृजित करने के उद्देश्य से वाणिज्यिक प्रयोग के लिए खाली रेल भूमि का विकास करना।
12	डीएफसीसीआईएल	2006	गलियारों पर मालगाड़ियों के संचलन के लिए समर्पित रेल माल यातायात गलियारों की योजना बनाना और निर्माण करना।
13	मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड	1999	मुंबई महानगर क्षेत्र में रेल परियोजनाओं की योजना बनाना और क्रियान्वयन करना।
14	बीसीएल	1976 (रेल मंत्रालय में 2010 से)	माल डिब्बों का विनिर्माण, संरचनात्मक विरचन कार्यों का व्यवसाय और ईओटी क्रेनों का विनिर्माण, रेट्रोफिटिंग करना।

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विसेज लिमिटेड (राइट्स):

26 अप्रैल, 1974 को राइट्स लिमिटेड, रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम का निगमन किया गया था, जो एक बहुविभागी इंजीनियरी और परामर्श संगठन है, परिवहन अवसंरचना और संबद्ध प्रौद्योगिकियों के सभी पहलुओं में संकल्पना से लेकर प्रवर्तन तक व्यापक सेवाएं प्रदान करता है।

राइट्स भारत में परिवहन परामर्श और इंजीनियरी क्षेत्र में अग्रणी संगठन है और रेलवे, राजमार्ग, मेट्रो, विमानपत्तन, पत्तन, रोपवे, सांस्थानिक भवन, पुल, सुरंग, शहरी इंजीनियरी, सतत-सपोषणीयता एवं हरित सचलता, आंतरिक जलमार्ग और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सेवाओं के विविधीकरण और भौगोलिक पहुंच के मामले में विशिष्ट स्थान पर है। यह कंपनी चल स्टॉक उपलब्ध कराने वाली भारतीय रेल की निर्यात शाखा भी है। राइट्स की सफलता 5 दशकों से अधिक पुरानी है और यह एशिया, अफ्रीका, लातिन अमेरिका और मध्य पूर्व क्षेत्रों के 55 से अधिक देशों को सम्मिलित करती है।

सुदृढ़ निष्पादन

वित्त वर्ष 2024-25 में, राइट्स ने एक प्रमुख परिवहन अवसंरचना परामर्श और इंजीनियरी कंपनी के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ बनाया, दीर्घकालिक वित्तीय कार्य-निष्पादन प्रदान किया और भारत एवं विदेशों में बहु-क्षेत्रक परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया।

विगत वर्ष में, कंपनी ने ₹2,324 करोड़ का समेकित राजस्व अर्जित किया, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह ₹2,539 करोड़ था। अन्य आमदनी को छोड़कर परिचालन राजस्व ₹2,218 करोड़ रहा, जो वित्त वर्ष 2024 में ₹2,453 करोड़ था। यह गिरावट मुख्यत: दो उच्च-लाभ व्यावसायिक क्षेत्रों - गुणवत्ता आश्वासन और निर्यात — से कम अंशदान के कारण थी, जिससे कुल लाभप्रदता पर प्रभाव पड़ा। कर पूर्व लाभ ₹565 करोड़ था, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह ₹670 करोड़ था, और करोत्तर लाभ ₹424 करोड़ रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024 में यह ₹495 करोड़ था।

परियोजना परामर्शी सेवाएं एक प्रमुख शक्तिकेंद्र के रूप में उभरी हैं, जिसमें ₹1,241 करोड़ का राजस्व अर्जन दर्ज किया गया, जबकि टर्नकी और पट्टा वर्टिकल्स द्वारा क्रमश: ₹797 करोड़ और ₹150 करोड़ का राजस्व जुटाया गया।

चुनिंदा निष्पादित परियोजनाएँ

अवसंरचना परामर्शी सेवाओं के लगभग सभी क्षेत्रकों में आद्योपांत विशेषज्ञता सेवाएं प्रदान करने में राइट्स की अद्वितीय क्षमता को पुन: सुदृढ़ीकृत करते हुए, इस वर्ष कई प्रमुख परियोजनाएँ पूरी की गईः

- सिक्किम में रंगपो से गंगटोक तक नई बड़ी लाइन के लिए आधुनिक सर्वेक्षण प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण
- मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर के लिए सतत संचालन संदर्भ स्टेशन (सीओआरएस) नेटवर्क की स्थापना और अनुरक्षण
- जाखापुरा रेलवे स्टेशन से इस्पात संयंत्र तक सीधी रेल संपर्कता विकसित करने के लिए लाइन संख्या 5 और 6 के रास्ते व्यवहार्यता अध्ययन
- विद्युत संयंत्र में लालमतिया लदान यार्ड में तृतीय महाधानी लदान व्यवस्था के विकास से संबंधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट
- सरला स्टेशन पर माल ढुलाई अनुरक्षण सुविधा कार्यों के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्शी सेवाएं

- आवागढ़ स्टेशन और शिवाला टेहु स्टेशन को जोड़ने वाले एटा में विद्युत संयंत्र के लिए रेल साइडिंग कार्य के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्शी सेवाएं
- खुरजा, उत्तर प्रदेश में विद्युत संयंत्र के लिए विद्युतीकरण सहित रेल साइडिंग कार्य के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्शी सेवाएं।
- नया रायपुर में तेल परिशोधनशाला के लिए रेल साइडिंग परियोजना के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्शी सेवाएं।
- उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल संपर्क हेतु पुलों की डिजाइन परामर्शी सेवाएं और तकनीकी लेखापरीक्षा।
- बोत्सवाना में त्शेसबे-मासुंगा सड़क परियोजना और गुयाना में ओग्ले-एक्ल्स चरण-I सड़क परियोजना का संनिर्माण पर्यवेक्षण।
- ग्वालियर विमानपत्तन हेतु परामर्शी सेवाएं।
- कोलकाता के कालीघाट स्काईवॉक हेतु परामर्शी सेवाएं।
- दुलियाजन को मिनी स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए अवसंरचना का व्यवहार्य डिजाइन।
- दुगाराजापत्तनम और पारादीप पत्तनों के निकट पोत निर्माण सुविधाओं के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट।
- डूंगरपुर-रतलाम दूरी में सुरंगों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और भू-तकनीकी जांच।
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के लिए लगभग ₹24,300 करोड़ की सड़क परिसंपत्तियों के मौद्रिकीकरण हेतु संव्यवहार परामर्श।

जयनगर बरडीबस रेल लिंक परियोजना, इरकॉन

सर्वप्रथम-प्रौद्योगिकी विधि

राइट्स साहसी महत्वाकांक्षाओं और सुमापित निष्पादन के साथ भविष्य अवसंरचना को साकार कर रहा है। राइट्स द्वारा विकसित और सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में संस्थापित वीआईएसटीएआर (पटरियों के लिए आर्टिफिशयल इंटैलिजेंस द्वारा दृश्य निरीक्षण प्रणाली) पहल, एक एआई-समर्थित पटरी निरीक्षण प्रणाली है जो 6 औद्योगिक कैमरों का उपयोग करते हुए प्रति 130 मीटर पटरी पर 7,800 छवियों को कैप्चर करती है - जिसकी प्रायोगिक परियोजना सेल भिलाई के साथ शुरू की गई है। इसके अतिरिक्त, राइट्स ने परियाजना सुपुर्दगी का संवर्धन करने के लिए बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम) और डिजिटल मोबिलिटी समाधानों के उपयोग को बढ़ाया है।

पुरस्कार

- ईटी रेल प्रदर्शनी में अयोध्या धाम जंक्शन के स्टेशन डिजाइन और विकास कार्यों में उत्कृष्टता
- वित्तीय प्रतिवेदन में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई 'गोल्ड' पुरस्कार
- सर्वोत्तम प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन के लिए एसएएफए 'मेरिट प्रमाणपत्र'
- ईटी रेल प्रदर्शनी में हरित रेलवे (आरईएमसी लिमिटेड) के लिए रेल विद्युतीकरण में नवोन्मेष
- इंडिया नेट जीरो लीडरशिप कोटि में 'इंडिया क्लाइमेट सम्मान अवार्ड 2025' (आरईएमसी लिमिटेड)
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-गुरुग्राम द्वारा हिंदी कार्यान्वयन में उत्कृष्टता

इरकॉन, मुख्यालय

इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन)

28 अप्रैल 1976 को इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड (इरकॉन), नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (पीएसयू), जिसे पहले इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, को मुख्यत: भारतीय रेलों की विशेषज्ञता के साथ देश और विदेश में रेल अवसंरचना के निर्माण और विकास के उद्देश्य से निगमन किया गया था।

इसके परिचालन के 49 वर्षों के दौरान कम्पनी ने अन्य क्षेत्रों यथा राजमार्ग, सुरंगों, पुलों, उपरि पुलों, ऊपरी पैदल पुलों, एयरपोर्ट हैंगर और रनवे, मेट्रो रेल तथा भवनों (औद्योगिक, वाणिज्यिक एवं आवासीय परिसरों), ईएचवी ट्रांसमिशन लाइन एवं ग्रिड सब-स्टेशन, औद्योगिक विद्युतीकरण, सिगनल-प्रणाली तथा दूरसंचार प्रणाली, हाई स्पीड रेलवे, समर्पित माल यातायात गलियारा आदि में मूलभूत सक्षमता का विविधीकरण और विकास किया है। विदेशी परियोजनाओं से इसकी प्रमुख व्यापारिक हिस्सेदारी को देखते हुए 17 अक्टूबर, 1995 से कंपनी का नाम ''इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड'' कर दिया गया।

इरकॉन अपने 49 वर्षों के परिचालन के दौरान अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की शीर्ष रैंकिंग की निर्माण कंपनी के रूप में उभरी है और इसने कई प्रतिष्ठित परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया है। अभी तक इरकॉन ने भारत में लगभग 405 अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और पूरे विश्व में 25 से अधिक देशों में 130 परियोजनाओं को पूरा किया है।

इरकॉन कई एशियाई और अफ्रीकी देशों में अवसंरचना के विकास में सक्रिय रूप से कार्यरत है। कंपनी ने अपने अनुभव और साथ ही विशेषज्ञता से मलेशिया में 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की एक मेगा परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा कर उसे चालू किया है, जो कि विदेशों में किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा पूरी की गई सबसे बड़ी परियोजना है। साथ ही, इरकॉन द्वारा श्रीलंका, बांग्लादेश, अल्जीरिया, नेपाल में रेल परियोजनाओं और म्यांमार में सड़क परियोजनाओं का भी निष्पादन किया जा रहा है।

साझा भूमि सीमाओं के साथ, पड़ोसी देशों के रूप में भारत, नेपाल और बांग्लादेश के साथ मित्रता और सहयोग का एक अनोखा संबंध रखता है। द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाते हुए, इरकॉन द्वारा नेपाल और बांग्लादेश के लिए रेल संपर्कता परियोजनाओं को कार्यान्वित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं में जोगबनी, भारत और विराटनगर, नेपाल तथा जयनगर, भारत और बार्दिबा, नेपाल के बीच नई बड़ी रेल लाइनों का निर्माण कार्य (अखौरा (बांग्लादेश)-अगरतला (भारत) रेल संपर्क के डिजाइन और निर्माण के कार्य के साथ-साथ) शामिल है।

भारत में, इरकॉन ने कई प्रतिष्ठित परियोजनाएं कार्यान्वित की हैं जो वैश्विक अवसंरचना के मानचित्र पर देश के उदय का प्रतीक है। कम्पनी, जम्मू एवं कश्मीर में सबसे बड़ी रेल निर्माण परियोजना में शामिल है। सिक्किम से रेल संपर्क स्थापित करने के लिए इरकॉन, उत्तर बंगाल के सिवोक से सिक्किम के रंगपो तक नई बड़ी रेल लाइन का निर्माण भी कर रही है।

वित्त वर्ष 2024-25 में इरकॉन की उपलब्धियां

सिवोक रंगपो पर सुरंग कार्य, इरकॉन

➢ वित्त वर्ष 2024-25 में, इरकॉन ने निम्नलिखित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है:

- समर्पित माल यातायात गलियारा परियोजना (पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारे के चरण-2 का वैतरणा-सचिन खंड), सिविल, भवन संबंधी और रेलपथ कार्य, महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में पैकेज-सीटीपी 12, मार्ग की लंबाई -186 कि.मी., एनटीसी रेलपथ बिछाने का कार्य-386 रेलपथ कि.मी.(टीकेएम)-3,500 करोड़ रुपये।
- भारतीय ऋण व्यवस्था, रेलपथ पुनर्स्थापन और सहायक कार्य, श्रीलंका के तहत महो से

ओमानथाई तक रेल लाइन का उन्नयन - 637.22 करोड़ रुपये।

- वित्त वर्ष 2024-25 में दिनांक 02.07.2024 को किउल गया दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत वारिस अलीगंज-नवादा खंड (19.5 कि.मी.) को कमीशन किया गया और 05.02.2025 को नवादा-तिलैया खंड (17 कि.मी.) चालू किया गया, इससे किउल गया दोहरीकरण परियोजना (122.80 कि.मी.) को सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया।
- उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल के 20 स्टेशनों पर यांत्रिक सिगनल प्रणाली का विद्युत अंतर्पाशन से प्रतिस्थापन - 241.34 करोड़ रुपये।
- नगरनार में 30 लाख टन प्रति वर्ष एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए रेलपथ (संयंत्र के अंदर) पैकेज संख्या 50 - 52.95 करोड़ रुपये

कोयले का पारवहन

➢ वित्त वर्ष 2024-25 में, इरकॉन ने 2592.41 करोड़ रुपए की परियोजनाएं हासिल की हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, इरकॉन की भारत में चालू प्रमुख परियोजनाओं की कुछ उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:

1. महानदी कोल रेल लिमिटेड, चरण-I (अंगुल-बालाराम खंड-14 कि.मी.) परियोजना के संबंध में, दिनांक 07.09.2024 को बालाराम यार्ड में सिगनल एवं दूरसंचार कार्य चालू कर दिया गया है और इसे परिचालन के लिए पूर्व तट रेलवे को सौंप दिया गया है।
2. रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं में, इरकॉन ने 97 कि.मी. तक फैली 132 किलो वोल्ट संप्रेषण लाइन के साथ-साथ 10 कर्षण उप-स्टेशनों सहित 869 मार्ग कि.मी. प्रति, 1,060 रेलपथ कि.मी. कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया है।
3. 22.04.2024 को कटनी-सिंगरौली दोहरीकरण परियोजना में, विजयसोता-बियोहारी खंड (30 कि.मी.) और 07.10.2024 को जोबा-मरवासग्राम खंड (8 कि.मी.) सफलतापूर्वक चालू किया गया।
4. कटनी ग्रेड सेपरेटर बाईपास परियोजना में, 31.03.2025 को न्यू कटंगी खुर्द स्टेशन से न्यू मझगवां फाटक (16 कि.मी.) के बीच कटनी यूपी ग्रेड सेपरेटर पर परीक्षण चालन सफलतापूर्वक किया गया।
5. 04.06.2024 को अखौरा-अगरतला रेल संपर्क परियोजना में, निश्चिंतपुर यार्ड-अगरतला खंड (4 कि.मी.) नई लाइन को सफलतापूर्वक चालू किया गया। इसे चालू करने के साथ 5.50 कि.मी. ट्रांस बांग्लादेश संपर्कता का संपूर्ण भारतीय भाग का कार्य पूरा कर लिया गया है। 24.03.2025 को अगरतला स्टेशन के पास नव विकसित निश्चिंतपुर यार्ड का भारतीय रेल नेटवर्क में एकीकरण सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
6. 27.06.2024 को यूएसबीआरएल परियोजना में, बसिंदाधार-सांगलदान खंड (17 कि.मी.) नई लाइन कार्य को सफलतापूर्वक चालू किया गया। इसे चालू करने के साथ ही यूएसबीआरएल नई लाइन परियोजना में इरकॉन का संपूर्ण कार्य पूरा कर लिया गया है।
7. 25.03.2025 को कोयला रेल संपर्कता परियोजना, झारखंड में खुरहागोड़ा-कटकमसंदी खंड (2.6 कि.मी.) नई लाइन को सफलतापूर्वक चालू किया गया।
8. वडोदरा मुंबई एक्सप्रेसवे (वीएमई) परियोजना के भोज मोरबे एक्सप्रेसवे परियोजना पैकेज-XVII परियोजना में प्रस्तावित 4.16 कि.मी. लंबी दोहरी सुरंगों की एलएचएस ट्यूब का पारवेधन सफलतापूर्वक पूरा किया गया। केवल 485 दिनों में हासिल की गई यह उपलब्धि, वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस परियोजनाओं के भीतर सबसे तेज सुरंग पारवेधन

को दर्शाती है।

9. मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल पैकेज एमएएचएसआर सी-7 में 08 अदद मार्गसेतु क्रॉसिंग का कार्य, जो मार्गसेतु की कुल लंबाई का लगभग 18.20 कि.मी. (कुल भाग का एक तिहाई) है, सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

पुरस्कार और सम्मान (2024-25)

इरकॉन को कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त कुछ महत्वपूर्ण पुरस्कार और सम्मान निम्नानुसार हैं:

- निर्माण, स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण कोटि के लिए मोकामाँ रेल पुल परियोजना हेतु 15वाँ सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार 2024,:
- 'संविदा एवं निर्माण तथा तकनीकी परामर्शी सेवाएँ (केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम)' कोटि के अंतर्गत डन एंड ब्रैडस्ट्रीट पुरस्कार
- ईएनआर सर्वे 2025 द्वारा प्रकाशित शीर्ष 250 अंतर्राष्ट्रीय संविदाकारों की सूची में 239वाँ स्थान
- ईएनआर सर्वे 2025 द्वारा प्रकाशित शीर्ष 250 वैश्विक संविदाकारों की सूची में 235वाँ स्थान

वित्तीय निष्पादन

वर्ष 2024-25 में, कंपनी ने ₹11,131 करोड़ की कुल आय दर्ज की है। कंपनी द्वारा अर्जित कर पूर्व लाभ ₹939 करोड़ है और करोपरांत लाभ ₹728 करोड़ है। कंपनी का निवल मूल्य ₹6,300 करोड़ है।

रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस)

रेल सूचना प्रणाली केंद्र (क्रिस), जिसे 1986 में रेल मंत्रालय के तहत स्थापित किया गया था, भारतीय रेल की समर्पित सूचना प्रौद्योगिकी शाखा के रूप में कार्य करता है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है और देश के प्रमुख शहरों में क्षेत्रीय कार्यालय हैं। क्रिस विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी समाधानों को विकसित करने, संचालित करने और अनुरक्षित करने के लिए उत्तरदायी है, जो रेल परिचालनों में दक्षता और नवोन्मेष को बढ़ाते हैं।

क्रिस प्रौद्योगिकी के माध्यम से रेल प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण और सुव्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी विशेषज्ञता में व्यवसाय विकास, परिचालनों स्थावर एवं चलायमान अवसंरचना, और केंद्रित आधारभूत प्रणाली के लिए सॉफ्टवेयर समाधानों के साथ-साथ सुदृढ़ सहायता और अनुरक्षण मुहैया कराना शामिल है। यह संगठन सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के निरंतर संवर्धन पर भी ध्यान केंद्रित करता है और सेवाएं प्रदान करने और परिचालनिक निष्पादन में सुधार लाने के लिए मोबाइल अनुप्रयोगों, क्लाउड कम्प्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटैलीजेंस, मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी उदीयमान प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाता है।

परिचालन संबंधी डेटा विपुल मात्राओं के संरक्षक के रूप में, क्रिस डेटा-आधारित निर्णय लिया जाना और रेलवे मंडलों एवं हितधारकों के बीच सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली का सुचारू रूप से

रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (क्रिस)

एकीकरण सुनिश्चित करता है, जिससे राष्ट्रीय रेल नेटवर्क में निर्बाध संचार और समन्वयन साध्य होता है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 की अवधि के दौरान भारतीय रेल की सहायता में क्रिस की कुछ प्रमुख उपलब्धियों और विशिष्टताओं का ब्यौरा निम्नानुसार उल्लिखित है।

क्रिस द्वारा सिगनलिंग अनुरक्षण प्रबंधन प्रणाली

1. व्यवसाय विकास

कॉन्सर्ट चरण-1 का आधुनिकीकरण (एमओसी1) – यात्री आरक्षण प्रणाली – कॉन्सर्ट का आधुनिकीकरण, आरडीबीएमएस पर एमआईएस और ओपन प्लेटफॉर्म सक्षम बनाना – 1ए के लिए: आरडीबीएमएस प्रोजेक्ट पर एमआईएस का कार्य पूरा किया गया है। लेखांकन और डीडब्ल्यू से संबंधित पीआरएटीआईजी, पीआरआईएमईएस, पीआरएबीएएल एप्लिकेशनों को शुरू किया गया। लेखांकन और डीडब्ल्यू से संबंधित यात्री आरक्षण प्रणाली का सभी रिपोर्टिंग कार्य आरडीबीएमएस परियोजना पर एमआईएस के माध्यम से किया जा रहा है। 1बी के लिए: चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली में कुल 13 स्थानों पर 54 टर्मिनलों में चार्टिंग यूआई का प्रायोगिक शुभारंभ किया गया। एएस-आईएस यात्री आरक्षण प्रणाली कार्यात्मकता के अनुसार बैकएंड विकास कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रौद्योगिकी चयन को अंतिम रूप देना और चरण-2 के लिए आर्किटेक्चर को अंतिम रूप देना और अभिगमन कार्यनीति का सूत्रीकरण। मार्च 2018 में उत्तर रेलवे को कार्यात्मक विनिर्देश साझा किए गए। उपयोगकर्ता किराया, सारणीकरण और आबंटन मॉड्यूल द्वारा परीक्षण जनोपयोगी सेवाएं विकसित की गई हैं। स्वचालन परीक्षण टूल का कार्यान्वयन प्रगति पर है।

यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) आधुनिकीकरण (चरण-II) (एमओसी2) – 1,623 टर्मिनलों को शामिल करते हुए भारत में 1,260 बुकिंग स्थानों पर जीयूआई-आधारित बुकिंग एप्लिकेशन को शुरू किया गया। अतिरिक्त मॉड्यूल का विकास, जिसमें किराया, लेखांकन, विदेशी पर्यटक, विकल्प, और बुकिंग तथा पर्यवेक्षी कार्यक्षमताओं के लिए व्यावसायिक स्तर शामिल हैं, जो माइक्रोसर्विस आर्किटेक्चर पर आधारित हैं, अंतिम चरण में है।

भारतीय रेल के लिए सुपर मोबाइल एप (रेल वन) (एसपीएपी) – भारतीय रेल के सभी सार्वजनिक एप्लिकेशन के लिए एकल समाधान। यह एकल साइन-ऑन एक्सेस के साथ एकल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सेवाएँ प्रदान करता है, जिससे कई क्रेडेंशियल्स याद रखने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

अनारक्षित टिकटिंग प्रणाली (16 जोन) (यूटी01) – यूटीएस परियोजना ने 16 क्षेत्रीय रेलों में सर्वत्र अनारक्षित टिकटिंग में व्यापक अपग्रेड उपलब्ध कराए जिससे यात्री सहूलियत और वित्तीय परिशुद्धता का संवर्धन हुआ। यूटीएस ने ई-पास/ई-पीटीओं पर बुकिंग, प्रतिदाय स्थिति की जांच शुरू की जबकि एटीवीएम ने तीव्रत्तर बुकिंग विशेषतंत्र और उन्नत एकीकरण हासिल किए। ग्राहक सेवा मॉड्यूल, नए एमयूटीएस टर्मिनल और हावड़ा में सुव्यवस्थित पार्किंग ने दक्षता को और अधिक बढ़ाया। समानांतर रूप से, यूएम01 परियोजना द्वारा "ट्रांसजेंडर" कोटि, दिव्यांगजनों के लिए रियायत, और विस्तारित क्यूआर कोड और आर-वॉलेट भुगतान के साथ समावेशन को आगे बढ़ाया। बायोमेट्रिक लॉगिन, मार्ग-आधारित टिकटिंग और उच्चतर एटीवीएम रिचार्ज सीमा ने भारतीय रेल में अभिगम्यता, डिजिटल प्रणाली अंगीकरण और परिचालनिक विश्वसनीयता को सुदृढ़ बनाया।

शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सीओएमएस) – सीओएमएस प्रणाली ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसमें वॉइस कॉल रिकॉर्डिंग मॉड्यूल की सफल संस्थापना शामिल है, जो यात्रियों से लाइव फीडबैक संग्रहित करने में सक्षम बनाता है। इस सुधार से रेलवे की क्षमता को सुदृढ़ किया गया है ताकि यात्री सुविधाओं की निगरानी की जा सके, शिकायत प्रबंधन को सुगम बनाया जा सके और समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके, जो बेहतर ग्राहक सेवा और परिचालन कार्य संबंधी पारदर्शिता के

क्रू प्रबंधन पणाली-सी एम एस (क्रिस)

प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इनके साथ एकीकृत किया गया: आईआरसीटीसी ऑन-बोर्ड कैटरिंग कर्मी (ओबीसीएस), सीएमएम के साथ पिछले और अगले पानी भरने के स्थानों का एकीकरण, गाड़ियों के लिए पंजीकृत शिकायतों को दर्शाने तथा गाड़ी टिकट परीक्षक (टीटीई) को की गई कार्रवाई संबंधी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए हैंड हेल्ड डिवाइस (एचएचटी) मॉड्यूल, बहुभाषी सहायता के लिए भाषिणी एपीआई, सुपर ऐप आदि के साथ एकीकरण किया जा चुका है।

माल यातायात परिचालन और अनुरक्षण (एफओएएम) - एफओआईएस प्रणाली ने माल यातायात प्रबंधन, संभार तंत्र और डिजिटल एकीकरण में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की। एफओआईएस प्रणाली से रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देशों को लागू करके बीसीएन में पार्सल लदान, सैन्य यातायात प्राप्तियां और ऑटोमोबाइल मांगपत्र प्रणाली को सुव्यवस्थित किया गया है, इसके साथ ही आयातित कोयले के लिए सीधी मांगपत्र प्रेषण प्रणाली भी प्रस्तुत की गई है। प्रमुख स्टेशनों की परिभाषाओं को अद्यतन किया गया, और वर्चुअल एग्रीगेशन प्लेटफॉर्म के भीतर वीपी गाड़ी मांगपत्र बुकिंग मॉड्यूल को शुरू किया गया। एफओआईएस ने 58 दर संबंधी परिपत्रों को शामिल करके, बांग्लादेश हेतु यातायात के लिए रेक आबंटन प्रणाली डिजाइन करके और उदारीकृत रियायत योजनाओं, निजी माल डिब्बों के लिए शून्य-मूल्य प्राप्तियों, और ई-आरडी मॉड्यूल को सक्षम बनाकर समानांतर प्रगति प्राप्त की। ईआईएमडब्ल्यूबी, सीओए, रेल मदद, जीएसटीएन/एनआईसी, और एमडीएमएस स्टेशन मास्टर डेटा के साथ व्यापक एकीकरण करने से स्वचालन और पारदर्शिता में सुधार आया।

पार्सल प्रबंधन प्रणालियों (आरपीएमएस) का कार्यान्वयन - पार्सल प्रबंधन प्रणालियों (आरपीएमएस) के कार्यान्वयन से प्रमुख स्टेशनों पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जिससे डिजिटल और संचालन क्षमता में सुधार हुआ। यूटीएस-क्यूआर उपकरणों को मंडलों में संस्थापित किया गया, जबकि नए एपीआई और यूआई/यूएक्स उन्नयन से माल यातायात व्यवसाय पोर्टल में छूट के प्रावधानों के साथ पार्सल सेवाओं का समेकन किया गया। आईपीएएस और आईआरईपीएस के साथ एकीकरण से स्वचालित स्टेटमेंट 6बी जेनेरेशन और पट्टा धारिता संबंधी पारदर्शिता में सुधार हुआ। इस प्रणाली में उन्नयन से ई-टीआर बगों, डिजिटल धनवापसी और संवर्धित एमआईएस रिपोर्टों का निवारण हुआ।

भारतीय रेल में कम्प्यूटरीकृत टीटीई लॉबी (पीटीटीएल) का प्रसार - भारतीय रेल सर्वत्र टीटीई लॉबी के प्रसार की परियोजना वास्तविक रूप से 80% पूर्ण हो गई है। वित्तीय रूप से, कुल स्वीकृत लागत ₹16.05 करोड़ में से ₹3.33 करोड़ प्राप्त हुए, और फरवरी 2025 तक ₹1.58 करोड़ का व्यय किया गया। टीटीई लॉबी परियोजना के लिए परिचालनिक और अनुरक्षण संबंधी कार्यकलाप का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया गया, जिसमें 2024-25 के दौरान ₹55 लाख का व्यय किया गया, जो यात्री सेवा संबंधी सुविधाओं के आधुनिकीकरण और नेटवर्क में परिचालनिक दक्षता संवर्धित करने में स्थिर प्रगति को दर्शाता है।

भारतीय रेल में प्रतिदाय कोचिंग का कंप्यूटरीकरण (सीआरसीआर) - यह एप्लिकेशन प्रतिदाय मामलों के सभी चरणों की कार्यात्मक आवश्यकताओं को शामिल करता है। यह एप्लिकेशन विभिन्न एमआईएस रिपोर्टों और मामलों की स्थिति की जांच करने की सुविधा भी प्रदान करता है। मुख्य कार्यकलाप (2024-25): आरक्षित ई-टिकटों में टीडीआर प्रक्रिया के माध्यम से प्रस्तुत किए गए आवेदनों के प्रतिदाय का त्वरित प्रक्रमण और अनुमोदन साध्य बनाने हेतु एक दिन में प्रतिदाय का कार्यान्वयन, प्रतिदाय प्रक्रिया का स्वचालन और आद्योपांत डिजिटलीकरण प्रारंभ में इस प्रक्रिया के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलों के प्रतिदाय कार्यालयों द्वारा प्रतिदाय संसाधित करने में 50 से अधिक दिन लगते थे, जिसे एक दिन में प्रतिदाय के नए मॉड्यूल के कार्यान्वयन द्वारा 1-2 दिनों तक कम कर दिया गया।

केंद्रीकृत भुगतान प्रणाली (सीपीएस) – केंद्रीकृत भुगतान प्रणाली (सीपीएस) को भारतीय रेल की सभी सेवाओं में रेल वन ऐप के माध्यम से निर्बाध डिजिटल लेनदेन साध्य बनाने के लिए डिजाइन किया

गया है। भारतीय स्टेट बैंक के ऑर्केस्ट्रेटर-आधारित पेमेंट गेटवे को एकीकृत करके, सीपीएस प्रणाली विभिन्न प्रकार के लेनदेन में सहायता एरेगी, जिसमें आरक्षित टिकटिंग, अनारक्षित टिकटिंग, पार्सल, और आर-वॉलेट रिचार्ज शामिल हैं। यह ग्राहक द्वारा उपयोग की जाने वाली सभी रेल एप्लिकेशन के लिए एक एकीकृत भुगतान प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगी, जो सेवाओं में सर्वत्र कुशल संस्थापना के लिए मापनीय अवसंरचना, सुदृढ़ प्रतिदाय तंत्र और एपीआई-आधारित एकीकरण मुहैया कराएगी।

क्रिस द्वारा शिकायत प्रबंधन प्रणाली

2. परिचालन, संरक्षा और सुरक्षा

नियंत्रण कार्यालय एप्लकिशेन (सीओए) - मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार, नियंत्रण कार्यालय एप्लिकेशन (सीओए) ने आरईएमसलओटी/आरटीआईएस के जीपीएस-सक्षम उपकरणों के माध्यम से दैनिक आधार पर रियल टाइम डेटा करते हुए अपडेट की गई 6.1 लाख दैनिक रेलगाड़ी घटनाओं और 9,600 से अधिक सक्रिय रेलइंजनों एवं मोटरकैबों के साथ कम्प्यूटरीकृत रेलगाड़ी नियंत्रण की मुख्याधार के रूप में अपने कार्य का सुदृढ़ीकरण किया। एंटरप्राइज सर्विस बस के माध्यम से एकीकरण 261 से बढ़कर 420 (मार्च 2025 तक) हो गया, जिससे रेल एप्लिकेशनों में सूचना का आदान-प्रदान निर्बाध बना। प्रमुख प्रगतियों में रेलइंजन लगाने का सत्यापन, ब्लॉक-सेक्शन जीएमटी डेटा, माल बीपीसी एकीकरण, लदान पूर्वानुमान और चरण -1 आरओमफ पूर्वानुमान सेवाएं शामिल थीं। कार्यात्मक उन्नयन ने वंदे भारत मोटर कैब डेटा, यातायात परामर्शिका रद्दकरण, कर्मीदल स्वैप और होवर-आधारित बीपीसी विवरण को साध्य बनाया, जबकि सीएमएस, एफओआईएस और एमडीएमएस एकीकरणों ने परिचालन चौकसी का संवर्धन किया। कुल मिलाकर, इन सुधारों ने निर्बाध रियल टाइल निर्णय लेने के साथ नियंत्रकों का सशक्तीकरण किया और राष्ट्रव्यापी रेलगाड़ी प्रबंधन में परिशुद्धता का सुदृढ़ीकरण किया।

एकीकृत कोचिंग प्रबंधन प्रणाली (सीओआईएस) - आईसीएमएस ने परिसंपत्ति आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए स्थिर कार्यप्रदर्शन का प्रदर्शन किया। रेलगाड़ी सेवाओं के लिए जीएमटी गणना का सीओए के साथ सफलतापूर्वक एकीकरण किया गया, और टीएमएस, एसएमएमएस, आरएसएमएस, एफएमएम, टीडीएमएस, सीएमएम, एसएलएएम, और एमडीएमएस के साथ व्यापक सहलग्नताओं ने रियल टाइम परिसंपत्ति विफलता अंकन, सत्यापन और रेलइंजनों, सवारी डिब्बों, माल डिब्बों के साथ सर्वत्र निर्बाध डेटा साझाकरण को साध्य बनाया। रेलवे बोर्ड के निर्देशों के अनुरूप रेलगाड़ी मांग मॉड्यूल विकसित करने के साथ दिसंबर 2024 में एक महत्वपूर्ण मील-पत्थर हासिल किया गया था। इस मॉड्यूल ने रेलगाड़ी यात्रा की मांगों को बढ़ाने के लिए प्राइम्स का सशक्तीकरण किया, सीपीटीएम कार्यालयों में समीक्षा करना साध्य बनाया और रेलवे बोर्ड के लिए अनुरोधों को स्वीकार करने या अस्वीकार करने अनुमेय किया। 2025 के प्रारंभ में शुरु किए गए, इस मॉड्यूल ने कार्यप्रवाह को सुव्यवस्थित किया, डेटा-प्रेरित निर्णय लेने को सुदृढ़ बनाया, और कोचिंग परिचालनों में कार्यकुशलता एवं विश्वसनीयता का सुदृढ़ीकरण किया।

ऑपरेशन रिसर्च टूल्स (आरओएमएफ) का उपयोग करके रूट ऑप्टिमाइजेशन मॉडलिंग - क्रिस क्लाउड पर विभिन्न इंटरफेसों और कार्यक्षमताओं के साथ रूट ऑप्टिमाइजेशन टूल (मैनुअल मॉडल) विकसित और तैनात किया गया तथा धनबाद, दीन दयाल उपाध्याय, प्रयागराज एवं भोपाल के नियंत्रकों को क्रिस मुख्यालय में टूल के प्रशिक्षण के साथ-साथ फीडबैक प्राप्त करने एवं कार्यक्षमताओं की समीक्षा करने के लिए आमंत्रित किया गया।

राष्ट्रीय रेलगाड़ी पूछताछ प्रणाली (एनटीईएस) - एनटीईएस वेबसाइट पर लाइव स्टेशन विकल्प के तहत कोच अवस्थिति सुविधा उपलब्ध कराई गई। आईसीएमएस और एनटीईएस एप्लिकेशनों के

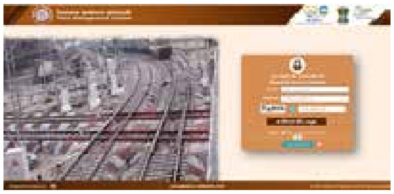

रेलपथ प्रबंधन प्रणाली

बीच एकीकरण पूरा किया गया, जिसने पीटीटी ठहराव स्टेशनों के लिए आईसीएमएस/सैटसैंग से लगभग रियल-टाइम प्लेटफॉर्म नामांकनों को साध्य बनाया। इसके अतिरिक्त, यात्रियों को मार्ग-परिवर्तित रेलगाड़ियों के बारे में अधिक विस्तृत जानकारी उपलबध कराने के लिए रेलगाड़ी मार्ग-परिवर्तन मॉड्यूल में संवर्द्धन शुरू किए गए।

रियल टाइम रेलगाड़ी सूचना प्रणाली (आरटीआईएस) – रियल-टाइम रेलगाड़ी सूचना प्रणाली (आरटीआईएस) ने सवारी डिब्बा रेलगाड़ियों के लिए लगभग 75% नियंत्रण चार्टिंग और बिजली रेलइंजनों, ईएमयू, एमईएमयू और वीबी रेलगाड़ियों में संस्थापित 10400 उपस्करों के माध्यम से लगभग 53% समग्र नियंत्रण चार्टिंग को स्वचालित बनाकर रेलगाड़ी नियंत्रण का कायापलट किया। चरण -2 रोलआउट (बोर्ड द्वारा स्वीकृत अतिरिक्त 1800 उपस्करों सहित), अअमासं द्वारा अनुमोदित फिटमेंट योजनाएं और 62 रेलइंजन शेडों एवं 8 पीयू/ईएमयू-एमईएमयू शेडों में संस्थापना/एकीकरण प्रमुख मील-पत्थर हैं।

कर्मीदल प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) – सीएमएस में प्रमुख संवर्द्धन देखे गए, जिनसे भारतीय रेल में सर्वत्र कर्मीदल परिचालन और रिपोर्टिंग सुचारू बने। प्रमुख उपलब्धियों में नए डैशबोर्ड, एमडीएमएस एकीकरण, उन्नत ड्यूटी घंटे अनुवर्तन और कर्मीदल विश्राम प्रबंधन शामिल थे। चालकदल ऐप को इमेज कैप्चर, स्पीच-टू-टेक्स्ट रिपोर्टिंग और रियल-टाइम लोको/बीपीसी अपडेट्स के साथ अपग्रेड किया गया। एमआईएस रिपोर्ट ने मंडल-स्तरीय विश्लेषण को साध्य बनाया, जबकि नए मॉड्यूलों ने सीटीओ/सीएमओ विवरण और चालकदल उपयोग मैट्रिक्स को कैप्चर किया।

3. अचल अवसंरचना

भारतीय रेल में रेलपटरी प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) – रेलपटरी निरीक्षकों के लिए सभी 69 मंडलों में सर्वत्र 'टीएमएस-निरीक्षण' मोबाइल ऐप विकसित और लोकार्पित किया गया जिसने भौगोलिक अवस्थिति आधारित रेलपटरी परिसंपत्ति निरीक्षणों को सुचारू बनाया। एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफार्मों पर उपलब्ध, यह टीएमएस प्रणाली के साथ एकीकृत होती है और इस समय इसमें चार प्रमुख रेलपटरी परिसंपत्तियां शामिल हैं: कांटे एवं पारण, समपार, वक्र और दीर्घ वेल्डित पटरी।

पूरे भारत में रेलपटरी मशीन अनुरक्षण एवं प्रबंधन प्रणाली (टीएमएमएमएस) – रेलपटरी मशीन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएमएस) एक वेब एप्लिकेशन है जो भारतीय रेल में सभी रेलपटरी मशीनों के प्रबंधन के लिए डिजाइन किया गया है। हाल ही में, इंजीनियरी विभाग के तहत कार्यरत सभी मशीनों के लिए अखिल भारतीय आधार पर रेलवे बोर्ड के सदस्य (अवसंरचना) द्वारा इसका लोकार्पण किया गया था।

पूरे भारत में पुल प्रबंधन प्रणाली (आईबीएमएस) – मानसून पुस्तिका तैयार करने की प्रक्रिया को डिजीटल कर दिया गया है और एप्लकिशन के माध्यम से मानसून पुस्तिका जेनरेट की गई थी। पुलों के तकनीकी निरीक्षण के लिए एक मॉड्यूल भी विकसित किया गया था।

सुरंग अनुरक्षण एवं प्रबंधन प्रणाली (टीयूएमएस) – सुरंग अनुरक्षण एवं प्रबंधन प्रणाली (टीयूएमएस), एक नया वेब-एप्लिकेशन बेहतर आयोजना और प्रबंधन हेतु ड्राइंगों के साथ एक केंद्रीकृत निधान में सुरंग मास्टर एवं निरीक्षण डेटा को डिजिटलीकृत और समेकित करने हेतु विकसित किया गया है। मुख्य विशेषताओं में मुख्यालय तक उनके समीक्षा कार्यप्रवाह सहित सुरंग मास्टर, भारतीय रेल पुल नियमावली में अनुसूचित कार्यक्रम के अनुसार मानसून-पूर्व और मानसून-पश्चात निरीक्षण शामिल हैं। इसके अलावा, यह एप्लिकेशन टीयूएमएस का अभिगमन करने के लिए अलग लॉगिन की आवश्यकता के बिना बीएमएस एप्लिकेशन के साथ निर्बाध रूप से एकीकृत है।

पूरी भारतीय रेल में सिगनल-प्रणाली अनुरक्षण प्रबंधन प्रणाली (एसएम2एस) के प्रवर्तन का कार्यान्वयन - एसएम2एस परियोजना भारतीय रेल में सर्वत्र पूर्ण पैमाने पर कार्यान्वयन तक पहुंच गई है, जो डिजिटल सिगनल-प्रणाली अनुरक्षण में एक मील-पत्थर है। जम्मू मंडल को एसएमएमएस में जोड़ा गया, और मंडलों ने उन्नत उपस्कर के लिए जीवट आयु मॉड्यूलों के साथ 1 लाख परिसंपत्तियों के दैनिक अनुरक्षण का प्रबंधन किया गया। इस प्रणाली को 3.5 लाख दैनिक रिकॉर्डों तक बढ़ाया गया, 33 लाख परिसंपत्तियों का डिजिटलीकरण किया गया, और एक एकल सप्ताह में 1 लाख प्रविष्टियां दर्ज की गईं। 24x7 क्रिस की सहायता के माध्यम से सपोर्ट 18,000 उपयोगकर्ताओं तक पहुंच गयी। एचआरएमएस और आरडीपीएम, नए एमआईएस और कमेटी मॉड्यूलों के साथ प्रमुख एकीकरणों, और एमएसडीएसी एसीएम200, ईआई एचआईएमए, और कवच शेड्यूल जैसे परिसंपत्ति परिवर्धनों ने सिगनल-प्रणाली में कार्यकुशलता, विश्वसनीयता और डिजिटल कायापलट का सुदृढ़ीकरण किया।

माल यातायात अनुरक्षण प्रबंधन की शुरूआत

पूरे भारत में कर्षण वितरण प्रबंधन प्रणाली (आईआरटीडी) - फोकसशुदा क्षमता-निर्माण पहलों के साथ टीडीएमएस परियोजना ने आगे प्रगति की। रेलवे के अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए नई प्रगति जैसे एकीकृत ब्लॉक मॉड्यूल, अलर्ट डैशबोर्ड और व्यापक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए, जिससे उन्हें भारतीय रेल में कर्षण वितरण प्रबंधन प्रणाली को कुशलतापूर्वक परिचालित करने और प्रबंधित करने के लिए आवश्यक ज्ञान एवं कौशलों से सुसज्जित किया गया। इस आधार प्रशिक्षण ने पूरे भारत में टीडीएमएस को प्रारंभ करने के लिए नींव तैयार की, जिससे सभी क्षेत्रीय रेलों में सर्वत्र सुसंगत परिचालन तत्परता और कारगर प्रणाली का उपयोग सुनिश्चित किया।

इंडियन रेलवे नेटिव आईओटी आधारित फील्ड एनालिसिस टेलीमेट्री, रिकॉर्डिंग एंड कंट्रोल (आईआर-एनआईएएनआरएसी) प्रोजेक्ट (आईएनवाईटी) - आईआर-एनआईएएनआरएसी परियोजना को विभिन्न विद्युत परिसंपत्तियों से जुड़े स्मार्ट उपकरणों (आईओटी उपकरणों) और इसकी ऊर्जा निगरानी से स्वत: ऊर्जा डेटा कैप्चर करने के लिए विकसित किया गया है। परिसंपत्तियों का एकीकरण अर्थात पंप, एस्केलेटर, लिफ्ट, 30-70 स्टेशन प्रकाश-व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और फीडरों की सब-मीटरिंग चालू है। डैशबोर्डों को नए सिरे से विकसित करना, परिसंपत्तियों के नए मापदंडों को कैप्चर करना और रेलवे के अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए व्यापक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

भारतीय रेल में भूमि प्रबंधन सूचना प्रणाली (प्रथम चरण) (रेल भूमि क्रासिंग सेवा) (एलएएमएस) - एक केंद्रीकृत आईटी एप्लिकेशन रेल अधिकारियों को पारदर्शी तरीके से कहीं भी कभी भी भूमि से संबंधित जानकारी को एक्सेस करने में मदद करेगा। इसका उपयोग भूमि स्वामित्व और उपयोग, खाली भूमि भूखंड, अतिक्रमण, पट्टा लाइसेंस और रेलपथ समपार अनुमोदन, आवधिक निरीक्षण, राज्य-वार क्षेत्रफल और उत्परिवर्तन विवरण से संबंधित एमआईएस रिपोर्ट को कैप्चर और प्राप्त करने के लिए किया जाता है।

4. चल अवसंरचना

कोचिंग के लिए अनुरक्षण मॉड्यूल (सीडीएमएम) - कोचिंग अनुरक्षण मॉड्यूल (सीएमएम) चरण-I को सफलतापूर्वक शुरू किया गया, जिससे अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ निगरानी और रिपोर्टिंग टूल्स के साथ डिपो परिचालनों का कायापलट हुआ। प्रमुख उपलब्धियों में संरक्षा, गर्त लाइन अधिभोग, कॉयल स्प्रिंग खराबियों और रेक अनुरक्षण संबंधी व्यापक रिपोर्टों के साथ-साथ डिपो अवसंरचना, ईंधन-भराई स्टेशन डेटा, पानी सेंसरों और ओबीएचएस/पेंट्री अनुवर्तन को कैप्चर करना शामिल हैं। कार्यात्मक उन्नयन ने एफओआईएस, डब्ल्यूआईएमई और रेलकेयर के निर्बाध एकीकरण के साथ छोटी लाइन के सवारी डिब्बों का पुन: क्रमांकन, वंदे भारत रेक एकीकरण, पहिया परिच्छेदिकाकरण, जैव-शौचालय परीक्षण और बीपीसी जेनरेशन को साध्य बनाया। 98.5-100% अपटाइम और 2,500 से

भारतीय रेल परियोजना स्वीकृति एवं प्रबंधन

अधिक मानव-घंटों के प्रशिक्षण के साथ, सीएमएम ने डैशबोर्ड, क्यूआर-आधारित अग्निशामन अनुवर्तन, स्वत: चालकदल स्थापन, और ओबीएचएस कर्मचारियों को काली सूची में डालना, ड्राइविंग पारदर्शिता, अनुपालन और अनुरक्षण परिचालनों में कार्यकुशलता प्रदान की।

माल यातायात अनुरक्षण प्रबंधन (एफएमएमआर) का प्रारंभ - एफएमएम मॉड्यूल ने 11,000 से अधिक मासिक बीपीसी जेनरेशन और 250 से अधिक माल यार्डों में 1.3 लाख बीपीसी के संचयी कुल जोड़ के साथ सुदृढ़ अंगीकरण हासिल किया। तकनीकी उन्नयन ने कैमटेक, कार्रवाई-योग्य खराबी प्रहस्तन और संवर्धित मालडिब्बा आरएससी के साथ सुमेलित चार-स्तरीय त्रुटि संहिताकरण की शुरुआत की। अतिरिक्त सुधारों में अअमासं और लाइन मास्टर फॉर्मों का उपयोग करते हुए चार चरणों के माध्यम से मालडिब्बा उत्पादन के साथ-साथ रेलवे बोर्ड से रेलवे और गैर-रेलवे फर्मों को मालडिब्बा उत्पादन क्रयादेश स्थापन शामिल थे। एफएमएम ने नाकारा दृश्यता, संशोधित निपज कार्यक्षमता और मूल कारण विश्लेषण के लिए अपसामान्य आरसीए जैसी नई सुविधाओं को शुरू करते हुए मालडिब्बा गणना, रेलइंजन एकीकरण और निपज लक्ष्यों से संबंधित महत्वपूर्ण समस्याओं को सुलझाया। उपयोगकर्ता प्रशिक्षण के 12,500 प्रशिक्षु घंटे पूरे करने के साथ, इस प्रणाली ने कार्यकुशलता, रियल टाइम निगरानी और विश्वसनीयता का अतिरिक्त संवर्धन किया। उत्पादन में डिपो लाइन प्रबंधन, एकल-स्क्रीन मालडिब्बा जांच, विस्तृत डिपो परिच्छेदिकाकरण, और खराबी एवं निरीक्षण के लिए एम एंड पी मॉड्यूल तैनात किए गए।

आरएफआईडी का उपयोग करते हुए स्वचालित वैगन ट्रैक और ट्रेस सिस्टम (आरएफआईडी)

आरएफआईडी में, यह वर्ष पैमाने और कार्यक्षमता दोनों का विस्तार करने के बारे में था। हमने 2.5 लाख चल स्टॉक को टैग करने के लिए निविदा के साथ शुरुआत की और धीरे-धीरे रेलइंजनों, कोच, स्टेशन और वैगन मास्टर्स को एमडीएमएस से जोड़कर सिस्टम का सुदृढ़ीकरण किया। साथ ही अलर्ट, टाइमलाइन, रिपोर्ट जैसे उपयोगी मॉड्यूल को प्रारंभ किया गया। सिस्टम को अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए, 100% वैगन नंबर सत्यापन शुरू किया गया था, और आरएफआईडी फिक्स्ड रीडर में मेनलाइन साइट और ट्रैक लेयर मॉड्यूल कार्यान्वित किए गए थे। हमने एकाधिक बीपीसी से रेक विवरणों को एकीकृत करने पर भी काम किया और एक डिस्पैच कम्पोनेंट मॉड्यूल शुरू किया। प्रौद्योगिकी की दिशा में, आरएफआईडी प्लेटफॉर्म को आयनिक और ऐंगुलर के नवीनतम संस्करणों में अपग्रेड किया गया, जिससे यह भविष्य की आवश्यकताओं के लिए अधिक स्थिर और मापनीय बना। 2,21,998 मालडिब्बों और 32,578 सवारी डिब्बों में टैग लगाए गए, जिनकी सहायता करने के लिए 23 फिक्स्ड रीडर साइटों को चालू किया गया और रेल परेषितियों के लिए प्रशिक्षण के साथ एक टैग वितरण मॉड्यूल की तैनाती की गई।

बिजली रेलइंजन अनुरक्षण एवं परिचालन प्रबंधन के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली (एसएलएएम)

- एसएलएएम एप्लिकेशन - बिजली रेलइंजन अनुरक्षण और परिचालन में प्रमुख प्रगतियां - अअमासं मॉड्यूल: अनुरक्षण निर्देश और आशोधन पत्रक जारी करने की प्रक्रिया को सुप्रवाही बनाया गया जो बेहतर संचार और मानकीकरण सुनिश्चित करती है। पीयू मॉड्यूल: आधुनिकीकरण और लचीलेपन में सहायता करते हुए रेलइंजन विवरणों के लिए अपडेट्स को साध्य बनाया और नए रेलइंजन प्रकारों (जैसे, ईएफ 12 के) की शुरूआत में सहायता की। शेड मॉड्यूल: रियल-टाइम अपडेट्स और फील्ड एक्सेसिबिलिटी को साध्य बनाते हुए कार्यबल के बेहतर प्रबंधन के लिए एचआरएमएस के साथ एकीकृत किया गया और लोकोमित्र ऐप के द्वारा मोबाइल एक्सेस की शुरुआत की गई।

पीओएच एकीकरणः रेलइंजन अनुसूची, वस्तुसूची प्रबंधन और प्रमाणन को शामिल करते हुए यथेष्ट आवधिक ओवरहाल प्रक्रियाएं, जो कार्यकुशलता को प्रेरित करती हैं। उन्नत डैशबोर्डः खराबी विश्लेषण, समयपालन अनुवर्तन, कवच प्रणाली निगरानी और एमटीबीएफ (खराबियों के बीच का माध्य समय) मूल्यांकन के लिए शक्तिशाली टूल्स उपलब्ध कराए गए। डेटा-प्रेरित निर्णय लेने के लिए आरएमएस (रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम) और हेल्थ डेटा एकीकरण के माध्यम से इनका अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण किया गया। सुरक्षा और प्रशिक्षणः कर्मचारियों और अधिकारियों के व्यापक प्रशिक्षण के साथ-साथ सुदृढ़ सुरक्षा उन्नयनों और सत्यापन जांचों को क्रियान्वित किया गया जिससे सुचारू अंगीकरण, अनुपालन और परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित हुई।

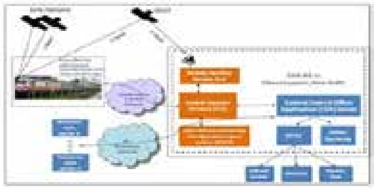

रियल टाइम गाड़ी सूचना प्रणाली (आर टी आई एस)

5. क्षमता विस्तार और विकास

भारतीय रेल परियोजनाएं स्वीकृतियां और प्रबंधन (आईआरपीएसएम) - आईआरपीएसएम एप्लिकेशन का उपयोग परियोजनाओं को स्वीकृति देने और उसके बाद उनके प्रबंधन के लिए किया जाता है। इसमें स्वीकृत परियोजनाओं/निर्माण-कार्यों की प्रगति की निगरानी करना भी शामिल है। प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर दिव्यांगजन सुविधाओं की निगरानी करने के लिए पीएएमएस (यात्री सुविधा प्रबंधन प्रणाली) का संवर्धन किया गया। पूरे भारत में 100 करोड़ से अधिक की लागत वाले निर्माण-कार्यों की निर्बाध निगरानी करने के लिए एनआईपी (नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन) पोर्टल के साथ एकीकरण किया गया। अध्यक्ष रेलवे बोर्ड की निगरानी, बोर्ड की निगरानी वाले निर्माण-कार्यों आदि की निगरानी करने के लिए डैशबोर्ड विकसित किए गए। भारतीय रेल में आर्थिक गलियारा निर्माण-कार्यों (अर्थात ऊर्जा गलियारा निर्माण-कार्य, पत्तन गलियारा निर्माण-कार्य, एचडीएन गलियारा निर्माण-कार्य) और एफएलएस (अंतिम स्थान-निर्धारण सर्वेक्षण) से लेकर परियोजना स्वीकृति तक इसके विभिन्न चरणों की निगरानी के लिए मॉड्यूल विकसित किया गया।

भारतीय रेल निर्माण-कार्य संविदा प्रबंधन प्रणाली (आईआर-डब्ल्यूसीएमएस) - आईआर-डब्ल्यूसीएमएस एप्लिकेशन एलओए (स्वीकृति पत्र) जारी किए जाने के बाद आईपीएएस के माध्यम से बिलिंग और इसके भुगतान के साथ-साथ आईआरईपीएस से संविदा के पूरा होने तक निर्माण-कार्य संविदा प्रबंधन की जरूरतों को पूरा करता है। ईपीसी संविदा सम्हलाई को सभी इकाइयों में कार्यान्वित किया गया ताकि बिलिंग प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके और संविदाओं को कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया जा सके। ई-एमबी (मेजरमेंट बुक) फिलिंग एंड जेनरेशन को ठेकेदारों को दिया गया था ताकि बेहतर संविदा निष्पादन और निर्माण-कार्य की गति बढ़ाने के लिए उनका सशक्तिकरण किया जा सके। संविदा प्रबंधन को कार्यकुशल, पारदर्शी और सुचारू बनाने के लिए सभी इकाइयों में पीएमएस/पीएसएसए एजेंसियों के माध्यम से सेवा संविदा सम्हलाई को भी कार्यान्वित किया गया था।

6. वित्त

भारतीय रेल में एकीकृत वेतनपत्रक और लेखांकन प्रणाली (आईपीएएस) - आईपीएएस ने वेतनपत्रक, पेंशन, लेखा और कार्यशाला प्रबंधन में प्रमुख मील-पत्थर हासिल किए, जिससे भारतीय रेल में सर्वत्र आधुनिकीकरण प्रेरित हुआ। एआरपीएएन पेंशन मॉड्यूलों का निर्बाध अभिगमन किया गया, जबकि एनएसडीएल एकीकरण ने 190 इकाइयों में एनपीएस अंशदान का विस्तार किया। नीति, लेखापरीक्षा और पूंजीगत व्यय के लिए नए लेखा शीर्षों के साथ-साथ विलंब शुल्क/घाट शुल्क बिलों, महंगाई भत्ता संशोधन, और संवर्धित डीसीआरजी सीमाओं का स्वचालित प्रक्रमण, बेहतर कार्यकुशलता। वेतनपत्रक उन्नयन ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति-आधारित पेंशन, आरसीटी छुट्टी नकदीकरण और अद्यतन कर स्लैबों को साध्य बनाया। डब्ल्यूएएमएस मॉड्यूल ने कार्यशाला परिचालनों का सुदृढ़ीकरण किया

जिसमें एमएसएमई बिलों और पीओएस/यूपीआई लेखा-समाधानों के लिए एमआईएस डैशबोर्डों ने सहायता की। अतिरिक्त उपलब्धियों में ई-/जी-उचंत और बीआई डैशबोर्डों के लिए निर्धारित भावी लक्ष्यों के साथ पूर्व-प्रदत्त रेलगाड़ी अग्रिम, एलडी कटौतियां, ईवेबिल एकीकरण और उत्पादकता सम्बद्ध बोनस भुगतान शामिल थे।

यातायात लेखा प्रबंधन प्रणाली (टीएएमएस) – एसएमआरटीआई मॉड्यूल में जीएमटी/जीटीकेएम डेटा प्रदर्शित करने के लिए सीओए, यूसी 3 और टीएमएस के साथ आवश्यक विकास और एकीकरण किया गया। एफओआईएस, यूटीएस, पीआरएस, आईसीएमएस और सीएमएस जैसे विभिन्न एप्लिकेशनों के साथ एकीकरण के बाद एसएमआरटीआई मॉड्यूल में लगभग 10 एमएसएस और 07 एएसएस दिखाए गए थे। यूटीएस-सीबीएस के साथ ईटीआर और वन-टू-वन मैपिंग, ट्रैफिक बुक पार्ट डी, एफओआईएस के साथ मल्टीकार्ट भुगतान एकीकरण और डाक बिल संविभाजन को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया। ओरेकल डीबीए लाइसेंस का प्रापण, संस्थापना और प्रवर्तन भी पूरा किया गया था।

7. मानव संसाधन

भारतीय रेल के लिए मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) – पिछले एक वर्ष में, हमारे एचआरएमएस मॉड्यूल में महत्वपूर्ण संवर्धन हुए हैं जिनका लक्ष्य भारतीय रेल में सर्वत्र कर्मचारियों के लिए प्रक्रियाओं को सुप्रवाही बनाना और अभिगम्यता में सुधार लाना था। प्रमुख पहलों में पूरे भारत में आरक्षण रोस्टरों, रेलवे बोर्ड और जोनल एसएवीई डैशबोर्डों स्थिति और रेलवे वीक अवार्ड्स पोर्टल शुरु करना शामिल था। हमने ड्यूटी चेक पास मॉड्यूल, एक उन्नत वन-वे रिक्वेस्ट ट्रांसफर मॉड्यूल भी शुरू किया, और सभी कर्मचारियों के लिए छुट्टी पंजिकाएं उपलब्ध कराई। इसके अलावा, राजपत्रित अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल, सीजीए मॉड्यूल (प्रायोगिक आधार पर), और पदोन्नति (उपयुक्तता) मॉड्यूल (परीक्षण के लिए) शुरू किए गए, जिससे डिजिटल एचआर पद्धतियों का अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण हुआ। ये प्रगतियां संगठन के अंदर अपेक्षाकृत अधिक पारदर्शिता, कार्यकुशता और कर्मचारी सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़े कदम को दर्शाती हैं।

8. प्रापण

ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम - चरण I (ईपीएस) – ईपीएस प्रथम-I ने आईआरईपीएस प्लेटफॉर्म के लिए महत्वपूर्ण संवर्द्धन उपलब्ध कराया जिससे भारतीय रेल के लिए ई-प्रोक्योरमेंट और ई-ऑक्शन प्रक्रियाओं में सुधार हुआ। उल्लेखनीय उन्नयनों में बेहतर मौद्रिकीकरण, रद्द की गई वाणिज्यिक संविदाओं की बहाली हेतु रेक लिंक आईडी के लिए लिंक्ड यूनीक परिसंपत्ति आईडी, तथा नई ई-ऑक्शन उपकोटियों यथा खुदरा, विरासत पर्यटन, मोबाइल सेवाएं और विज्ञापन का परिवर्धन शामिल थे। ओटीपी-आधारित प्रमाणीकरण, विक्रेता के दावों को रसीद दस्तावेजों से जोड़ने और एएमसी निविदा अवधि को 10 से 15 वर्ष तक बढ़ाने के साथ सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण किया गया था। ई-टेंडर मॉड्यूल ने जेवी/कंसोर्टियम प्रबंधन, ईपीसी अनुसूची वर्गीकरण, और एआई-संचालित विक्रीत दर खोजों की शुरुआत की गई। नई रिकवरी रिपोर्टों के साथ आरडीएसओ सुपर-चेक और टीपीआई मॉड्यूल का संवर्धन किया गया। पट्टा संविदाओं में अनुमोदन कार्यप्रवाहों, जुर्माना प्रवर्तन, बोलीदाता घोषणाओं और परिसंपत्ति उपयोग निगरानी में सुधार देखा गया। ई-ऑक्शन (विक्रय) मॉड्यूल का स्प्रिंग बूट में अभिगमन कर दिया गया, जिससे सुरक्षा और मापनीयता में सुधार आया, और देश भर में इसकी शुरुआत की गई। अतिरिक्त कार्यक्षमता में धरोहर राशि प्रतिदाय प्रबंधन, बोली राशि का शब्दों में प्रदर्शन और संवेदनशील डेटा को छिपाना शामिल था। यूवीएएम के साथ एकीकरण और मूल्य करारनामा निविदाओं के लिए बहु-क्षेत्रीय कन्साइनी को तैनात किया गया था, जिससे अपेक्षाकृत

अधिक परिचालनिक कार्यकुशलता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई।

भारतीय रेल के लिए ईआरपी आधारित एकीकृत एमएमआई (आईएमआईएस) का कार्यान्वयन – आईएमआईएस परियोजना ने भारतीय रेल के लिए ईआरपी-आधारित सामग्री प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएमएमएस) का संवर्धन करने में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की। प्रमुख मील -पत्थरों में रेलवे स्टेशनों पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों (पीएमबीजेके) की परिचालनिक शुरुआत शामिल थी, जिसमें मानकीकृत तीन वर्ष की संविदाएं और सुमेलित भुगतान अनुसूचियां शामिल थीं। आईएमएमएस में, सख्त नियंत्रण शुरू किए गए: यूडीएम में सीआरएन जेनरेट होने के बाद पीओ मात्रा को अशोधनीय बनाया गया, और निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी होने के बाद ही आंशिक रद्दीकरण की अनुमति दी गई।

9. विश्लेषिकी

भारतीय रेल के लिए एक डैशबोर्ड – ई-दृष्टि (डीआरएसटी) का संवर्धन - भारतीय रेल के लिए एक डैशबोर्ड - ई-दृष्टि ने परिचालनिक निगरानी और डिजिटल रिपोर्टिंग में महत्वपूर्ण प्रगति को चिह्नित किया। दैनिक अनुमानित आय और वर्तमान आय रिपोर्टों को विकसित किया गया और दैनिक रूप से एमओबीडी मेल को भेजा जाना स्वचालित बनाया गया जिससे समय पर वित्तीय निरीक्षण का संवर्धन हुआ। रेलवे बोर्ड वार रूम में कुंभ रेलगाड़ियों की निगरानी करने के लिए एक समर्पित व्यवस्था को कार्यान्वित किया गया था, जिससे माननीय रेल मंत्री के कार्यालय को भारत के एक सबसे बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम की कुशलतापूर्वक निगरानी और प्रबंधन करने में समर्थ बनाया। इसके अलावा, ई-दृष्टि मोबाइल एप्लिकेशन का एक नया संस्करण जारी किया गया, जिससे रेल कर्मियों के लिए पहुंच और उपयोगिता में सुधार आया। इन संवर्धन ने रियल टाइम डेटा निगरानी, सुप्रवाही रिपोर्टिंग का संवर्धन किया, और कारगर निर्णय लेने के लिए कार्रवाई-योग्य अंतर्दृष्टि उपलब्ध कराई। वित्तीय, परिचालनिक और घटना-निगरानी क्षमताओं को एकीकृत करके, इन अपडेट्स ने अपेक्षाकृत अधिक स्मार्ट, अधिक प्रत्युत्तरशील रेल प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए क्रिस की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

भारतीय रेल के लिए डेटा लेक और एमएलओपीएस प्लेटफार्म (डीएलएमएल) – भारतीय रेल के लिए डेटा लेक और एआई एमएलओपीएस प्लेटफॉर्म ने स्वीकृति पत्र (एलओए) जारी किए जाने और चयनित बोलीदाता से बैंक गारंटी (बीजी) प्राप्त करने के साथ एक महत्वपूर्ण प्रापण मील-पत्थर हासिल किया। यह डेटा लेक इन्फ्रास्ट्रक्चर और एआई/एमएल ऑपरेशंस प्लेटफॉर्म की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम को चिह्नित करता है, जो भारतीय रेल ईकोसिस्टम में सर्वत्र उन्नत विश्लेषिकी, पूर्वानुमानी मॉडलिंग और डेटा-प्रेरित निर्णय लेना साध्य बनाएगा। यह परियोजना व्यावसायिक उपयोग के मामलों के आधार पर विविधीकृत परिचालनिक, परिसंपत्ति और व्यावसायिक डेटा को एक एकीकृत निधान में एकीकृत करने के लिए मंच स्थापित करती है, जो संवर्धित परिचालनिक कार्यकुशलता और कार्यनीतिक अंतर्दृष्टियों के लिए मापनीयता, सुरक्षा एवं सुप्रवाही एआई/एमएल कार्यप्रवाह सुनिश्चित करता है।

टी.आई.बी.सी.ओ. का उपयोग करके अन्य एप्लिकेशन के साथ इंटरनेट एक्सेस इंटीग्रेशन का आर्काइविंग तथा सीएमएस एप्लिकेशन के लिए लिंक ऑप्टिमाइजेशन (सीसीएलएमएस) (सीएमएसआई) – इस एप्लिकेशन को सफलतापूर्वक संस्थानिक रूप से पुनर्विकसित किया गया, जिससे अर्थपूर्ण समाधान और परिष्करण किए गए। निरंतर होने वाली डीओसी सर्वर की समस्या को सभी डीओसी-संबंधित निर्भरताओं को पूरी तरह से परिवर्तित कर दिया गया है, जिससे किसी पर्सनल कंप्यूटर पर लोकल इंस्टॉलेशन की आवश्यकता नहीं रही। इसके अतिरिक्त, अधिक निर्बाध और कुशल

डब्बल स्टैक कंटनर ट्रेन, कॉनकोर

परिचालन सुनिश्चित करने के लिए यूजर इंटरफेस और समग्र यूजर अनुभव को परिष्कृत किया गया है। प्रमुख कार्यात्मक सुधारों में ईसीआर निर्माण का रेलखंडों के साथ एकीकरण, दैनिक चलने वाली रेलगाड़ियों से इतर रेलगाड़ियों के लिए साप्ताहिक क्रू लिंक का जनरेशन और कार्य निष्पादन में अर्थपूर्ण संवर्धन सम्मिलित है, जिसके फलस्वरूप क्रू लिंक जनरेशन अब कुछ ही मिनटों में पूरा हो जाता है।

भारतीय रेल वित्त निगम लिमिटेड (आईआरएफसी)

दिसम्बर 1986 में पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में स्थापित की गई थी। इसका एकमात्र उद्देश्य रेल मंत्रालय के योजनागत परिव्यय का आंशिक वित्तपोषण करना तथा उसकी विकासमान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बाजार से धनराशि प्राप्त करना था। आईआरएफसी अपने ऋण लेने के वर्ष दर वर्ष वार्षिक लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करता रहा है। यह करमुक्त/करयोग्य बॉन्ड 54 ईसी कैपिटल गेन बॉन्ड जारी करके, बैंक/वित्तीय संस्थानों से सावधिक ऋण प्राप्त करके तथा बाहरी वाणिज्यिक उधार आदि के माध्यम से धनराशि एकत्रित करती है। लोक उद्यम विभाग ने कंपनी को 2016-17 से एमओयू में निर्धारित मापदंडों की तुलना में इसके बेहतर कार्य निष्पादन के लिए ''उत्कृष्ट'' के रूप में मूल्यांकित किया है।

इस कंपनी ने 31 मार्च, 2025 तक रेलवे को ₹3,00,267 करोड़ मूल्य की चल स्टॉक परिसंपत्ति पट्टे पर दी है। आईआरएफसी द्वारा इंजनों, माल डिब्बों तथा सवारी डिब्बों में वित्तपोषण किया गया है। इस उपार्जन से गत वर्षों में भारतीय रेल में यातायात आउटपुट और राजस्व वृद्धि में सहायता मिली है। आईआरएफसी ने 31 मार्च, 2025 तक ₹1,70,039.98 करोड़ के संस्थागत वित्तपोषण के माध्यम से रेल परियोजनाओं को भी वित्तपोषित किया है। इसके अलावा, आईआरएफसी ने 31 मार्च, 2025 तक ईबीआर-एस के तहत ₹55,991.91 करोड़ मूल्य की रेल परियोजनाओं का वित्तपोषण किया है।

आईआरएफसी द्वारा वित्तपोषित चल स्टॉक/परियोजना संबंधी परिसंपत्तियां, रेल मंत्रालय को पट्टे पर दी जाती हैं। मंत्रालय नियमित रूप से आईआरएफसी को पट्टे की राशि का भुगतान कर रहा है।

आईआरएफसी का निरंतर लाभ अर्जित करने में रिकॉर्ड रहा है। इसने अब तक सरकार को ₹12,189.61 करोड़ के लाभांश का भुगतान किया है। इसकी सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और स्थायी साख के आधार पर, इसने तीन प्रमुख घरेलू क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियों से उच्चतम रेटिंग और चार प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियों से 'सम्प्रभुता' के समतुल्य निवेश ग्रेड प्राप्त किया है।

कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकोर)

कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकोर), भारत सरकार, रेल मंत्रालय का एक नवरत्न सीपीएसई है, जिसकी स्थापना मार्च, 1988 में की गई थी और परिचालन नवंबर 1989 से शुरू हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य संपूर्ण भारत में आधुनिक संभार तंत्र संबंधी सुविधाओं और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक पार्कों को विकसित करके व्यापार और उद्योगों को सुविधा प्रदान करना है जो संभार तंत्र क्षेत्र में इसे अग्रणी बनाता है।

कॉनकोर की गाड़ियां लगभग 190 स्थानों पर परिचालित की जा रही हैं, जिनमें देश भर में 66 टर्मिनल, 40 सीआरटी, 12 ई-सीआरटी, 59 निजी साइडिंग और 13 गेटवे पत्तन शामिल हैं। कंपनी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों प्रकार के व्यापार में सेवाएं प्रदान करते हुए अवसंरचना और प्रौद्योगिकी में रणनीतिक निवेश के माध्यम से निर्बाध आद्योपांत संभार तंत्र सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

विशेष उपलब्धियां

भंडारण, कॉनकोर

कंपनी उभरते वैश्विक चुनौतियों के बीच एक प्रतिस्पर्धी, ग्राहक-अनुकूल और विकासोन्मुख संगठन के रूप में स्थापित है, जो अपने शेयरधारकों के साथ दीर्घकालिक दृष्टिकोण और निष्पक्ष प्रबंधन के साथ विश्वास को दर्शाता है।

- **गति शक्ति मल्टी-मोडाल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी):-** कॉनकॉर ने वारनामा में गति शक्ति मल्टी-मोडाल कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) को न्यू मकरपुरा यार्ड में पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारे (डब्ल्यूडीएफसी) से सफलतापूर्वक जोड़ा है, जो गति शक्ति पहल के तहत संभार तंत्र और परिवहन संबंधी अवसंरचना को उन्नत बनाने के भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- **भंडारणः-** कॉनकोर ने दादरी में तीन ग्रेड ए घरेलू भंडारण के निर्माण कार्य पूरे किए हैं, जो कुल 242,100 वर्ग फुट प्रीमियम स्थान मुहैया कराते हैं। प्रत्येक इकाई में छह स्वचालित डॉक लेवलर, दो प्रवेश और निकास द्वार, और उन्नत अग्नि सुरक्षा प्रणालियाँ शामिल हैं।
- **एलसीएल समेकन हबः-** एमएमएलपी दादरी को एक एलसीएल समेकन हब के रूप में नामित किया गया है, जो संभार तंत्र उद्योग के लिए निश्चित रूप से लाभप्रद होगा। इसका उद्देश्य संभार तंत्र की समग्र लागत को कम करना और पारवहन समय को घटाना है, जिससे विशेष रूप से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में एलसीएल व्यवसायों को महत्वपूर्ण रूप से लाभ प्राप्त होगा।
- **गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी):-** कॉनकॉर और गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से रणनीतिक साझेदारी हुई है। यह समझौता 26 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली में कॉनकॉर के कॉरपोरेट कार्यालय में किया गया। इसका उद्देश्य जीएसवी के शैक्षणिक अनुसंधान का लाभ उठाकर नवोन्मेषी संभार तंत्र संबंधी समाधान विकसित करना है।

  इस सहयोग को आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को इष्टतम करके, ग्राहक सेवा में सुधार लाकर और शैक्षणिक विशेषज्ञता के अनुप्रयोग के माध्यम से औद्योगिक विकास को बढ़ावा देकर संभार तंत्र संबंधी दक्षता को संवर्धित करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- **कंटेनरों की ई-बुकिंगः-** कॉनकॉर ने अपने प्रमुख टर्मिनल एकीकृत कंटेनर डिपो (आईसीडी) तुगलकाबाद में कंटेनरों की ई-बुकिंग शुरू कर दी है। यह सम्मानित ग्राहकों के लिए व्यवसाय की सुविधा को बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम को दर्शाता है। यह पहल राष्ट्रीय संभार तंत्र नीति के तहत डिजिटल रूप से सशक्त संभार तंत्र क्षेत्र बनाने की सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।
- **सरकारी ई-मार्केटप्लेस में ई-बिलिंग प्रणालीः-** कॉनकॉर ने अपनी ई-बिलिंग प्रणाली का सरकारी ई-मार्केटप्लेस पोर्टल के साथ रियल-टाइम में पूर्ण एकीकरण शुरू कर दिया है।
- कॉनकॉर ने ग्राहकों के लिए सीपीडीए खोलने के लिए आवेदनों की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की है। इस ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली से इस प्रक्रिया को अधिक सुलभ और कुशल बनाकर ग्राहकों की सुविधा में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।
- **सीधी रेल सेवाः-** कॉनकॉर ने 24 जनवरी, 2025 को एकीकृत कंटेनर डिपो (आईसीडी) तुगलकाबाद, नई दिल्ली को तमिलनाडु के कट्टुपल्ली पत्तन से जोड़ने वाली सीधी रेल सेवा शुरु की है। यह सप्ताह में दो बार चलती है और निर्यातकों को उच्च स्तर की विश्वसनीयता प्रदान करती है।

भारतीय रेल में कंटेनर परिवहन

एल एन जी स्टेशन, काठुवास रेलवे स्टेशन

- कॉनकॉर ने एमडीपीटी (मुंद्रा पोर्ट) से लुधियाना तक अपनी पहली ब्लॉक रेक कंटेनर गाड़ी सेवा शुरू की है। इस सेवा के शुभारंभ होने से एमडीपीटी में कॉनकॉर के लिए एक नया अध्याय शुरू हुआ है, जो पत्तन से साप्ताहिक ब्लॉक रेक कंटेनर गाड़ी सेवाओं की शुरुआत को दर्शाता है।
- **पीआरएमएस वेब-पोर्टल:-** कॉनकॉर ने एक स्वतंत्र पीआरएमएस वेब-पोर्टल विकसित किया है जिसमें नीतियों और निर्देशों से संबंधित सभी जानकारियां सतत रूप से साझा की जाती हैं और दर्शाई जाती है। यह पोर्टल विशेष रूप से कॉनकॉर के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से परस्पर संवादात्मक सेवा आपूर्ति तंत्र मुहैया कराने के लिए डिजाइन किया गया है।
- **एम एम एल पी खाटुवास में एलएनजी स्टेशन:-** देश में पर्यावरण-अनुकूल संभार तंत्र को बढ़ावा देने के लिए, कॉनकॉर ने आईओसीएल के सहयोग से एमएमएलपी खाटुवास में एक इन-हाउस एलएनजी स्टेशन स्थापित किया है। यह स्टेशन उन ग्राहकों को आरंभिक और गंतव्य स्थान तक सेवाओं के लिए मुख्य रूप से उपयोग की जाने वाले एलएनजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करता है, जो कॉनकॉर के स्वामित्व वाले एलएनजी-संचालित रोड ट्रेलरों का उपयोग करते हैं। यह उत्तर भारत में किसी भी एमएमएलपी में अपने प्रकार की पहली सुविधा है।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल)

कंपनी की स्थापना महाराष्ट्र राज्य के रोहा को कर्नाटक राज्य के ठोकुर से जोड़ने वाले भारत के पश्चिमी तट के किनारे रेलवे के निर्माण और परिचालन के उद्देश्य से रेल मंत्रालय (51%), महाराष्ट्र (22%), कर्नाटक (15%), केरल (6%) और गोवा (6%) की इक्विटी भागीदारी के साथ वर्ष 1990 में की गई थी। वर्तमान में (31.08.2025 की स्थिति के अनुसार) इक्विटी भागीदारी इस प्रकार है: रेल मंत्रालय (69.76%), महाराष्ट्र (15.47%), कर्नाटक (10.55%) और केरल (4.22%)।

1. वित्तीय कार्य निष्पादन:

कंपनी का कुल राजस्व वर्ष 2023-24 के ₹24,704.94 करोड़ (पुन: व्यक्त किए गए आँकड़े) की तुलना में वर्ष 2024-25 के ₹4,202.66 करोड़ था। वर्ष के दौरान शुद्ध लाभ वर्ष 2023-24 की ₹2,329.26 करोड़ की तुलना में 2,137.68 करोड़ रु. था।

2. गाड़ी परिचालन निष्पादन:

क. वर्ष 2024-25 के दौरान, कोंकण रेलवे में औसतन इक्यावन (51) जोड़ी मेल/एक्सप्रेस गाड़ियां और चार (04) जोड़ी पैसेंजर गाड़ियां चल रही थी। इसके साथ ही, वर्ष के दौरान गर्मियों में, गणपति उत्सव, दिवाली, शीतकालीन, आंगनवाड़ी यात्रा और होली उत्सव के दौरान अतिरिक्त भीड़ की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 704 अदद विशेष गाड़ियां चलाई गईं। इसके अलावा, वर्ष के दौरान महाकुंभ स्पेशल, डेकन ओडिसी एफटीआर स्पेशल, चुनाव स्पेशल, मिलिट्री स्पेशल आदि सहित 1,279 अदद अन्य स्पेशल गाड़ियां चलाई गईं। वर्ष के दौरान अब तक की सर्वाधिक कोचिंग आमदनी 1,073.69 करोड़ रुपए (यात्री और अन्य कोचिंग संबंधी राजस्व) प्राप्त हुए, जो कि पिछले वर्ष के 1,029.99 करोड़ रु. से 4.24% अधिक है।

ख. माल यातायात के संबंध में, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, "रोल ऑन-रोल ऑफ" (आरओ-आरओ) सेवाओं सहित औसतन सत्रह (17) मालगाड़ियां प्रति दिन चलाई गईं। वित्त

वर्ष के दौरान, माल यातायात राजस्व ₹2,684.01 करोड़ था, जो पिछले वर्ष के 2,700.62 करोड़ की तुलना में 2.37% प्रतिशत कम है।

ग. **नेपाल में डीएमयू सेवाओं का परिचालन एवं अनुरक्षण:** दिनांक 27 दिसंबर 2024 को नेपाल रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड और कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के बीच जयनगर (भारत) - बिजलपुर (नेपाल) के बीच डीएमयू रेलगाड़ियों के परिचालन एवं अनुरक्षण के लि ए एक समझौता करार हस्ताक्षरित किया गया। करार की वैधता अवधि 18 महीने की है। निगम ने इस परियोजना से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 9.05 करोड़ रुपए की आमदनी अर्जित की जो परिचालन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर केआरसीएल की महत्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है।

3. परियोजना निष्पादन:

क. **उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल परियोजना, जम्मू और कश्मीर):** वित्त वर्ष 2023-24 में ₹2522.37 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) की तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में ₹1975.82 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) का कारोबार हासिल हुआ। 6 जून 2025 को कश्मीर घाटी को देश के शेष हिस्से से सीधे जोड़ने वाली पहली कटरा-श्रीनगर वंदेभारत एक्सप्रेस को झंडी दिखाकर इस परियोजना को देश को समर्पित किया गया। 272 कि.मी. की यह रेल परियोजना स्वतंत्र भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण रेल उपलब्धियों में से एक है।

ख. **अनक्कमपोइल-कल्लाडी-मेप्पाडी सुरंग सड़क परियोजना:** केरल सरकार ने केआरसीएल को विशेष प्रयोज्य योजना (एसपीवी) के रूप में आरम्बाक्कम सड़क सुरंग परियोजना के निष्पादन का कार्य सौंपा है। परियोजना के क्रियान्वयन के लिए कोंकण रेलवे, लोक निर्माण (एच) विभाग और केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। केआरसीएल ने 2,043.74 करोड़ रु. की अनुमानित लागत पर दक्षिणी छोर पर दो बड़े समानान्तर मुख्य पुलों और 4 लेन वाले पहुंच मार्ग सहित ट्विन ट्यूब यूनिडायरेक्शनल सुरंग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की है।

ग. **विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय पत्तन, केरल के लिए रेल संपर्कता:** विझिंजम पत्तन (11 कि.मी.) को जोड़ने के लिए निगम और विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (वीआईएसएल) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। दक्षिण रेलवे द्वारा एनजीआर मॉडल के तहत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है। परियोजना के कार्यान्वयन के लिए केरल सरकार द्वारा ₹1482.92 करोड़ रूपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है।

घ. **विद्युतीकरण परियोजनाएं:** निगम विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के विद्युत परियोजनाओं के रूप में ₹2,473.27 करोड़ का कार्य और पनवेल महानगरपालिका के प्रशासनिक भवन "स्वराज्य", न्यू पनवेल की आंतरिक सज्जा, एमईपी एवं संबद्ध कार्यों के रूप में 152 करोड़ रुपए का कार्य प्राप्त करने में सफल रहा है।

ङ. **रक्सौल-काठमांडू नई विद्युतीकृत बड़ी आमान लाइन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण:** पूर्व मध्य रेलवे ने कोंकण रेलवे को रक्सौल (भारत) और काठमांडू (नेपाल) के

बीच प्रस्तावित 136 कि.मी. बड़ी आमान लाइन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण कार्य (एफएलएस) सौंपा था। केआरसीएल ने अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है जिसे पूर्व मध्य रेल एवं रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है।

पुरस्कार/प्रशंसा पत्र

(क) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) 2025 की श्रेणी में उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार: केआरसीएल को विभिन्न निम्नलिखित श्रेणियों में पुरस्कृत किया गया:

- ❖ वर्ष का सर्वश्रेष्ठ सीईओ।
- ❖ अनुसंधान एवं नवोन्मेष के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ पीएसयू
- ❖ वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रापण में सर्वश्रेष्ठ निष्पादन
- ❖ प्रशिक्षण एवं विकास में सर्वश्रेष्ठ पीएसयू

(ख) सर्वश्रेष्ठ ईएसजी पद्धति हेतु महात्मा पुरस्कार–

(ग) नेतृत्व पुरस्कार एवं अवसंरचना नेतृत्व पुरस्कार।

(घ) व्यवसायिक नेतृत्व पुरस्कार

(ङ) विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन – आपदा जोखिम न्यूनीकरण पुरस्कार, 2024

(च) एशिया का सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता ब्रांड पुरस्कार

(छ) एशियाई नेतृत्व पुरस्कार 2024

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (रेलटेल)

रेल मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की स्थापना 26 सितंबर 2000 को की गई थी जिसका उद्देश्य एक आंतरिक निकाय के माध्यम से भारतीय रेल को अत्याधुनिक संचार नेटवर्क अवसंरचना प्रदान करके रेल परिचालन और संरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण में तेजी लाने के लिए सुविधा प्रदान करना था। इस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ने भारतीय रेल के कुछ प्रतिभाशाली, अनुभवी और प्रेरित सिगनल प्रणाली और दूरसंचार इंजीनियरों के साथ कार्य करना शुरू किया।

पिछले कई वर्षों में, यह एक छोटी इकाई से बढ़कर देश की एक सबसे बड़ी सुरक्षित न्यूट्रल टेलीकॉम सेवा प्रदाता और आईसीटी सेवा प्रदाता बन गई है। इसके पास अमेरिका के अपटाइम द्वारा प्रमाणित दो टियर-III डेटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सूचीबद्ध रेलक्लाउड हैं। रेलटेल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके पास 21000+ किलोमीटर के पहुंच नेटवर्क के साथ अखिल भारत में 63000+ मार्ग किलोमीटर का ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है, जो पूर्वोत्तर राज्यों के सभी महत्वपूर्ण नगरों और शहरों और कई ग्रामीण क्षेत्रों में फैला है। रेलटेल अपने अनूठे हाई बैंडविड्थ बैकबोन नेटवर्क सेगमेंट के साथ एक गौरवपूर्ण स्थान रखता है। यह नेटवर्क उन्नत दक्षता और विकास के लिए मिशन-क्रिटिकल कस्टमाइज्ड कनेक्टिविटी प्लेटफॉर्म प्रदान करने की क्षमता रखता है।

रेलटेल के नेटवर्क परिचालन केंद्रों और प्रशिक्षित फील्ड कर्मचारियों द्वारा चौबीसों घंटे राष्ट्रव्यापी नेटवर्क का अनुरक्षण किया जाता है। इस नेटवर्क पर उपलब्ध सभी उपकरण अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार मानकों के अनुरूप हैं। इसके अतिरिक्त, रेलटेल नोएडा में एक और अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, टियर-2 और टियर-3 शहरों की आवश्यकताओं पर विशेष जोर देते हुए रेल परिसरों/भूमि के भीतर कई स्थानों पर एज डेटा सेंटर स्थापित किए हैं। इन पहलों को औद्योगिक साझेदारों के सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है।

रेलटेल एक अद्वितीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है जिसके पास दूरसंचार लाइसेंस (आईपी-1, एनएलडी, आईएसपी) इन-हाउस टियर III डेटा सेंटर सेवाएं, अपना स्वयं का सुरक्षा संचालन केंद्र और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सूचीबद्ध क्लाउड सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। कंपनी के व्यापक सेवा पोर्टफोलियो में एमपीएलएसवीपीएन, पट्टाकृत लाइनें, टावर को-लोकेशन, डेटा सेंटर सेवाएं, क्लाउड सेवाएं, सुरक्षा परिचालन केंद्र सेवाएं, एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, आधार-आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली, ई-निविदा प्रणाली, रेलवायर ब्रांड की रिटेल ब्रॉडबैंड, सूचना प्रौद्योगिकी और आईसीटी परियोजनाएं, रेल सिगनल प्रणाली परियोजनाएं और कई अन्य शामिल हैं।

वित्तीय कार्य-निष्पादन

अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार परिदृश्य के बावजूद, रेलटेल लगातार प्रगति कर रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में, रेलटेल ने 3,478 करोड़ रुपए का अब तक का अपना उच्चतम परिचालन राजस्व दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 35% की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी का करपूर्व लाभ 402 करोड़ रुपए और करोपरांत लाभ 300 करोड़ रुपए रहा। रेलटेल लाभ कमाने वाली और लाभांश देने वाली दूरसंचार केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में से एक है। दूरसंचार क्षेत्र का अंशदान 1,363 करोड़ रुपए रहा, जबकि परियोजना क्षेत्र का अंशदान 2,115 करोड़ रुपए रहा। रेलटेल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए दूरसंचार विभाग को 99.52 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है और भारतीय रेल को राजस्व हिस्सेदारी के रूप में 42.35 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश भी दिया गया, जो प्रदत्त शेयर पूंजी का 20% है। इस वर्ष की प्रति शेयर आय 9.34 रुपए रही।

डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा

डेटा सेंटर और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में हम अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं। रेलटेल ने 102 स्थानों पर एज डेटा सेंटर विकसित करने के लिए मैसर्स टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। हमने पहले ही इन एज डेटा सेंटर की स्थापना का कार्य शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त, आपकी कंपनी एक निजी निवेश साझेदारी के माध्यम से नोएडा में अत्याधुनिक 10 मेगावाट डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए कार्य कर रही है। डेटा सेंटर क्षेत्र में अपार संभावनाओं की पहचान करते हुए हमने रेलटेल के ग्राहकों को संयुक्त रूप से डेटा सेंटर को-लोकेशन और प्रबंधित सेवाएं प्रदान करने के लिए अनंत राज, एल एंड टी आदि जैसे निजी संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए हैं। साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में, हम डिजिटलीकरण से उत्पन्न होने वाले बढ़ते खतरों का समाधान कर रहे हैं। हमारा सुरक्षा संचालन केंद्र हमारी साइबर सुरक्षा रणनीति का केंद्रबिंदु है।

अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस)

रेलटेल ने भारतीय रेल के अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों/पॉलीक्लिनिक में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली की व्यवस्था करने का कार्य पूरा कर लिया है। यह बेहतर अस्पताल प्रशासन और रोगी स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक सटीक, इलेक्ट्रॉनिक रूप से संग्रहीत चिकित्सा रिकॉर्ड का प्रावधान करने हेतु एकीकृत नैदानिक सूचना प्रणाली है।

मरीजों को अपने मोबाइल डिवाइस पर अपने सभी मेडिकल रिकॉर्ड को एक्सेस करने की सुविधा मिलेगी। रेलवे अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों में सामान्य उपचारों के लिए आने वाले लोगों की भीड़ को कम करने के लिए, एक टेलीकंसल्टेशन ऐप और एचएमआईएस लाभार्थी ऐप विकसित की गई हैं और इसे (एचएमआईएस) के साथ एकीकृत किया गया है। लाभार्थी ऐप चिकित्सा लाभार्थियों को एक ही स्थान पर अपने मेडिकल रिकॉर्ड एक्सेस करने की सुविधा प्रदान करता है। रेलवे एचएमआईएस को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के साथ एकीकृत किया गया है।

स्टेशन वाई-फाई

रेलटेल सभी रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई प्रदान करके रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में परिवर्तित कर रहा है। कश्मीर घाटी के 15 स्टेशनों सहित 6,115 स्टेशन रेलटेल की रेलवायर वाई-फाई से लाइव हैं जो दुनिया के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क में से एक है। यात्री इस सुविधा का उपयोग हाई डेफिनेशन (एचडी) वीडियो चलाने, फिल्मों, गीतों, गेम को डाउनलोड करने और अपने कार्यालय का काम ऑनलाइन करने के लिए करते हैं। यह ग्रामीण जनता को हाई-स्पीड फ्री वाई-फाई की सुविधा प्रदान करके शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच के अंतर को पाटने में मदद कर रहा है, जिसका उपयोग वे डिजिटल भुगतान करने, ई-गवर्नेंस सेवाओं का लाभ उठाने, मौसम की जानकारी प्राप्त करने और नए व्यावसायिक कौशल सीखने के लिए कर सकते हैं।

भारतीय रेल में ई-ऑफिस

रेलटेल ने सरकारी लेन-देन और प्रक्रियाओं को अधिक कुशल, प्रभावी और पारदर्शी बनाने के लिए भारतीय रेल में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन शुरू किया है। ई-ऑफिस एक क्लाउड-आधारित सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन है जिसे एनआईसी द्वारा विकसित किया गया है और सिकंदराबाद स्थित रेलटेल के टियर-III प्रमाणित डेटा सेंटर में होस्ट किया गया है, साथ ही गुरुग्राम में आपदा रिकवरी सुविधा भी उपलब्ध है। भारतीय रेल की 236 इकाइयों में ई-ऑफिस कार्यान्वित किया गया है। संकट के समय में ई-ऑफिस वरदान साबित हुआ है और रेलवे कार्यबल का एक हिस्सा घर से काम करने में सक्षम हुआ, जो दस्ती फाइल प्रणाली के मामले में असंभव होता। कंपनी ने अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों जैसे डीएफसीसीआईएल, इरकॉन, आरवीएनएल, आईआरसीटीसी और सीडब्ल्यूसी आदि को भी यह सेवा प्रदान की है।

एचडी वीडियो कॉन्फ्रेंस

सर्विस रेलटेल एक आद्योपान्त फुल हाई डेफिनिशन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सेवा प्रदान करता है जिससे उपयोगकर्ताओं को वर्चुअल फेस-टू-फेस मीटिंग का अनुभव होता है। वीडियो कॉन्फ्रेंस सर्विस अपनाने से पहले, भारतीय रेल बैठकों/कार्यक्रमों के लिए भारी मात्रा में धन व्यय करती थी, अब बैठकों/कार्यक्रमों के लिए यात्राओं की संख्या काफी कम हो गई है जिससे मानव घंटे, यात्रा और आवास व्यय में बचत हो रही हैं।

वीडियो निगरानी प्रणाली

रेलटेल 5000+ रेलवे स्टेशनों पर इंटरनेट प्रोटोकॉल कैमरा आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली की व्यवस्था को भी क्रियान्वित कर रहा है। इससे भारतीय रेल नेटवर्क पर यात्रियों की संरक्षा और सुरक्षा बढ़ाने में बहुत सफलता मिलेगी। संबंधित क्षेत्रीय रेलों द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर संस्थापित विभिन्न स्टैंडअलोन वीडियो निगरानी प्रणाली को भी रेलटेल द्वारा एकीकृत किया जा रहा है ताकि वीडियो रिकॉर्डिंग को मंडल और क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर पर केंद्रीय रूप से देखा जा सके और निगरानी की जा सके।

कोलकाता मेट्रो की ताराताल-माजेरहाट मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

रेलवे सिगनल प्रणाली एवं संचार

रेलटेल, सिगनल प्रणाली और संचार में अपनी गहरी विशेषज्ञता के साथ, रेलगाड़ी परिचालन को आधुनिक बनाने और संरक्षा में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण परियोजनाएं चलाते रहा है। वर्तमान में जो सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू की गई हैं, उनमें से एक स्वदेशी स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली कवच का कार्यान्वयन है। पूर्व मध्य रेलवे के 1109 मार्ग किलोमीटर रेलपथ के लिए कवच को संस्थापित करने के लिए 2 निर्माण कार्य प्रदान किए गए हैं। यह भविष्य में सभी व्यवहार्य कवच निविदाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने जा रहा है।

रेलटेल सुरंग संचार में भी महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है और भारतीय रेल के महत्वपूर्ण खण्डों में कई परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। रेलटेल ने कटरा-बनिहाल खंड - एक बेहद चुनौतीपूर्ण इलाके जो कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है, के लिए सुरंग संचार प्रणाली को सफलतापूर्वक लागू किया है। इस खंड में अब प्रतिष्ठित कटरा-श्रीनगर वंदे भारत रेलगाड़ी का उद्घाटन किया गया है। यह रेलटेल में सभी के लिए गर्व का क्षण था।

रेलटेल को संपूर्ण पश्चिम रेलवे पर एकीकृत संचार अवसंरचना बनाने का भी कार्य सौंपा गया है। इसमें पुरानी यूटीएन नेटवर्क को बदलने के साथ-साथ आईपी-एमपीएलएस लैन, एक आधुनिक वीओआईपी एक्सचेंज और आईपी-आधारित नियंत्रण संचार प्रणालियां संस्थापित करना शामिल है। रेलटेल पूर्वी रेलवे पर लैन इन्फ्रा, आईपी एक्सचेंज, वीओआईपी आधारित नियंत्रित संचार और आईपी-एमपीएलएस आधारित नेटवर्क सहित यूनिफाइड संचार इन्फ्रा को भी कार्यान्वित कर रहा है। इसी तरह की एक प्रणाली का संस्थापन दक्षिण पश्चिम रेलवे में पूरा होने वाला है।

रेलवायर – रेलटेल की अपनी इंटरनेट व्यवस्था

रिटेल ब्रॉडबैंड सेवा रेलवायर 11,000 से अधिक भागीदारों के साथ सफल साझेदारी के माध्यम से 5.75 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है। रेलवायर ने वित्त वर्ष 24-25 में लगभग 341 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। रेलटेल अब अधिक से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए अपनी ओटीटी बंडल प्लान को बहुत किफायती बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह ओटीटी समूहन के लिए प्लेबॉक्स टीवी के साथ मिलकर कार्य कर रहा है और 67000+ ग्राहकों को ओटीटी बंडल रेलवायर योजना प्रदान की गई है, जिसमें अधिकांश प्रीमियम ओटीटी शामिल हैं। प्रसार भारती (रेलटेल द्वारा लागू) के नए लॉन्च किए गए ओटीटी प्लेटफॉर्म 'वेव' को भी रेलवायर के साथ दिया जा रहा है। यह सब्सक्राइबर्स को डीटीएच बंडल प्लान देने के लिए डिश टीवी के साथ भी मिलकर कार्य कर रहा है।

सीमापार व्यापार

रेलटेल ने भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित सबीना पार्क क्रिकेट स्टेडियम, किंग्स्टन, जमैका में इलेक्ट्रॉनिक क्रिकेट स्कोर बोर्डों की आपूर्ति, संस्थापना, परीक्षण और कमीशन से जुड़ी एक परियोजना

के साथ अपनी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा शुरू की है। यह कार्य विदेश मंत्रालय द्वारा रेलटेल को प्रदान किया गया था और स्कोर बोर्ड अब कमीशन कर दिए गए हैं। इथियोपिया में डेटा सेंटर परियोजना के लिए परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में चयन के लिए रेलटेल का मामला विदेश मंत्रालय में विचाराधीन है।

फूड प्लाजा, आईआरसीटीसी

रेलटेल ने भारतीय प्रौद्योगिकी को दक्षिण अफ्रीका में लाने में मदद करने के लिए इनोविटेल (पीटीवाई) लिमिटेड और त्सिको ग्रुप के त्सिको अफ्रीका एनर्जी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सहयोग दूरसंचार, रेलवे और आईटी/आईसीटी व्यवसायों जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

उत्कृष्टता केंद्र - सिगनल प्रणाली और साइबर सुरक्षा में प्रशिक्षण हेतु

रेलवे सिगनल प्रणाली के क्षेत्र में सक्षम और दक्ष जनशक्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रेलटेल ने एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। यह उत्कृष्टता केंद्र आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से प्रमाण-पत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करेगा। इन पाठ्यक्रमों में कवच की मूलभूत अवधारणाएं, कवच के स्टेशन आरएफआईडी नेटवर्क का उन्नत डिजाइन, ऑनबोर्ड उपकरण और साइबर सुरक्षा शामिल होगी। इसके अतिरिक्त, उत्कृष्टता केंद्र का उद्देश्य आईआरएसई लाइसेंस के विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता प्रमाणन के लिए मूल्यांकन एजेंसी के रूप में कार्य करना है, जो अनुभवी रेलवे प्रोफेशनल और युवा इंजीनियरों दोनों को सेवाएं मुहैया कराएगा। इसमें आईआरएसई लाइसेंस के लिए कार्यस्थल आकलन और योग्यता आकलन शामिल हैं।

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व

रेलटेल के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व प्रयास स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, शिक्षा, महिला आर्थिक सशक्तिकरण और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में, कंपनी ने सीएसआर कार्यों के लिए 5.73 करोड़ रूपये आबंटित किए। इस पोर्टफोलियो के अंतर्गत एक प्रमुख कार्यक्रम आकांक्षा सुपर-30 पहल है, जो इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले वंचित छात्रों को निशुल्क कोचिंग प्रदान करती है। रेलटेल ने एड्‌टा होम (लड़कों के लिए), भुवनेश्वर, ओडिशा में भी सहयोग किया है, जो लगभग 50 परित्यक्त, अनाथ और निराश्रित बच्चों को आश्रय, शिक्षा और पोषण वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित है। इस प्रयास के माध्यम से, रेलटेल का लक्ष्य इन युवाओं को असाधारण व्यक्तियों में विकसित होने के लिए सशक्त बनाना है। रेलटेल की अन्य सीएसआर पहलों में कैंसर रोगियों के लिए सहायता और महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम शामिल हैं। इन पहलों के माध्यम से, रेलटेल का उद्देश्य स्थायी सामाजिक मूल्य स्थापित करना और सामुदायिक विकास में सार्थक योगदान देना है।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी)

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है। इसे 27 सितंबर, 1999 को भारतीय रेल की एक विस्तारित शाखा के रूप में शामिल किया गया था, जिसका उद्देश्य रेलवे स्टेशनों, रेलगाड़ियों और अन्य स्थानों पर खानपान और आतिथ्य सेवाओं को उन्नत करना, पेशेवर बनाना और प्रबंधित करना तथा बजट होटलों, विशेष टूर पैकेजों, सूचना और वाणिज्यिक प्रचार तथा वैश्विक आरक्षण प्रणालियों के विकास के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देना था।

फूड कोर्ट, आईआरसीटीसी

19 जुलाई, 2024 को आईआरसीटीसी को केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों में 'अनुसूची बी' से

‘अनुसूची ए’ श्रेणी में अपग्रेड किया गया था। 3 मार्च, 2025 को एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डीपीई, वित्त मंत्रालय ने आईआरसीटीसी को प्रतिष्ठित ‘नवरत्न’ का दर्जा दिया।

जन आहार, आईआरसीटीसी

आईआरसीटीसी के व्यावसायिक वर्टिकल को मोटे तौर पर निम्नलिखित में वर्गीकृत किया गया है

1. खानपान एवं आतिथ्य;
2. इंटरनेट टिकटिंग;
3. यात्रा एवं पर्यटन;
4. पैकेज्ड पेयजल (रेल नीर)

खानपान एवं आतिथ्य सेवाएँ

आईआरसीटीसी भारतीय रेल नेटवर्क में यात्रियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई खानपान सेवाओं की एक विस्तृत श्रृखंला प्रदान करता है। इन सेवाओं को तीन मुख्य खंडों में वर्गीकृत किया गया है: चल खानपान सेवाएं, स्थैतिक खानपान सेवाएं और ई-खानपान सेवाएं।

चल खानपान सेवा

आईआरसीटीसी का चल खानपान वर्टिकल 1,265 से अधिक रेलगाड़ियों के लिए सेवाओं का प्रबंधन करता है, जिसमें मेल एक्सप्रेस और पेंट्री कारों रहित रेलगाड़ियों के साथ-साथ वंदे भारत, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, तेजस और गतिमान जैसी प्रीमियम रेलगाड़ियां शामिल हैं। आईआरसीटीसी विभिन्न श्रेणी की रेलगाड़ियों में प्रति दिन अनुमानित 16.50 लाख भोजन प्रदान करता है और विभिन्न प्रकार के ताजे और पौष्टिक भोजन विकल्प प्रदान करता है जो न केवल भारत की समृद्ध पाक विरासत को दर्शाते हैं, बल्कि यात्रियों के विविध क्षेत्रीय स्वाद को भी पूरा करते हैं।

यात्रियों की संतुष्टि में सुधार लाने के लिए, आईआरसीटीसी ने ई-पेंट्री सेवा (पेंट्री भोजन की ऑनलाइन बुकिंग) की नई पहल शुरू की, जो वर्तमान में दस रेलगाड़ियों में परीक्षण के तौर पर चल रही है और जल्द ही इसे और अधिक रेलगाड़ियों में विस्तारित किया जाएगा।

स्थैतिक खानपान सेवाएँ

आईआरसीटीसी स्थैतिक खानपान इकाइयां वे इकाइयां हैं जो स्टेशन परिसर में स्थित होती हैं और भारतीय रेल नेटवर्क पर यात्रियों को किफायती कीमतों पर खानपान सेवाएं प्रदान करती हैं। स्थैतिक खानपान में निम्नलिखित शामिल हैं:

फूड प्लाजा, फास्ट फूड यूनिट, फूड कोर्ट, रिफ्रेशमेंट रूम, जन आहार, एक्जीक्यूटिव लाउंज, रिटायरिंग रूम, आरवाईएन/बीएनआर होटल, बजट होटल। 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, आईआरसीटीसी ने 149 फूड प्लाजा, 161 फास्ट फूड यूनिट, 1 फूड कोर्ट, 130 रिफ्रेशमेंट रूम, 38 जन अहार, 7 एक्जीक्यूटिव लाउंज, 52 रिटायरिंग रूम, 01 आरवाईएन और 02 बीएनआर होटल और 01 बजट होटल का प्रबंधन किया है।

रेल यात्री निवास, आईआरसीटीसी

जलपान कक्ष, आईआरसीटीसी

भारतीय रेल पर ई-खानपान सेवा: यात्रियों के लिए एक सुविधाजनक भोजन विकल्प

आईआरसीटीसी ई-खानपान सेवा ने आरक्षित रेलगाड़ियों में यात्रियों के भोजन का आनंद लेने के तरीके में बदलाव ला दिया है। 2014 में अपनी स्थापना के बाद से, इस सेवा ने यात्रियों की सीटों पर सीधे वितरित खाद्य विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की है, जिससे उनके समग्र यात्रा अनुभव में वृद्धि हुई है।

पहुंच बढ़ाने वाली एक बढ़ती सेवा

मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार, ई-खानपान 400 से अधिक स्टेशनों पर संचालित होता है और 17 नियुक्त खाद्य एग्रीगेटरों के माध्यम से 593 प्रत्यक्ष विक्रेताओं और 8,454 विक्रेताओं के साथ सहयोग करती है। यह सेवा आरक्षित रेलगाड़ियों पर यात्रियों के लिए उपलब्ध है, जिसमें उनके विशिष्ट पीएनआर नंबर के आधार पर भोजन वितरित किया जाता है। वर्ष 2024-25 में, प्रतिदिन औसत 91,543 भोजन बुक किया गया था।

नए ब्रांडेड पेशेवरों का आईआरसीटीसी ई-खानपान में शामिल होना

जोमैटो और स्विगी भारत के प्रमुख खाद्य वितरण प्लेटफार्म, अपनी ई-खानपान सेवाओं के माध्यम से रेस्तरां की एक विस्तृत श्रृंखला से थोक ऑर्डर संभव बनाते हैं। भारतीय रेल पर आईआरसीटीसी ई-खानपान पहुंच का विस्तार करता है, यात्रियों को सीधे ताजा और विविध भोजन प्रदान करता है, जिससे यह यात्रा के अनुकूल भोजन के लिए एक बेहतर विकल्प बन जाता है।

बीकानेरवाला एक प्रसिद्ध ब्रांड है जो स्नैक्स और मिठाइयों में विशेषज्ञता रखता है, केएफसी एक वैश्विक फास्ट-फूड श्रृंखला है जो अपने तले हुए मासांहारी भोजन के लिए प्रसिद्ध है और पिज्जा हट अपने पिज्जा और इतालवी-प्रेरित भोजन के लिए भी ई-खानपान सेवा के माध्यम से जाना जाता है।

सुविधाजनक भुगतान विकल्प

रेलटेल सभी रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई प्रदान करके रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब मे बदल रहा है।

स्टेशन वाई-फाई

आईआरसीटीसी यात्रियों की विविध पसंदों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार के भुगतान तरीके प्रदान करता है। भोजन के लिए भुगतान 'पे-ऑन-डिलीवरी' (पीओडी) विकल्प के माध्यम से या ऑनलाइन प्रीपेड तरीकों के माध्यम से किया जा सकता है, जो यात्रियों के लिए निर्बाध और कुशल लेनदेन अनुभव सुनिश्चित करता है।

बीएनआर होटल, आईआरसीटीसी

फीडबैक और सेवा सुधार

आईआरसीटीसी के लिए यात्रियों की संतुष्टि सर्वोपरि है। अपने भोजन प्राप्त करने के बाद,

यात्री सीधे ई-खानपान वेबसाइट पर अपने मूल्यवान फीडबैक दे सकते हैं। यह फीडबैक ग्राहकों की पसंद के आधार पर सेवा की गुणवत्ता और मेनू में निरंतर सुधार के लिए उपयोगी है।

फास्ट फूड ईकाई, आईआरसीटीसी

रेल नीर पैकेज्ड पेयजल

रेल नीर पैकेज्ड पेयजल, पेयजल के सबसे भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है और यह केवल रेलगाड़ियों में और रेलवे स्टेशनों के स्टॉलों पर बेचा जाता है। इस समय आईआरसीटीसी देश भर में 20 रेल नीर संयंत्रों का परिचालन कर रहा है और इसने 46.46 करोड़ बोतलों का उत्पादन दर्ज किया।

पर्यटन

आईआरसीटीसी यात्रियों के सभी वर्गों को सेवित करने के लिए किफायती से लेकर लक्जरी पर्यटन उत्पाद की बृहद सुविधाएं प्रदान कराती है। यह अद्वितीय यात्रा उत्पाद उन उत्साही यात्रियों के लिए कैलिडोस्कोप है जो देशभर में घुमना चाहते है। आईआरसीटीसी इन पर्यटन उत्पादों की श्रृंखला के जरिए यात्रा, तीर्थयात्रा तथा दर्शनीय स्थलों की यात्रा की सुविधा प्रदान करता है।

भारत गौरव रेलगाड़ी यात्रा :- किफायती दरों पर अंतर्राज्यीय रेल-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आईआरसीटीसी ने वर्ष 2022-23 के दौरान पूरे भारत में 'भारत गौरव' रेलगाड़ियों का परिचालन शुरू किया। इस समय, आईआरसीटीसी विभिन्न गंतव्यों के लिए 10 रेको के बेड़े का परिचालन कर रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में आईआरसीटीसी ने कुल 196 'भारत गौरव' रेल यात्राओं का परिचालन किया है।

महाकुंभ प्रयागराज :- हाल ही में संपन्न महाकुंभ 2025 में आईआरसीटीसी ने मैसर्स लल्लूजी एंड संस के सहयोग से प्रयागराज के सेक्टर-25 में स्थित टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के लिए आवास की व्यवस्था की। इसके अंतर्गत कुल 100 टेंट (अर्थात् 80 सुपर डीलक्स टेंट तथा 20 विला) उपलब्ध कराए गए जिसमें शौचालय, भोजन सेवा, चिकित्सकीय सहायता एवं सीसीटीवी कैमरे आदि समेत आधुनिक सुविधाएं शामिल है। आईआरसीटीसी को अपने 3,390 रात्रिकालीन टेंटों के साथ 'महाकुंभ ग्राम' टेंट सिटी के प्रबंधन के लिए सर्वाधिक उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

आईआरसीटीसी ने 'महाकुंभ पुण्य क्षेत्र यात्रा' के रुप में महाकुंभ 2025 के लिए 08 भारत गौरव पर्यटक रेलगाड़ियों का परिचालन किया, जिसमें वाराणसी, प्रयागराज एवं अयोध्या जैसे गंतव्यों को कवर किया और इसके यात्रा के अंतर्गत यात्रियों के लिए प्रयागराज स्थित टेंट सिटी में 01 रात्रि प्रवास तथा वाराणसी में 02 रात्रि प्रवास की व्यवस्था की गई थी। भारत गौरव रेलगाड़ियों के माध्यम से महाकुंभ प्रयागराज में कुल 1,246 टेंट बुक किए गए, जिसमें 4,956 पर्यटकों को सेवित किया गया।

गोल्डन चैरियटः- यह दक्षिण भारत में परिचालित की जाने वाली एकमात्र लग्जरी रेलगाड़ी है। इसके यात्राक्रम में मैसूरु, कांचीपुरम, महाबलीपुरम, तंजावूर, चट्टिनाडु/कारैक्कुडि, कोच्चिन, चेरत्तला/मरैकुलम, नन्जनगूड, मैसूरु, हलेबीडु, चिकमगलूरु, होसपेटे, गोवा आदि गंतव्य को कवर किया गया है।

काशी तमिल संगम 3.0 :- शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के "एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)" पहल के अंतर्गत 'काशी तमिल संगम' नामक प्रमुख पहल के तृतीय संस्करण के दौरान आईआरसीटीसी ने गुणवत्तापूर्ण सेवा के प्रति पुनः अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। आईआरसीटीसी ने 13.02.2025 से 26.02.2025 की समयावधि में 'काशी तमिल संगम' के लिए कुल 06 यात्राओं का परिचालन किया और तमिलनाडु से लेकर वाराणसी तक हजारों प्रतिभागियों को एक साथ लाया।

एक्जीक्यूटीव लॉन्ज, आईआरसीटीसी

फास्ट फूड ट्रैक, आईआरसीटीसी

प्रवासी भारतीय रेल:- विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से पर्यटन सर्किट पर एक विशेष रेल सेवा 'भारत गौरव डीलक्स ट्रेन' का परिचालन किया गया, जिसका उद्देश्य भारतीय मूल के लोगों को भारत की संस्कृति, धरोहर, इतिहास एवं विकास से पुनः परिचित कराना था। यह यात्रा 14 रात और 15 दिन की अवधि के लिए 150 प्रतिभागियों के समूह के लिए तैयार की गई थी।

इंटरनेट टिकटिंग

आईआरसीटीसी इंटरनेट आधारित रेलवे टिकटिंग में अग्रणी रही। कंपनी ने ग्राहकों के लिए वेबसाइट एवं ऐप के रूप में इंटरनेट आधारित रेलवे टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसने ग्राहकों को रेलवे स्टेशनों पर जाने की आवश्यकता के बिना रेलवे टिकट बुक करने में सुविधा प्रदान की है। आज कंपनी की वेबसाइट www.irctc.co.in पूरे दक्षिण-पूर्व एशिया में सर्वाधिक देखी जाने वाली ई-कॉमर्स साइट है।

वित्त वर्ष 2024-25 में आईआरसीटीसी वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप पर प्रतिदिन औसतन 13.88 लाख टिकटों की बिक्री दर्ज की गई। ये आँकड़े भारतीय ई-कॉमर्स क्षेत्र में प्रणाली की उल्लेखनीय वृद्धि एवं प्रभुत्व को दर्शाते हैं।

वित्त वर्ष 2023-24 में बुक किए गए 4,529.83 लाख टिकटों की तुलना में 2024-25 में कुल 5,065.28 लाख टिकटों की बुकिंग की गई। कुल मिलाकर 2023-24 में यात्रियों द्वारा बुक की गई 8,025.06 ई-टिकटों की तुलना में 2024-25 में 8,910.54 लाख यात्रियों ने ई-टिकटों की बुकिंग की।

नेक्स्ट जेनरेशन ई-टिकट प्रणाली

आईआरसीटीसी की नेक्स्ट जेनरेशन ई-टिकटिंग प्रणाली (एनजीईटी) एक महत्वपूर्ण उन्नति है, जिसने भारत में ऑनलाइन रेल टिकट बुकिंग में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। इस प्रणाली के अन्तर्गत उपलब्ध सुविधाएं निम्नानुसार हैं :-

- ➢ एनजीईटी ने पुराने टिकट प्रणाली को प्रतिस्थापित किया है। इसने प्रति मिनट 30,155 टिकट बुकिंग क्षमता प्राप्त कर टिकट बुकिंग प्रणाली की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार किया है।
- ➢ एनजीईटी एक ही समय में 34.32 लाख समवर्ती उपयोगकर्ताओं को सुविधा उपलब्ध कराने में सक्षम है, जिससे यह प्रणाली भारी ट्रैफिक अवधि जैसे त्यौहारों अथवा विशेष रेलगाड़ियों के शुभारंभ के समय भी सुगम रूप से उपलब्ध रहती है।
- ➢ एनजीईटी का उद्देश्य रेल टिकट बुकिंग के लिए अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल अनुभव प्रदान करना है।

एकीकृत आईआरसीटीसी यात्रा पोर्टल एवं सुपर ऐप

आईआरसीटीसी का एकीकृत यात्रा पोर्टल एवं सुपर ऐप एक डिजिटल बदलाव की पहल होगी, जिसका उद्देश्य आईआरसीटीसी की विविध यात्रा एवं टिकट बुकिंग प्रणाली सेवाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर समेकित करना है। वर्तमान में आईआरसीटीसी एयर, होटल, बस बुकिंग, टूर पैकेज, लग्जरी रेलगाड़ियां, ई-कैटरिंग, रिटायरिंग रूम आदि सेवाओं हेतु कई पोर्टल एवं यूआरएल परिचालित करता है। इस विखंडित प्रणाली के परिणामस्वरूप यह ग्राहकों के लिए असंबद्ध अनुभव उत्पन्न करती है, क्रॉस-सेलिंग के अवसरों को सीमित करती है तथा परिचालन अक्षमताओं का सृजन करती है।

फूड ट्रैक, आईआरसीटीसी

यह एकीकृत प्लेटफॉर्म यात्रियों को, रेल, एयर, सड़क एवं आतिथ्य सेवाओं की खोज और बुकिंग से लेकर रियल-टाइम अपडेट एवं व्यक्तिगत ऑफर प्राप्त करने तक, संपूर्ण यात्रा अनुभव प्रदान करेगा और यह सब एक ही समेकित इंटरफेस के माध्यम से उपलब्ध होगा।

स्वचालित विक्रेता ऑन-बोर्डिंग, तत्समय सूची प्रबंधन, अनुकूलन टूर पैकेज तथा एक सशक्त अधिसूचना प्रणाली (व्हाट्सएप, आरसीएस, एसएमएस एवं ईमेल के माध्यम से) जैसी विशेषताएं ग्राहकों के साथ समयबद्ध एवं प्रासंगिक संचार सुनिश्चित करेंगी।

जन-आहार, आईआरसीटीसी

कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केएमआरसीएल)

अपने समृद्ध इतिहास और जीवंत संस्कृति के साथ, कोलकाता को लंबे समय से यातायात संकुलन और अपर्याप्त सार्वजनिक परिवहन से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन मुद्दों को हल करने के लिए जुलाई, 2008 में भारत सरकार द्वारा ईस्ट-वेस्ट मेट्रो परियोजना को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसका लक्ष्य शहर भर में परिवहन का एक निर्बाध और कुशल साधन प्रदान करना था। कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रेल मंत्रालय के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम को कोलकाता के ईस्ट वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण का कार्य सौंपा गया है जो हुगली नदी के पार हावड़ा और कोलकाता के जुड़वा शहरों को जोड़ता है। यह केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली परियोजना है जिसमें रेल मंत्रालय की 74% इक्विटी हिस्सेदारी और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय की 26% इक्विटी हिस्सेदारी है।

परियोजना की विशेषताएं

ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर परियोजना - यह एक मानक आमान की रेल आधारित द्रुततम जन परिवहन प्रणाली है जो पूर्व में साल्ट लेक सेक्टर V से पश्चिम में हावड़ा मैदान को जोड़कर कुल 16.55 कि.मी. को कवर करती है जिसमें से 5.75 किलोमीटर एलिवेटेड खंड है और 10.80 किलोमीटर भूमिगत खंड है। इसमें 12 स्टेशन हैं, जिनमें से 06 एलिवेटेड और 06 भूमिगत स्टेशन हैं। यह कॉरिडोर महाकरन और हावड़ा मेट्रो स्टेशन के बीच बारहमासी नदी गंगा (हुगली) के नीचे से गुजरता है। यह प्रमुख विशेषता इसे भारत में प्रमुख नदी के नीचे पहली जलगत (सबएक्वियस टनल) रेल प्रणाली बनाती है। सियालदह और एस्प्लेनेड के बीच 2.45 किलोमीटर लंबे अंतिम भूमिगत खंड का उद्घाटन दिनांक 22.08.2025 को किया गया तथा उसी दिन इसे आम जनता के लिए खोल दिया गया। संपूर्ण कॉरिडोर को पाँच चरणों में पूरा कर कमीशन कर दिया गया। वित्त वर्ष 2024-2025 में एस्प्लेनेड और सियालदह के बीच कॉरिडोर का पूरा होना एक प्रमुख उपलब्धि रही। दिनांक 22.08.2025 को एस्प्लेनेड-सियालदह खंड के चालू होने से हावड़ा और सियालदह दो सबसे व्यस्ततम रेलवे स्टेशन आपस में जुड़ गए हैं, जिनमें संयुक्त रूप से रोज लगभग 22 लाख यात्रियों का आवागमन होता है।

इस कॉरिडोर की विशिष्ट विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:-

- भारत में किसी भी प्रमुख नदी के नीचे निर्मित पहली परिवहन सुरंग
- कॉरिडोर प्रमुख टर्मिनलों हावड़ा एवं सियालदह को जोड़ता है जिसमें संयुक्त रूप से 22 लाख यात्रियों को आवागमन होता है और एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन पर नॉर्थ-साउथ मेट्रो लाइन को आगामी जोका-एस्प्लेनेड मेट्रो लाइन से जोड़ता है तथा प्रस्तावित गड़िया-बिमानबंदर मेट्रो परियोजना के साथ साल्ट लेक सेक्टर–V पर अंतरण की सुविधा प्रदान करता है।

एक्जीक्यूटीव लाउंज आईआरसीटीसी

वंदे भारत रेलगाड़ी का विशिष्ट किस्म का डिजाइन

- हावड़ा मेट्रो स्टेशन भारत का सबसे गहराई में बना मेट्रो स्टेशन है
- स्ट्रैण्ड रोड पर भारत का सबसे गहरा मेट्रो वेंटिलेशन सह निकासी शाफ्ट
- यूके/आईसीई के इंस्टिट्यूशन ऑफ सिविल इंजीनियर्स ने इस परियोजना को उन 200 वैश्विक परियोजनाओं में शामिल किया है, जिनका लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण प्रभाव रहा है।

वास्तविक प्रगति

चरण	कमीशन किए गए खंड	लंबाई
I क	साल्ट लेक सेक्टर -V से साल्ट लेक स्टेडियम तक	5.30 कि.मी.
I ख	साल्ट लेक स्टेडियम से फूलबागान	1.67 कि.मी.
I ग	फूलबागान से सियालदह	2.33 कि.मी.
II क	हावड़ा मैदान - एस्प्लेनेड	4.80 कि.मी.
II ख	एस्प्लेनेड - सियालदह	2.45 कि.मी.
	कुल	**16.55 कि.मी.**

अब ईस्ट-वेस्ट मेट्रो परियोजना की संपूर्ण लंबाई का कार्य पूरा कर लिया गया है और उसे कमीशन कर दिया गया है। सियालदह और एस्प्लेनेड के बीच 2.45 किलोमीटर लंबे अंतिम भूमिगत खंड का उद्घाटन दिनांक 22.08.2025 को किया गया तथा इसे आम जनता के लिए खोल दिया गया है।

प्रमुख वित्तीय विशेषताएं

विवरण	(₹ करोड़ रुपये में)
नवीनतम स्वीकृत लागत	**8,574.98**
प्रस्तावित संशोधित लागत अनुमान	**10,442.41**
वर्ष 2025-26 के लिए व्यय (सितम्बर, 2025 तक)	**357.06**
परियोजना की शुरुआत से व्यय (सितम्बर, 2025 तक)	**9,925.82**

की गई पहलें

- पुनर्वासन और पुर्नस्थापन पहल।
- हरित पहल।
- यात्री संरक्षा पहल।
- सिगनल प्रणाली की संरक्षा लेखापरीक्षा।
- यात्री अनुकूल पहल।
- सार्वजनिक सुविधा पहल।
- स्थानीय रूपांकनों के साथ कलाकृतियाँ और भित्ति चित्र।

फूड ट्रैक, आईआरसीटीसी

परियोजना के लाभ

नया पम्बन पुल, रामेश्वरम

- यह कॉरिडोर हावड़ा और सियालदह में दो प्रमुख रेल टर्मिनस को जोड़ता है और एस्प्लेनेड स्टेशन पर मौजूदा उत्तर-दक्षिण मेट्रो और जोका-बीबीडी बाग मेट्रो परियोजना को भी जोड़ता है।
- अनुमानत: वर्ष 2025 में लगभग 7.5 लाख लोग प्रतिदिन इस प्रणाली का उपयोग करेंगे [राइट्स रिपोर्ट- 2017]
- हावड़ा और कोलकाता के जुड़वां शहरों के लिए हुगली नदी के पार एक तेज रेलगाड़ी संचार प्रदान करके क्षेत्र के जन परिवहन परिदृश्य को बढ़ावा देना।
- यातायात संकुलन को कम करना और यात्रा समय में कमी
- वायु गुणवत्ता में सुधार और ध्वनि प्रदूषण में कमी
- जीवन की गुणवत्ता, संरक्षा और सुरक्षा में सुधार
- क्षेत्रीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना
- कार्बन फुटप्रिंट में कमी

रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल)

रेल मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, रेल विकास निगम लिमिटेड ने अत्याधुनिक रेल परिवहन क्षमता का निर्माण किया है और 2003 में अपनी स्थापना के बाद से भारत के अवसंरचना के विकास में एक प्रमुख कंपनी रही है। रेल विकास निगम लिमिटेड अंतर्राष्ट्रीय परियोजना निष्पादन, निर्माण, प्रबंधन पद्धतियों और मानकों को अपनाकर फास्ट-ट्रैक आधार पर परियोजनाओं को निष्पादित कर रहा है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने 157 से अधिक परियोजनाओं को पूरा किया है, जो देश के रेल नेटवर्क और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

2005 में परिचालन शुरू करने के बाद, रेल विकास निगम लिमिटेड ने स्वयं को रेल अवसंरचना क्षेत्र में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है। अपने अभिनव पद्धति से रेल विकास निगम लिमिटेड ने भारतीय रेल नेटवर्क के लिए परिवहन क्षमता के सृजन में सक्षम हो सका है। इन उपायों में परियोजना विशिष्ट विशेष प्रयोज्य योजनाओं वाहनों (एसपीवी) का निर्माण शामिल है जिनसे बंदरगाहों और औद्योगिक समूहों को निर्बाध रेल संपर्क प्राप्त हो सका है।

वास्तविक कार्य-निष्पादन

दोहरीकरण/नई लाइन/आमान परिवर्तन:- वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने कुल 345.89 किलोमीटर रेल लाइन कमीशन की। इसमें 3.2 किलोमीटर नई लाइन और 342.69 किलोमीटर दोहरीकरण परियोजनाएँ शामिल हैं।

अपनी स्थापना के बाद से और मार्च 2025 तक, कंपनी ने कुल मिलाकर 16,162.93 किलोमीटर लंबाई की परियोजनाएँ कमीशन की हैं। इसमें 629.42 किलोमीटर नई लाइन, 6,185.75 किलोमीटर दोहरीकरण, 2,125.51 किलोमीटर आमान परिवर्तन, 7,158.92 किलोमीटर रेल विद्युतीकरण और मेट्रोपॉलिटन परिवहन योजना (एमटीपी) योजना शीर्ष के अंतर्गत 63.33 किलोमीटर शामिल हैं।

समर्पित माल यातायात गलियारा

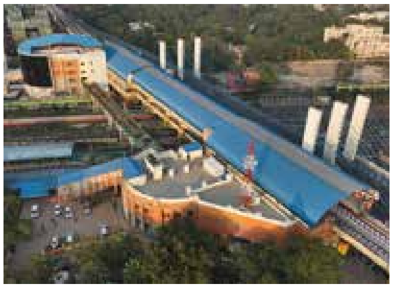

माझेरहार स्टेशन का विहंगम दृश्य

2024-25 में कमीशन की गई 3 दोहरीकरण परियोजनाओं की सूची निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	रेलवे	परियोजना का नाम	परियोजना का प्रकार	लंबाई (कि.मी.)
1.	उत्तर रेलवे	राजपुरा-बठिण्डा	दोहरीकरण	173.38
2.	पूर्वोत्तर रेलवे	जंघई- फाफामऊ दोहरीकरण	दोहरीकरण	49.16
3.	पूर्वोत्तर रेलवे	वाराणसी- माधो सिंह- इलाहाबाद	दोहरीकरण	120.35

रेल विद्युतीकरण

रेल मंत्रालय द्वारा रेल विद्युतीकरण परियोजनाओं को कमीशन करने पर जोर दिए जाने के साथ ही, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रमुख मार्गों पर समर्पित रेल विद्युतीकरण निर्माण-कार्यों के 158.19 मार्ग किमी (185.4 ट्रैक किमी) को सफलतापूर्वक कमीशन किया। इन विशुद्ध विद्युतीकरण परियोजनाओं के अलावा, दोहरीकरण परियोजनाओं के साथ-साथ 324.83 किमी विद्युतीकरण भी पूरा किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 2024-25 में कुल 483.02 किमी विद्युतीकृत खंड कमीशन किए गए।

निम्नलिखित विद्युतीकरण परियोजनाएँ पूरी तरह से कमीशन की गई

- अहमदाबाद- बोताद का विद्युतीकरण (170.48 किमी)

पुल कार्य परियोजना:- वर्ष के दौरान 2 पुल निर्माण परियोजनाएँ पूरी कर ली गई, जिनका विवरण निम्नानुसार है:

- **दारागंज - पुनर्निर्माण (गंगा नदी पर पुल सं. 111):** वाराणसी - माधो सिंह - इलाहाबाद दोहरीकरण परियोजना के पूरा होने के साथ-साथ दारा गंज (गंगा नदी पर पुल सं. 111) का निर्माण कार्य भी नवम्बर 2024 में पूरा कर लिया गया।
- **पंबन पुल (लिफ्टिंग स्पैन पुल):** भारत के पहले ऊर्ध्वाधर लिफ्टिंग स्पैन पुल (कुल लंबाई 3.96 किलोमीटर) का निर्माण कार्य नवम्बर 2024 में पूरा कर लिया गया जो नवाचार को अतीत की समृद्ध विरासत के साथ जोड़ते हुए पंबन द्वीप पर स्थित रामेश्वरम नगर को मुख्य भूमि के मंडपम से जोड़ती है

सिगनल प्रणाली एवं दूरसंचार

रेल विकास निगम लिमिटेड का सिगनल प्रणाली एवं दूरसंचार डोमेन भारतीय रेल पर रेलगाड़ियों के कुशल एवं सुरक्षित परिचालन के लिए उपयुक्त तथा किफायती समाधान प्रदान करता है। रेल विकास निगम लिमिटेड भारतीय रेल पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, डिजिटल एक्सल काउंटर, फाइबर ऑप्टिक केबल नेटवर्क, स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग, ईटीसीएस एल1/एल2/एल3, आईओटी आधारित निदान एवं पूर्वानुमान अनुरक्षण प्रणालियाँ जैसे आधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

रेल विकास निगम लिमिटेड भारतीय रेल पर दोहरीकरण, तीसरी लाइन, नई लाइन तथा आमान परिवर्तन से संबंधित कार्यों में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग इंस्टॉलेशन उपलब्ध कराने में एक प्रमुख योगदानकर्ता रहा है। अपनी परंपरा को बनाए रखते हुए, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, रेल विकास निगम लिमिटेड ने भारतीय रेल पर 47 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का कार्य पूरा किया। नए इंटरलॉकिंग इंस्टॉलेशन के अतिरिक्त, रेल विकास निगम लिमिटेड ने 44 स्टेशनों पर आशोधन कार्यों को भी पूरा किया, जिससे भारतीय रेल के मौजूदा मार्गों को विसंकुलित किया जा सके।

सुरंग से गुजरती हुई डबल स्टैक कंटेनर रेलगाड़ी

भारतीय रेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत, रेल विकास निगम लिमिटेड ने भारतीय रेल के प्रमुख यार्डों जैसे आम्बोदला, तालचेर रोड तथा आदित्यपुरा के यार्ड रीमॉडलिंग कार्य शुरू किया जिनमें 200 से 585 की संख्या में मार्ग शामिल हैं।

रेल विकास निगम लिमिटेड ने 86 नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) स्टेशनों, 30 इंटरमीडिएट ब्लॉक सिगनल (आईबीएस), इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के उपयोग से 166 स्वचालित सिगनल प्रणाली का कार्य शुरू किया है और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा में सुधार के लिए सिगनलों के साथ 41 मिड-सेक्शन समपार फाटकों को इंटरलॉक किया है। केवल सिगनल प्रणाली के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि दूरसंचार क्षेत्र में भी रेल विकास निगम लिमिटेड ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है, जिसके अंतर्गत विगत वर्ष के दौरान 2763 किलोमीटर फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क तथा 6 क्वाड केबल नेटवर्क उपलब्ध कराए गए।

रेल विकास निगम लिमिटेड ने कोलकाता मेट्रो पर जोका से माझेरहाट तक (10 किलोमीटर अप एवं डाउन दोनो दिशाओं में) नवीनतम संचार आधारित गाड़ी नियंत्रण (सीबीटीसी) सिगनल प्रणाली को कमीशन किया है। इसी प्रकार, कोलकाता मेट्रो पर कवि सुभाष से बेलियाघाट तक (10 किलोमीटर अप एवं डाउन दोनो दिशाओं में) संचार आधारित गाड़ी नियंत्रण (सीबीटीसी) सिगनल प्रणाली कमीशन किए जाने के लिए तैयार है।

रेल विकास निगम लिमिटेड ने विभिन्न क्षेत्रीय रेलों की स्वचालित सिगनल प्रणाली की विभिन्न निविदाओं में भाग लिया और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 148.96 करोड़ रुपए मूल्य के (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं दक्षिण रेलवे) स्वचालित सिगनल प्रणाली का कार्य प्राप्त किया।

बोली प्रक्रिया के माध्यम से प्रदान की गई कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

भारत में बोली प्रक्रिया के माध्यम से प्रदान की गई प्रमुख परियोजनाएँ

इन्दौर मेट्रो परियोजना:- रेल विकास निगम लिमिटेड को परियोजना की पीली लाइन के तीन प्रमुख पैकेज सौंपे गए हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

एलीवेटेड मेट्रो रेल स्टेशनों का डिजाइन और निर्माण जिसमें सभी सिविल, संरचनात्मक, छत संरचना, एमईपी कार्य, भवन परिकरण कार्य, अग्रभाग, प्रवेश/निकास, ऊपरी पैदल पुल, स्टेशन के भीतर वायडक्ट और पारगमन क्षेत्र शामिल हैं - इंदौर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट येलो लाइन। (7 उच्च स्तरीय मेट्रो स्टेशन)

एलिवेटेड वायडक्ट की डिजाइन और निर्माण, डिपो को इंटरफेस स्थान से जोड़ने वाला वायडक्ट, एलिवेटेड मेट्रो रेल स्टेशनों सहित सभी सिविल, संरचनात्मक, छत संरचना, एमईपी कार्य, भवन परिष्करण कार्य, अग्रभाग, प्रवेश/निकास, ऊपरी पैदल पुल, स्टेशन के भीतर वायडक्ट और पारगमन क्षेत्र शामिल हैं - इंदौर मेट्रो रेल परियोजना येलो लाइन। (10.9 किमी वायडक्ट और 9 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन)

"इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के लिए एलिवेटेड वायडक्ट, पाँच (5) एलिवेटेड मेट्रो रेल स्टेशन (जैसे कि शहीद बाग, खजराना चौराहा, बंगाली चौराहा, पत्रकार कॉलोनी और पलासिया चौराहा) और श्रृंखलामाप 31+755 से 34+898.061 तथा 3+669.547 से 5+862 के बीच रैम्प का आंशिक निर्माण और डिजाइन।" (4.73 कि.मी. वायडक्ट और 5 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन)

परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ/उपलब्धियाँ

उपलब्धियाँ

- दिसंबर, 2024 में 5.8 किमी वायडक्ट और 5 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन का कार्य पूरा होने के बाद, सीएमआरएस को सफलतापूर्वक 3 चरणों में सम्पन्न किया गया। तदनुसार, 5.8 किमी वायडक्ट और 5 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन के लिए वाणिज्यिक परिचालन की अनुमति प्राप्त हुई। कुल 10.927 किमी में से 10.8 किमी वायडक्ट का संपूर्ण कार्य पूर्ण हुआ।

चेन्नै में भूमिगत मेट्रो परियोजनाएँ (सीएमआरएल)

रेल विकास निगम लिमिटेड ने चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) के संबंध में 3 संविदाएं हासिल की हैं, जो वर्ष 2023 में इसके बृहद फेज- II विस्तार का हिस्सा हैं, जिसमें 16 भूमिगत स्टेशनों का निर्माण शामिल है।

सभी तीनों परियोजनाएं समयअनूसूची के अनुसार प्रगति पर हैं। इस परियोजना में चेन्नई मेट्रो नेटवर्क के कुछ सबसे गहरे स्टेशन शामिल हैं और इन्हें शहर के केंद्र में निष्पादित किया जा रहा है। परियोजनाओं के पूर्ण होने पर चेन्नै शहर का बदलना तय है और शहरी अवसंरचना के विकास में रेल विकास निगम लिमिटेड का महत्वपूर्ण योगदान एक राष्ट्रीय निर्माण कार्य के रूप में दर्ज और मान्य होगा।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की काकीनाड़ा 4-लेन परियोजनाः- भारतमाला परियोजना के अंतर्गत, रेल विकास निगम लिमिटेड समरलाकोटा से अचंपेटा जंक्शन तक 12.25 किमी की 4-लेन राजमार्ग का निर्माण कर रहा है, जो काकीनाड़ा पोर्ट से एनएच-16 (कोलकाता-चेन्नै) तक बंदरगाह सम्पर्कता रोड का हिस्सा है। इस परियोजना के पूरा होने से लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ेगी और माल परिवहन की संभार लागत कम होगी।

120 अदद ट्रेन सेटों (वंदे भारत) का विनिर्माण

वंदे भारत स्लीपर गाड़ी में 16 सवारी डिब्बे होंगे, जिनमें 11 वातानुकूलित 3-टियर सवारी डिब्बे, 4 वातानुकूलित 2-टियर सवारी डिब्बे और 1 प्रथम श्रेणी वातानुकूलित डिब्बा सम्मिलित है। इसे स्पेशल रूफिंग, उन्नत वातानुकूलन, विषाणु नियंत्रण तंत्र, कम झटके, शोर और कंपन जैसी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा। उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति अडिग प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए इस परियोजना में सौंदर्य दृष्टि से आकर्षक इंटीरियर्स के कुशल डिजाइन और उपयुक्त अंदरूनी पैनलों के चयन पर विचार किया गया है ताकि एक उल्लेखनीय रूप से सुधारा गया संस्करण तैयार किया जा सके, जो रेल परिवहन में उत्कृष्टता और नवाचार के नए मानक स्थापित करे।

बोली के माध्यम से प्रदान की गई प्रमुख परियोजनाएं: विदेशी परियोजनाएं

मालदीव में यूटीएफ हार्बर परियोजनाः- रेल विकास निगम लिमिटेड ने मालदीव में एक बंदरगाह अर्थात यूटीएफ (उथुरु थिला फलु-आइलैंड) हार्बर परियोजना के विकास और संबंधित अवसंरचना निर्माण के लिए पहला ऑफशोर ऑर्डर हासिल किया। यह भारत सरकार की एक रणनीतिक परियोजना है। यह समझौता जनवरी, 2023 में हस्ताक्षरित हुआ।

काम अच्छी तरह से शुरू हो गया है। वर्तमान तिथि तक, 45% वास्तविक प्रगति है। समुद्री कार्यों का 75% और स्थलीय कार्यों का 10% पूरा हो चुका है।

सौर परियोजनाएँ:- रेल विकास निगम लिमिटेड ने उजबेकिस्तान में 250 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र और सऊदी अरब के तबरजल में 450 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र की कमीशनिंग में सहयोग किया है।

वित्तीय प्रदर्शन:- अपने व्यावसायिक प्रवाह में व्यवधान की चुनौती के बावजूद, रेल विकास निगम लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के स्टैंडअलोन अकाउंट में 19,869.35 करोड़ रुपये का कारोबार, 1,550.17 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ और 1,188.62 करोड़ रुपये का करोपरांत लाभ हासिल किया।

समझौता ज्ञापन प्रदर्शन:- कंपनी ने रेल विकास निगम लिमिटेड और रेल मंत्रालय के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन में तय किए गए प्रतिबद्ध लक्ष्यों की उपलब्धि के आधार पर सार्वजनिक उपक्रम विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए "उत्कृष्ट" रेटिंग प्राप्त की। यह लगातार चौदहवां वर्ष है जिसमें कंपनी को "उत्कृष्ट" रेटिंग प्राप्त हुई है। वर्ष 2024-25 में, कंपनी सभी वित्तीय, उद्यम-विशेष और अन्य मानकों के लक्ष्यों को भी पूरा करने में सक्षम रही जो समझौता ज्ञापन 2024-25 में निर्धारित किए गए थे। कंपनी ने समझौता ज्ञापन 2024-25 में निर्धारित सभी अनुपालन मानकों को पूरा किया।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए)

रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) रेल मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक प्राधिकरण है, जिसकी स्थापना रेल अधिनियम, 1989 में संशोधन के माध्यम से गैर-प्रशुल्क उपायों द्वारा राजस्व अर्जित करने के प्रयोजन से रेल भूमि के वाणिज्यिक विकास के लिए की गई है।

अब तक रेल भूमि विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्य रेल भूमि का वाणिज्यिक विकास रहा है। लेकिन 2021 से हमने रेलवे स्टेशनों के योजना और पुनर्विकास कार्य भी शुरू किए हैं। इस प्रकार, रेल भूमि विकास प्राधिकरण एकीकृत टाउनशिप भूमि का वाणिज्यिक विकास करने और वास्तुकला परामर्शी सेवाएं (आर्किटेक्चर कंसल्टेंसी) प्रदान करने के अलावा बड़े और समष्टि स्टेशनों का पुनर्विकास, एलिवेटेड सड़कों का निर्माण, लंबी दूरी के ऊपरी सड़क पुल, गिट्टीरहित रेलपथ और रेलपथों के नीचे सुरंगें बना रहा है।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण के कार्य

तदनुसार, इन वर्षों में, रेल भूमि विकास प्राधिकरण ने अपने चार वर्टिकल्स बनाए और उन्हें मजबूत किया है:

- भूखंडों का वाणिज्यिक विकास
- कॉलोनी पुनर्विकास
- बहु कार्य परिसर (एमएफसी)
- स्टेशन पुनर्विकास

उपर्युक्त के अलावा, यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि हाल के वर्षों में, रेल भूमि विकास प्राधिकरण के कार्य क्षेत्र को इन क्षेत्रों के परे नई जिम्मेदारियों को जोड़कर बढ़ाया गया है। यह अब स्व-विकास विधि से सृजन और विपणन गतिविधियों को भी शामिल कर रहा है। लखनऊ का गोमती नगर रेलवे स्टेशन और दिल्ली का सफदरजंग स्टेशन, रेल भूमि विकास प्राधिकरण की अर्जित बचत से विकसित होने वाली पहली दो परियोजनाएँ हैं, जबकि कई अन्य परियोजनाएँ वर्तमान में योजना/कार्यान्वयन चरण में हैं।

इसके अतिरिक्त, रेल भूमि विकास प्राधिकरण का विकासशील दायरे में अब प्रमुख शहरों में रेलवे कॉलोनियों की एकीकृत मास्टर योजना तैयार करना और पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों पर

निर्मित और हवाई स्थानों को पट्टे पर देना भी शामिल है। अतिरिक्त जिम्मेदारियों में चाणक्यपुरी में क्रिस कार्यालय के स्थान के वाणिज्यिक उपयोग के लिए योजना और परामर्श, ओक ग्रोव स्कूल का उन्नयन, भारतीय रेल विद्युत अभियांत्रिकी संस्थान, नासिक में प्रशिक्षण अवसंरचना ढांचे और क्षमता का संवर्धन अहमदाबाद और जयपुर रेलवे स्टेशन में ऊपरी सड़क पुल का निर्माण शामिल है।

इस प्रकार, रेल भूमि विकास प्राधिकरण ने न केवल अपने मूल उद्देश्यों को अपनाया है, बल्कि नए कार्य भी सक्रिय रूप से कर रहा है, जो इसकी चल रही सफलता की कहानी में योगदान दे रहा है:

स्टेशनों का पुनर्विकास

रेल भूमि विकास प्राधिकरण भारत के रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास में शामिल एक प्रमुख संगठन के रूप में उभरा है। 91 रेलवे स्टेशनों की योजना बनाने का कार्य रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है, जिनमें से 57 स्टेशनों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है एवं उन्हें क्षेत्रीय रेलों को सौंप दिया गया है और 20 स्टेशनों की योजना बनाने का कार्य प्रगति पर है।

वर्तमान में, रेल भूमि विकास प्राधिकरण 14 प्रमुख रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कर रहा है, जिनकों नई दिल्ली (एनडीएलएस), अहमदाबाद (एडीआई) और मुंबई के ऐतिहासिक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के प्रमुख बदलाव शामिल हैं। इन स्टेशनों का कार्य प्रगति पर है और वित्त वर्ष 2024-25 में 4 स्टेशनों के चालू करने की योजना बनाई गई है।

गोंमती नगर, चंडीगढ़, सफदरजंग, बिजवासन, अजनी, मुजफ्फरपुर, नागपुर, सूरत, लखनऊ, गुरुग्राम और दिल्ली कैंट स्टेशनों पर भी रेल अवसंरचना को आधुनिक बनाने, यात्री अनुभव को बेहतर करने और स्थायी कार्य पद्यति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ विकास किया जा रहा है।

खाली रेल भूमि का वाणिज्यिक विकास

वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक रेल मंत्रालय द्वारा कुल 160 वाणिज्यिक स्थलों को वाणिज्यिक विकास के लिए रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है, जिनमें से 48 स्थलों के ठेके प्रदान कर दिए गए हैं।

रेल कॉलोनियों का पुनर्विकास

वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक रेल मंत्रालय द्वारा कुल 118 कॉलोनी पुनर्विकास स्थलों को रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है, जिनमें से 19 स्थलों के ठेके प्रदान कर दिए गए हैं।

बहु-कार्यात्मक परिसरों (एमएफसी) का निर्माण

रेल भूमि विकास प्राधिकरण को कुल 64 बहु-कार्यात्मक परिसर स्थलों का सौंपा गया है, जिनमें से 56 बहु-कार्यात्मक परिसरों के ठेके प्रदान किए गए हैं और 23 स्थल कमीशन किए जा चुके हैं।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण की उपलब्धियां

2007 में अपनी स्थापना के बाद से, रेल भूमि विकास प्राधिकरण प्रगति और नवाचार की यात्रा पर अग्रसर है। निरंतर प्रयासों और रणनीतिक दूरदृष्टि के माध्यम से, वित्तीय आय में प्रगति हुई

है। वर्ष 2024-25 के दौरान रेल भूमि विकास प्राधिकरण की कुल आय ₹1,297.81 करोड़ रही, जो वर्ष 2023-24 की आय से 35% अधिक है।

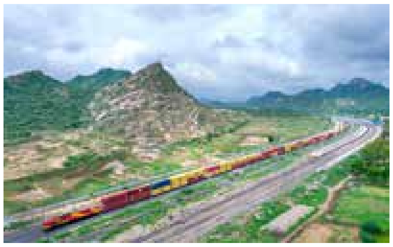

डबल स्टैक कंटेनर रेलगाड़ी

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) भारत सरकार (रेल मंत्रालय) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। भारतीय रेल के लिए दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता के चार बड़े महानगरों को जोड़ने वाला स्वर्णिम चतुर्भुज और उसके विकर्ण कार्यनीति की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह मार्ग कुल मार्ग का 16% है, किंतु 52% यात्री यातायात और 58% माल यातायात की ढुलाई करता है। पूर्वी गलियारा (कोलकाता-दिल्ली) और पश्चिमी गलियारा (मुंबई-दिल्ली) अत्यधिक संतृप्त थे। इन मार्गों को विसंकुलित करने के लिए समर्पित माल गलियारा विकसित किया गया। समर्पित माल गलियारे की स्थापना कार्यकुशलता सुनिश्चित करते हुए और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में सुस्पष्ट न्यूनीकरण को समर्थ बनाते हुए संतृप्त सड़क नेटवर्क को विसंकुलित और रेल माल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए किया गया था। 7 राज्यों से होकर गुजरने वाले समर्पित माल गलियारों की कुल परिधि 2,843 किलोमीटर है।

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक, भारत की निरंतर बढ़ती अर्थव्यवस्था से माल परिवहन की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि है। इस चुनौती का सामना करते हुए, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड भारत के अवसंरचना की रीढ़ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के लाभ

- **विश्वसनीयता और समयपालन में सुधार:** डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के समर्पित मार्ग और उन्नत सिगनलिंग प्रणाली से न्यूनतम विलंब सुनिश्चित होता है, जिससे अनुमानित और विश्वसनीय माल भाड़ा अनुसूची मिलती है, जो उद्योगों के लिए आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में सुधार करती है।

- **कम इकाई लागत:** माल भाड़ा परिवहन की इकाई लागत में भारी कमी से आर्थिक प्रतिस्पर्धा बढ़ी है।

- **उच्च-क्षमता वाली अवसंरचना:** स्वचालित सिगनल प्रणाली के साथ दोहरे-लाइन रेलपथ के फलस्वरूप प्रत्येक दिशा में 25 टन धुराभार (32.5 टन तक वृद्धि योग्य) और 1,500 मीटर तक प्रतिदिन 120 से अधिक गाड़ियां चलती हैं।

- **औद्योगिक गलियारे:** दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा (पश्चिमी समर्पित माल गलियारा) और अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा (पूर्वी समर्पित माल गलियारा) से कनेक्टीविटी सुदृढ़ हुई।

- **पर्यावरणीय प्रभाव:** सड़क परिवहन की तुलना में कार्बन डाई आक्साइड (CO_2) उत्सर्जन में 56% की कमी आई जो भारत को 2070 तक नेट-जीरो लक्ष्य का समर्थन करता है।

सोन पुल से गुजरती हुई माल यातायात रेलगाड़ी (ईडीएफसी)

- **आर्थिक गुणन प्रभाव:** औद्योगिक हब और बंदरगाहों को जोड़कर, डीएफसीसीआईएल क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, रोजगार सृजित करता है और पूर्वी और पश्चिमी कॉरिडोर के किनारे नए औद्योगिक क्लस्टरों के विकास में सहायता करता है।

- **मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स को सहारा:** गति शक्ति कार्गो टर्मिनल और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब के साथ एकीकरण सहज इंटरमॉडल संपकर्ता सुनिश्चित करता है, जिससे शुरू करने से अंत तक माल परिवहन के लिए लॉजिस्टिक्स लागत और परिवहन समय में कमी आती है।

- **निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा:** मुख्य बंदरगाहों तक तेज और किफायती माल परिवहन भारत के वैश्विक व्यापार की दक्षता को बढ़ाता है, जो आत्मनिर्भर भारत पहल को सहारा प्रदान करता है।

वर्ष 2024-25 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डीएफसीसीआईएल ने नियोजित 2,843 मार्ग किमी में से 2,741 मार्ग किमी समर्पित माल यातायात गलियारा नेटवर्क का सफलतापूर्वक कमीशन किया।

विशिष्टताएं

- डीएफसीसीआईएल भारतीय रेल के 12% माल जीटीकेएम के साथ सभी क्षेत्रीय रेलों में सबसे बड़ा माल परिवाहक बन गया है।

- मैसर्स कानपुर लॉजिस्टिक्स पार्क प्रा. लि. द्वारा संचालित न्यू दाउद खान जीसीटी (पूर्वी समर्पित माल गलियारा) को फरवरी 2025 में कमीशन किया गया।

- एमिरेट्स लॉजिस्टिक्स इंडिया प्रा. लि. द्वारा संचालित गोठनगाम जीसीटी (पश्चिमी समर्पित माल गलियारा) का उद्घाटन मार्च 2025 में किया गया।

- न्यू मकरपुरा स्टेशन से जुड़ा वरनामा जीसीटी (पश्चिमी समर्पित माल गलियारा) से 21 दिसंबर 2024 को पहली कंटेनर रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

- हिंद टर्मिनल्स लॉजिस्टिक्स पार्क, पलवल (पश्चिमी समर्पित माल गलियारा), जो न्यू प्रिथला स्टेशन से जुड़ा हुआ है, से 25 मार्च, 2025 को पहली डबल-स्टैक कंटेनर रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

- न्यू रेवाड़ी कॉर्ड लाइन (1.22 किमी) को 14 जुलाई, 2024 को कमीशन किया गया, जिससे नई रेवाड़ी में लोको रिवर्सल समाप्त हो गया, पारगमन समय कम हुआ और चालक दल के घंटे बचाए गए।

- डीएफसीसीआईएल ने 3 फरवरी, 2025 को नोएडा में अपना अत्याधुनिक कॉर्पोरेट कार्यालय शुरू किया।

कार्यों की प्रगति

- वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आधुनिक नई रेलपथ निर्माण मशीन से 127 रेलपथ किलोमीटर को रेलपथ के साथ जोड़ा गया, जिससे कुल संपर्कन 5,893 रेलपथ किलोमीटर हो गया।

- वित्त वर्ष 2024–25 में 37 ऊपरी सड़क पुल का कार्य पूरा किया गया, जिससे मार्च 2025 तक ऊपरी सड़क पुलों की कुल संख्या 243 हो गई।

- वित्त वर्ष 2024-25 में यंत्रीकृत वायरिंग ट्रेन द्वारा 168 रेलपथ किलोमीटर शिरोपरि उपस्कर वायरिंग का कार्य पूरा किया गया। मार्च 2025 तक कुल 5,747 रेलपथ किलोमीटर शिरोपरि उपस्कर तार स्थापन का कार्य पूरा किया जा चुका है।

- डीएफसीसीआईएल ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ₹8,994 करोड़ (अंतिम, भूमि सहित) का पूंजीगत व्यय प्राप्त किया।

डीएफसीसीआईएल ने अपने बड़े आरएफओ पर ओपन वेब स्टील गर्डर का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया

परिचालन

वित्त वर्ष 2024-25 में, डीएफसीसीआईएल ने भारतीय रेल नेटवर्क को अधिक विसंकुलित करके और माल परिवहन क्षमता बढ़ाकर परिचालन दक्षता, संरक्षा सुधार और पर्यावरणीय स्थिरता में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।

- **परिचालित कुल रेलगाड़ियां:-** डीएफसीसीआईएल ने डीएफसी नेटवर्क पर 1,30,116 रेलगाडियों का परिचालन किया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में परिचालित 88,225 रेलगाडियों से 47.5% अधिक है।
- **दैनिक औसत:-** डीएफसीसीआईएल ने वित्त वर्ष 2024-25 में प्रतिदिन औसतन 356 रेलगाड़ियां चलाई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में प्रतिदिन 241 रेलगाडियों की तुलना में 47.7% की वृद्धि है, और मार्च 2025 में प्रतिदिन 403 रेलगाडियों की अधिकतम संख्या दर्ज की।
- **अधिकतम अंतरपरिवर्तन:-** डीएफसीसीआईएल ने 30 मार्च 2025 को एक दिन में 848 अंतरपरिवर्तन दर्ज किए।
- **माल यातायात मीट्रिक:-** शुद्ध टन किलोमीटर (एनटीकेएम):- डीएफसीसीआईएल ने 111,898 मिलियन शुद्ध टन किलोमीटर हासिल किया, जो कि वित्त वर्ष 2023-24 में 65,719 मिलियन शुद्ध टन किलोमीटर से 68% की वृद्धि है।
- **सकल टन किलोमीटर (जीटीकेएम):-** डीएफसीसीआईएल ने 192,146 मिलियन सकल टन किलोमीटर दर्ज किया, जो 2023-24 में 119,129 मिलियन सकल टन किलोमीटर की तुलना में 61% की वृद्धि है।
- **औद्योगिक केन्द्रों का विकास:-** पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के किनारे दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, अंतर्देशीय जलमार्गों से संपर्क और पूर्वी समर्पित माल गलियारे के किनारे अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा।
- **पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधन:-** रेल परिवहन द्वारा कार्बन उत्सर्जन 28 ग्राम प्रति शुद्ध टन किलोमीटर है, जो सड़क परिवहन के 64 ग्राम प्रति शुद्ध टन किलोमीटर से काफी कम है। यह रेल परिवहन को पर्यावरण के अनुकूल विकल्प बनाता है। इस प्रक्रिया में समर्पित माल गलियारा 30 वर्षों में 457 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन रोककर पर्यावरण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- **ट्रक ऑन ट्रेन लदान:-** प्रतिष्ठित ट्रक ऑन ट्रेन (टीओटी) सेवा पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के रेवाड़ी-पालनपुर रेलखंड पर परिचालित है। 2024-25 के दौरान, 730 रेकों से 18,309 ट्रकों को पहुँचाया गया, जिससे कुल आय लगभग 48.64 करोड़ रुपये हुई, और लगभग 33 लाख लीटर डीजल की बचत हुई, फलस्वरूप देश की विदेशी मुद्रा की बचत हुई और लगभग 8,780 टन कार्बनडाई ऑक्साइड उत्सर्जन की कमी आई।

व्यवसाय विकास

डीएफसीसीआईएल समर्पित माल गलियारा नेटवर्क के भाग के रूप में भारतीय रेल की गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल नीति के अनुरूप नए टर्मिनलों के विस्तार पर फोकस कर रहा है। इस पहल में विभिन्न संगठनों से विभिन्न रेल-संपर्क परियोजनाओं का डीएफसीसीआईएल नेटवर्क में एकीकरण शामिल है। विशेषतः, राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम से दो रेल-संपर्क परियोजनाएं, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) से चार तथा प्रिस्टिन लॉजिस्टिक्स और नवकार, प्रत्येक से एक रेल-संपर्क परियोजनाएं हैं। इन सभी परियोजनाओं को समर्पित माल गलियारा नेटवर्क में निर्बाध ढंग से समाविष्ट किया जा रहा है।

डीएफसीसीआईएल ने भारतीय रेल के कुल मार्ग किलोमीटरों में 2,741 मार्ग किलोमीटर समर्पित माल रेलपथ जोड़ने, इसकी माल लदान क्षमता बढ़ाने तथा पहले भारतीय रेल नेटवर्क पर चालित मालगाडियों के एक बडे हिस्से को ग्रहण करके यात्री नेटवर्क का संवर्धन करने में उत्कृष्ट भूमिका निभाई है। डीएफसीसीआईएल से देश के अंदर माल परिवहन को बेहतर बनाने, कम संभार-तंत्र लागत के साथ पारगमन समय को न्यूनतम बनाने और 'आत्म निर्भर भारत' अभियान में योगदान करने में अहम भूमिका निभाए जाने की प्रत्याशा है।

मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड (एमआरवीसी)

मुंबई रेल विकास निगम लिमिटेड (एमआरवीसी लिमिटेड) रेल मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। यह मुंबई शहरी परिवहन परियोजना (एमयूटीपी) के रेल अवसंरचना घटकों को लागू करने के लिए उत्तरदायी है।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I

2003-04 के रेल बजट में स्वीकृत, मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I को 2012 में कुल ₹4,452 करोड़ की लागत से सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-I (रेल संघटक) में प्रमुख अवसंरचनात्मक इनपुट

- 93 रेलपथ किलोमीटर का परिवर्धन (5वीं और 6ठी लाइन कुर्ला-ठाणे, तीसरी और चौथी लाइन बोरीवली-विरार)।
- 101 नए 9-कार रेक (909 सवारी डिब्बों) को सेवा में शामिल किया गया।
- परियोजना प्रभावित 15,857 परिवारों का पुर्नस्थापन और पुनर्वास।
- सभी प्लेटफार्मों की लंबाई बढ़ाकर सभी लाइनों पर (हार्बर लाइन को छोड़कर) 12 कार रेकों का चालन।
- मध्य और पश्चिम रेल में 1500 वोल्ट डीसी से 25 किलो वोल्ट एसी में परिवर्तन-समूची पश्चिम रेल में कर्षण परिवर्तन कार्य।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना-II

इस परियोजना को रेल बजट 2008-09 में अनुमोदित किया गया था। मुंबई शहरी परिवहन परियोजना फेज II की कुल लागत ₹8,087 करोड़ है। इसे फेज 2क और 2ख में विभाजित किया गया है:

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 2क- पूरी हो चुकी है। लागत ₹4,803 करोड़। विश्व बैंक से ऋण ₹1727 करोड़।

क्र.सं	कार्य का नाम	निष्पादन एजेंसी	मौजूदा स्थिति
1	ईएमयू प्रापण/विनिर्माण (सवारी डिब्बा कारखाना)	मुंबई रेल विकास निगम / अअमासं/सवारी डिब्बा कारखाना	पूरा हो गया है।
2	1,500 वोल्ट डीसी से 25 किलो. वॉट एसी में परिवर्तन	मध्य रेल, मुंबई रेल विकास निगम	पूरा हो गया है।
3	ईएमयू अनुरक्षण सुविधाएं और स्टैबलिंग लाइनें	मध्य रेल, पश्चिम रेल, मुंबई रेल विकास निगम	पूरा हो गया है।
4	अनधिकार प्रवेश नियंत्रण उपाय	मुंबई रेल विकास निगम	पूरा हो गया है।

मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 2ख–प्रगति पर है। लागत-3,284 करोड़ रु.।

क्र.सं	कार्य का नाम	निष्पादन एजेंसी	पूरा करने का लक्ष्य/ मौजूदा स्थिति
1	अंधेरी-गोरेगांव के बीच हार्बर लाइन का विस्तार	मुंबई रेल विकास निगम	दिसंबर 2017 में पूरा हो गया है।
2	ठाणे-दिवा के बीच 5वीं और 6ठी लाइने	मुंबई रेल विकास निगम	फरवरी 2022 में पूरा हो गया है।
3	छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-कुर्ला के बीच 5वीं और 6ठी लाइने	मध्य रेल	दिसंबर 2026 (चरण I)
4	मुंबई सेंट्रल - बोरीवली के बीच 6ठी लाइन	पश्चिम रेल	दिसंबर 2027

एमयूटीपी 2ग-हार्बर लाइन पर 12 कार को चलाना – इस परियोजना को रेल बजट 2012-13 में स्वीकृति दी गई थी। परियोजना पूरी हो गई है। लागत – 789.55 करोड़ रु.।

सभी अवसंरचना कार्य मार्च 2016 तक पूरे हो गए थे। फरवरी 2018 तक 13 नए 12-कार ईएमयू रेक प्राप्त किए गए। इस परियोजना ने हार्बर लाइन की क्षमता में 33% की बढ़ोतरी की।

एमयूटीपी III - प्रगति पर है। लागत-10,947 करोड़ रुपए। एआईआईबी से ऋण–500 मिलियन अमेरिकी डॉलर

इस परियोजना को दिसंबर 2016 में स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना के तहत सभी कार्यों को कार्यान्वयन के लिए मुंबई रेल विकास निगम रू को सौंपा गया है।

क्र.सं	कार्य का नाम	लागत (रू.करोड़ में)	टीडीसी
1	नया उपनगरीय रेल गलियारा पनवेल-कर्जत (दोहरी लाइन) (29.6 किलोमीटर)	2782	दिसंबर, 2025
2	मध्य रेल में ऐरोली-कलवा (एलिवेटेड) के बीच नई उपनगरीय गलियारा लिंक (3.3 किलोमीटर)	476	चरण I–कमीशन किया गया। चरण II – आर-आर के 3 साल बाद

3	पश्चिम रेलवे में विरार-दहानू रोड का चौहरीकरण (64 किलोमीटर)	3,578	दिसंबर. 2026
4	चल स्टॉक का प्रापण (565 सवारी डिब्बे)	3,491	एमयूटीपी III क के साथ
5	रेलखंड के बीच अनधिकार प्रवेश नियंत्रण	551	जून 2025 में पूर्ण हुआ

एमयूटीपी III क प्रगति पर है।

इस परियोजना को अप्रैल 2019 में स्वीकृति दी गई थी। लागत- ₹33,690 करोड़। एआईआईबी से ऋण- 85 मिलियन अमेरिकी डॉलर

क्र.सं	कार्य का नाम	लागत (करोड़ रु. में)	निष्पादन एजेंसी.
1	गोरेगांव-बोरीवली के बीच हार्बर लाइन का विस्तार (7.08 मार्ग किलोमीटर)	826	पश्चिम रेल
2	बोरीवली-विरार के बीच 5वीं और 6ठी लाइन (26 मार्ग किलोमीटर)	2,184	एमआरवीसी
3	कल्याण-आसनगांव के बीच चौथी लाइन (32.22 मार्ग किलोमीटर)	1,759	मध्य रेल
4	कल्याण-बदलापुर के बीच तीसरी और चौथी लाइन(14.05 मार्ग किलोमीटर)	1,510	एमआरवीसी
5	कल्याण यार्ड-लंबी दूरी और उपनगरीय यातायात का पृथक्करण	866	मध्य रेल
6	क) हार्बर लाइन और ट्रांस हार्बर पर छत्रपति मुंबई शिवाजी महाराज टर्मिनस-पनवेल में संचार-आधारित रेलगाड़ी नियंत्रण	1,391	
	ख) मध्य रेल में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-कल्याण में संचार-आधारित लिमिटेड रेलगाड़ी नियंत्रण	2,166	एमआरवीसी
	ग) पश्चिम रेल में चर्च गेट-विरार में संचार आधारित रेलगाड़ी नियंत्रण	2,371	
7	स्टेशन सुधार-17 रेलवे स्टेशनों पर	947	एमआरवीसी
8	चल स्टॉक की खरीद 191 वातानुकूल ईएमयू रेक	15,802	एमआरवीसी
9	चल स्टॉक के लिए अनुरक्षण सुविधाएं	2,353	एमआरवीसी
10	स्टेबलिंग लाइनें	557	मध्य रेल और पश्चिम रेल
11	विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का संवर्धन	708	मध्य रेल और पश्चिम रेल
12	तकनीकी सहायता	250	एमआरवीसी
	कुल जोड़	**33,690**	

सीबीटीसी जिसके लिए 'आत्म निर्भर भारत' के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा कवच 5 का स्वदेशी विकास किया जा रहा है, को छोड़कर सभी परियोजनाओं के काम जारी हैं। अब एमयूटीपी III और IIIक के तहत स्वीकृत किए सभी रेकों के लिए वातानुकूलित ईएमयू रेक खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड

ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड, रेल मंत्रालय के अधीन अनुसूची-ख, 'मिनीरत्न-I' भारी इंजीनियरी का केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। इसका मुख्यालय कोलकाता में है और कोलकाता के आसपास 2 विनिर्माण इकाइयां हैं, दिल्ली और मुंबई में इसके कार्यालय हैं, और भारत के विभिन्न राज्यों में इसकी परियोजना साइटें हैं। दशकों से, ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड की मुख्य दक्षता भारत में रेल चल स्टॉक विनिर्माण, विशेषकर मालडिब्बों के विनिर्माण (परंपरागत और विशेष प्रकार) में रही है। इसके अन्य प्रमुख उत्पाद और सेवाओं में मालडिब्बों की मरम्मत, पुलों का सिविल निर्माण और संरचनात्मक इस्पात विरचन, क्रेनों का विनिर्माण और उनका अनुरक्षण, इस्पात साँचे और मालडिब्बे की सब-असेंबली शामिल हैं।

उपर्युक्त के अलावा, हाल ही में ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड अधिक विस्तार की प्रक्रिया में है और विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे कि रेलवे वर्कशॉप का संचालन और रखरखाव, जिसमें मालडिब्बों का आरओएच/ पीओएच शामिल है, कंटेनर निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा, आपदा प्रबंधन गतिविधियाँ आदि अपने विविधीकरण मुहिम में जोड़ती जा रही है। कंपनी के पास एक विश्व स्तरीय वेल्डिंग प्रशिक्षण केंद्र है, इसे राष्ट्रीय कौशल विकास निगम से मान्यता प्राप्त है और यह वेल्डिंग तकनीक पर प्रशिक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में व्यवसाय कर रहा है। यहाँ यह ध्यान देने योग्य है कि कंपनी ने भारतीय रेल को पुराने और अनुपयोगी मालडिब्बों की मरम्मत और पुनर्निर्माण तथा रेलवे साइट पर संचालन और रखरखाव के कार्यों में सहयोग प्रदान किया है। अवसंरचना के क्षेत्र में, कंपनी लगातार अपनी सुविधाओं और तकनीकी विकास को अद्यतन कर रही है, ताकि अपनी क्षमताओं के आधार पर भविष्य की विकास गति को पूरा कर सके। आरडीएसओ के सहयोग से नए डिजाइन के मालडिब्बों के लिए एक प्रोटोटाइप हब के रूप में मान्यता प्राप्त होने के कारण, कंपनी भारतीय रेल के लिए लगातार नए मालडिब्बों का विकास कर रही है, जिसमें इसकी समर्पित और अच्छी तरह से विकसित डिजाइन और ड्राइंग हाउस और ईआरपी सक्षम व्यावसायिक प्रक्रियाएं हैं।

भौतिक एवं वित्तीय दृष्टि से कंपनी के कार्य निष्पादन के मुख्य अंश इस प्रकार हैं:

विवरण	2023-24	2024-25
संचालन से राजस्व (₹करोड में)	1,103.37	1,266.15
निवल मूल्य (₹करोड़ में)	216.79	233.60
नवनिर्मित मालडिब्बा (अदद)	1,585	2,155
पीओएच मालडिब्बों (सं.) सहित मालडिब्बों की मरम्मत	8,916	11,445
बोगी (अदद)	2,232	2,586

इस संबंध में, राजस्व और इसका मुख्य व्यवसाय, अर्थात नए मालडिब्बों का विनिर्माण, पिछले वर्षों में वृद्धि के रुझान को क्रमबद्ध करते हुए नीचे ग्राफ के रूप में प्रस्तुत किया गया है-

2024-25 के दौरान ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड के प्रदर्शन के संदर्भ में प्रमुख उपलब्धियाँ

- जैसा कि ऊपर बताया गया है, ब्रेथवेट एंड कंपनी लिमिटेड के पिछले वर्षों के आंकड़ों में निरंतर वृद्धि के रुझान को जारी रखा है, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक की सबसे अधिक 1,266.15 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 14.75% की वृद्धि है।
- मार्च 2025 में अब तक का सर्वाधिक 299 माल डिब्बों का विनिर्माण किया गया (पिछले वर्ष के एक माह में सर्वाधिक विनिर्माण मार्च, 2024 में 281 अदद माल डिब्बों का विनिर्माण था)।
- इस माह के दौरान अब तक का सर्वाधिक 252 अदद बोगी उत्पादन हुआ, जो पिछले वर्ष के एक माह में सर्वाधिक उत्पादन मार्च 2024 में हुए 236 अदद बोगी उत्पादन से अधिक रहा।
- इस वित्त वर्ष में नए व्यावसायिक उद्यमों में सफलतापूर्वक कारोबार की शुरुआत की, जो राजस्व के संदर्भ में महत्वपूर्ण योगदान के साथ आगे बढ़ रहे हैं: सैन्य इंजीनियरी सेवाएं 10.15 करोड़ रुपए, उत्तराखंड परियोजनाएं 58.96 करोड़ रुपए और महाराष्ट्र परियोजना 20.86 करोड़ रुपए।
- पुराने/मौजूदा व्यवसाय का समेकन, जिनमें प्रमुख हैं सिविल इंफ्रा/पुल निर्माण और क्रेन से संबंधित कार्य, जिससे अब तक का सर्वाधिक राजस्व क्रमशः 44.35 करोड़ रुपए और 24.08 करोड़ रुपए प्राप्त हुआ है (पिछले वित्त वर्ष में 17.90 करोड़ रुपए और 20.47 करोड़ रुपए)।
- 2,800 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के ऑर्डर प्राप्त किए, वर्तमान में जो अब तक का सर्वाधिक 2,982 करोड़ रुपए का आदेश प्राप्त किया है, जो सरकारी (रेलवे, राज्य और पीएसयू) और निजी दोनों क्षेत्रों में विविध क्षेत्रों में है।
- सेल एंड क्रैकर्स इंडिया के लिए विनिर्मित बॉक्सएनएचएल माल डिब्बों की आदेश सुपुर्दगी निश्चित अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूरी की।
- भारत में पहली बार, ग्रीन-एच इलेक्ट्रोलाइजर कंटेनरों को विकसित करके, विनिर्मित करके और सुपुर्दगी करके भारत के कार्बन नेट जीरो लक्ष्यों की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सलाहकार बोर्ड

रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति

विभिन्न स्तरों पर रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समितियां, रेल उपयोगकर्ताओं के लिए सेवाओं में सुधार हेतु प्रबंधन और रेल उपयोगकर्ताओं के बीच औपचारिक परामर्श के अवसर सुलभ कराती हैं। मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां, क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां, कोंकण रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, मेट्रो रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति, उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियां और रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समितियां रेल प्रशासन को उपयोगी सूचनाएं सुलभ कराती हैं।

मंडल रेल उपयोगकर्ता समितियों का पुनर्गठन 16.08.2024 से 15.08.2026 तक दो वर्ष के कार्यकाल के लिए किया गया है। क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियों, कोंकण रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति एवं मेट्रो रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का पुनर्गठन 01.10.2024 से 30.09.2026 तक दो वर्ष के कार्यकाल के लिए किया गया है। उपनगरीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समितियों और रेलवे स्टेशन परामर्शदात्री समितियों का गठन स्वयं क्षेत्रीय रेलों द्वारा किया जाता है।

केन्द्रीय रेल अनुसंधान बोर्ड

केंद्रीय रेल अनुसंधान बोर्ड में बतौर अध्यक्ष, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन के महानिदेशक, बतौर सदस्य, रेलवे बोर्ड के संबंधित वरिष्ठ अधिकारी और बतौर सदस्य सचिव अपर महानिदेशक, अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन शामिल हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, प्रख्यात वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, अन्य सरकारी विभागों, उद्योगजगत आदि के गैर-रेलवे सदस्यों को भी प्रतिनिधित्व दिया जाता है। यह बोर्ड रेलवे के अनुसंधान कार्यक्रमों की अनुशंसा और समीक्षा करता है और अन्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं से समन्वय और सहायता भी सुनिश्चित करता है।

रेलवे हिंदी सलाहकार समिति

रेल मंत्रालय और क्षेत्रीय रेलों में हिंदी का प्रयोग-प्रसार करने के लिए माननीय रेल मंत्री की अध्यक्षता में रेलवे हिंदी सलाहकार समिति का गठन किया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के लिए बहुमूल्य सुझाव देना है।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

2024-25

13.07.2024	महाराष्ट्र में कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया गया।
31.08.2024	निम्नलिखित वंदे भारत रेलगाड़ियों का उद्घाटन किया गया। ● चेन्नै एग्मोर-नागरकोविल ● मदुरै-बेंगलुरु कैंट ● मेरठ-लखनऊ
01.09.2024	● नई वंदे भारत शयनयान रेलगाड़ी का अनावरण किया गया और बीईएमएल, बेंगलुरु में मानक तथा बड़ी लाइन चल स्टॉक विनिर्माण सुविधा के लिए नए हैंगर का शिलान्यास किया गया। ● पीलीभीत-मैलानी रेलखंड के आमान परिवर्तन को राष्ट्र को समर्पित किया गया और इस मार्ग पर नई रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
15.09.2024	निम्नलिखित वंदे भारत रेलगाड़ियों का उद्घाटन किया गया। ● टाटानगर-पटना ● भागलपुर-दुमका-हावड़ा ● ब्रह्मपुर-टाटानगर ● हावड़ा-राउरकेला ● गया-हावड़ा ● देवघर-वाराणसी ● राउरकेला-हावड़ा ● पूणे-हुब्बल्लि
16.09.2024	निम्नलिखित वंदे भारत रेलगाड़ियों का उद्घाटन किया गया। ● वाराणसी-नई दिल्ली (20 सवारी डिब्बों वाली पहली वंदे भारत रेलगाड़ी) ● नागपुर-सिकंदराबाद ● रायपुर-विशाखपट्टणम ● भुज-अहमदाबाद (नमो भारत रैपिड रेलगाड़ी)
17.09.2024	पारादीप, ओडिशा में बहु परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया गया।
20.09.2024	भारत-नेपाल मैत्री यात्रा के लिए भारत गौरव डीलक्स वातानुकूलित पर्यटक रेलगाड़ी को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
02.10.2024	निम्नलिखित यात्री/एक्सप्रेस रेलगाड़ियाँ शुरू की गई। ● अजीमगंज-काशिमबाजार ● कृष्णनगर-अजीमगंज ● राधिकापुर-आनंद विहार टर्मिनल
15.10.2024	देवलाली-दानापुर शेतकरी समृद्धि विशेष रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
27.10.2024	समर्पित भुज-नलिया रेल लाइन का आमान परिवर्तन
29.10.2024	सप्ताह में 2 बार चलने वाली बांद्रा टर्मिनस-मडगांव नई रेलगाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
13.11.2024	नागरकोविल, तंजावुर, पालक्काड जंक्शन, तिरुचिरापल्ली जंक्शन, इरोड जंक्शन, दिंडुक्कल, दावणगेरे, अगरतला स्टेशनों पर जन औषधि केंद्रों का अनावरण किया गया।
07.12.2024	● जयपुर में 3 दोहरी लाइन रेल परियोजनाओं का शिलान्यास और विद्युतीकरण का लोकार्पण किया गया। ● कटक रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया गया।
06.01.2025	● चर्लपल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया गया। ● उत्तर रेलवे में नए जम्मू रेल मंडल का सृजन किया गया। ● ओडिशा में रायगढ़ा मंडल का शिलान्यास किया गया। और

पारिभाषिक शब्दावली

लेखा

पूंजीगत निवेश	रेलों की पूंजीगत परिसंपत्तियों की बुक वैल्यू।
सकल राजस्व	किसी लेखा-अवधि में वास्तविक आमदनी, चाहे उसे वास्तव में प्राप्त किया गया हो अथवा नहीं।
सकल प्राप्तियां	किसी लेखा अवधि के दौरान वास्तव में प्राप्त की गई आमदनियां।
शुद्ध राजस्व	कुल संचालन व्यय घटाने के पश्चात् सकल यातायात प्राप्तियां।
परिचालन अनुपात	संचालन व्यय का सकल राजस्व से अनुपात।
उचंत	वसूल न की गई आमदनियां, दायिताएं जिन्हें किसी लेखा अवधि में भुगतान नहीं किया गया हो।
संचालन व्यय	प्रशासन, परिचालन, अनुरक्षण और मरम्मत पर होने वाला व्यय, मूल्यह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि में अंशदान।

सांख्यिकी

घनत्व	रेलवे प्रणाली पर किन्हीं दो स्थानों के बीच संचालित होने वाले यातायात की मात्रा को यात्री किलोमीटर अथवा शुद्ध टन कि.मी. प्रति मार्ग कि.मी./रनिंग रेलपथ कि.मी. अथवा गाड़ी कि.मी. प्रति रनिंग रेलपथ कि.मी. के रूप में व्यक्त किया जाता है
इंजन किलोमीटर	एक इंजन का स्वयं अपनी शक्ति से एक किलोमीटर तक चलना।
सकल टन किलोमीटर	किसी एक गाड़ी द्वारा एक कि.मी. तक कर्षित सकल टन जिसमें पे-लोड और टेयर भार शामिल हो।
गमन दूरी	एक यात्री अथवा एक टन माल जितनी औसत दूरी तक ढोया जाए।
भारयुक्त माल डिब्बा किलोमीटर	माल से लदे एक माल डिब्बे का एक किलोमीटर तक संचलन।
शुद्ध भार अथवा शुद्ध टन भार	किसी वाहन अथवा किसी गाड़ी द्वारा ढोये गए यात्रियों, सामान अथवा माल का पे-लोड।
शुद्ध टन किलोमीटर	एक किलोमीटर तक वाहित एक टन माल का पे-लोड।
गैर-राजस्व यातायात	वह यातायात जो रेलों की कार्यप्रणाली के लिए नि:शुल्क ढोया जाए।
यात्री किलोमीटर	एक यात्री का एक किलोमीटर तक परिवहन।
राजस्व उपार्जक यातायात	वह यातायात जिसके परिवहन के लिए परेषक अथवा परेषिती द्वारा भुगतान किया जाता है।

मार्ग किलोमीटर	रेल प्रणाली पर दो स्थानों के बीच की दूरी चाहे उन्हें कितनी भी लाइनें, अर्थात इकहरी लाइन, दोहरी लाइन, आदि जोड़ती है।
रनिंग रेलपथ किलोमीटर	साइडिंगों, यार्डों तथा क्रॉसिंगों के रेलपथ को छोड़कर सभी रनिंग रेलपथों की लंबाई।
रेलपथ किलोमीटर	साइडिंगों, यार्डों तथा क्रॉसिंगों के रेलपथ को शामिल करते हुए सभी रनिंग रेलपथों की लंबाई।
गाड़ी किलोमीटर	गाड़ी का एक किलोमीटर तक संचलन।
वाहन/माल डिब्बा किलोमीटर	एक वाहन/माल डिब्बे का एक किलोमीटर तक संचलन।
माल डिब्बा फेरा	एक माल डिब्बे के दो क्रमिक लदानों के बीच का समयांतर।
यातायात	
दर	पार्सल, सामान और माल की एक इकाई की ढुलाई के लिए दर सूची द्वारा निर्धारित मूल्य।
भाड़ा	वसूल किए गए 'दण्ड' को छोड़कर यात्रियों की ढुलाई से रेलवे को प्राप्त धन।
अन्य	
कार्मिकों की संख्या	सभी कर्मचारी जिन्हें प्रत्यक्ष तौर पर रेल प्रशासन द्वारा भुगतान किया जाता है।
भण्डार	रेल संचालन के लिए अपेक्षित सामान अथवा पुर्जों की आपूर्ति, जिसका क्रय रेलवे द्वारा किया गया हो अथवा रेल कारखानों में विनिर्माण किया गया हो।
कर्षित प्रयास	किसी रेल इंजन की भार कर्षण क्षमता को रेल इंजन द्वारा पहिए पर लगाए गए बल को कर्षित प्रयास के रूप में व्यक्त किया जाता है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक - संघ सरकार (रेलवे) की रिपोर्ट से महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा टिप्पणियों का सारांश और की गई कार्रवाई संबंधी लंबित नोट पर स्थिति रिपोर्ट

2025 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट संख्या 2 अनुपालन लेखापरीक्षा (मार्च 2023 को समाप्त वर्ष)

अध्याय I: पूर्व तट रेलवे में मंचेश्वर सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाने की कार्य-प्रणाली।

कारखाने की कार्य-प्रणाली पर लेखापरीक्षा यह निर्धारित करने के लिए की गई थी कि क्या लक्ष्य कारखाने में की जाने वाली वास्तविक आवधिक मरम्मत के आधार पर निर्धारित किए गए थे और समयबद्ध तरीके से पूरे किए गए थे। कुछ महत्वपूर्ण प्रेक्षण हैं:-

(i) आवधिक मरम्मत के लिए सवारी डिब्बा के अनुमान यथार्थवादी नहीं थे और हर वर्ष इसमें गिरावट की समीक्षा की गई थी।

(ii) कारखाने द्वारा सवारी डिब्बों के आवधिक मरम्मत करने में 15/20 दिनों के निर्धारित समय अवधि की तुलना में लगभग तीन वर्ष का समय लगा।

(iii) वर्ष 2020-23 के दौरान मरम्मत किए गए 3,402 सवारी डिब्बों में से 131 सवारी डिब्बे आवधिक मरम्मत के 100 दिनों के भीतर विफल हो गए।

(iv) 2016 में इसकी आवधिक मरम्मत क्षमता को 150 सवारी डिब्बा प्रति माह तक बढ़ाने के बावजूद, 2018-19 से 2022-23 के दौरान बिना मौजूदा अवसंरचना की संगतता और भविष्य में वास्तविक आवश्यकता का आकलन किए 181.78 करोड़ रुपए की लागत से क्षमता संवर्धन कार्य किए गए।

(v) कारखाने का बजट इकाई लागत पर आधारित नहीं था और साथ ही सवारी डिब्बो की आवधिक मरम्मत के अनुमान के अनुसार नहीं था, जिसके कारण अतिरिक्त व्यय हुआ।

(vi) चार उच्च मूल्य वाली मशीनें जिनकी कीमत 4.15 करोड़ रुपए है, लंबे समय से मशीनो की अंतर्निहित दोषों के कारण बेकार पड़ी हुई थीं।

अध्याय II: छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-कुर्ला स्टेशन के बीच 5वीं और 6वीं लाइन का निर्माण

कुछ महत्वपूर्ण प्रेक्षण हैं:-

(i) मैसर्स रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस (राइट्स) द्वारा अनुचित विस्तृत प्राक्कलन तैयार किया गया जिसके परिणामस्वरूप रेलवे बोर्ड द्वारा इसकी स्वीकृति देने में विलंब हुआ।

(ii) सितंबर, 2012 से 11 वर्ष से अधिक के अंतराल के बाद भी चरण-I निर्माण-कार्य के लिए बेसलाइन सामाजिक आर्थिक (बीएसई) सर्वेक्षण पूरा नहीं हुआ था।

(iii) परियोजना प्रभावित व्यक्तियों का पुनर्वास नहीं किया गया (जनवरी, 2024)

(iv) विस्तृत अनुमान चरण में भूमि आवश्यकता का अधिक आकलन।

(v) मैसर्स राइट्स और राज्य सरकार की एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी देखी गई।

(vi) 890.89 करोड़ रुपये (सितंबर, 2014) के स्वीकृत प्राक्कलन के लिए किए गए 500.93 करोड़ रुपये (56.22%) (जनवरी, 2024) के व्यय के बावजूद, केवल 26% कार्य वास्तविक रूप से पूरा किया गया था (जनवरी, 2024)।

2025 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट संख्या 5 अनुपालन लेखापरीक्षा (मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष)

महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों और सिफारिशों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

पैरा 2.1 शंटिंग प्रभार की वसूली न होना: पूर्व मध्य रेलवे

पूर्व मध्य रेलवे के बीना साइडिंग (बीसीएसके) में रेल इंजनों का उपयोग करके शंटिंग गतिविधि के लिए शंटिंग प्रभार न लगाने के परिणामस्वरूप अप्रैल, 2020 से मार्च, 2023 की अवधि के दौरान साइडिंग मालिक से 50.77 करोड़ रुपये की वसूली नहीं हुई।

पैरा 2.2 खराब संरक्षण वाली रेलगाड़ी के परिचालन से संबंधित प्रस्तावों पर निष्क्रियता के कारण हानि: दक्षिण पश्चिम रेलवे।

सत्यसाई प्रशांति निलयम स्टेशन और केएसआर बेंगलुरु सिटी स्टेशन के बीच एक एक्सप्रेस रेलगाड़ी का खराब संरक्षण, जिसे बेंगलुरु (एसबीसी) मंडल, दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा बार-बार रिपोर्ट किया गया था, के बाद भी, इनका परिचालन जारी रखा। इसके परिणामस्वरूप इसके परिचालन पर 17.47 करोड़ रुपये की हानि हुई।

पैरा 2.4 अपात्र एसटीएस रियायत की स्वीकृति के कारण रेलवे को 11.02 करोड़ की हानि: दक्षिण रेलवे

दक्षिण रेलवे प्रशासन ने अयोग्य रियायत को स्वीकृति प्रदान की जिसके परिणामस्वरूप रेलवे को 11.02 करोड़ रुपये की हानि हुई।

पैरा 2.5 दोषपूर्ण मालडिब्बों की खाली ढुलाई के कारण संभावित माल ढुलाई की हानि: दक्षिण पूर्व रेलवे

दक्षिण पूर्व रेलवे ने अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड साइडिंग, धुतरा और ओडिशा सीमेंट लिमिटेड साइडिंग, राजगांगपुर को उपयुक्त मालडिब्बों के साथ-साथ अनुपयुक्त/लदान न किए जाने योग्य मालडिब्बों की आपूर्ति की। जिसके परिणामस्वरूप, वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के दौरान 10.25 करोड़ रुपए की संभावित माल भाड़ा आय की हानि हुई।

पैरा 3.1 सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों से 148.61 करोड़ रुपये के भूमि लाइसेंस शुल्क की कम वसूली: उत्तर रेलवे

उत्तर रेलवे ने पांच सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों से भूमि मूल्य के 6% की दर से

लाइसेंस शुल्क वसूलने के रेलवे बोर्ड के निर्देशों का पालन नहीं किया, जिसके परिणामस्वरूप 148.61 करोड़ रुपये के लाइसेंस शुल्क की कम वसूली हुई।

पैरा 3.2 जिला खनिज फाउंडेशन के पक्ष में किए गए अंशदान की गैर-वसूली: दक्षिण पूर्व, दक्षिण पश्चिम, उत्तर मध्य, पूर्व तट, पूर्व, उत्तर पश्चिम, दक्षिण पूर्व मध्य, पश्चिम मध्य एवं मध्य रेल

यद्यपि दक्षिण पूर्व, दक्षिण पश्चिम, उत्तर मध्य, पूर्व तट, पूर्व, उत्तर पश्चिम, दक्षिण पूर्व मध्य, पश्चिम मध्य और मध्य रेल प्रशासन द्वारा संविदाकारों के बिलों से रॉयल्टी की वसूली की जा रही है परन्तु जिला खनिज फाउंडेशन के पक्ष में किए गए भुगतान की वसूली खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत नहीं की जा रही है जिसके परिणामस्वरूप जनवरी, 2015 से मार्च, 2024 तक की अवधि में 55.51 करोड़ रुपये की वसूली नहीं हुई।

पैरा 3.3 निक्षेप कार्य के निष्पादन में 25.48 करोड़ रुपये की गैर-वसूली: दक्षिण मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

निक्षेप कार्यों से संबंधित कोडल प्रावधानों का अनुपालन न करने के परिणामस्वरूप दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा आंध्र प्रदेश सरकार से 10.05 करोड़ रुपये और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा रक्षा विभाग और अन्य पार्टियों से 15.43 करोड़ रुपये की वसूली नहीं हुई।

पैरा 3.4 अति उच्च आवृत्ति सेटों के लिए लाइसेंस के नवीनीकरण में विलंब के कारण अपरिहार्य देयता: दक्षिण मध्य रेलवे

दक्षिण मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा बहुत अधिक आवृत्ति सेटों के लिए लाइसेंस शुल्क के भुगतान में विलंब के परिणामस्वरूप 23.16 करोड़ रुपये के विलंब शुल्क का परिहार्य वित्तीय देयता उत्पन्न हुई।

पैरा 3.5 लागत के आबंटन पर अनुदेशों का पालन नहीं करना: मध्य रेलवे।

रेलवे और महाराष्ट्र सरकार के बीच लागत साझा करने के आबंटन में कोडल प्रावधानों और रेल मंत्रालय के अनुदेशों का पालन न करने के परिणामस्वरूप डीएफसीसीआईएल परियोजना के पश्चिमी माल यातायात गलियारे पर दिवा-पनवेल-जसाई-जेएनपीटी खंड में चार सड़क निचले पुलों के निर्माण में 15.62 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ।

पैरा 3.6 सिग्नियोरेज शुल्क की अनियमित प्रतिपूर्ति: दक्षिण मध्य रेलवे

दक्षिण मध्य रेलवे प्रशासन ने रेल मंत्रालय के अनुमोदन के बिना भारतीय रेल अनुबंध की मानक सामान्य शर्तों 2014 के प्रावधानों में संशोधन किया, जिसके परिणामस्वरूप ठेकेदारों को 15.51 करोड़ रुपये के सिग्नियोरेज शुल्क की अनियमित प्रतिपूर्ति हुई।

पैरा 3.7 रेलवे बोर्ड के अनुदेशों और समझौता ज्ञापन के प्रावधानों का अनुपालन न होने के परिणामस्वरूप उपरि सड़क पुल के निर्माण के लिए राज्य सरकार के हिस्से की वसूली नहीं हुई: पूर्व रेलवे

पूर्व रेलवे, उपरि सड़क पुल के निर्माण के लिए रेलवे बोर्ड के अनुदेशों और समझौता ज्ञापन के प्रावधानों को लागू करने में विफल रहा। जिसके परिणामस्वरूप, पुल के कमीशन होने के बाद भी राज्य सरकार के हिस्से के 13.52 करोड़ रुपये की वसूली नहीं की जा सकी।

पैरा 3.8 साइडिंग अथॉरिटी (कॉनकोर) के साथ समझौते का निष्पादन न होने के परिणामस्वरूप अनुरक्षण और निरीक्षण शुल्क की वसूली नहीं हुई: पूर्वोत्तर सीमा और दक्षिण मध्य रेलवे

रेल मंत्रालय के अनुदेशों का पालन न करने के परिणामस्वरूप कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकोर) अधिकारियों से 12.76 करोड़ रुपये के अनुरक्षण और निरीक्षण शुल्क की वसूली नहीं हुई।

पैरा 3.9 पहुंच मार्गों का कार्य शुरू न होने के कारण पुल खास के निष्क्रिय होने के परिणामस्वरूप पूंजी का अवरोध हुआ: दक्षिण पश्चिम रेलवे

दक्षिण पश्चिम रेलवे प्रशासन ने कर्नाटक सरकार द्वारा उनके साझा कार्य के लिए समान कार्रवाई सुनिश्चित किए बिना उपरि सड़क पुल का निर्माण किया। इसका परिणाम यह हुआ कि समपार को बंद नहीं किया जा सका और पांच वर्षों (2018 से 2023) से अधिक के लिए 11.81 करोड़ की पूंजी अवरुद्ध हो गई।

पैरा 4.1 आधारभूत तकनीकी आवश्यकता का प्राक्कलन किए बिना नीलगिरि माउंटेन रेलवे के लिए सवारी डिब्बों का विनिर्माण: दक्षिण रेलवे और सवारी डिब्बा कारखाना

सवारी डिब्बा कारखाना ने अनुसंधान, अभिकल्प एवं मानक संगठन के परामर्श से एक प्रोटोटाइप सवारी डिब्बा विकसित करने में रेल मंत्रालय के अनुदेशों का पालन नहीं किया, जिसके कारण 27.91 करोड़ रुपये की लागत से अप्रभावी और अपर्याप्त परिसंपत्ति का निर्माण हुआ।

पैरा 4.2 रेलवे क्वार्टरों में निवास करने वालों से बिजली शुल्क की कम वसूली: पूर्व मध्य रेलवे

पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में रेलवे क्वार्टरों में निवास करने वालों से वसूली के लिए विभिन्न राज्य विद्युत बोर्डों की संशोधित विद्युत शुल्क दरों को लागू न करने के परिणामस्वरूप 14.89 करोड़ रुपए की कम वसूली हुई।

पैरा 4.3 कोच शॉट ब्लास्टिंग प्लांट का अनुचित प्रापण: पूर्व रेलवे

लिलुआ कारखाने के अपनी अनुपयुक्तता के संबंध में दिए गए आवेदन को अनदेखा करते हुए, केवल लिंक हॉफमैन बुश सवारी डिब्बों के अनुकूल एक कोच शॉट ब्लास्टिंग प्लांट प्रापण किया गया था और कारखाने में सवारी डिब्बों की मशीनीकृत पेंटिंग प्रणाली को अभिन्न हिस्से के रूप में कमीशन किया गया। बहरहाल, बाद में कारखाना प्राधिकारियों के बाद के निर्णय ने लिंक हॉफमैन बुश सवारी डिब्बों की पेंटिंग और संबद्ध कार्यों को आउटसोर्स करने का निर्णय लिए जाने के परिणामस्वरुप 12.66 करोड़ रुपये की लागत वाले संयंत्र को खरीदना अनुचित सिद्ध हुआ।

पैरा 4.4 गलत फ्लैगिंग के कारण इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ न उठाना और निर्धारित समय के भीतर निर्माण-कार्य अनुबंध बिलों के फ्लैगिंग को सुधारने में विफलताः पूर्व रेलवे।

पूर्व रेलवे ने इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा करने के लिए निर्माण कार्य अनुबंध बिलों की फ्लैगिंग करने के लिए रेल मंत्रालय के दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया और इसके अलावा निर्धारित समय के भीतर गलत फ्लैगिंग को ठीक नहीं किया जा सका, जिसके परिणामस्वरूप जीएसटी पर इनपुट टैक्स क्रेडिट के रूप में 6.45 करोड़ रुपये का लाभ नहीं उठाया गया।

2025 की रिपोर्ट संख्या 9 (रेलवे वित्त)

अध्याय 1 मुख्य प्रेक्षण निम्नानुसार है:-

क. रेल मंत्रालय के कुल व्यय में 11.34 प्रतिशत की वृद्धि हुई और 2022-23 के दौरान पूंजीगत व्यय में 7.21% की वृद्धि हुई। दूसरी ओर, वर्ष के दौरान राजस्व व्यय में 15. 15% की वृद्धि हुई।

ख. 2021-22 की तुलना में 2022-23 के दौरान 25.51% सकल यातायात प्राप्तियों में वृद्धि हुई। पिछले वर्ष की तुलना में यात्री और अन्य कोचिंग सेवाओं के परिचालन में हानि कम हुई। वर्ष 2022-23 के दौरान यात्री परिचालन में 5,257.07 करोड़ रुपये की हानि की भरपाई नहीं की गई। माल ढुलाई से होने वाले लाभ का उपयोग यात्री और अन्य कोचिंग सेवाओं के परिचालन पर होने वाले घाटे की भरपाई के लिए किया गया।

ग. परिचालन अनुपात 2021-22 में 107.39% की तुलना में 2022-23 में 98.10% था। भारतीय रेल ने 2021-22 में शुद्ध घाटे की तुलना में 2022-23 के दौरान शुद्ध अधिशेष अर्जित किया।

अध्याय 2 मुख्य प्रेक्षण निम्नानुसार है:-

क. रेल मंत्रालय ने राजस्व अनुदान (3002-03) के तहत 1,09,197.19 करोड़ रुपये के स्वीकृत बजट से अधिक 13,615.30 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय किया।

ख. 8 मामलों में 44,593.06 करोड़ रुपये की बचत हुई

ग. राजस्व से पूंजी अनुदान और पूंजी अनुदान से राजस्व, दत्तमत से प्रभारित और इसके विपरीत आदि के बीच व्यय के गलत वर्गीकरण के मामले थे।

घ. रेल मंत्रालय द्वारा 1,932 मामलों को शामिल करते हुए 6,483.71 करोड़ रुपये का अस्वीकृत व्यय किया गया था, जो वर्ष 2022-23 के दौरान कुल व्यय का 1.05% था।

अध्याय 3 मुख्य प्रेक्षण निम्नानुसार है:-

क. रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के शुद्ध लाभ में वृद्धि का रूझान दिखा और वर्ष 2018-19 में 6,146.29 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 12,056.61 करोड़ रुपये हो गया।

ख. 33 लाभ अर्जित करने वाले रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में से, केवल 11 रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (7 रेलवे कंपनियां, 1 सहायक और 3 विशेष प्रयोज्य योजना) ने लाभांश (4,457.46 करोड़ रुपये) की घोषणा की थी।

ग. 31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार, सात रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के शेयरों का कुल बाजार पूंजीकरण 1,47,291.18 करोड़ रुपये था। बाजार पूंजीकरण में पिछले वर्ष की तुलना में 2.19% की मामूली कमी दर्ज की गई थी।

अध्याय 4 वर्ष 2020-21 से 2022-23 के लिए 'उत्तर पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के लेखा विभाग में बजटीय और लेखा नियंत्रण' की समीक्षा। प्रमुख प्रेक्षण निम्नानुसार हैं:

क. उत्तर पश्चिम रेलवे के निर्माण संगठन के विद्युत विभाग ने सितंबर, 2019 में रुकी हुई बांसवाड़ा के रास्ते रतलाम-डूंगरपुर नई लाइन परियोजना के लिए वर्ष 2022-23 के संशोधित अनुमान हेतु 5 करोड़ रुपये की मांग की, जिसकी मांग को उत्तर पश्चिम रेलवे के लेखा विभाग के साथ-साथ रेलवे बोर्ड द्वारा मंजूरी दे दी गई थी और रुकी हुई परियोजना को निधि आबंटित की गई।

ख. मार्च, 2023 तक, उत्तर पश्चिम रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे ने चार पूरे हो चुके परंतु समाप्त नहीं हुए निर्माण-कार्यों पर 3,142.49 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया। व्यय संशोधित स्वीकृत अनुमान से 743.70 करोड़ रुपये (31%) अधिक था।

ग. वर्ष के लिए 11 अनुदानों को प्रभावित करने वाले 61 उदाहरणों में अनुदान के लिए अंतिम तिमाही व्यय (कुल 5,819 करोड़ रुपये) अनुदान पर 33.26% और 100% व्यय (कुल 12,257 करोड़ रुपये) की सीमा में था।

घ. बयाना जमा/प्रतिभूति जमा (ईएमड/एसडी) के तहत 542.54 करोड़ रुपये की राशि गलती से गलत लेखांकन शीर्षों में बुक की गई थी, जिससे उत्तर पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और रेल पहिया कारखाना येलहंका के संबंधित खाता शीर्षों में कम/अधिक राशि का आकलन हुआ।

ङ. वर्ष 2020-21 से 2022-23 के दौरान, उत्तर पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे द्वारा कंपनियों को किए गए भुगतान से आयकर कटौती से संबंधित 68.30 करोड़ रुपये की राशि को गलती से मुख्य शीर्ष 0020 के बजाय मुख्य शीर्ष 0021 में बुक की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप राजस्व का गलत वर्गीकरण हुआ जिससे संबंधित शीर्षों में कम/अधिक राशि का आकलन हुआ।

च. उत्तर पश्चिम रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे और रेल पहिया कारखाना/येलहंका में 01 अप्रैल, 2020 की स्थिति के अनुसार वसूली योग्य बिलों की 48.78 करोड़ रुपये की राशि 31 मार्च, 2023 तक 527% बढ़कर 306 करोड़ रुपये हो गई।

अध्याय 5 मुख्य प्रेक्षण निम्नानुसार है:-

क. 34 कारखानों में, कारखाना विनिर्माण उचंत खाते में 3,606.22 करोड़ रुपये की राशि का क्रेडिट अनुमान के आधार पर किया गया था, न कि वास्तविक के आधार पर जिसके परिणामस्वरूप कारखाना सामान्य रजिस्टर और/या आउटटर्न विवरण नहीं रखे जाने के कारण लाभ और हानि (पी एंड एल) खाते और बैलेंस शीट में गलत डेबिट हुआ।

ख. 16 कारखानों में, एक सप्ताह में कार्य करने के कुल घंटे निर्धारित 48 घंटों से कम थे। प्रति सप्ताह कार्य करने के कम घंटों के परिणामस्वरूप वर्ष 2022-23 के दौरान कारखाना विनिर्माण उचंत खाते के साथ-साथ लाभ और हानि खाते में 139.29 करोड़ रुपये का अधिक डेबिट हुआ। 67 कारखानों में, एनपीएस में 358.84 करोड़ रुपये तक सरकार का योगदान कारखाना विनिर्माण उचंत के माध्यम से भेजे बिना सीधे अंतिम शीर्षों में बुक किया गया, जिसके परिणामस्वरूप किए गए कार्य की लागत कम हो गई।

ग. 58 कारखानों (72.50%) में कच्चे माल के कार्य आदेश का रखरखाव नहीं किया गया था, जिसमें कारखाना विनिर्माण उचंत खाते में स्टोर का डेबिट 5,719.65 करोड़ रुपये था।

घ. 12 कारखानों में प्रभाजित प्रत्यक्ष लागत (उपरि) प्रभार वास्तविक प्रत्यक्ष लागत प्रभार से निर्धारित 5% से 90.33 करोड़ रुपये अधिक हो गया, जिसके परिणामस्वरूप कारखाना विनिर्माण उचंत में अधिक क्रेडिट हो गया। 18 कारखानों में प्रभाजित प्रत्यक्ष लागत प्रभार वास्तविक प्रत्यक्ष लागत प्रभार के निर्धारित 5% से कम हो गया, जिसके परिणामस्वरूप कारखाना विनिर्माण उचंत में 364.30 करोड़ रुपये कम क्रेडिट हुआ।

ङ. 12 कारखानों के कारखाना विनिर्माण उचंत खाता अंतिम शेष में 193.12 करोड़ रुपये (181.36 करोड़ रुपये + 3.28 करोड़ रुपये + 8.48 करोड़ रुपये) का अपर्याप्त शेष संचित हो गया था, जिसके परिणामस्वरूप लाभ एवं हानि खाते में कम डेबिट और व्यय का कम आकलन हुआ।

च. 31 कारखानों में, कारखाना विनिर्माण उचंत खाता क्रेडिट के संबंध में कारखाना विनिर्माण उचंत खाता शेष का प्रतिशत निर्धारित प्रतिशत से अधिक हो गया, जिसके परिणामस्वरूप लाभ एवं हानि खाते में 465.03 करोड़ रुपये का कम डेबिट हुआ और कारखाना विनिर्माण उचंत खाता अंतिम शेष में संचय हुआ।

छ. सात कारखानों के कारखाना विनिर्माण उचंत खाता अंतिम शेष में संचित हस्तांतरण लेनदेन में 75.23 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई जो कम है जिसके परिणामस्वरूप उस राशि से व्यय का कम आंकलन हुआ।

ज. निर्धारित 10% सीमा के तहत, कुल लागत पर अप्रत्यक्ष लागत शुल्क का प्रतिशत 29 यांत्रिक कारखानों में की गई विभिन्न गतिविधियों में 10.12% से 46.48% तक था। इतने अधिक अप्रत्यक्ष लागत प्रतिशत के परिणामस्वरूप लाभ एवं हानि खाते में 612.47 करोड़ रुपये का अधिक डेबिट हुआ।

2025 की रिपोर्ट संख्या 15 ("भारतीय रेल में लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में साफ सफाई और स्वच्छता" पर कार्य-निष्पादन लेखा परीक्षा)

कुछ महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्ष नीचे दिए गए हैं:

अध्याय II: रेलगाड़ियों में साफ सफाई संबंधी गतिविधियों पर बजट और व्यय

अंतिम बजट अनुदान से अधिक वास्तविक व्यय 100% (दरे) से 141% (उमरे) के बीच था। इसी प्रकार, अंतिम बजट अनुदान के 95% से कम निधि का उपयोग 63% (पूमरे) से 94% (दपरे) के बीच था।

अध्याय III: कोचिंग डिपो में सवारी डिब्बों की बाहरी सफाई

वर्ष 2018-2023 के दौरान, 56 स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र कमीशन किए गए थे। रेलवे अधिकारियों के साथ 24 स्वचालित सवारी डिब्बा धुलाई संयंत्र के संयुक्त निरीक्षण के दौरान, यह देखा गया कि खराब होने या मरम्मत कार्यों के कारण आठ (33%) स्वचालित सवारी डिब्बे धुलाई संयंत्र परिचालन में नहीं थे।

अध्याय IV: सवारी डिब्बों की मार्गवर्ती और ऑन-बोर्ड सफाई

12 जोनों के 29 सीटीएस में संयुक्त निरीक्षण के दौरान, लेखापरीक्षा में शौचालयों और अन्य क्षेत्रों की सीमित सफाई, मशीनों के उपयोग में कमी और जनशक्ति की तैनाती का प्रेक्षण किया गया। कम जनशक्ति और मशीनरी की तैनाती जैसी कमियां एक कारण था।

अध्याय V: रेलगाड़ियों में त्वरित जल आपूर्ति व्यवस्था

लेखापरीक्षा ने पाया कि त्वरित जल आपूर्ति व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए चिह्नित किए गए 109 स्टेशनों में से, 31 मार्च, 2023 तक 81 स्टेशनों (74%) पर त्वरित जल आपूर्ति के लिए सुविधाएं संचालन में थी।

अध्याय VI: लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में जैव-शौचालयों की साफ सफाई

96 चयनित रेलगाड़ियों में 2,426 ऑन-बोर्ड यात्रियों के संबंध में एक विस्तृत सर्वेक्षण किया गया। यह पाया गया कि अवातानुकूलित सवारी डिब्बों की तुलना में वातानुकूलित सवारी डिब्बों में जैव-शौचालयों की स्थिति बेहतर है। रेलगाड़ियों में शौचालयों की सफाई से संबंधित काफी संख्या (89%) में शिकायतों को निर्धारित समय के भीतर हल किया गया।

अध्याय VII: रेलगाड़ियों में मशीनीकृत लॉन्ड्रियों की स्थापना और लिनेन की व्यवस्था।

लेखापरीक्षा ने पाया कि यात्री शिकायतें उन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम थीं जहां फीडबैक लिनन वितरण ठेकेदारों द्वारा प्राप्त किया जा रहा था।

14.10.2024 की स्थिति के अनुसार की गई कार्रवाई संबंधी लंबित नोट पर वस्तु-स्थिति रिपोर्ट।

क्र.सं.	रिपोर्ट संख्या एवं वर्ष	पैरा/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक रिपोर्ट की संख्या जिस पर की गई कार्रवाई संबंधी नोट प्रस्तुत किया गया है	पैरा/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक रिपोर्ट का ब्यौरा जिस पर की गई कार्रवाई संबंधी नोट लंबित हैं			
			मंत्रालय द्वारा पहली बार भी नहीं भेजे गए की गई कार्रवाई संबंधी नोट की संख्या	भेजे गए की गई कार्रवाई संबंधी नोट जिन्हें प्रेक्षणों के साथ वापस भेजा गया और लेखापरीक्षा, मंत्रालय द्वारा उनके पुनः प्रस्तुत करने की प्रतीक्षा कर रही है	ऐसे की गई कार्रवाई संबंधी नोट की संख्या जिनकी लेखापरीक्षा द्वारा अंतिम रूप से विधीक्षा की गई लेकिन मंत्रालय द्वारा लोक लेखा समिति को प्रस्तुत नहीं किया गया है	लेखापरीक्षा
1	2016 की 13, 14, 32 एवं 37	45/45	0	0	0	0
2	2017 की 13, 14, 22, 36 एवं 45	43/43	0	0	0	0
3	2018 की 1, 5, 17, एवं 19	44/44	0	0	0	0
4	2019 की 10 एवं 19	50/50	0	0	0	0
5	2020 की 2 एवं 8	4/4	0	0	0	0
6	2021 की 5, 13 एवं 22	68/68	0	0	0	0
7	2022 की 16,22,23,25 एवं 35	44/42	0	0	2	0
8	2023 की 13	4/4	0	0	0	0
9	2024 की 4, 5 एवं 6	39/31	0	5	2	1
10.	2025 की 2,5,9 एवं 15	36/7	7	11	2	9
11.	2025 की 4 एवं 16 (यूजीएफए)	12/1	0	0	0	11
	कुल	**389/339**	**7**	**16**	**6**	**21**

वित्तीय विवरण
एवं परिचालनिक सांख्यिकी

विषय-सूची

वित्तीय विवरण

समेकित लाभ और हानि लेखा 160

लाभ और हानि लेखे के पूरक विवरण

सकल यातायात प्राप्तियां 160

साधारण संचालन व्यय 161

आरक्षित निधियों में अंशदान 161

सामान्य राजस्व को लाभांश और अन्य भुगतान 161

तुलन-पत्र 162

रेल परिसंपत्तियों का मूल्य 164

योजना में रेलवे का अंशदान-निधियों का स्रोत/निधियों का उपयोग 166

परिचालन सांख्यिकी

परिसंपत्तियां 168

परिचालन 169

यातायात और आमदनी 170

चल स्टॉक का उपयोग 172

सामान्य 173

सांख्यिकीय संक्षेप-भारतीय रेल

वित्तीय विवरण

समेकित लाभ और हानि : 2024-25

2023-24 (₹ करोड़ में)	अनुषंगी विवरण		2024-25 (₹ करोड़ में)	अनुषंगी विवरण
2,55,272.63	I क	**सकल यातायात से प्राप्तियां**	**2,65,113.61**	**I क**
		साधारण संचालन व्यय		
1,91,093.61	I ख	(इसमें चालित लाइनों को भुगतान शामिल है)	**2,00,468.89**	**I ख**
		आरक्षित निधियों में अंशदान		
59,800.00	I ग	(मूल्यह्रास आरक्षित निधि और पेंशन निधि)	**60,300.00**	**I ग**
2,50,893.61		कुल संचालन व्यय	**2,60,768.89**	
4,379.02		यातायात से शुद्ध प्राप्ति (परिचालन लाभ)	**4,344.72**	
(-) 1,119.34		विविध संव्यवहार (शुद्ध)	**(-) 1,684.44**	
3,259.68		**शुद्ध राजस्व (सकल लाभ)**	**2,660.28**	
		घटाइए		
—	I घ	**(क) सामान्य राजस्व को लाभांश तथा अन्य भुगतान**	**—**	**I घ**
—		**(ख) आस्थगित लाभांश दायिता को भुगतान**	**—**	
@@3,259.68		**आधिक्य (+)/कमी (—)**	**@2,660.28**	

@@ आधिक्य का विकास निधि (डीएफ) और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) में विनियोजन किया गया था।

@ आधिक्य का विकास निधि (डीएफ) और राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (आरआरएसके) में विनियोजन किया गया था।

लाभ और हानि लेखे के पूरक विवरण

2023-24 (₹ करोड़ में)		I क	2024-25 (₹ करोड़ में)	I क
		सकल यातायात से प्राप्तियां कोचिंग यातायात से आमदनी यात्री यातायात		
		पूरे किराये		
# —		पूरे किराये से कम	**#—**	
# —	70,693.32	**पार्सल तथा अन्य कोचिंग यातायात**	**#—**	**75,367.52**
2,009.30		पार्सल	**2,064.83**	
112.76		सामान	**129.30**	
4,605.19	6,727.25	अन्य	**4,692.64**	**6,886.77**
		माल यातायात से आमदनी		
91,247.46		कोयला, कोक आदि	**94,028.72**	
76,412.63		सामान्य पण्य	**76,463.09**	
1,262.10		अन्य यातायात	**1,669.19**	
1,507.39		स्थान शुल्क और विलम्ब शुल्क	**1,536.57**	
-2,136.29	1,68,293.29	वापस की गयी रकम घटाइए	**-2,534.42**	**1,71,163.15**
	9,652.44	**विविध (फुटकर)**		**11,586.55**
		अन्य आमदनी		
	2,55,366.30	**कुल सकल आय**		**2,65,003.99**
	93.67	उचंत (प्राप्य बिल)		**109.62**
		सकल यातायात से प्राप्तियां		
	2,55,272.63	(वस्तुतः प्राप्त)		**2,65,113.61**

आंकड़े उपलब्ध नहीं

2023-24 (₹ करोड़ में)	कुल का प्रतिशत		2024-25 (₹ करोड़ में)	कुल का प्रतिशत
	I ख	**साधारण संचालन व्यय**		I ख
9,584.23	5.02	सामान्य अधीक्षण और सेवाएं	10,057.75	5.02
20,049.85	10.49	रेलपथ तथा निर्माण कार्यों से संबंधित मरम्मत तथा अनुरक्षण	21,728.35	10.84
7,751.48	4.06	मोटिव पॉवर की मरम्मत और अनुरक्षण	8,333.94	4.16
22,309.01	11.67	सवारी और माल डिब्बों की मरम्मत और अनुरक्षण	22,880.71	11.41
10,493.14	5.49	संयंत्र और उपस्कर की मरम्मत और अनुरक्षण	11,562.79	5.77
22,062.12	11.55	परिचालन व्यय-चल स्टाक और उपस्कर	23,922.97	11.93
39,430.17	20.63	परिचालन व्यय-यातायात	42,449.83	21.18
34,788.22	18.20	परिचालन व्यय-ईंधन	32,434.56	16.18
9,473.47	4.96	कर्मचारी कल्याण और सुविधाएं	10,110.03	5.04
9,413.43	4.93	विविध संचालन व्यय	9,548.16	4.76
6,213.33	3.25	भविष्य निधि, पेंशन तथा अन्य सेवानिवृत्ति लाभ	6,964.39	3.47
1,91,568.45		**सकल व्यय**	1,99, 993.48	
-474.84	-0.25	उचंत (देय बिल)	475.41	0.24
1,91,093.61	100.00	साधारण संचालन व्यय (वस्तुत: संवितरित)	2,00,468.89	100.00
	I ग	**आरक्षित निधियों में अंशदान**		I ग
800.00		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	800.00	
59,000.00		पेंशन निधि	59,500.00	
59,800.00		निधि में कुल अंशदान	60,300.00	
2,50,893.61		**कुल संचालन व्यय**	2,60,768.89	
—	I घ	**सामान्य राजस्व को लाभांश और अन्य भुगतान**	—	I घ
—	—	देय लाभांश (वर्तमान)	—	—
		यात्री किराए पर कर के बदले भुगतान		
	—	रेल संरक्षा निधि की सहायता के लिए		—
	—	**कुल देय लाभांश**		—
	—	आस्थगित लाभांश का भुगतान		—
	—	शुद्ध देय लाभांश		—

तुलन पत्र

31 मार्च, 2024 को (₹ करोड़ में)			31 मार्च, 2025 को (₹ करोड़ में)
		दायिताएं	
	क.	**ऋण पूंजी**	
#7,92,657.45		(सामान्य राजकोष द्वारा अग्रिम)	**@9,74,985.35**
	ख.	**निम्नलिखित से निवेश वित्तपोषित**	
53,449.91		रेलवे पूंजी निधि	**53,449.91**
67,380.32		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**67,866.31**
43,074.76		विकास निधि	**43,522.29**
1,22,158.81		रेलवे संरक्षा निधि	**1,67,158.54**
15,756.05		विशेष रेलवे संरक्षा निधि	**15,756.05**
1,252.31		राजस्व	**1,252.31**
97,295.34		राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**1,08,295.05**
22,717.99		संप्रभु हरित निधि	**37,714.27**
2,515.88		अन्य विविध स्रोत	**2,668.25**
4,25,601.38		**जोड़**	**4,97,682.98**
	ग.	**आरक्षित**	
780.10		मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**1,273.25**
572.54		विकास निधि	**687.14**
1,961.39		पेंशन निधि	**1,922.62**
456.97		रेलवे पूंजी निधि	**472.29**
3.06		रेलवे संरक्षा निधि	**3.13**
—		विशेष रेलवे संरक्षा निधि	**—**
1,302.40		राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**2,421.58**
245.09		रेलवे दायिता सेवा निधि	**253.30**
5,321.55		**जोड़**	**7,033.31**
	घ.	**निक्षेप**	
38,689.13		(i) राज्य रेल भविष्य निधि	**39,003.74**
41,465.42		(ii) विविध निक्षेप	**43,668.89**
73.39		(iii) वित्तीय ऋण और अग्रिम	**75.14**
80,227.94		**जोड़**	**82,747.77**
	ड.	**चालू दायिताएं**	
7,373.30		(i) निर्वाह न की गयी (देय मांगें)	**7,747.16**
3.25		(ii) अन्य सरकारी विभागों को देय बकाया रकम	**3.25**
7,376.55		**जोड़**	**7,750.42**
13,11,184.87		**सकल जोड़**	**15,70,199.83**

@ इसमें एसआरएसएफ को ₹11,954.00 करोड़ का विनियोग, आरआरएसके को ₹1,00,000.00 करोड़, आरएसएफ को ₹1,52,956.76 करोड़ का विनियोग और एसजीएफ को ₹37,714.27 करोड़ का विनियोग शामिल नहीं है।

इसमें एसआरएसएफ को ₹11,954.00 करोड़, आरआरएसके को ₹90,000.00 करोड़ का विनियोग, आरएसएफ को ₹1,07,957.03 करोड़ का विनियोग और एसजीएफ को ₹22,717.99 करोड़ का विनियोग शामिल नहीं हैं।

II 31 मार्च, 2024 को (₹ करोड़ में)				II 31 मार्च, 2025 को (₹ करोड़ में)
			परिसंपत्तियां	
	च.		**ब्लॉक परिसंपत्तियां**	
		(i)	**अचल परिसंपत्तियां**	
60,342.15			भूमि	**72,292.57**
5,38,782.07			इमारतें और रेलपथ	**6,49,482.16**
3,13,604.86			चल स्टॉक	**3,98,244.57**
1,05,587.50			संयंत्र और उपस्कर	**1,25,058.42**
-			विविध परिसंपत्तियां	**-**
10,18,316.58			**जोड़**	**12,45,077.72**
		(ii)	**निवेश**	
3,600.95			वस्तु-सूची	**5,095.79**
5,125.64			कार्य प्रगति पर (डब्ल्यूएमएस)	**4,484.86**
18,092.47			विविध अग्रिम (पूंजी)	**19,145.97**
26,819.07			**जोड़**	**28,726.62**
		(iii)	**अन्य उपक्रमों में निवेश**	
			सड़क परिवहन उपक्रमों में हिस्से	
1,73,123.17			अन्य सरकारी उपक्रम	**1,98,863.99**
12,18,258.82			**कुल ब्लॉक परिसंपत्तियां**	**14,72,668.33**
	छ.		**केन्द्रीय सरकार के अधीन निधियां**	
			(कोंट्रा - मद ग और घ)	
85,549.49				**89,781.08**
	ज.		**चालू परिसंपत्तियां**	
2,295.55			फुटकर देनदार	**3,144.81**
1,437.06			अन्य सरकारी विभागों से बकाया राशि	**1,361.47**
2,461.15			यातायात संबंधी बकाया आमदनी	**2,104.89**
337.58			हस्ते रोकड़	**328.06**
845.22			वसूलनीय मांगें	**811.19**
13,11,184.87			**सकल जोड़**	**15,70,199.83**

31 मार्च, 2024 को कुल बही मूल्य

(₹ करोड़ में)

	ब्याज देय पूंजी (ऋण/लेखा सहित)	पूंजी निधि	मूआनि एवं विनि सुधार घटक सहित	ओ एल डब्ल्यू आर	यू. एस. मशीनरी और अन्य विविध औजार	रेल संरक्षा निधि	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	विशेष रेल संरक्षा निधि	एस जी एफ	कुल
भूमि	58 ,597.70	441.51	379.40	3.83	–	596.50	293.74	29.48	–	60,342.15
संरचना संबंधी इंजीनियरी कार्य										
स्टेशन और कार्यालय	1,41,487.99	11,861.27	29,899.33	405.74	0.27	23,703.19	14,032.37	561.84	–	2,21,951.99
कारखाने और भंडार की इमारतें	18,321.50	466.82	4,925.30	126.29	–	1,156.57	1,207.79	38.79	–	26,243.06
रिहायशी इमारतें	9,225.39	330.50	4,800.17	75.80	–	1,866.88	235.99	45.27	–	16,580.00
रेलपथ										
संरचना	70,739.80	6,684.08	8,356.33	55.60	0.01	38,050.78	12,359.70	1,558.79	–	1,37,805.09
रेल-पथ का सामान	56,174.06	4,598.24	21,559.55	146.39	–	27,656.58	40,238.26	6,570.15	–	1,56,943.24
पुल	24,836.85	1,555.91	5,347.09	36.09	–	12,405.71	8,514.37	1,494.41	–	54,190.45
चल-स्टॉक										
रेल इंजन और अतिरिक्त बॉयलर	73,573.55	8,876.75	7,725.82	3.80	–	30.98	4,494.28	1,086.84	22,717.99	1,18,510.01
रेलकार और ई.एम. यू. स्टॉक सहित सवारी डिब्बे	42,140.44	5,110.67	4,927.02	0.64	–	4.39	2,074.93	686.02	–	54,944.13
माल डिब्बा	39,089.86	4,750.38	3,614.60	1.04	–	1,217.06	2,296.02	985.73	–	51,954.69
फेरी व्यवस्था	337.48	15.46	9.98	0.01	–	3.15	283.52	–	–	649.59
रेल-सह-सड़क सेवाएं	3,545.10	9.11	1,133.34	21.56	0.23	2,787.50	1,177.68	63.09	–	8,737.61
सार्वजनिक यातायात के लिए सड़क मोटर कारें और वाहन	521.70	0.01	-42.26	–	–	3,386.11	11.53	–	–	3,877.08
चल स्टॉक से इतर उपस्कर (मशीनरी और संयंत्र)	60,967.62	4,640.04	17,787.50	375.51	3.01	9,293.29	9,884.90	2,635.64	–	1,05,587.50
उचंत (चल परिसंपत्तियां, जैसे सूचीगत सामान या भण्डार में सामान)@										
भण्डार उचंत	3,377.42	2.91	31.90	–	–	0.04	188.68	–	–	3,600.95
निर्माण उचंत	5,125.57	–	–	–	–	0.08	–	–	–	5,125.64
विविध अग्रिम	15,558.20	20.53	0.01	–	2,512.36	–	1.37	–	–	18,092.47
सरकारी व अन्य वाणिज्यिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश-सड़क सेवाएं	1,06,443.66	2,984.39	0.01	0.01	–	–	0.20	–	–	1,09,428.27
सरकारी वाणिज्यिक तथा सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश	62,593.56	1,101.33	-	0.01	–	–	–	–	–	63,694.90
जोड़	7,92,657.43	53,449.91	1,10,455.08	1,252.31	2,515.88	1,22,158.81	97,295.34	15,756.05	22,717.99	12,18,258.82

नोट: @ इसमें एसआरएसएफ के विनियोग के ₹11,954.00 करोड़ शामिल नहीं हैं।

31 मार्च, 2025 को कुल बही मूल्य

(₹ करोड़ में)

	ब्याज देय पूंजी (ऋण/ लेखा सहित)	पूंजी निधि	मूआनि एवं विनि सुधार घटक सहित	ओ एल डब्ल्यू आर	यू. एस. मशीनरी और अन्य विविध औजार	रेल संरक्षा निधि	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	विशेष रेल संरक्षा निधि	एस जी एफ	कुल
भूमि	65,580.22	441.51	394.27	3.83	–	5,390.21	453.05	29.48	–	72,292.57
संरचना संबंधी इंजीनियरी कार्य										
स्टेशन और कार्यालय	1,68,522.14	11,861.27	30,800.16	405.74	0.27	29,776.15	15,277.51	561.84	–	2,57,205.08
कारखाने और भंडार की इमारतें	20,592.47	466.82	5,008.40	126.29	–	1,529.33	1,346.28	38.79	–	29,108.38
रिहायशी इमारतें	10,810.34	330.50	4,936.96	75.80	–	2,551.35	259.89	45.27	–	19,010.11
रेलपथ										
संरचना	93,015.91	6,684.08	7,742.13	55.60	0.01	46,069.98	13,641.35	1,558.79	–	1,68,767.85
रेल-पथ का सामान	68,198.16	4,598.24	21,586.59	146.39	–	46,020.33	43,174.42	6,570.15	–	1,90,294.27
पुल	34,412.09	1,555.91	5,370.28	36.09	–	15,995.97	10,180.60	1,494.41	–	69,045.35
चल-स्टॉक										
रेल इंजन और अतिरिक्त बॉयलर	94,691.66	8,876.75	7,601.41	3.80	–	30.98	5,570.60	1,086.84	37,714.27	1,55,576.31
रेलकार और ई.एम. यू. स्टॉक सहित सवारी डिब्बे	61,355.78	5,110.67	5,223.77	0.64	–	4.39	2,127.86	686.02	–	74,509.13
माल डिब्बा	55,399.90	4,750.38	3,547.31	1.04	–	1,341.66	2,425.27	985.73	–	68,451.29
फेरी व्यवस्था	337.48	15.46	9.98	0.01	–	3.15	283.52	–	–	649.59
रेल-सह-सड़क सेवाएं	4,672.04	9.11	1,142.01	21.56	0.23	3,240.51	1,416.73	63.09	–	10,565.28
सार्वजनिक यातायात के लिए सड़क मोटर कारें और वाहन	1,063.86	0.01	-25.82	–	–	3,498.42	7.61	–	–	4,544.08
चल स्टॉक से इतर उपस्कर (मशीनरी और संयंत्र)	75,737.25	4,640.04	18,019.23	375.51	3.01	11,705.99	11,941.75	2,635.64	–	1,25,058.42
उचंत (चल परिसंपत्तियां, जैसे सूचीगत सामान या भण्डार में सामान)@										
भण्डार उचंत	4,874.36	2.91	31.90	–	–	0.12	186.51	–	–	5,095.79
निर्माण उचंत	4,484.31	–	–	–	–	0.00	0.55	–	–	4,484.86
विविध अग्रिम	16,459.33	20.53	0.01	–	2,664.72	–	1.37	–	–	19,145.97
सरकारी व अन्य वाणिज्यिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश-सड़क सेवाएं	1,32,184.49	2,984.39	0.01	0.01	–	–	0.20	–	–	1,35,169.09
सरकारी वाणिज्यिक तथा सार्वजनिक उपक्रमों के शेयरों में निवेश	62,593.56	1,101.33	-	0.01	–	–	–	–	–	63,694.91
जोड़	9,74,985.35	53,449.91	1,11,388.60	1,252.31	2,668.25	1,67,158.54	1,08,295.05	15,756.05	37,714.27	14,72,668.33

नोट: @ इसमें एसआरएसएफ के विनियोग के ₹11,954.00 करोड़ शामिल नहीं हैं।

योजना में रेलों का अंशदान: निधियों के स्रोत/उपयोग

2023-24 (₹ करोड़ में)	निधियों का स्त्रोत	2024-25 (₹ करोड़ में)
	आंतरिक स्त्रोत से सृजन	
3,259.68	वर्ष में आधिक्य (+)	2,660.28
	राजस्व और पूंजी से आरक्षित निधियों में अंशदान	
1,000.00	मूल्यह्रास आरक्षित निधि	1,000.00
0.00	विशेष रेलवे संरक्षा निधि	0.00
0.00	पूंजी निधि	0.00
1,562.24	पेंशन निधि (शुद्ध)	-102.76
0.00	रेल संरक्षा निधि	0.00
0.00	रा.रे.सं.को.	0.00
90.59	निधि शेषों पर ब्याज	142.08
5,912.51	कुल आंतरिक रोकड़ शेष	3,699.60
	सामान्य राजस्व से बजटीय सहायता	
1,75,169.48	(क) पूंजी लेखे पर	1,82,327.85
-	(ख) एस.आर.एस.एफ. के लिए	-
45,000.00	(ग) आर.एस.एफ. के लिए	44,999.73
10,000.00	(घ) आर.आर.एस.के. के लिए	10,000.00
12,478.99	(ङ) एस.जी.एफ. के लिए	14,996.29
-	(च) अस्थायी ऋण के रूप में:	-
0.00	(i) आरक्षित निधि	0.00
0.00	(ii) विकास निधि	0.00
0.00	(iii) पूंजी निधि	0.00
	सामान्य राजस्व से अंशदान (ब्याज रहित)	
-	(क) एस.आर.एस.एफ. के लिए	
-	(ख) आर.एस.एफ. के लिए	-
-	(ग) आर.आर.एस.के. के लिए	-
-	(घ) एस.जी.एफ. के लिए	-
2,42,648.47	सामान्य राजस्व से प्राप्त कुल अंशदान	2,52,323.87
2,48,560.98	**निधियों का समग्र स्त्रोत**	2,56,023.47

IV

2023-24 (₹ करोड़ में)	निधियों का उपयोग	2024-25 (₹ करोड़ में)
	नयी परिसम्पत्तियों की खरीद और वर्तमान परिसम्पत्तियों का बदलाव	
	निम्नलिखित को प्रभारित खरीद :	
1,75,169.48	पूंजी	**1,82,337.85**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
952.66	विकास निधि	**447.53**
45,000.33	रेलवे संरक्षा निधि	**44,999.73**
11,322.17	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**10,999.71**
12,478.99	एस.जी.एफ.	**14,996.29**
0.00	चालू लाइन निर्माण (राजस्व)	**0.00**
667.94	मूल्यह्रास आरक्षित निधि को प्रभारित प्रतिस्थापन	**540.67**
2,45,591.57	**कुल निवेश**	**2,54,311.78**
	निम्नलिखित के लिए प्राप्त ऋणों की अदायगी :	
0.00	विकास निधि	**0.00**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
	अस्थायी ऋणों पर दिया गया ब्याज	
0.00	विकास निधि	**0.00**
0.00	रेलवे पूंजी निधि	**0.00**
2,969.41	निधि शेषों में वृद्धि (+)/कमी (-)	**1,711.69**
2,48,560.98	**निधियों का कुल उपयोग**	**2,56,023.47**
	नोट:	
2,352.14	1 अप्रैल को सभी निधियों में अथशेष	**5,321.62**
5,321.55	31 मार्च को इतिशेष	**7,033.31**
	वृद्धि (+) कमी (–)	
2,969.41	शेष का ब्यौरा इस प्रकार है:	**1,711.69**
351.96	मूल्यह्रास आरक्षित निधि	**493.16**
557.02	विकास निधि	**114.60**
1,600.50	पेंशन निधि	**-38.77**
14.81	रेल पूंजी निधि	**15.31**
-0.33	रेल संरक्षा निधि	**0.00**
437.51	राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष	**1,119.18**
7.94	ऋण सेवा निधि	**8.21**
-	एस.जी.एफ.	**-**
2,969.41	**जोड़**	**1,711.69**

2023-24				2024-25		
बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड़	**मार्ग/रेलपथ किलोमीटर (000)**	**बड़ी लाइन**	**मीटर लाइन**	**छोटी लाइन सहित जोड़**
			मार्ग किलोमीटर			
62.25	–	62.25	विद्युतीकृत	**65.51**	**–**	**65.51**
66.82	1.16	69.18	कुल	**67.37**	**0.89**	**69.44**
			चालित रेलपथ किलोमीटर			
102.50	–	102.50	विद्युतीकृत	**107.43**	**–**	**107.43**
107.35	1.19	109.75	कुल	**109.55**	**0.92**	**111.64**
			कुल रेलपथ किलोमीटर			
125.39	–	125.39	विद्युतीकृत	**131.02**	**–**	**131.02**
132.64	1.27	135.21	कुल	**135.26**	**1.00**	**137.52**
7,314	54	7,461	**स्टेशनों की संख्या**	**7,360**	**50**	**7,469**
			चल स्टॉक (यूनिटों में)			
			रेल इंजन			
–	27	38	भाप	**–**	**27**	**34**
4	–	84	डीजल हाईड्रोलिक एवं यांत्रिक	**–**	**–**	**79**
4,269	42	4,317*	डीजल बिजली	**4,169**	**41**	**4,217**
10,675	–	10,675	बिजली	**11,762**	**–**	**11,762**
			सवारी डिब्बे			
64,945*	224	65,509*	हॉल्ड रेल इंजन	**67,880**	**224**	**68,452**
8,746*	–	8,746*	ई.एम.यू. ट्रेलर	**9,041**	**–**	**9,041**
4,052	–	4,052*	ई.एम.यू. मोटर कोच	**4,222**	**–**	**4,222**
2,522*		2,522*	डेमू/डीएचएमयू	**2,517**	**–**	**2,517**
5	0	9*	रेल कार	**2**	**–**	**6**
			सीटें/शायिकाएं (000)			
1,366.51*	0.11	1,366.62*	वातानुकूलित	**1,470.81**	**0.11**	**1,470.92**
118.52*	-	118.52*	वातानुकूलित कुर्सी-यान	**122.35**	**-**	**122.35**
-	0.11*	2.10*	पहला दर्जा	**-**	**0.11**	**1.86**
3,153.98*	8.56*	3,170.07	दूसरा दर्जा	**3,314.03**	**8.56**	**3,330.80**
1,042.89*	–	1,042.89*	ई.एम.यू. ट्रेलर (सभी दर्जे)	**1,101.84**	**–**	**1,101.84**
426.85*	–	426.85*	ई.एम.यू. मोटर कोच (सभी दर्जे)	**440.63**	**–**	**440.63**
248.98*		248.98*	डेमू/डीएचएमयू	**248.53**		**248.53**
0.36	-	0.43*	रेल कार (सभी दर्जे)	**0.15**	**-**	**0.21**
10,328*	41.00	10,379*	अन्य कोचिंग वाहन (यूनिटों में) (ब्रेक यान सहित)	**10,814.00**	**40.00**	**10,865.00**
2,691	28	2,732*	रेल सेवा वाहन (यूनिटों में)	**3,007**	**28**	**3,070**
			माल डिब्बे (000)			
77.05*	0.57	77.63*	बंद माल डिब्बे	**81.37**	**0.39**	**81.78**
208.93*	0.07	209.00*	खुले माल डिब्बे	**221.04**	**0.07**	**221.11**
26.06*	0.20	26.26*	मवेशी-माल डिब्बे, विस्फोटकों के लिए माल डिब्बे, टिम्बर रेल माल डिब्बे, टंकी और विविध माल डिब्बे।	**26.36**	**0.20**	**26.56**
15.59	0.09	15.69	विभागीय माल डिब्बे (ब्रेक यान सहित)	**16.79**	**0.09**	**16.89**
			फैरी स्टॉक			
–	–	–	पॉवर वेसेल	**–**	**–**	**–**
–	–	–	डम्प क्राफ्ट	**–**	**–**	**–**

* संशोधित

(मिलियन में)

परिचालन

2023-24 बड़ी लाइन	2023-24 मीटर लाइन	2023-24 छोटी लाइन सहित जोड़	गाड़ी किमी.	2024-2025 बड़ी लाइन	2024-2025 मीटर लाइन	2024-2025 छोटी लाइन सहित जोड़
			सवारी गाड़ियों और मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	0.02	0.04	भाप	—	0.02	0.04
102.81	0.91	103.80	डीजल	72.73	0.77	73.56
537.70	—	537.70	विद्युत	588.83	—	588.83
91.68	—	91.68	विद्युत मल्टीपल यूनिट	91.19	—	91.19
41.69*	—	41.69*	#मेमू	47.39	—	47.39
—	—	—	डीएचएमयू	—	—	—
17.74*	—	17.74*	डेमू	17.20	—	17.20
—	—	0.02	रेल कार	—	—	—
—	—	—	रेल बस	—	—	—
			माल गाड़ियों व मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	—	—	भाप	—	—	—
98.75	—	98.75	डीजल	87.09	—	87.09
414.06	—	414.06	विद्युत	432.46	—	432.46
			विभागीय			
—	—	0.01	भाप	—	—	0.01
4.74	0.01*	4.76	डीजल	7.19	0.02	7.21
10.31	—	10.31	विद्युत	7.40	—	7.40
0.22	—	0.22	विद्युत मल्टीपल यूनिट	0.22	—	0.22
0.14	—	0.14*	मेमू	0.12	—	0.12
			शटिंग तथा अन्य इंजन किलोमीटर			
			शटिंग			
—	—	—	भाप	—	—	—
40.96	0.02	40.99	डीजल	45.22	0.02	45.25
28.35*	—	28.35*	विद्युत	35.93	—	35.93
			लाइट, अपेक्षित सहायता, सहायता अपेक्षित नहीं है, साइडिंग और विभागीय			
—	—	—	भाप	—	—	—
117.88*	0.02	117.89	डीजल	96.17	—	96.17
301.39*	—	301.39*	विद्युत	272.40	—	272.40
			इंजन किलोमीटर (ईएमयू और रेल कारों को छोड़कर)			
			सवारी गाड़ियों तथा मिली-जुली गाड़ियों का भाग			
—	0.02	0.04	भाप	—	0.02	0.04
142.98	0.93	144.01	डीजल	101.25	0.79	102.12
615.62	—	615.64	विद्युत	638.37	—	638.37
			माल गाड़ियों तथा मिलीजुली गाड़ियों का भाग			
—	—	—	भाप	—	—	—
218.49	—	218.49	डीजल	200.97	—	200.97
670.07*	—	670.07*	विद्युत	692.90	—	692.90
			विभागीय			
—	0.01	0.01	भाप	—	0.01	0.01
6.08	—	6.10	डीजल	8.83	0.02	8.85
14.98	—	14.98	विद्युत	9.64	—	9.94
			कुल			
—	0.03	0.05	भाप	—	0.03	0.05
366.21	0.95	367.26	डीजल	309.42	0.81	310.31
1,296.00*	—	1,296.00*	विद्युत	1,388.66	—	1,388.66
			वाहन किलोमीटर			
22,646.15*	8.95	22,661.99*	कोचिंग वाहन	23,202.67	6.58	23,217.85
2,233.78	—	2,233.78	इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट सवारी डिब्बे	2,272.05	—	2,272.05
1,214.23*	—	1,214.23*	#मेमू	3,779.04	—	3,779.04
—	—	—	डीएचएमयू	—	—	—
398.86	—	398.86	डेमू	401.82	—	401.82
—	—	—	रेल कार	—	—	—
—	—	—	रेल बस	—	—	—
			माल डिब्बा किलोमीटर			
14,976.22*	—	14,976.22*	लदे हुए	14,181.37	—	14,181.37
23,977.41	—	23,977.41	कुल	22,840.69	—	22,840.69
62.46*	—	62.46*	कुल से लदे हुए का प्रतिशत	62.09	—	62.09

वंदे भारत सहित
* संशोधित

2023-24 बड़ी लाइन	2023-24 मीटर लाइन	2023-24 छोटी लाइन सहित जोड़	यात्री यातायात	2024-25 बड़ी लाइन	2024-25 मीटर लाइन	2024-25 छोटी लाइन सहित जोड़
			प्रारंभिक यात्री (मिलियन में)			
			उपनगरीय			
303.50	0.00	303.50	पहला दर्जा	**328.62**	**0.00**	**328.62**
3,678.02	0.00	3,678.02	दूसरा दर्जा	**3,783.05**	**0.00**	**3,783.05**
3,981.52	0.00	3,981.52	कुल उपनगरीय	**4,111.67**	**0.00**	**4,111.67**
			अनुपनगरीय			
8.38	0.00	8.38	वातानुकूल पहला दर्जा	**10.13**	**0.00**	**10.13**
44.47	0.00	44.47	वातानुकूल शयनयान	**48.29**	**0.00**	**48.29**
211.03	0.00	211.03	वातानुकूल 3-टियर	**234.64**	**0.00**	**234.64**
1.23	0.22	1.76	पहला दर्जा	**1.54**	**0.23**	**2.16**
53.15	0.00	53.24	वातानुकूल कुर्सीयान	**66.56**	**0.00**	**66.71**
			शयनयान दर्जा			
370.35	0.00	370.35	मेल/एक्सप्रेस	**367.56**	**0.00**	**367.56**
0.50	0.00	0.50	साधारण	**0.52**	**0.00**	**0.52**
			दूसरा दर्जा			
1,497.99	1.42	1,499.79	मेल/एक्सप्रेस	**1,261.35**	**0.55**	**1,262.10**
731.47	2.35	734.30	साधारण	**1,185.87**	**1.97**	**1,188.84**
2,918.57	3.99	2,923.82	कुल अनुपनगरीय	**3,176.46**	**2.75**	**3,180.95**
6,900.09	3.99	6,905.34	कुल-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**7,288.13**	**2.75**	**7,292.62**
			यात्री किलोमीटर (मिलियन में)			
			उपनगरीय			
9,591.32	0.00	9,591.32	पहला दर्जा	**10,321.13**	**0.00**	**10,321.13**
1,08,915.01	0.00	1,08,915.01	दूसरा दर्जा	**1,11,365.77**	**0.00**	**1,11,365.77**
1,18,506.33	0.00	1,18,506.33	कुल उपनगरीय	**1,21,686.90**	**0.00**	**1,21,686.90**
			अनुपनगरीय			
4,740.60	0.00	4,740.60	वातानुकूल पहला दर्जा	**5,630.57**	**0.00**	**5,630.57**
35,387.90	0.00	35,387.91	वातानुकूल शयनयान	**38,279.43**	**0.00**	**38,279.43**
1,79,822.28	0.00	1,79,822.28	वातानुकूल 3-टियर	**1,96,438.80**	**0.00**	**1,96,438.80**
119.55	6.62	139.91	पहला दर्जा	**135.13**	**4.87**	**159.81**
16,672.33	0.05	16,679.99	वातानुकूल कुर्सीयान	**21,222.44**	**0.09**	**21,234.98**
			शयनयान दर्जा			
2,67,530.11	0.00	2,67,530.11	मेल/एक्सप्रेस	**2,61,676.88**	**0.00**	**2,61,676.88**
91.98	0.00	91.98	साधारण	**93.99**	**0.00**	**93.99**
			दूसरा दर्जा			
3,98,102.06	98.65	3,98,222.20	मेल/एक्सप्रेस	**4,08,242.77**	**47.73**	**4,08,305.87**
43,289.91	271.70	43,578.37	साधारण	**78,739.21**	**213.27**	**78,993.27**
9,45,756.72	377.02	9,46,193.35	कुल अनुपनगरीय	**10,10,459.22**	**265.96**	**10,10,813.60**
10,64,263.05	377.02	10,64,699.68	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**11,32,146.12**	**265.96**	**11,32,500.50**
			औसत गमन दूरी (किमी)			
			उपनगरीय			
31.60	0.00	31.60	पहला दर्जा	**31.40**	**0.00**	**31.40**
29.60	0.00	29.60	दूसरा दर्जा	**29.40**	**0.00**	**29.40**
29.80	0.00	29.80	कुल उपनगरीय	**29.60**	**0.00**	**29.60**
			अनुपनगरीय			
565.50	0.00	565.50	वातानुकूल पहला दर्जा	**555.70**	**0.00**	**555.70**
795.70	—	795.70	वातानुकूल शयनयान	**792.80**	**—**	**792.80**
852.10	0.00	852.10	वातानुकूल 3-टियर	**837.20**	**0.00**	**837.20**
97.60	30.30*	79.50	पहला दर्जा	**87.60**	**21.70**	**73.90**
313.70	0.00	313.30	वातानुकूल कुर्सीयान	**318.80**	**0.00**	**318.30**
			शयनयान दर्जा			
722.40*	—	722.40*	मेल/एक्सप्रेस	**711.90**	**—**	**711.90**
185.90	—	185.90	साधारण	**180.30**	**—**	**180.30**
			दूसरा दर्जा			
265.80*	69.40	265.50*	मेल/एक्सप्रेस	**323.70**	**86.20**	**323.50**
59.20	103*	59.30	साधारण	**66.40**	**92.60**	**66.40**
324*	88.00	323.62*	कुल अनुपनगरीय	**318.10**	**86.10**	**317.80**
154.20*	88.00	154.20*	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**155.30**	**86.10**	**155.30**

* संशोधित

2023-24 बड़ी लाइन	2023-24 मीटर लाइन	2023-24 छोटी लाइन सहित जोड़	यात्री यातायात से आमदनी (₹ करोड़ में)	2024-25 बड़ी लाइन	2024-25 मीटर लाइन	2024-25 छोटी लाइन सहित जोड़
			उपनगरीय			
600.31	—	600.31	पहला दर्जा	**685.39**	**—**	**685.39**
2,261.24	—	2,261.24	दूसरा दर्जा	**2,342.03**	**—**	**2,342.03**
2,861.55	—	2,861.55	कुल उपनगरीय	**3,027.42**	**—**	**3,027.42**
			अनुपनगरीय			
1,628.19	—	1,628.19	वातानुकूल पहला दर्जा	**1,954.13**	**—**	**1,954.13**
6,670.82	—	6,670.82	वातानुकूल शयनयान	**7,302.69**	**—**	**7,302.69**
25,015.15	—	25,015.15	वातानुकूल 3-टियर	**27,236.88**	**—**	**27,236.88**
4.82	7.59	37.09	पहला दर्जा	**23.26**	**7.65**	**59.63**
3,323.44	0.13	3,326.45	वातानुकूल कुर्सीयान	**4,350.48**	**0.25**	**4,354.41**
			शयनयान दर्जा			
15,113.05	0.00	15,113.05	मेल/एक्सप्रेस	**14,847.46**	**0.00**	**14,847.46**
6.43	0.00	6.43	साधारण	**6.64**	**0.00**	**6.64**
			दूसरा दर्जा			
15,202.30	9.43	15,213.24	मेल/एक्सप्रेस	**14,989.97**	**6.14**	**14,997.14**
807.05	12.08	821.36	साधारण	**1,571.55**	**6.88**	**1,581.12**
67,771.25	29.23	67,831.78	कुल अनुपनगरीय	**72,283.05**	**20.91**	**72,340.10**
70,632.80	29.23	70,693.33	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**75,310.47**	**20.91**	**75,367.52**
			औसत दर/यात्री किलोमीटर (पैसों में)			
			उपनगरीय			
62.6	—	62.6	पहला दर्जा	**66.4**	**—**	**66.4**
20.8	—	20.8	दूसरा दर्जा	**21**	**—**	**21**
24.1	—	24.1	सभी दर्जे (उपनगरीय)	**24.9**	**—**	**24.9**
			अनुपनगरीय			
343.5	—	343.5	वातानुकूल पहला दर्जा	**347.1**	**—**	**347.1**
188.5	—	188.5	वातानुकूल शयनयान	**190.8**	**—**	**190.8**
139.1	—	139.1	वातानुकूल 3-टियर	**138.7**	**—**	**138.7**
40.3	1,147.60	265.1	पहला दर्जा	**172.1**	**1,570.50**	**373.1**
199.3	—	199.4	वातानुकूल कुर्सीयान	**205.0**	**—**	**205.1**
			शयनयान दर्जा			
56.5	—	56.5	मेल/एक्सप्रेस	**56.7**	**—**	**56.7**
69.9	—	69.9	साधारण	**70.7**	**—**	**70.7**
			दूसरा दर्जा			
38.2	95.6	38.2	मेल/एक्सप्रेस	**36.7**	**128.6**	**36.7**
18.6	44.5	18.8	साधारण	**20**	**32.3**	**20**
71.7	77.5	71.7	सभी दर्जे (अनुपनगरीय)	**71.5**	**78.6**	**71.6**
66.4	77.5	66.4	जोड़-उपनगरीय और अनुपनगरीय	**66.5**	**78.6**	**66.5**
			माल यातायात			
		कुल बड़ी लाइन	प्रारंभिक टन (000' में)			**कुल बड़ी लाइन**
15,88,061.00	—	15,88,061.00	राजस्व उपार्जक	**16,14,905.00**	**—**	**16,14,905.00**
1,887.00	—	1,887.00	गैर राजस्व	**2,396.00**	**—**	**2,396.00**
15,89,948.00	—	15,89,948.00	कुल	**16,17,301.00**	**—**	**16,17,301.00**
			शुद्ध टन किलोमीटर (मिलियन में)			
9,73,968.00	—	9,73,968.00	राजस्व उपार्जक	**9,71,085.00**	**—**	**9,71,085.00**
501.00	—	501.00	गैर राजस्व	**375.00**	**—**	**375.00**
9,74,469.00	—	9,74,469.00	कुल	**9,71,460.00**	**—**	**9,71,460.00**
1,65,880.00		1,65,880.00	ढोये गये माल यातायात से आमदनी (₹ करोड़ में)	**1,68,323.61**		**1,68,323.61**
			औसत गमन दूरी (किलोमीटर में)			
613.00	—	613.00	राजस्व उपार्जक	**601.00**	**—**	**601.00**
266.00	—	266.00	गैर राजस्व	**157.00**	**—**	**157.00**
613.00	—	613.00	कुल	**601.00**	**—**	**601.00**
170.31	—	170.31	औसत दर/टन किलोमीटर (पैसों में)	**173.34**	**—**	**173.34**

2023-24 बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन	वाहन और माल डिब्बों का उपयोग :	2024-25 बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन
			वाहन किलोमीटर/वाहन दिन			
458*	45*	116*	सवारी वाहन	**454**	**61**	**47**
399	11	10*	अन्य कोचिंग वाहन	**370**	**–**	**12**
192.00	–	–	माल डिब्बा किलोमीटर/माल डिब्बा दिन	**176.00**	**–**	**–**
5.11	–	–	माल डिब्बा फेरा (दिन)	**5.48**	**–**	**–**
7,851.00	–	–	शुद्ध टन किलोमीटर/माल डिब्बा दिन	**7,292.00**	**–**	**–**
65.00	–	–	चालन में औसत माल डिब्बा भार (टन) (8-पहियों के हिसाब से)	**68.00**	**–**	**–**
			माल गाड़ियों की औसत रफ्तार (किलोमीटर प्रति घंटा)			
			थ्रू माल गाड़ियां			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
27.70	–	–	डीजल	**27.20**	**–**	**–**
23.80	–	–	बिजली	**22.30**	**–**	**–**
24.90	–	–	सभी कर्षण	**23.50**	**–**	**–**
			सभी माल गाड़ियां			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
27.30	–	–	डीजल	**26.40**	**–**	**–**
24.10	–	–	बिजली	**23.10**	**–**	**–**
25.00	–	–	सभी कर्षण	**23.40**	**–**	**–**
			इंजन का उपयोग			
			लाइन पर इंजन कि.मी./दिन/इंजन			
–	9*	5*	भाप	**–**	**9**	**9**
261	72	36*	डीजल	**233**	**66**	**44**
360	–	–	बिजली	**331**	**–**	**–**
			लाइन पर शुद्ध टन किलोमीटर/माल इंजन दिन			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
1,23,625*	–	–	डीजल	**1,07,970**	**–**	**–**
2,22,425*	–	–	बिजली	**2,04,599**	**–**	**–**
			प्रयोग में शुद्ध टन किलोमीटर/माल इंजन दिन			
–	–	–	भाप	**–**	**–**	**–**
3,57,816*	–	–	डीजल	**3,39,109**	**–**	**–**
3,69,592*	–	–	बिजली	**3,37,422**	**–**	**–**
14,007*	–	–	शुद्ध टन कि.मी/माल इंजन घंटा (सभी कर्षण)	**12,779**	**–**	**–**
			माल गाड़ियों का औसत भार (टन)			
1,899	–	–	शुद्ध भार	**1,869**	**–**	**–**
3,160*	–	–	सकल भार (इंजन के वजन सहित)	**3,031**	**–**	**–**

*संशोधित

2023-24 बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड़	घनत्व	2024-25 बड़ी लाइन	मीटर लाइन	छोटी लाइन सहित जोड़
33.84*	2.20	33.14*	गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित रेलपथ किलोमीटर प्रतिदिन	34.20	2.40	33.59
21.72*	2.13	21.30*	यात्री गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित रेलपथ किलोमीटर प्रतिदिन	21.61	2.36	21.23
13.72*	0.06	13.41	माल गाड़ी किलोमीटर प्रतिदिन चालित रेलपथ	13.30	0.08	13.01
			चल स्टॉक की मरम्मत (निष्क्रिय प्रतिशत)			
7.18*	12.24*	7.23*	रेल इंजन	7.06	9.67	9.10
5.11*	6.80*	5.13*	सवारी डिब्बे	5.42	8.83	5.45
7.47*	—	7.47*	अन्य कोचिंग वाहन	7.94	—	7.94
8.48	—	8.48	ईएमयू के डिब्बे	9.37	—	9.37
2.45*	0.00	2.45*	माल डिब्बे	2.88	0.00	2.88
			रेल इंजनों में ईंधन की खपत			
—	—	—	कोयला (000 टन)	—	—	—
1,208.74	2.04	1,212.65	डीजल तेल (000 किलोमीटर)	973.09	1.93	977.11
23,310.74*	—	23,310.74*	बिजली (मिलियन किलोवाट घंटा)	25,385.36	—	25,385.36
1,929.35*	—	1,929.35*	ई.एम.यू. द्वारा बिजली खपत उपनगरीय सेवा (मिलियन किलोवाट घंटा)	1,981.79	—	1,981.79
—	—	—	**प्रति 1000 सकल टन किलोमीटर खपत**			
			सवारी तथा मिश्रित			
3.42*	3.88	3.43*	कोयला (किलोग्राम)	—	—	—
18.80*	—	18.80*	डीजल तेल (लीटर)	1.88	4.68	1.90
—	—	—	बिजली (कि.वा.घं.)	18.70	—	18.70
			माल तथा मिश्रित			
1.98	—	1.98	कोयला (किलोग्राम)	—	—	—
6.22*	—	6.22*	डीजल तेल (लीटर)	1.46	—	1.46
	—		बिजली (कि.वा.घं.)	6.50	—	6.50

वर्ग क और ख	वर्ग ग	वर्ग घ	जोड़	कार्मिक	वर्ग क और ख	वर्ग ग	वर्ग घ	जोड़
				संख्या (000)				
12.94	1,179.23	–	1,192.17	चालू लाइन	13.13	1,159.85	–	1,172.980
1.64	12.51	–	14.15	निर्माण	1.66	11.75	–	13.41
0.94	38.00	–	38.94	उत्पादन इकाईयाँ	1.01	35.94	–	36.95
1.52	5.40	–	6.92	रेलवे बोर्ड तथा अन्य रेलवे कार्यालय	1.39	4.26	–	5.65
17.04	1,235.14	–	1,252.18	कुल	17.19	1,211.80	–	1,228.99
5,874.91	1,67,765.08	–	1,73,639.99	कुल वेतन (₹ करोड़ में)	6,214.30	1,79,004.03	–	1,85,218.32
3,449.54	1,358.30	–	1,386.70	प्रति कर्मचारी औसत वार्षिक वेतन (₹000 में)	3,615.06	1,477.17	–	1,507.07

2023-24	भण्डार की खरीद (₹ करोड़ में)	2024-25
75,354	स्वदेशी आयातित	76,967
347	प्रत्यक्ष	250
92	भारत में खरीद	142
75,793	जोड़	77,359

*संशोधित

गोदावरी आर्क सेतु

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
Government of India
रेल मंत्रालय
Ministry of Railways
(रेलवे बोर्ड)
(Railway Board)

सांख्यिकी एवं अर्थ निदेशालय, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)
भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित